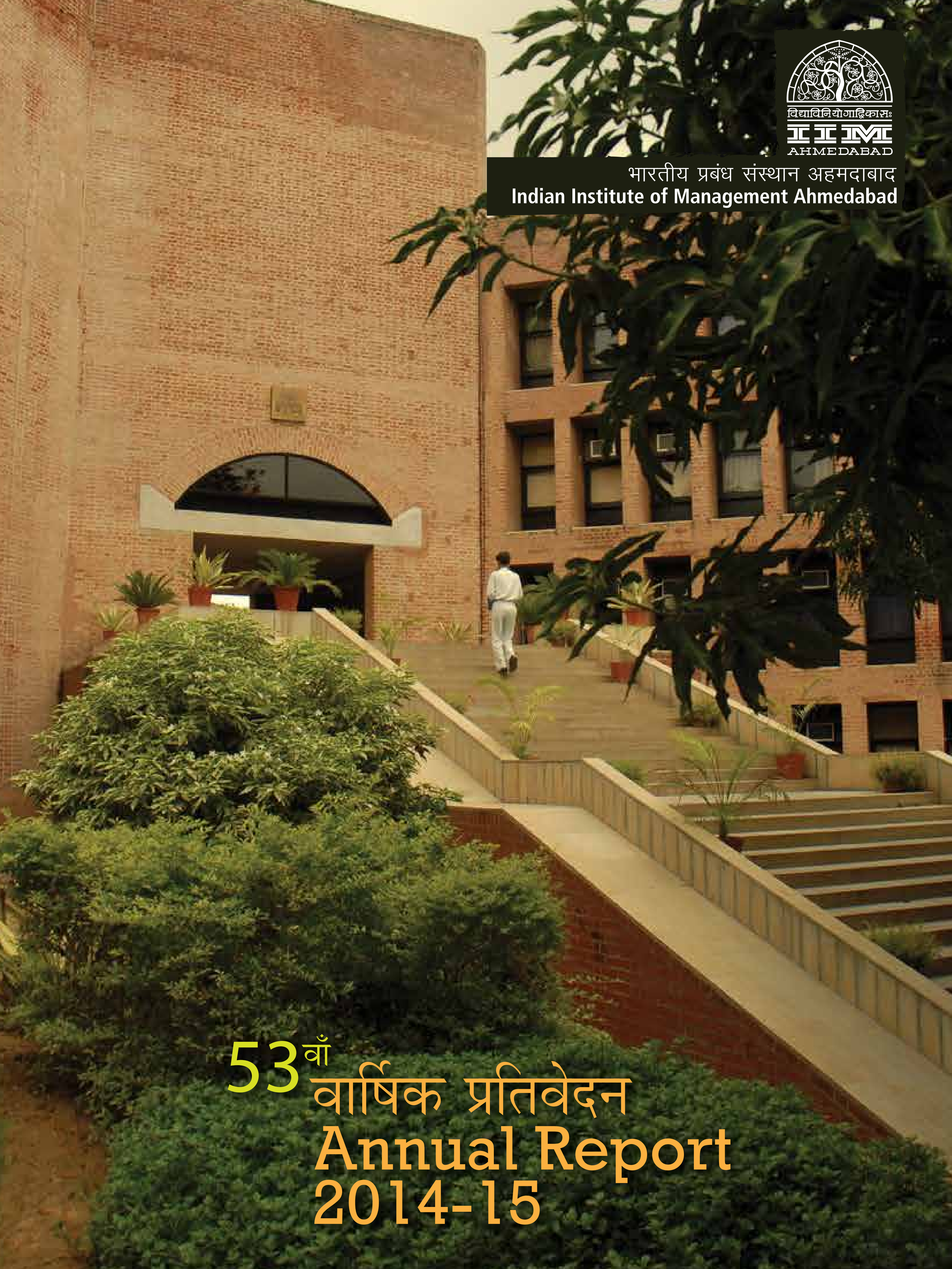

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

Indian Institute of Management Ahmedabad

# 53वाँ वार्षिक प्रतिवेदन

# Annual Report 2014-15

## संस्थापक प्रणेता

डॉ. जीवराज एन. मेहता

कस्तूरभाई लालभाई

डॉ. विक्रम ए. साराभाई

## पूर्व अध्यक्ष

डॉ. जीवराज एन. मेहता

श्री प्रकाश टंडन

श्री एस.एल. किर्लोस्कर

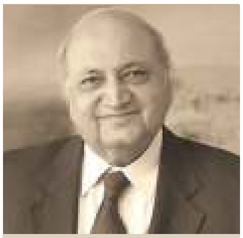
श्री केशव महिन्द्रा

श्री वी. कृष्णमूर्ति

श्री ए.पी. वेंकटेश्वरन

प्रोफेसर एस.के. खन्ना

डॉ. आई. जी. पटेल

श्री एन.आर. नारायण मूर्ति

डॉ.विजयपत सिंघानिया

## वर्तमान अध्यक्ष

श्री ए. एम. नायक

## वर्तमान निदेशक

प्रोफेसर आशिष नन्दा

## पूर्व निदेशक

डॉ. विक्रम ए. साराभाई

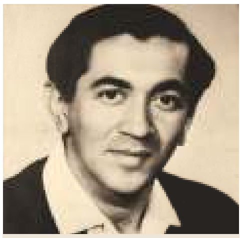
प्रोफेसर रवि जे. मथाई

डॉ. सैम्युअल पॉल

प्रोफेसर वी. एस. व्यास

डॉ. आई. जी. पटेल

प्रोफेसर एन. आर. शेठ

प्रोफेसर पी. एन. खांडवाला

प्रोफेसर जहर साहा

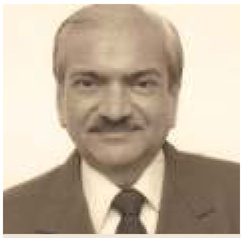
प्रोफेसर बकुल एच. धोलकिया

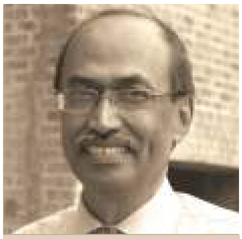
प्रोफेसर समीर के. बरुआ

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद
Indian Institute of Management Ahmedabad

# 53वाँ
# वार्षिक प्रतिवेदन
# 2014-15

# विषयसूची


**वर्ष का सिंहावलोकन एवं भावी योजना** **5**

**शैक्षणिक कार्यक्रम** **10**

1. प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम 10
2. कृषि व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम 15
3. कार्यपालकों के लिए प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपीएक्स) 16
4. प्रबंध में फैलो कार्यक्रम 18
5. प्रबंध में संकाय विकास कार्यक्रम 19

स्थानन 19

दीक्षांत समारोह 22

**कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम** **23**

**अनुसंधान और प्रकाशन** **24**

*विकल्प : निर्णयकर्ताओं का जर्नल* 24

**केस केंद्र** **26**

**अंतर्विषयक केन्द्र एवं समूह** **27**

1. लिंग समानता, विविधता, और समावेशिता केन्द्र (जेडी सेंटर) 27
2. अवसंरचना नीति और नियमन केन्द्र 29
3. नवप्रवर्तन ऊष्मायन एवं उद्यमिता केन्द्र 30
4. कृषि प्रबंधन केन्द्र 36
5. स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन केन्द्र 37
6. खुदरा बिक्री केन्द्र 38
7. सार्वजनिक प्रणाली समूह 38
8. रवि जे. मथाई शैक्षणिक नवप्रवर्तन केन्द्र (आरजेएमसीईआई) 39

**अनुशासनिक क्षेत्र** **41**

1. व्यापार नीति 41
2. संचार 42
3. अर्थशास्त्र 42
4. वित्त एवं लेखाकरण 43
5. सूचना प्रणालियाँ 44
6. विपणन 44
7. संगठनात्मक व्यवहार 45
8. कार्मिक और औद्योगिक संबंध 46
9. उत्पादन एवं मात्रात्मक तरीके 46

**अहमदाबाद और गाँधीनगर शैक्षणिक समूह** **48**

**पूर्वछात्र गतिविधियाँ** **49**

**संचार एवं डिजिटल विपणन** **53**

**वैश्विक भागीदारी और कॉर्पोरेट मामले** **55**

**सहायता अनुदान** **60**

**बुनियादी ढाँचे का विकास** **61**

**कार्मिक** **62**

**छात्र गतिविधियाँ** **64**

**विक्रम साराभाई पुस्तकालय** **83**

**कल्याण गतिविधियाँ** **86**

**परिशिष्ट** **89**

# दृष्टि

उद्यमों के अग्रणियों को शिक्षण

# लक्ष्य

भारत और अन्य देशों को बदलने के लिए अनुसंधान एवं निर्माण पर आधारित वैश्विक महत्त्व के नए विचारों को उत्पन्न करने तथा प्रचार के माध्यम से जोखिम उठाने वाले ऐसे अग्रणी-प्रबंधक तैयार करना जो संगठनों के प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए प्रबंधकीय एवं प्रशासनिक प्रथाओं को बदल सकें।

# उद्देश्य

- प्रबंधन और उसके अंतर्निहित विषयों के लिए जो प्रासंगिक है ऐसे अनुप्रयुक्त और संकल्पनात्मक अनुसंधान के माध्यम से ज्ञान का सृजन करना, और इस ज्ञान का प्रकाशनों के माध्यम से प्रसार करना।

- संगठनों के सभी प्रकारों में प्रबंधन में कैरियर और संबंधित क्षेत्रों के लिए युवा पुरूषों एवं महिलाओं को तैयार करने के लिए शैक्षणिक सुविधाएँ स्थापित करना।

- प्रबंधन से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता के साथ प्रबंधन शिक्षकों और शोधकर्ताओं को विकसित करना।

- नवाचार और अत्याधुनिक प्रबंधन शिक्षा कार्यक्रमों के माध्यम से अभ्यासरत प्रबंधकों के निर्णय निर्धारक कौशलों एवं प्रशासनिक क्षमता में सुधार करना और शिक्षा जारी रखने के लिए अवसर उपलब्ध कराना।

- परामर्शी सेवाएँ उपलब्ध कराना ताकि – क) संगठनों में निर्णय निर्धारक कौशलों एवं प्रक्रियाओं को, और ख) सार्वजनिक नीतियों की प्रभावशीलता को बढ़ाया जा सके।

- सार्थक सहयोग के माध्यम से अपनी क्षमताओं के निर्माण द्वारा अन्य प्रबंधन स्कूलों में प्रबंधन शिक्षा और अनुसंधान की गुणवत्ता में सुधार लाना।

- उपरोक्त उद्देश्यों में से किसी एक अथवा सभी के संदर्भ में संस्थान का संचालन और संबंधों का वैश्विकीकरण करना ताकि वैश्विक स्तर पर सम्मानित भारत में पूर्व-प्रख्यात प्रबंधन स्कूल के रूप में उभर सके।

# वर्ष का सिंहावलोकन एवं भावी योजना

इस संस्थान को अपना जीवन समर्पित करने वाले कई लोगों के अथक प्रयासों के कारण ही इस वर्ष हमने पीजीपी कार्यक्रम का 50वाँ महत्वपूर्ण दीक्षांत समारोह मनाया है जो हमारे लिए एक उपलब्धि है। आज हमने इन दिग्गजों के कंधों के बल पर काफी दूरी तय कर ली है। संस्थान ने जो भी हासिल किया है या प्राप्त करने की उम्मीद है, वह हमारी पूर्व पीढ़ियों के समर्पित कामों की नींव पर निर्मित है।

हमने उद्यमों के अग्रणियों को शिक्षित करने के उद्देश्य से स्वयं को पुनःसमर्पित किया है। उस उद्देश्य के लिए, हमने इन गतिविधियों को प्राथमिकता प्रदान की है - संबंध, पोषण, और विकास। यह लेख हमारे संस्थान के मौजूदा सफर और आगे के नेतृत्व को देखने का एक अवसर प्रदान करता है। मैंने यहाँ कुछ पहलों पर प्रकाश डाला है जिन्हें हमने पिछले एक वर्ष के दौरान संस्थान में शुरू किया है, और इनमें से कुछ को हम प्रत्येक की प्राथमिकता के आधार पर करने का प्रयास कर रहे हैं।

हमारा उद्देश्य इन चार क्षेत्रों को मजबूत करना है - पूर्व छात्र, अनुसंधान, अभ्यास और समुदाय। इस पिछले वर्ष, हमने हमारे पूर्व छात्रों तक पहुंचने के लिए एक अभूतपूर्व प्रयास किया है। दिसंबर और जनवरी में आईआईएमए में आयोजित सात पूर्वछात्र पुनर्मिलन समारोहों में 350 से अधिक पूर्व छात्रों और उनके परिवारों ने भाग लिया। हमारे डीन (पूर्व छात्र एवं बाह्य संबंध) और मैंने भारत में और विदेश में बारह पूर्व छात्र शाखाओं का दौरा साथ में किया है। इन बैठकों में से कई बैठकें कार्यशालाओं, पैनल चर्चाओं, या सार्वजनिक व्याख्यान पर आयोजित की गई थी। हमारे पूर्व छात्रों ने चैप्टरों की इन बैठकों में आने का आनंद लिया और संस्थान के साथ संबंधों को मजबूत करने की तीव्र इच्छा व्यक्त की। आने वाले वर्ष में, ऐसी उम्मीद है कि हम अपने पूर्व छात्रों के साथ गहनता से जुड़ें ताकि वे जुड़ा हुआ महसूस कर सकें और वे नई सोच तथा संस्थान के विकास से अवगत रहें बल्कि अपने अनुभव और अंतर्दृष्टि का योगदान करने के लिए भी वे सक्षम बने रहें।

अनुसंधान के सिलसिले को मजबूत करने के लिए, हमने प्रबंधन अकादमी जैसे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लेने के ठोस प्रयास किए हैं। हमने नीति निर्माताओं तथा चिंतनशील व्यवसायियों के समक्ष अनुसंधान को प्रकाश में लाने के लिए एक नीति सम्मेलन और एक

सोसाइटी सम्मेलन की पहल की है, और देश तथा विदेशों से आए डॉक्टरेट के छात्रों के लिए एक समर स्कूल की पहल की है। हमने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पर एक सम्मेलन का आयोजित करने के लिए सामाजिक उद्यम में विश्व प्रसिद्ध हस्ती हमारे पूर्व छात्र प्रोफेसर काश रंगन के साथ सहयोग किया है। हमने कानून और अर्थशास्त्र पर एक सम्मेलन आयोजित करने के लिए जीएनएलयू और आईआईटी कानपुर के साथ काम किया है। ये प्रयास हमारे अनुसंधान एवं प्रकाशन कार्यालय द्वारा आयोजित नियमित अनुसंधान सेमिनारों और अखिल-आईआईएम डेटा विश्लेषिकी, उभरती अर्थव्यवस्थाओं में विपणन और भारत वित्त सम्मेलनों के लिए हमारी सतत प्रतिबद्धता के पूरक हैं। हमारी प्रबंधन पत्रिका विकल्प ने अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रकाशन गृह सेज के साथ करार किया है। इस आने वाले वर्ष के दौरान, चल रही गौरवशाली प्रतिबद्धताओं के अलावा, हम एक वैश्विक साझेदारी के सहयोग से एक नई विपणन पत्रिका और एक नई ई-पत्रिका आरम्भ करने की उम्मीद कर रहे हैं, सर्दियों के महीनों के दौरान विश्व स्तर के संकाय की अगुवाई वाली औपचारिक वार्ता आयोजित करने, और आगंतुक अनुसंधान नियोजित भेटों को प्रोत्साहित करने की उम्मीद कर रहे हैं।

हमने अभ्यास के साथ संबंधों को मजबूत बनाने के लिए हमारे कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम को सुदृढ़ एवं व्यवस्थित बनाने की कोशिश की है। पिछले वर्ष, 4,000 से अधिक मध्यम स्तर के एवं वरिष्ठ स्तर के अधिकारियों ने 130 से अधिक कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों में भाग लिया। मध्य पूर्व क्षेत्र से हमारे कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम में काफी संख्या में प्रतिभागी आते हैं, और सशस्त्र सेनाबल के अनुभवी जो कॉर्पोरेट क्षेत्र में अपना दूसरा कैरियर शुरू करना चाहते हैं उनके कार्यक्रम पर हमें गर्व है।

उत्तरी अमेरिका के बाहर, विश्व में संभवतः आईआईएमए विपुल संख्या में क्षेत्र आधारित केस अध्ययनों का उत्पादक और उपयोगकर्ता है। हमने संस्थान में एक केस सेंटर स्थापित किया है ताकि हमारे केस लेखन, वितरण और अध्यापन क्षमता को मजबूत किया जा सके। हमारे केस सेंटर ने हार्वर्ड बिजनेस पब्लिशिंग और आइवी स्कूल के साथ वितरण संबंध बनाए हैं।

आने वाले इस वर्ष के दौरान, हम कार्यकारी शिक्षा को सुदृढ़ करना चाहते हैं, हार्वर्ड यूनिवर्सिटी जैसे अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के साथ संयुक्त कार्यक्रम पेश करना चाहते हैं, विशेषकर भारतीय महासागर के तटीय राज्यों में कार्यकारी शिक्षा में हमारी अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति को मजबूत करना चाहते हैं, और भौगोलिक रूप से इधर-उधर फैले हुए व्यवसायियों तक पहुंचने के लिए ई-लर्निंग क्षमता विकसित करना चाहते हैं। हम केस अध्यापन के बारे में हार्वर्ड बिज़नेस पब्लिशिंग के साथ मिलकर कार्यशालाओं की पेशकश करने की योजना बना रहे हैं और हमारे संकायों को केस अध्यापन पर वैश्विक संवाद के लिए विदेश भेजना चाहते हैं। हम ऐसे व्यवसायियों को आमंत्रित करना चाहते हैं जिन्होंने उत्तरदायित्व के पदों पर कई वर्ष बिताए हैं और उन्हें प्रबंधन मे सतत कार्यरत प्रोफ़ेसरों के रूप में हमारे संकायों के साथ जोड़ना चाहते हैं ताकि वे अपने दृष्टिकोण एवं ज्ञान को हमारे छात्रों एवं संकायों के साथ साझा कर सकें।

समुदाय के साथ संबंध को मजबूत बनाने के लिए, हम हमारे संस्थापकों द्वारा प्रदीप्त पथ का अनुसरण कर रहे हैं। रवि मथाई की प्रतिबद्धता आज भी हमारे सहकर्मियों द्वारा जवाजा कारीगर गठबंधन के साथ जारी है। पिछले वर्ष, हमने कॉलेज के छात्रों के लिए "आईआईएमए में एक दिन" मुक्त दिन का आयोजन परिसर जीवन का अनुभव कराने के लिए किया। प्रयास के तत्वावधान में, हमारे पीजीपी छात्रों ने वंचित पृष्ठभूमि से आए बच्चों के साथ स्वयंसेवी काम किया है। शिक्षा के अधिकार अधिनियम को कार्यान्वित करने में सहायता के लिए हमारे संकायों और छात्रों ने स्थानीय स्कूलों और समुदायों के साथ काम किया है। हमारे हैरिटेज क्लब के सदस्यों ने आईआईएमए समुदाय के सदस्यों को अहमदाबाद शहर के ऐतिहासिक हिस्सों की यादगार सैर कराई थी।

इस आने वाले वर्ष में, हमने वर्तमान गतिविधियों को जारी रखने के अलावा, बच्चों को संवर्धन कार्यक्रम प्रदान करने के लिए हैरिटेज परिसर के सामने पुल के नीचे की जगह का उपयोग करने की योजना बनाई है और अहमदाबाद-गाँधीनगर शैक्षिक समूह स्थापित करने के लिए स्थानीय शैक्षणिक संस्थानों के साथ सहयोग किया है।

30 से अधिक वर्ष तक, हमने हमारे संकाय विकास कार्यक्रम के माध्यम से प्रबंधन विद्वानों की शिक्षा में योगदान दिया है। राष्ट्र में क्षमता निर्माण के लिए सार्थक योगदान करने के लिए, हमने नए आईआईएम को नागपुर में स्थापित करने में अनुभवी परामर्शदाता की भूमिका निभाने की पेशकश की है।

उच्च कार्यनिष्पादन के माहौल के पोषण के लिए, हम शिक्षाकार्यों और साथ में पाठ्यक्रमेतर गतिविधियों में संलग्न होने के लिए हमारे छात्रों को प्रोत्साहित करते हैं। अपने 60,000 उपस्थितगण के साथ कॉनफ़्लुअन्स, केओस, एंत्रे मेला, इनसाइट, और कनेक्शन, संघर्ष में उनकी सफलता आदि के साथ, दो दर्जन से अधिक सक्रिय हमारे क्लबों ने, खेल आयोजनों और समारोहों के साथ वह प्रभाव डाला है कि हमारे छात्र केवल शिक्षा में ही नहीं, अपितु समग्र क्षेत्रों में उत्कृष्टता का प्रदर्शन अच्छी तरह से करते हैं।

एक उच्च कार्यनिष्पादन वाले काम के माहौल में पूरे समुदाय की शिक्षा को समृद्ध करने के लिए संपूर्ण पृष्ठभूमि और अनुभव वाले व्यक्तियों को प्रोत्साहित किया जाता है। प्रवेश प्रक्रिया में उम्मीदवारों के गुणों के समग्र मूल्यांकन पर अधिक ध्यान देकर, हमारे पीजीपी कक्षा प्रवेश में 28 महिलाएँ शामिल हुईं, जो संस्थान के इतिहास में सबसे ज्यादा संख्या है, और पिछले वर्गों की तुलना में अधिक विविध अनुशासनात्मक पृष्ठभूमि है।

आने वाले वर्ष में, हम विदेशी उम्मीदवारों को पीजीपी सीटों की पेशकश करके हमारे कार्यक्रम में प्रवेश करने वाले छात्रों के समृद्ध मिश्रण से प्रोत्साहित करना जारी रखने की उम्मीद करते हैं, जो हमारे फैसले में, कुछ कार्यानुभव से लाभान्वित हो सकते हैं। हम अपने छात्र विनिमय कार्यक्रम को मजबूत करने की योजना बना रहे हैं, जिसमें पिछले वर्ष हमारे 128 पीजीपी छात्र गए, दोहरी डिग्री के अवसर और अंतरराष्ट्रीय निमज्जन कार्यक्रम, जो सभी समृद्ध अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन प्रदान करते हैं।

एक जीवंत अनुसंधान वातावरण बनाए रखने के लिए, और देश में प्रबंधन शिक्षा में योगदान जारी रखने के लिए, हम लगातार हमारे एफपीएम कार्यक्रम के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस विगत वर्ष, हमने अपने एफपीएम कार्यक्रम को काफी कठोर और प्रासंगिक बनाए रखने के लिए पुनर्निर्माण किया। हमने अपने पीजीपी कार्यक्रम और हमारे पीजीपी-एबीएम कार्यक्रम का भी पुनर्निर्माण किया है, जिसका नाम बदलकर 'खाद्य और कृषि व्यवसाय' के महत्व पर जोर देने के लिए पीजीपी-एफएबीएम किया गया है और हमारा पीजीपीएक्स कार्यक्रम समीक्षा की प्रक्रिया में है। इन सभी परिवर्तनों के माध्यम से, हमने हमारे संकायों को वैकल्पिक पाठ्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित किया है, जिससे पढ़ाई में जोश-खरोश और ऊर्जा का वातावरण बना रहे। हमारा नवप्रवर्तन, ऊष्मायन एवं उद्यमिता केंद्र तेजी से बड़ी संख्या में स्नातक छात्रों और पूर्व छात्रों को उद्यमिता के लिए आकर्षित करने के लिए समर्थन और पारिस्थितिकी तंत्र की दिशा में मार्ग प्रशस्त कर रहा है।

हमारे संकायों ने अपनी स्वयं की पहल पर एक कार्य-निष्पादन केडिट प्रणाली की स्थापना की है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि व्यक्तिगत संकाय लक्ष्यों का संस्थागत लक्ष्यों के साथ गठबंधन किया जा रहा है और उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान और शिक्षण में संलग्नता के लिए संकायों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। स्वायत्तता और विस्तार का माहौल अनुसंधान उत्पादकता में एक महत्वपूर्ण बढ़त के साथ बढ़ा है। हम संकाय पुष्टिकरण और पदोन्नति मानदंडों में सुधार कर रहे हैं और उम्मीद है कि आने वाले वर्ष में संकायों में ये प्रसारित करें, ताकि मानदंडों पर पारदर्शिता और संरेखण हो सके।

हम अपने कार्यकलापों को आगे बढ़ाने और उत्कृष्ट कार्य को पहचानने तथा पुरस्कृत करने के लिए संकायों को संसाधन एवं ऐसा माहौल प्रदान करके उच्च प्रदर्शन का पालन करना जारी रखना चाहते हैं। सम्मान देने तथा उत्कृष्ट संकायों की भर्ती करने के लिए हमारे पूर्व छात्रों और कॉर्पोरेट शुभचिंतकों ने 11 संकाय अध्यक्ष पदों में योगदान दिया है। आने वाले महीनों में, हम उम्मीद करते हैं कि इन अध्यक्ष पदों के लिए प्रत्येक पर एक संकाय को नियुक्त करें, भले ही हम अधिक अध्यक्ष पदों के लिए धन जुटाने के लिए पूर्व छात्रों और दाताओं के साथ काम करें।

हमने इस पिछले वर्ष एक रणनीतिक तरीके से विकास करने के लिए कदम उठाए हैं, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि हम अपने सामरिक महत्व पर ध्यान केंद्रित करें और गुणवत्ता मानकों को बनाए रखें। हमारे संकायों की संख्या बढ़कर 95 हो गई है। कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम में पिछले वर्ष काफी वृद्धि हुई है। हम आने वाले वर्ष में गतिविधि स्तर में वृद्धि जारी रखने की योजना बना रहे हैं। शारीरिक क्षमता के अनुरूप, हमारे पीजीपी कार्यक्रम का विस्तार होना जरूरी है। पीजीपीएक्स की समीक्षा इस बात पर विचार कर रही है कि क्या कार्यक्रम समूह बढ़ाना है। हम निकट भविष्य में एक सार्वजनिक नीति कार्यक्रम की स्थापना करने पर भी विचार कर रहे हैं।

जैसे-जैसे हमारे कार्यक्रम बढ़ते हैं, भौतिक बुनियादी ढाँचा हमारे लिए बाध्यकारी बाधा बन जाता है। हमने हमारे प्यारे लेकिन पुराने हैरिटेज परिसर को संरक्षित करने और पुनर्स्थापित करने के लिए हमारी महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप हमारी भौतिक पहचान को विकसित करने के लिए एक कुशल वास्तुकार को नियुक्त किया है। हमारी इलेक्ट्रॉनिक एवं संचार अवसंरचना को भी एक महत्वपूर्ण सुधार की आवश्यकता है। हम आने वाले वर्ष में इस महत्वपूर्ण बहु-वर्षीय उन्नयन परियोजना को शुरू करने की योजना बना रहे हैं।

हमने पिछले साल प्रगति की है और आने वाले वर्ष में हमारी प्राथमिकताओं के अनुरूप आगे बढ़ना जारी रखने की योजना बनाई है। यह उत्साहजनक रहा कि इक्विस सहकर्मी समीक्षा टीम ने अपनी हाल की यात्रा में हमारी प्राथमिकताओं को मान्यता दी है और पाँच साल के लिए हमारी मान्यता को नवीनीकृत किया है। पहली बार हमने इतनी लंबी अवधि के लिए नवीनीकरण प्राप्त किया है, जो इक्विस मानदंडों के तहत अनुज्ञेय अधिकतम समय की अवधि है।

हालांकि, मुझे कोई भ्रम नहीं है। जो भी हमने पूरा किया है, वह हमारे पूरे समुदाय के साथ मिलकर काम करने के कारण ही संभव हुआ है, जो प्रमुख संस्थान के रूप में उद्यमों के अग्रणियों को शिक्षित करने के हमारे लक्ष्य को हांसिल करने के लिए काम कर रहे हैं, और मैं अपने साझा प्रयास में सभी के सतत सहयोग के लिए प्रतीक्षारत हूँ।

**आशीष नंदा**

# शैक्षणिक कार्यक्रम

वर्तमान में, संस्थान अलग-अलग अवधियों के पाँच शैक्षणिक कार्यक्रम चलाता है : प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) (एमबीए के समकक्ष); कृषि व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी-एबीएम) (एमबीए के समकक्ष); कार्यकारी अधिकारियों के लिए प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपीएक्स); प्रबंधन में फैलो कार्यक्रम (एफ़पीएम) (पीएच.डी. के समकक्ष); और प्रबंधन शिक्षकों और प्रशिक्षकों के लिए संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी)।

## 1. प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

सन् 1964 से प्रस्तुत, संस्थान द्वारा पेश किया गया प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) सबसे लंबे समय से चल रहा कार्यक्रम है।

प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) का 51वाँ बैच 394 छात्रों के साथ, 26 जून, 2014 को शुरु हुआ। वर्ष के अंत में, 393 छात्र द्वितीय वर्ष के लिए प्रोन्नत हुए।

इस कार्यक्रम (स्वर्ण जयंती बैच) का द्वितीय वर्ष 375 छात्रों के साथ, 11 जून, 2014 को शुरू हुआ। द्वितीय वर्ष के अंत में, 377 छात्र (दोहरी उपाधि कार्यक्रम सहित) स्नातक हुए।

विवरण **परिशिष्ट क1** में दिये गये हैं।

श्रेणी के अनुसार छात्रों का विवरण निम्न प्रकार है :

| छात्र | सामान्य | एनसी-ओबीसी | अनुसूचित जाति | अनुसूचित जनजाति | विकलांग | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|
| प्रथम वर्ष | 185 | 104 | 62 | 28 | 14 | 393 |
| द्वितीय वर्ष | 186* | 99 | 54 | 28 | 10 | 377 |

*चार दोहरी उपाधि के छात्र शामिल हैं।

### तैयारी कार्यक्रम

तैयारी कार्यक्रम को उन नए प्रविष्ट छात्रों के मतलब से तैयार किया गया है, जो संचार एवं गणितीय कौशलों में अपेक्षाकृत कमजोर हैं। नियमित सत्र के शुरू होने से पहले, 02 जून से 13 जून, 2014 के दौरान आयोजित इस कार्यक्रम में 99 छात्रों ने भाग लिया।

### परिचय कार्यक्रम

नए प्रवेश प्राप्त छात्रों के लिए 18 से 20 जून, 2014 के दौरान परिचय कार्यक्रम चलाया गया। इसमें डीन एवं पीजीपी-अध्यक्ष के संबोधनों के अतिरिक्त, पीजीपी कार्यकारी समिति के साथ संवाद तथा कंप्यूटर एवं पुस्तकालय-सुविधाओं के उपयोग से संबंधित जानकारी परिचय कार्यक्रम में शामिल थी। नए छात्रों को हार्वर्ड केसों से परिचित कराने के लिए केस-तैयारी एवं केस-पद्धति पर भी एक विस्तारित सत्र का आयोजन किया गया जो कि एक प्रमुख शैक्षणिक साधन है।

### पाठ्यक्रम

नवीनतम अनुसंधानों के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए पाठ्यक्रम को पीजीपी समीक्षा समिति द्वारा समय-समय पर संशोधित किया जाता है। इस वर्ष, प्रथम वर्ष के छात्रों ने छह स्लॉटों में विस्तारित 31 अनिवार्य पाठ्यक्रम (25.50 क्रेडिट) लिये। दूसरे वर्ष में, छात्रों को वैकल्पिक पाठ्यक्रम के न्यूनतम 17 और अधिकतम 20 क्रेडिट पूरे करने थे। दूसरे वर्ष के दौरान, कुल 126 पाठ्यक्रमों को पेश किया गया, इनमें से 17 वैकल्पिक पाठ्यक्रमों को पहली बार पेश किया गया। ये इस प्रकार हैं :

| | |
|---|---|
| विमानन व्यापार रणनीतियाँ | व्यावसायिक सेवा कंपनियों के लिए नेतृत्व |
| टीम और नेतृत्व प्रभावशीलता के लिए संचार कौशल | संगठनात्मक कार्यनिष्पादन के लिए प्रबंधन नियंत्रण और मेट्रिक्स |
| सीएसआर : प्रभाव के लिए पैसों का रूपांतरण | लघु वित्त प्रबंधन |
| भारत में कारोबार करना | प्रबंधन में रहस्य |
| कर्मचारी कार्यनिष्पादन प्रबंधन और मूल्यांकन प्रणाली | सामाजिक व्यापार की कार्य प्रणाली : मानव केंद्रित समस्या को सुलझाना |
| स्वास्थ्य बीमा | इंटरनेट अर्थव्यवस्था में रणनीतियाँ |
| सेवा क्षेत्र में मानव संसाधन प्रबंधन | भारतीय अर्थव्यवस्था में सामरिक परिवर्तन और बदलाव |
| नवाचार, अस्तित्व | स्वास्थ्य देखभाल में जोखिम उठाना |
| अंतर्राष्ट्रीय व्यापार : सिद्धांत और नीति | |

### दोहरी उपाधि कार्यक्रम और एक सत्रीय विनिमय कार्यक्रम

#### दोहरी उपाधि कार्यक्रम

शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्रों में शैक्षिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को विकसित करने के लिए, संस्थान स्नातकोत्तर स्तर पर दोहरी उपाधि कार्यक्रम के लिए निम्नलिखित विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग कर रहा है :

| |
|---|
| ईएसएसईसी, सेडेक्स, फ्रांस |
| बोकोनी विश्वविद्यालय, मिलान, इटली |
| एचईसी प्रबंधन स्कूल, पेरिस, फ्रांस |
| यूरोपीय बिजनेस स्कूल (ईबीएस), ओस्ट्रिच – विंकेल, जर्मनी |
| कोलोन विश्वविद्यालय, जर्मनी |

द्वितीय वर्ष के ग्यारह छात्रों ने ईएसएसईसी बिजनेस स्कूल, बोकोनी विश्वविद्यालय, एचईसी, और यूरोपीय बिजनेस स्कूल में दोहरी उपाधि कार्यक्रमों में भाग लिया। इसी समय, बोकोनी विश्वविद्यालय से पांच छात्रों ने और एचईसी से दो छात्रों ने पीजीपी के दूसरे वर्ष में भाग लिया।

#### एक सत्रीय विनिमय कार्यक्रम

संस्थान ने पीजीपी का अंतर्राष्ट्रीयकरण करने और छात्रों को अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन प्रदान करने के क्रम में शैक्षणिक वर्ष 2014-15 के दौरान छात्रों के विनिमय के लिए कई अंतरराष्ट्रीय बिजनेस स्कूलों के साथ सहयोग जारी रखा है।

एक सौ अट्ठाईस छात्र सहयोगी विदेशी विश्वविद्यालयों में गए, जबकि 83 सहयोगी विदेशी विश्वविद्यालयों के छात्रों ने संस्थान के पाठ्यक्रमों में भाग लिया।

विनिमय कार्यक्रम में भाग लेने वाले संस्थानों के विवरण और छात्रों की संख्या **परिशिष्ट क2** और **क3** में दिए गए हैं।

### छात्रवृत्तियाँ

संस्थान ने शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर एक बड़ी संख्या में छात्रवृत्तियाँ प्रदान की हैं। संस्थान जरूरत के आधार पर भी छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है।

### उद्योग छात्रवृत्तियाँ

अड़तीस छात्रों को शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर उद्योग छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गई।

### आदित्य बिड़ला छात्रवृत्तियाँ

आदित्य बिड़ला ग्रुप ने 10 छात्रों को प्रत्येक को 1,75,000/- रुपए की छात्रवृत्ति राशि के लिए चुना।

### सर रतन टाटा छात्रवृत्तियाँ

सर रतन टाटा ट्रस्ट द्वारा स्थापित सर रतन टाटा छात्रवृत्ति, द्वितीय वर्ष के पाँच छात्रों कों उनके प्रथम वर्ष के शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर प्रदान की गई।

### भा. प्र. संस्थान अहमदाबाद की विशेष आवश्यकता-आधारित छात्रवृत्तियाँ

संस्थान ने शैक्षणिक वर्ष के दौरान कुल 6,23,59,250 रुपए की 198 छात्रवृत्तियाँ विशेष आवश्यकता-आधारित छात्रवृत्ति योजना (एसएनबीएस) के तहत प्रदान की। इस छात्रवृत्ति में 79,000/- रुपए से लेकर 6,09,000/- रुपए तक की धनराशि दी गई। कुल पाठ्यक्रम फीस का अधिकतम 70 प्रतिशत समर्थन 31 छात्रों को दिया गया।

### भारत सरकार - सर्वोच्च श्रेणी की शिक्षा के लिए केन्द्रीय क्षेत्र की छात्रवृत्ति योजना

**अनुसूचित जाति** : प्रथम वर्ष के छात्रों से प्राप्त 18 आवेदनों में से बारह आवेदनों को मंत्रालय को भेजा गया इनमें ग्यारह नवीनीकरण के आवेदन भी संलग्न थे। इन छात्रवृत्तियों के अनुदान की अभी प्रतीक्षा है। पिछले वर्ष के लिए प्राप्त अनुदान वितरित किए गए।

**अनुसूचित जनजाति** : प्रथम वर्ष के छात्रों से प्राप्त 8 आवेदनों में से पांच आवेदनों को मंत्रालय को भेजा गया इनमें चार नवीनीकरण के आवेदन भी संलग्न थे। इन छात्रवृत्तियों के लिए अनुदान प्राप्त हुआ और वितरित किया गया।

### आईआईएमए अनुसूचित जाति / जनजाति छात्रवृत्तियाँ

वर्ष 2014-15 के दौरान, 185 छात्रों को प्रत्येक को 1500 रुपए के हिसाब से अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गई।

### अन्य एजेंसियों द्वारा संस्थापित छात्रवृत्तियाँ

- पीजीपी द्वितीय वर्ष के शरद सेन शर्मा को 1,50,000/- रु. की ओ पी जिंदल छात्रवृत्ति प्रदान की गई।
- पीजीपी द्वितीय वर्ष के अभिनव गुप्ता को 1,00,000/- रु. की टी. थॉमस छात्रवृत्ति प्रदान की गई।
- शैक्षिक उत्कृष्टता के लिए प्रति छात्र 1,00,000/- रु. की दुनिया वित्त छात्रवृत्ति निम्नलिखित चार छात्रों को प्रदान की गई:

  1. श्री आकाश कुमार, पीजीपी-II
  2. श्री निशांत नवीन, पीजीपी-II
  3. श्री अविरल भटनागर, पीजीपी- II
  4. श्री रौशन भारती, पीजीपी- I

- कई पीजीपी पूर्वछात्रों ने उदारतापूर्वक जरूरतमंद छात्रों का समर्थन करने के लिए संस्थान में आर्थिक योगदान दिया है। जबकि निधि में से कुछ पूँजी का उपयोग एसएनबीएस के लिए तथा कुछ पूँजी का उपयोग वापसी योग्य आधार पर एसएनबीएस पुरस्कृतों के लिए टॉप-अप के रूप में किया गया।

छात्रवृत्तियों के विवरण नीचे दिये गये हैं :

| प्रायोजक | राशि (रु.) | प्राप्तकर्ता | कक्षा / बैच |
|---|---|---|---|
| तेग इंडस्ट्रीज (श्री मदन मोहन्का) | 1,00,000 | सुश्री रूपल सोनी | पीजीपी-II/ 2013-15 |
| श्री बी.वी. दोशी | 3,00,000 | एस. विजय कुमार | पीजीपी-II / 2013-15 |
| श्री दीपक गुप्ता | 3,00,000 | भौमिक जैन | पीजीपी-II/ 2013-15 |
| | 3,00,000 | करण सिंघानिया | पीजीपी-II / 2013-15 |
| पेरी विश्वनाथ छात्रवृत्ति, 2001-कक्षा | 4,00,000 | जॉन जोय | पीजीपी-II / 2013-15 (दो साल के लिए) |
| **एसएनबीएस के साथ विलय की गई छात्रवृत्तियाँ** | | | |
| वारबर्ग पिंकस | 16,80,000 | | पीजीपी-I / पीजीपी-II एवं एबीएम-I / एबीएम-II |
| श्री अरुण नंदा | 16,50,000 | | पीजीपी-I / पीजीपी-II एवं एबीएम-I / एबीएम-II |
| श्री दीप कालरा | 2,50,000 | | पीजीपी-I / पीजीपी-II एवं एबीएम-I / एबीएम-II |
| उद्योग एनबीएस फंड | 10,000 | | पीजीपी-I / पीजीपी-II एवं एबीएम-I / एबीएम-II |

## राज्य सरकार की छात्रवृत्तियाँ

राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित निम्नलिखित छात्रवृत्तियाँ वितरित की गई :

| प्रायोजक | राशि (रु.) | प्राप्तकर्ता | कक्षा / बैच |
|---|---|---|---|
| महाराष्ट्र राज्य | 6,10,000 | संगड़े महेश सीताराम | पीजीपी- II / 2013-15 |

### अन्य पुरस्कार

#### श्री एस.के. शेठ स्मारक पुरस्कार

यह पुरस्कार श्रीमती शांति शेठ द्वारा संस्थापित अपने पति स्व. श्री एस.के. शेठ, संस्थान के प्रथम पुस्तकालयाध्यक्ष की स्मृति में पीजीपी कार्यक्रम के प्रथम वर्ष में उच्चतम ग्रेड अंक प्राप्त करने वाले एक छात्र को दिया जाता है। इस वर्ष, यह पुरस्कार अग्रवाल राहुल सतीश को दिया गया।

#### एस. उमापति पुरस्कार

यह पुरस्कार स्वर्गीय एस. उमापति के भाई द्वारा, किसी एक छात्र की शैक्षणिक उत्कृष्टता को पहचान दिलाने के लिए संस्थापित, संस्थान के साथ सहयोग की उनकी स्मृति में पीजीपी प्रथम वर्ष के श्रेष्ठ छात्र को दिया जाता है। इस वर्ष, यह पुरस्कार अग्रवाल राहुल सतीश को दिया गया।

#### सर्वोत्तम पीजीपी ऑल राउंडर के लिए कोलेनगोडे वी. श्रीनिवास पुरस्कार

कोलेनगोडे वी. श्रीनिवास पुरस्कार, स्वर्गीय श्री कोलेनगोडे वी. श्रीनिवास के माता-पिता द्वारा किसी असाधारण छात्र के बहुमुखी प्रदर्शन को पहचान दिलाने एवं संस्थान के साथ श्रीनिवास की स्मृति में सम्मान के लिए स्थापित किया गया था। इस वर्ष, यह पुरस्कार कृष्णकुमार प्रदीप को दिया गया।

### शैक्षिक प्रदर्शन के लिए देशरत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद स्वर्ण पदक

यह पुरस्कार, भारत के प्रथम राष्ट्रपति, स्व. डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की स्मृति में कामधेनु फाउंडेशन द्वारा स्थापित किया गया है। यह उस छात्र को दिया जाता है जो पीजीपी कार्यक्रम के दोनों वर्षों में सर्वोच्च ग्रेड अंक प्राप्त करता है। इस वर्ष, यह पुरस्कार अग्रवाल राहुल सतीश को दिया गया।

### पीजीपी महिला ऑल राउंडर उत्कृष्टता नकद पुरस्कार

पीजीपी महिला ऑल राउंडर उत्कृष्टता पुरस्कार, इस संस्थान के पूर्वछात्र श्री अरुण दुग्गल की पत्नी सुश्री रीता दुग्गल द्वारा एक असाधारण महिला छात्रा के ऑलराउंड निष्पादन को पहचान देने हेतु स्थापित किया गया है। इस वर्ष, यह पुरस्कार सुश्री श्रेया चंद्र शेखर को दिया गया।

### पीजीपी महिला ऑल राउंडर उत्कृष्टता स्वर्ण पदक

पीजीपी महिला ऑल राउंडर उत्कृष्टता स्वर्ण पदक क्वेजल फाउंडेशन द्वारा एक असाधारण महिला छात्रा के ऑल राउंड निष्पादन को मान्यता देने हेतु स्थापित किया गया है। इस वर्ष, यह पुरस्कार सुश्री श्रेया चंद्र शेखर को दिया गया।

### सजीव सिरपाल शैक्षणिक एवं सृजनात्मकता उत्कृष्टता पुरस्कार

सुश्री कनक सिरपाल (1984) एवं मित्रों द्वारा संस्थापित यह पुरस्कार श्री सजीव सिरपाल (पीजीपी 1984) की स्मृति में छात्रों में शिक्षाविदों एवं सृजनात्मकता की पहचान करने के लिए दिया जाता है। इस वर्ष, यह पुरस्कार अग्रवाल राहुल सतीश को दिया गया।

### श्रीमती जे. नगम्मा स्मारक पुरस्कार

यह पुरस्कार श्रीमती जे. नगम्मा की स्मृति में उनके पुत्र श्री प्रमोद कुंजू (पीजीपी 1999) द्वारा शैक्षणिक उत्कृष्टता को पहचान दिलाने के लिए स्थापित किया गया है। यह उस छात्र को दिया जाता है जो पीजीपी प्रथम वर्ष के कार्यक्रम में सर्वोच्च सीजीपीए (संचयी ग्रेड बिंदु औसत) प्राप्त करता है। इस वर्ष, यह पुरस्कार अग्रवाल राहुल सतीश को दिया गया।

### श्री जी.सी. मित्तल उद्यमिता आर्थिक सहायता

यह पुरस्कार श्री अंकित मित्तल (पीजीपी 2005) द्वारा उन छात्रों के लिए स्थापित किया गया है जो स्वयं का उद्यम शुरू करना चाहते हैं। इस वर्ष, यह पुरस्कार निशांत अग्रवाल और पारस मल्होत्रा ने प्राप्त किया।

### उत्कृष्ट खिलाड़ी पुरस्कार

यह पुरस्कार श्री सुनील चैनानी (पीजीपी 1980) द्वारा स्थापित किया गया है, यह खेल में सर्वांगीण उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र को दिया जाता है। इस वर्ष, यह पुरस्कार सुश्री गीतिका चड्ढा और सुश्री अंशिका सिन्हा को दिया गया।

### प्रवेश

16 और 22 अक्टूबर, 2014 को कैट-2014 का आयोजन कंप्यूटर आधारित परीक्षण के रूप में किया गया।

प्रवेश प्रक्रिया के विवरण और तुलनात्मक आंकड़े **परिशिष्ट क4** और **क5** में दिए गए हैं।

## 2. कृषि व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

बढ़ती हुई पर्यावरणीय चिंताओं एवं उच्चतम बाजारोन्मुख वातावरण में चुनौतियाँ बढ़ने से कृषि खाद्य उद्योग नीतियों में परिवर्तन करने और उन परिवर्तनों का प्रबंध करने के लिए जोशीले ढंग से प्रतिक्रिया करने की आवश्यकता है।

कृषि व्यवसाय प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी-एबीएम) की रचना खाद्य, कृषि व्यवसाय, ग्रामीण तथा संबद्ध क्षेत्रों में युवा पुरुषों एवं महिलाओं को गतिशील व्यावसायिक प्रबंधक, अग्रणी, तथा उद्यमी बनाकर संगठनों की चुनौती संभालने के लिए तैयार करने के लिए की गई है।

### प्रवेश

छात्र समुदाय द्वारा इस कार्यक्रम को अच्छी प्रतिक्रिया मिली। वर्ष 2014-15 में संस्थान को 1,23,874 आवेदन प्राप्त हुए। एक कठिन चयन प्रक्रिया के बाद, जिसमें सामान्य प्रवेश परीक्षा, समूह चर्चा, एवं साक्षात्कार शामिल थे, इस कार्यक्रम में 46 छात्र जुड़े।

इसके विवरण **परिशिष्ट ख1** और **ख2** में दिए गए हैं।

### तैयारी कार्यक्रम

सभी नए छात्रों को उनके गणित, संचार एवं कंप्यूटर कौशलों को मजबूत करने हेतु 2 जून से 14 जून, 2014 तक चलाए गए प्रारंभिक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए कहा गया।

### अभिविन्यास कार्यक्रम

नए प्रवेश प्राप्त बैच के लिए 19-20 जून, 2014 के दौरान एक अभिनंदन एवं अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें पीजीपी-एबीएम कार्यकारी समिति के साथ बातचीत हुई और संस्थान की कंप्यूटर एवं पुस्तकालय सुविधाओं के बारे में जानकारी दी गई। छात्रों को केस-पद्धति शिक्षण से परिचित कराने के लिए केस-तैयारी तथा केस-चर्चा पर एक सत्र का भी आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का दूसरा वर्ष 38 छात्रों के साथ, 11 जून, 2014 को शुरु हुआ। वर्ष के अंत में, 36 छात्र स्नातक हुए।

विवरण **परिशिष्ट ख3** में दिए गए हैं।

### पाठ्यक्रम

इस कार्यक्रम का प्रथम वर्ष पीजीपी के साथ समान ही रहता है। छात्रों ने 31 अनिवार्य पाठ्यक्रम लिए।

द्वितीय वर्ष में कृषि व्यवसाय के विभिन्न पहलुओं को समाहित करते हुए चार क्षेत्र-विशेष अनिवार्य पाठ्यक्रम और 23 ऐच्छिक पाठ्यक्रम प्रस्तुत किए गए। दो नए ऐच्छिक पाठ्यक्रम - अंतरराष्ट्रीय कृषि खाद्य व्यापार और कृषि व्यवसाय में जोखिम प्रबंधन प्रस्तुत किए गए।

### ग्रामीण निमज्जन मॉड्यूल

ग्रामीण निमज्जन मॉड्यूल का उद्देश्य छात्रों को ग्रामीणों के जीवन से संपर्क कराना, ग्रामीणों के साथ बातचीत से सीखना और ग्रामीण परिवेश, समाज, संस्थानों, एवं अर्थव्यवस्था से परिचित होने का एक मौका प्रदान कराना है। 28 मार्च से 8 अप्रैल, 2014 के दौरान इस मॉड्यूल का पहला चरण आयोजित किया गया। छात्रों को नौ समूहों में विभाजित किया गया। छह समूहों को बीएआईएफ़, पुणे में रखा गया, और तीन समूहों को मेहसाणा, बारडोली, और अमलसाड में रखा गया। दूसरा चरण इन्हीं स्थानों पर, 10 से 21 दिसंबर, 2014 के दौरान आयोजित किया गया।

### छात्रवृत्तियाँ

अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के सभी छात्रों को भारत सरकार की अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गई। आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों की मदद करने के लिए, संस्थान ने आवश्यकता के आधार पर छात्रवृत्तियाँ प्रदान की।

### पुरस्कार

श्री आर.सी. माथुर (आईआईएम अहमदाबाद के पीएमए 1072 बैच) पुरस्कार सर्वोत्तम आल राउंडर पीजीपी-एबीएम छात्रा सुश्री गीता गर्ग को दिया गया।

### विनिमय कार्यक्रम

द्वितीय वर्ष के पांच छात्रों को ईएसएसईसी एमएस एग्रीबिजनेस स्कूल भेजा गया और दो छात्रों को ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय भेजा गया और इन सभी ने वहाँ एक सत्र बिताया। ईएसएसईसी के तीन छात्रों और ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय के एक छात्र ने संस्थान में एक सत्र बिताया।

### अमेथन 2015

अमेथन 2015, भारत तथा विदेश से आए 1100 से अधिक प्रतिभागियों के साथ अपनी तरह का विश्व में सबसे बड़ा खाद्य एवं कृषि व्यवसाय शिखर सम्मेलन 16 जनवरी, 2015 को रंगारंग कार्यक्रमों के साथ शुरू हुआ। इसमें पहली बार सार्क देशों नेपाल, भूटान और श्रीलंका के छात्रों ने भाग लिया। विश्व बैंक की सुश्री मोहिनी दत्त द्वारा दिये गये उद्घाटन भाषण से इसकी शुरूआत हुई। विषयों की व्यापक श्रृंखला पर पैनल चर्चाएँ आयोजित की गईं और कई कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

## 3. कार्यपालकों के लिए प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपीएक्स)

8 अप्रैल, 2014 से पीजीपीएक्स 2014-15 शुरू हुआ। इस बैच में 13 छात्राओं सहित कुल 85 छात्र थे। इस बैच का प्रोफ़ाइल **परिशिष्ट ग1** में दिया गया है।

### कार्यक्रम संरचना और पाठ्यक्रम

पाँच शैक्षणिक सत्रों में विस्तृत पीजीपीएक्स की संरचना लगभग छह खंडों में की गई है : प्रेरण, घटकों का निर्माण, शीर्ष प्रबंधन की तैयारी, अंतर्राष्ट्रीय निमज्जन, चयनात्मकता एवं कैपस्टोन। चार नए पाठ्यक्रमों सहित चौबीस मुख्य / अनिवार्य तथा 46 ऐच्छिक पाठ्यक्रम प्रस्तुत किये गए।

पाठ्यक्रमों के विवरण **परिशिष्ट ग2** में दिए गए हैं।

### अंतर्राष्ट्रीय निमज्जन कार्यक्रम

विदेशी संस्थानों में दो-सप्ताह के एक शैक्षिक प्रशिक्षण का आयोजन 1 से 12 सितम्बर, 2014 के दौरान किया गया। प्रतिभागियों को तीन समूहों में बाँटकर भेजा गया :

- चाइनीज़ युनिवर्सिटी ऑफ हाँगकाँग, हाँगकाँग (35 छात्र)
- वारविक बिजनेस स्कूल, युनिवर्सिटी ऑफ वारविक, कोवेन्ट्री (31 छात्र)
- ईएससीपी, पेरिस (19 छात्र)

### भारत में कारोबार करना

वारविक बिजनेस स्कूल, युनिवर्सिटी ऑफ वारविक से आए 20 विनिमय छात्रों के लिए यह मॉड्यूल प्रस्तुत किया गया। इसमें निम्नलिखित विषयों को समाहित किया गया :

- भारतीय बाजार में उपभोक्ता संबंध बनाना एवं प्रबंधन करना
- भारत में व्यापार
- भारतीय अर्थव्यवस्था और विश्व व्यापार संगठन
- भारतीय अर्थव्यवस्था : सूक्ष्म आर्थिक परिप्रेक्ष्य
- भारतीय वित्तीय प्रणाली
- बौद्धिक संपदा अधिकार - भारत में कॉपीराइट और प्रकाशन : उपलब्ध उपचार
- आईपीआर - ट्रेडमार्क : कैसे भारतीय कानून विकसित हुआ
- नेतृत्व और परिवर्तन
- भारतीय ग्राहकों के लिए विपणन
- भारत में सार्वजनिक निजी भागीदारी
- भारत में दुकान स्थापित करना और व्यापार बढ़ाना
- प्रौद्योगिकी हस्तांतरण : संविदा और विवाद
- भारत और भारतीय उपभोक्ता को समझना

कार्यक्रम के एक हिस्से के रूप में, प्रतिभागियों ने अहमदाबाद में मोटिफ़ एटरप्राइज़ेस (केपीओ) और जीवीके ईएमआरआई (108 एम्बुलेंस सेवा) केंद्र का दौरा किया।

अन्य एक मॉड्यूल ईएससीपी, पेरिस से आए 15 विनिमय छात्रों के लिए आयोजित किया गया। इस मॉड्यूल में निम्नलिखित पाठ्यक्रम प्रस्तुत किए गए :

- भारत में व्यापार
- आर्थिक नीति सुधार
- भारत में विकास का इतिहास
- भारत : देश, हमारी संस्कृति, राष्ट्रीयता, इतिहास और उपभोक्ताओं का एक सूक्ष्म अवलोकन
- बौद्धिक संपदा अधिकार सहित कानूनी माहौल
- भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए संभावनाएँ
- भारतीय वितरण प्रणाली से निपटना
- भारतीय उपभोक्ता को समझना

कार्यक्रम के एक हिस्से के रूप में, प्रतिभागियों ने गुजरात चाय संसाधक (वाघ बकरी चाय के विपणनकर्ता), अटीरा (अहमदाबाद वस्त्र उद्योग अनुसंधान संघ), और संस्थान के अभिनव ऊष्मायन और उद्यमिता केंद्र का दौरा किया।

### शैक्षणिक प्रदर्शन और छात्रवृत्तियाँ

सभी 85 छात्र सफलतापूर्वक स्नातक हुए। उन्हें निम्नलिखित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया :

- पीजीपीएक्स सर्वश्रेष्ठ को स्वर्ण पदक : श्री अंशुल श्रीवास्तव
- सर्वश्रेष्ठ पाँच छात्रों को प्रत्येक को 20,000/- रु. की नकद राशि के शैक्षणिक योग्यता पुरस्कार : श्री अंशुल श्रीवास्तव, श्री गौरव गुप्ता, श्री प्रसून बंसल, श्री पुनीत शर्मा और श्री हाफिज करीम पी.एम.
- श्री अरुण के. दुग्गल (अध्यक्ष - श्री राम कैपिटल लिमिटेड, आईआईएमए अतिथि संकाय, और 1974-बैच के पूर्वछात्र) द्वारा प्रायोजित सर्वोत्कृष्ट उत्कृष्टता का 50,000/- रुपये का नकद पुरस्कार : श्री मुकुल शास्त्री
- शापूरजी पालोनजी शैक्षणिक योग्यता राइजिंग स्टार अवार्ड : श्री अंशुल श्रीवास्तव

### अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान

पीजीपीएक्स कार्यक्रम ने फाइनेंशियल टाइम्स 'एफटी ग्लोबल एमबीए रैंकिंग-2014 में विश्व में सबसे अच्छे कार्यक्रमों में बने रहना जारी रखा। यह कैरियर प्रगति में दूसरे स्थान पर रहा तथा समग्र दृष्टि से 26वें स्थान पर था।

### संयोजन (कोनेक्सियन) 2014

कोनेक्सियन 2014, वार्षिक व्यापार सम्मेलन 6 से 8 नवम्बर 2014 के दौरान आयोजित किया गया। परिसर के बाहर एक परंपरागत 10 किलोमीटर दौड़ के साथ इसका प्रारंभ हुआ। व्यापार जगत के

लगभग 45 से अधिक अग्रणियों ने 'पुनरुत्थानशील भारत : अनंत क्षमता का दोहन' के मुख्य विषय पर अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए इस समारोह में भाग लिया जिसके कई उपविषय भी थे। मुख्य वक्ता और वरिष्ठ अधिकारियों ने अपने विचारों को साझा किया और छात्रों तथा शिक्षकों के साथ विचारों का आदान-प्रदान किया।

### एक्स-बिज़

इस वर्ष तत्काल रूप से एक्स-बिज़ का आयोजन किया गया और इसमें 'भारत के लिए स्वदेशी रक्षात्मक कौशल निर्माण' पर ध्यान केन्द्रित किया गया। उद्योग जगत के अग्रणियों, सरकारी विशेषज्ञों तथा कार्यकर्ताओं ने प्रतिभागी टीमों का मार्गदर्शन किया। प्रत्येक छात्र टीमों (आईआईएमए, आईआईएमबी, आईआईएमसी, और आईआईएमएल से) का प्रतिनिधित्व करने में विभिन्न हितधारक थे, इनमें बोइंग, एल एंड टी और लॉकहीड मार्टिन जैसी कंपनियाँ तथा सरकारी और सैन्य अधिकारियों के साथ उद्योग जगत के अग्रणी भी थे। छात्रों की प्रस्तुतियों का विशेषज्ञों द्वारा मूल्यांकन किया गया और संस्थान की टीम विजेता रही।

### पीजीपीएक्स पूर्वछात्र मिलन

पीजीपीएक्स पूर्वछात्रों का एक बड़ा दल पूर्वछात्र मिलन के लिए इकट्ठा हुआ। इन्होंने अपनी सफलता की रोचक कहानियों तथा अपने रोजगार में पीजीपीएक्स के योगदान को साझा किया। इसका समापन पीजीपी एक्स3 के सम्मान समारोह के साथ हुआ।

### प्रवेश

इस कार्यक्रम के लिए अप्रैल 2015 की शुरूआत में चार सौ से अधिक आवेदन पत्र प्राप्त हुए। 102 उम्मीदवारों को अंतिम प्रस्ताव दिए गए और 20 को प्रतीक्षा सूची में रखा गया जिनमें से चार सक्रिय हुए। इस कार्यक्रम से 85 प्रतिभागी जुड़े जिनमें 16 महिलाएँ हैं। प्रवेश पाने वाले छह प्रतिभागियों ने विलंब से अप्रैल 2016 से जुड़ने के लिए कहा है।

## 4. प्रबंध में फैलो कार्यक्रम

शुरुआत से लेकर अब तक, 305 छात्रों ने "भारतीय प्रबंध संस्थान-अहमदाबाद फैलो" की उपाधि प्राप्त की है। वर्ष 2015 में स्नातक हुए 14 छात्रों को जोड़ने पर यह संख्या 319 हो गई है। वर्तमान में 37 छात्र शोध प्रबंध चरण में हैं और 38 छात्र पाठ्यक्रम कार्य कर रहे हैं।

वर्ष 2015 में स्नातक हुए एफ़पीएम छात्रों के नाम और शोध विवरण **परिशिष्ट घ** में दिए गए हैं।

### पुरस्कार

आईएफसीआई शोध-प्रबंध पुरस्कार

| | शोध-प्रबंध का शीर्षक |
|---|---|
| वर्षा वर्मा | विपणन संचार में भाषा कल्पना : उत्पाद विफलता के संदर्भ की ऑनलाइन समीक्षा |
| सफल बत्रा | क्या संगठनों में सामरिक योजना से नवाचार निर्धारित होता है? भारतीय एसएमई क्षेत्र का एक अध्ययन |

### प्रोफेसर तीरथ गुप्ता स्मृति शोध-प्रबंध पुरस्कार

| | शोध-प्रबंध का शीर्षक |
|---|---|
| अविजित खानरा | अख़बार वितरकों की समस्या पर निबंध |
| अतुल अरुण पाठक | गतिशील क्षमताओं के निर्धारकों का एक समग्र चित्रण : सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग का एक अध्ययन |

### सम्मेलन / डॉक्टरल वार्ता / कंसोर्टियम में प्रतिभागिता

| सम्मेलन | |
|---|---|
| अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन | 11 |
| घरेलू सम्मेलन | 7 |
| कुल सम्मेलन | 18 |
| कुल छात्रों ने भाग लिया | 10 |

| डॉक्टरेट वार्ता / कंसोर्टियम | |
|---|---|
| अंतर्राष्ट्रीय डॉक्टरेट वार्ता | 1 |
| घरेलू डॉक्टरेट वार्ता | 1 |
| कुल डॉक्टरेट वार्ता | 2 |
| कुल छात्रों ने भाग लिया | 2 |
| **लेख प्रकाशन** | |
| कुल प्रकाशित लेख | 14 |
| शामिल छात्रों की कुल संख्या | 5 |

पीजीपी, पीजीपी-एबीएम और एफ़पीएम छात्रों की संख्या के पिछले 10 वर्षों के विवरण **परिशिष्ट ङ** में दिए गए हैं।

## 5. प्रबंध में संकाय विकास कार्यक्रम

संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) 15 सप्ताह का आवासीय कार्यक्रम है जो प्रबंध शिक्षा के संकाय सदस्यों और प्रशिक्षण संस्थानों के लिए बनाया गया है। संस्थान ने एक विश्वविद्यालय शिक्षक श्रृंखला शुरू की उसके बाद प्रथम एफ़डीपी कार्यक्रम सन् 1979 में प्रस्तुत किया था। पिछले कई वर्षों में एफ़डीपी की संरचना एवं पाठ्यक्रम में प्रबंध शिक्षकों के विकास की उभरती आवश्यकताओं को देखते हुए, उसे फिर से रचा गया है।

36वाँ एफडीपी 9 जून से 27 सितम्बर, 2014 तक आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में नेपाल के चार प्रतिभागियों सहित कुल तीस प्रबंध शिक्षकों ने भाग लिया। इन प्रतिभागियों में बारह संकाय सदस्य महिलाएँ थीं। 30 में से नौ प्रतिभागियों के पास प्रबंधन से संबंधित विभिन्न विषयों में डॉक्टरेट की उपाधि थी। स्व-प्रायोजित सात प्रतिभागियों को फैलोशिप प्रदान की गई। जिन प्रतिभागियों ने गुजरात-आधारित अनुसंधान अध्ययनों पर काम करना चाहा उन्हें अनुसंधान अनुदान दिया गया।

एफडीपी पूर्वछात्र नेटवर्क में नेपाल, बांग्लादेश, मालदीव, श्रीलंका, भूटान, तथा इथियोपिया के 87 प्रबंध शिक्षकों सहित 732 सदस्य हैं। इन वर्षों में पूर्वछात्र भारत में तथा विदेश में प्रबंधन शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान कर रहे हैं।

### स्थानन

#### पीजीपी

स्नातक हो रहे छात्रों के लिए स्थानन प्रक्रिया तीन समूहों के भीतर सफलतापूर्वक पूरी की गई। इस प्रक्रिया में "ड्रीम आवेदन" की अवधारणा के साथ छात्रों को अंतिम स्थानन के लिए अपनी पसंद के क्षेत्रों और कार्यों को चयन करने की अनुमति प्रदान की गई।

### स्थानन प्रक्रिया

स्थानन प्रक्रिया दो चरणों में आयोजित की गई। पहला चरण पार्श्व प्रक्रिया का था जिसमें कंपनियों ने पूर्व कार्यानुभव वाले छात्रों का साक्षात्कार लिया और उन्हें मध्य स्तर के प्रबंधकीय पदों की पेशकश की। दूसरे चरण में, अंतिम स्थानन प्रक्रिया के तहत कंपनियों को कॉहार्ट सिस्टम के आधार पर बाँटकर प्रोफाइल प्रस्तुत किये गए और उन्हें अलग-अलग समूहों में परिसर में आमंत्रित किया गया।

### क्षेत्र के अनुसार अवलोकन

स्थानन प्रक्रिया में पार्श्व स्थानन प्रक्रिया सहित 115 से अधिक कंपनियों ने भाग लिया। विभिन्न स्थानों से आई अलग-अलग क्षेत्रों की कंपनियों ने संचालन कार्यों की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए उम्मीदवारों का स्थानन किया।

### क्षेत्र के अनुसार शीर्ष नियोक्ता

| क्षेत्र | नियोक्ता | नियुक्तियों की संख्या | कुल स्वीकृतियों का % (361) |
|---|---|---|---|
| परामर्श | एक्सेंचर | 21 | 5.82 |
| | बीसीजी | 11 | 3.05 |
| | मैकिन्से एंड कंपनी | 10 | 2.77 |
| | केपीएमजी | 8 | 2.22 |
| | बैन एंड कंपनी | 8 | 2.22 |
| बैंकिंग और वित्तीय सेवाएँ | यस बैंक | 10 | 2.77 |
| | गोल्डमैन साक्स | 5 | 1.39 |
| | डीबी-सीआईबी | 4 | 1.11 |
| | एवेंडस कैपिटल | 4 | 1.11 |
| कंपनियों के संगठन | आदित्य बिड़ला समूह | 8 | 2.22 |
| | फ्यूचर ग्रुप | 8 | 2.22 |
| | सीके बिड़ला | 5 | 1.39 |
| आई टी और प्रणालियाँ | अमेजोन | 13 | 3.60 |
| | होपस्काच | 6 | 1.66 |
| | स्नैपडील | 6 | 1.66 |
| उपभोक्ता वस्तुएँ | हिंदुस्तान यूनिलीवर | 6 | 1.66 |
| | आईटीसी | 4 | 1.11 |
| | प्रोक्टर एंड गैंबल | 4 | 1.11 |
| मीडिया / संचार | स्टार इंडिया | 6 | 1.66 |
| इंजीनियरिंग / प्रौद्योगिकी | सैमसंग इंडिया | 10 | 2.77 |
| | एजवेर्व | 6 | 1.66 |

### उद्यमिता

हमेशा से संस्थान ने छात्रों को कैरियर के रूप में उद्यमशीलता को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया है और इस वर्ष, ग्यारह छात्रों ने अपने स्वयं के उद्यम शुरू करने के लिए स्थानन प्रक्रिया से बाहर रहने का

विकल्प चुना। इन स्टार्ट-अप में साहसिक पर्यटन, डेटा विश्लेषण, ई-कॉमर्स, और खाद्य प्रसंस्करण जैसे विभिन्न क्षेत्र शामिल हैं। इस क्रम में उद्यमशीलता को बढ़ावा देने की अपनी संस्कृति के साथ संस्थान अपने छात्रों को स्थानन छुट्टी प्रदान करता है, जिसमें उनका उद्यम आगे नहीं बढ़ने की स्थिति में वे आगामी दो वर्षों में से किसी भी एक वर्ष स्थानन में भाग ले सकते हैं।

### पूर्व-स्थानन प्रस्ताव (पीपीओ) स्थानन

ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप में छात्रों के प्रदर्शन के आधार पर 60 कम्पनियों द्वारा 130 पूर्व-स्थानन प्रस्ताव पेश किए गए, इनमें से 77 प्रस्ताव स्वीकार किए गए।

### पार्श्व स्थानन

बैच के लगभग 50 प्रतिशत छात्र पार्श्व स्थानन के लिए पात्र थे, जिसने छात्रों को अपने काम के अनुभव का बेहतर लाभ उठाने के लिए एक अवसर प्रदान किया। जिन कंपनियों ने पार्श्व स्थानन प्रक्रिया में भाग लिया उनमें से कुछ प्रमुख हैं - आदित्य बिड़ला समूह, अल्वारेज़ और मार्शल, अमेज़न, फ्लिपकार्ट, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, प्रैक्टो, और स्टार टीवी इंडिया। लगभग 35 कंपनियों ने पार्श्व स्थानन में भाग लिया और 123 पेशकशें रखीं इनमें से छात्रों द्वारा 93 पेशकशों को स्वीकारा गया।

### पीजीपी-एबीएम

इस बैच में शामिल 38 छात्र, कृषि व्यवसाय, खाद्य और संबद्ध डोमेन के भीतर अपनी पसंद के कैरियर के अवसरों को पाने में आगे बढ़े। मजबूत स्थानन प्रक्रिया द्वारा नियोक्ताओं और छात्रों दोनों को ही प्रतिभाओं के अनुरूप मौकों के रूप में अच्छी प्रतिक्रिया मिली। कंपनियों ने उम्मीदवारों के प्रोफाइल के आधार पर विशेष पदों का सृजन किया।

बहुराष्ट्रीय कंपनियों से लेकर छोटे और मध्यम उद्यमों व साथ-साथ उल्लेखनीय स्टार्ट-अप नियोक्ताओं के विविध पूल को इस बैच ने आकर्षित किया। यस बैंक, और सिंजेटा शीर्ष नियोक्ता रहे जिन्होंने क्रमशः चार और तीन छात्रों की भर्ती की। बीकानेरवाला, कोरोमंडल, ईडब्ल्यू न्यूट्रीशन, फ्यूचर ग्रुप, प्रॉक्टर एंड गैंबल, और यूनाइटेड ब्रेवरीज ने यहाँ पहली बार स्थानन किया। ईएसपी, गोदरेज एग्रोवेट, राबो बैंक, और टाफे जैसे नियमित नियोक्ता भी स्थानन के लिए आए।

तीन छात्रों ने नियुक्ति प्रक्रिया से बाहर रहते हुए अपने उद्यम शुरू करने का विकल्प चुना। संस्थान अपने स्वयं के स्टार्ट-अप शुरू करने वाले छात्रों के दो साल का स्थानन अवकाश प्रदान करता है।

### पूर्व-स्थानन प्रस्ताव (पीपीओ) स्थानन

ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप में प्रदर्शन के आधार पर, छह कंपनियों द्वारा नौ पूर्व-स्थानन पेशकशें रखी गई जिनमें से सात पेशकशों को स्वीकारा गया।

### पीजीपीएक्स

पीजीपीएक्स स्थानन का आयोजन सूचीकरण के आधार पर किया जाता है और इसमें प्रतिभागियों को मध्यम से वरिष्ठ स्तर के पदों के लिए चुना जाता है। इसमें प्रतिभागी तथा संभावित नौकरी/पद के बीच एक अच्छा मेल सुनिश्चत करने पर ध्यान केन्द्रित किया जाता है।

जो कंपनियाँ स्थानन के लिए आईं उनमें भारती एयरटेल, टाटा कैपिटल, एक्सेंचर, एरिक्सन, गोल्डमैन सेचस, अमेज़न, विरतुसा, आदि शामिल हैं। भारती एयरटेल तथा टाटा कैपिटल ने सबसे अधिक संख्या में प्रस्ताव दिए।

स्थानन कार्यालय ने स्थानन के लिए शेष, रुचि व्यक्त करने वाले छात्रों तथा कंपनियों के बीच बातचीत की सुविधा उपलब्ध कराना जारी रखा और स्थानन के लिए पूर्ण समर्थन जारी है।

### एफ पी एम

पिछले तीन सालों से एफ पी एम अंतिम स्थानन को स्थायी स्थानन के बदले में आवर्ती स्थानन कर दिया गया है। संस्थान कुछ कंपनियों से एफ पी एम छात्रों के लिए प्रोफाइल बनवाने में सफल रहा है, जिससे सभी डॉक्टरेट छात्रों को फायदा होगा।

स्थानन के विवरण **परिशिष्ट च** में दिये गये हैं।

## दीक्षांत समारोह

मास्टरकार्ड के प्रमुख एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अजय बंगा पचासवाँ दीक्षांत समारोह पर

पचासवाँ दीक्षांत समारोह 21 मार्च, 2015 को आयोजित किया गया। मास्टरकार्ड के प्रमुख एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अजय बंगा ने दीक्षांत भाषण दिया। दीक्षांत समारोह में, 14 एफपीएम छात्रों को 'भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद फैलो' की उपाधि से सम्मानित किया गया, 377 छात्रों को प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा से सम्मानित किया गया, 36 छात्रों को कृषि-व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा से सम्मानित किया गया, और 85 छात्रों को कार्यकारी अधिकारियों के लिए प्रबंधन में एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा से सम्मानित किया गया।

निम्नलिखित छात्रों को शैक्षिक कार्य-निष्पादन के लिए भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद पदक से सम्मानित किया गया :

### पीजीपी

- अग्रवाल राहुल सतीश
- रक्षित यू. अग्रवाल
- अभिनव गुप्ता

### पीजीपी-एबीएम

- सिद्धार्थ अग्रवाल

### पीजीपीएक्स

- अंशुल श्रीवास्तव

स्वर्ण पदक विजेता

अग्रवाल राहुल सतीश

रक्षित यू. अग्रवाल

अभिनव गुप्ता

सिद्धार्थ अग्रवाल

अंशुल श्रीवास्तव

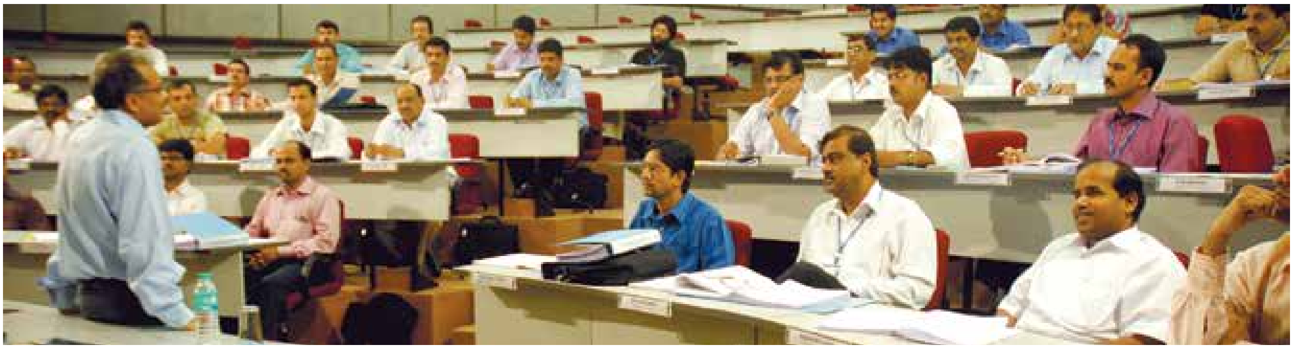

# कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

वर्ष 2014-15 के दौरान, संस्थान ने 62 कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों (ईईपी) की पेशकश की। इन कार्यक्रमों में सरकारी विभागों सहित निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के संगठनों से 1,978 अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों (ईईपी) की गतिविधियाँ 12,941 प्रतिभागी-दिनों में पूरी हुई। वर्ष के दौरान, दो कार्यक्रम मूल क्षमता के रूप में - रचनात्मकता और नवीनता : व्यक्तिगत तथा संगठनात्मक क्षमता का विकास करना, और गोदाम डिजाइन एवं प्रबंधन को दो बार प्रस्तुत किया गया।

62 कार्यक्रमों में से, तीन नियमित सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम थे। शेष 59 कार्यक्रमों में से छह नए कार्यक्रम थे और 53 कार्यक्रम दोहराए गए थे।

विवरण **परिशिष्ट छ** में दिए गए हैं।

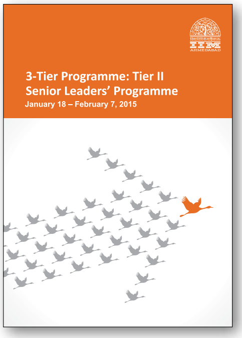

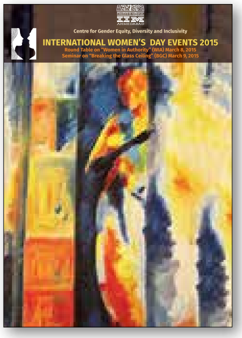


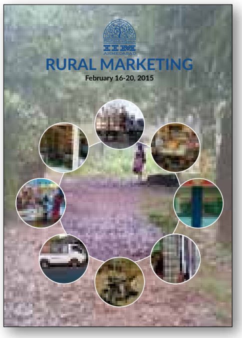


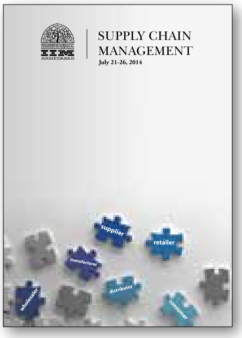


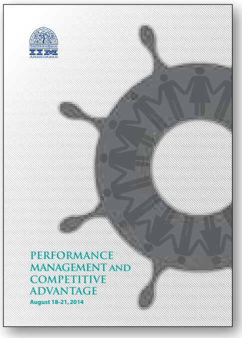


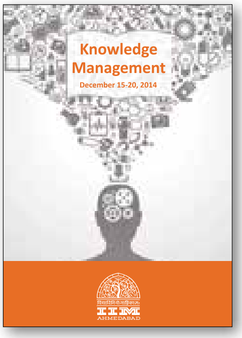

# अनुसंधान और प्रकाशन

इस संस्थान में अनुसंधान, महत्वपूर्ण शैक्षणिक गतिविधि का गठन करता है। संस्थान द्वारा अनुसंधान परियोजनाओं के लिए अनुदान अन्य सहायता की मात्रा पर निर्भर करते हुए - बड़े, छोटे, या मूलधन के रूप में वर्गीकृत करके - प्रदान किया जाता है। केस-लेखन एक अन्य महत्त्वपूर्ण गतिविधि है जिसे संस्थान द्वारा वित्त पोषित किया जाता है। प्रकाशन के विभिन्न प्रकार जैसे पुस्तकें, मोनोग्राफ़्स, जर्नल्स में लेख, केस स इन अनुसंधान परियोजनाओं के ही परिणाम हैं।

### परियोजना की स्थिति

| स्थिति / परियोजना का प्रकार | परियोजनाएँ | | |
|---|---|---|---|
| | जारी परियोजनाएँ | परियोजनाएँ शुरू हुई | पूर्ण हुई परियोजना |
| अनुसंधान परियोजनाएँ | 9 | 18 | 11 |
| मूलधन परियोजनाएँ | 7 | 13 | 10 |
| इंटर्नशिप परियोजनाएँ | | | 46 |
| अनुसंधान एवं प्रकाशन द्वारा आयोजित संगोष्ठियाँ | | | 37 |
| लिखे गए आधारपत्र | | | 108 |
| लिखी गई पुस्तकें | | | 10 |
| पुस्तक चैप्टर | | | 30 |
| पत्रिकाओं में लेख | | | 134 |
| प्रस्तुत किए गए आलेख | | | 103 |

इनके विवरण **परिशिष्ट ज, ञ और ट** में दिए गए हैं।

## विकल्प : निर्णयकर्ताओं का जर्नल

***विकल्प : निर्णयकर्ताओं का जर्नल*** भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद का एक तिमाही प्रकाशन है। वर्तमान में इसके 40वें वर्ष के प्रकाशन में, **विकल्प** शिक्षाविदों एवं प्रबंधकों के लिए प्रबंधन विकास संप्रेषण के एक शीर्ष प्रबंध-जर्नल के रूप में उभरा है। इसमें अनुप्रयुक्त अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित किया गया है, जो शैक्षणिक कठिनता और प्रतिभावों के मानकों को पूरा करते हैं तथा अभ्यासरत प्रबंधकों के लिए प्रासंगिक हैं।

**विकल्प** के ऑनलाइन तथा मुद्रित संस्करण के प्रकाशन के लिए इस बार सेज प्रकाशन के साथ समझौता किया गया है। इसके साथ ही, संस्थान के लिए अंतरराष्ट्रीय दर्शकों तक विकल्प की पहुँच बनाने के लक्ष्य में आसानी हो गई है। इस साझेदारी व्यवस्था में, स्वामित्व और संपादकीय नियंत्रण विकल्प के पास रहेंगे जबकि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रचार-प्रसार करते हुए, सार संक्षेप और सूचकांक सेवाओं के द्वारा सेज प्रकाशन इसके प्रकाशन तथा विपणन के लिए प्रतिबद्ध रहेगा। विकल्प के पास अब सेज प्रकाशन में एक ब्रांडेड होमपेज है जहाँ शोधकर्ता इस जर्नल की पूरी सामग्री को खोजने में सक्षम रहेंगे।

**विकल्प** के प्रत्येक अंक में आमतौर पर निम्नलिखित विशेषताएँ होती हैं। **दृष्टिकोण** उन उभरते मुद्दों व विचारों को प्रस्तुत करता है जो संगठनों में प्रबंधकों, प्रशासकों व नीति निर्माताओं से कार्रवाई या पुनर्विचार की मांग करते हैं। अनुसंधान में विश्लेषणात्मक या **अनुसंधान** आधारित लेख होते हैं, जो प्रबंधकीय व शैक्षणिक मुद्दों के समाधान पर ध्यान आकर्षित करते हैं। **अंतराफलक** ऐसे लेख प्रस्तुत करता है, जो प्रबंधकों के लिए व्यावहारिक रूप से उपयोगी होते हैं तथा उनके प्रबंधकीय कौशलों को अद्यतन बनाने में सहायक होते हैं। **टिप्पणियाँ एवं व्याख्याएँ** प्रारंभिक अनुसंधान, साहित्य की समीक्षा, और प्रकाशित आलेखों के विषयों पर टिप्पणियों को समाविष्ट करती हैं। **वार्ता** के अंतर्गत समसामयिक विषय पर की गई चर्चा शामिल होती है। **प्रबंध केस** में, किसी एक प्रबंधक या संगठन ने, रणनीतिगत, प्रकार्यात्मक या प्रचालनात्मक स्तरों पर किसी वास्तविक स्थिति का सामना किया हो, उस पर निर्णय लिया हो या कार्रवाई की हो, उसका वर्णन होता है। **निदान**, अकादमी के सदस्यों एवं व्यवसायियों द्वारा किए गए किसी केस के विश्लेषण को प्रस्तुत करता है। विकल्प **पुस्तक समीक्षाएँ** भी प्रस्तुत करता है।

**विकल्प**, ऐसा जर्नल है जिसकी समीक्षा समान योग्यता वाले व्यक्तियों द्वारा की जाती है। प्रकाशन के लिए प्राप्त सामग्री की प्राथमिक स्क्रीनिंग व दोहरी अप्रत्यक्ष समीक्षा की जाती है और स्वीकृत सामग्री को उचित ढंग से संपादित किया जाता है। सभी हस्तलिखित रचनाओं की प्रस्तुति और समीक्षा प्रक्रिया सेज के माध्यम से कराई जाती है।

# केस केंद्र

आईआईएमए में केस केंद्र की स्थापना अप्रैल 2014 में हुई। केस केंद्र की प्रमुख गतिविधियों में केस लेखन, केस वितरण, तथा केस शिक्षण हैं।

केस लेखन गतिविधि को केस समर्थन की एक प्रणाली सहकर्मी समीक्षा में रखकर मजबूती प्रदान की गई है। किसी भी नए केस एवं तकनीकी नोट के पंजीकरण के लिए यह समर्थन उपलब्ध रहता है। इस वर्ष के दौरान, केस केंद्र में 59 अध्ययन केस, 23 तकनीकी नोट्स, 47 शिक्षण नोट सहित कुल 129 आलेखों का पंजीकरण किया गया है। पहली बार संस्थान के संकाय द्वारा लिखे गए सर्वोत्तम केस को पुरस्कार से सम्मानित करने की शुरूआत की गई है। एक पूर्वछात्र प्रोफेसर हृषिकेश टी. कृष्णन द्वारा संस्थापित फिलिप थॉमस मेमोरियल केस अवार्ड, से प्रोफेसर निहारीका वोहरा को पूर्व दीक्षांत समारोह के दौरान सम्मानित किया गया।

आईआईएमए केसों को मुख्यतः दो चैनलों के माध्यम से वितरित किया जाता है – आईआईएमए केस वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन बिक्री और शैक्षणिक संस्थानों के साथ अनुबंध के माध्यम से ऑफ़लाइन बिक्री। इस केंद्र ने वितरण चैनलों की संख्या बढ़ाने का निर्णय लिया और इस वर्ष के दौरान हार्वर्ड बिजनेस प्रकाशन, आइवी प्रकाशन, तथा कुछ अन्य प्रकाशन गृहों के साथ विचार विमर्श शुरू किए गए। इसी वर्ष के दौरान आइवी प्रकाशन के माध्यम से संस्थान के केसों के वितरण के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए। एचबीपी के साथ भी अनुबंध अंतिम चरण में है।

केस केंद्र केवल संस्थान के भीतर ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी केस पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। अन्य प्रबंध संस्थानों में शिक्षण के लिए केस पद्धति अपनाने का समर्थन करने के लिए, इस केंद्र ने भारत में एक केस पद्धति शिक्षण संगोष्ठी के आयोजन के लिए हार्वर्ड बिजनेस प्रकाशन के साथ सहयोग किया था। यह प्रबंधन शिक्षकों के लिए दो-दिवसीय संगोष्ठी थी जिसमें पहले दिन हार्वर्ड बिजनेस स्कूल से एक संकाय सदस्य ने संचालन किया और दूसरे दिन संस्थान के संकाय द्वारा संचालन किया गया। वर्ष में ऐसी 2-3 संगोष्ठियाँ आयोजित करने की योजना बनाई गई है।

# अंतर्विषयक केन्द्र एवं समूह

## 1. लिंग समानता, विविधता, और समावेशिता केन्द्र

### आईआईएमए में लैंगिक अध्ययन संसाधन

वर्ष 2014-15 के दौरान, पुस्तकालय में लैंगिक अध्ययनों के लिए एक नए अलग वर्गीकरण के तहत प्रकाशन तथा दृश्य-श्रव्य सामग्री को एक संग्रह में समेकित किया गया। जेडी केंद्र द्वारा आयोजित आईआईएमए समारोहों की वीडियो रिकॉर्डिंगों को भी इस संग्रह में रखा जा रहा है।

### जेडी वार्ता श्रृंखला

इस शैक्षणिक वर्ष के दौरान जेडी सेंटर ने गोथेनबर्ग विश्वविद्यालय के प्रोफेसर रेबेका आरमान की मेजबानी की थी जिसमें नए अनुसंधान सहयोग पर चर्चा की गई। यहाँ पर अपने इस आवास के दौरान, प्रोफेसर आरमान ने 16 जनवरी 2015 को "जन्म लेना या ना लेना : सहायता प्रजनन तकनीकों के लेंस से लैंगिक न्याय" विषय पर एक जेडी वार्ता प्रस्तुत की थी।

सुश्री दीपिका कोठारी ने 10 मार्च, 2015 को "भारत में मातृसत्ता और हमारी सांस्कृतिक परंपराओं में इसका आधार" पर एक जेडी वार्ता में संबोधित किया। इस अवसर पर, सुश्री दीपिका कोठारी द्वारा निर्मित फिल्म भी प्रदर्शित की गई और इस पर चर्चा की गई।

### अनुसंधान परियोजनाएँ

अजीत एन. माथुर और अनीता केराई तेज़ी से बढ़ते वाणिज्यिक सरोगेसी उद्योग पर एक नया शोध अध्ययन शुरू किया जिसमें भारत (नेपाल और थाईलैंड के अलावा) एक प्रमुख केंद्र है और उसका मूल्य भारत और कई उन्नत देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार के मूल्य से अधिक है। पहले खोजपूर्ण अध्ययन का उद्देश्य व्यवसाय मॉडलों में ऊभरते नवाचारों में से लैंगिक न्याय के लिए खड़ी हो रही नई चुनौतियों वाली सेवाओं में नए गैट्स(जीएटीएस) व्यवसाय से निकले नीति शोध प्रश्नों के इर्दगिर्द अधिक विस्तृत जाँच शुरू करने की संभावनाओं का दायरा बनाना था। इस विषय पर तैयार किया गया पहला आलेख बैंगलुरू में 10वें राष्ट्रीय सार्वजनिक नीति सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया।

इस आलेख में नीतिगत कमियों और खालीपन पर ध्यान केन्द्रित किया गया, जिससे शोषणकर्ता श्रम बाजार संचालित करते हैं तथा व्यापार नैतिकता या औचित्य के संबंध में गतिविधियाँ एक ग्रे क्षेत्र में पड़ती हैं लेकिन इन्हें अन्यायपूर्ण या गैरकानूनी या अवैध नहीं कहा जा सकता है। इससे पहले की नीतियों के बारे में सोचा जाए और बनाई जायें उससे पहले ही पर्याप्त नीतियों के अभाव के कारण सीमा पार से आउटसोर्सिंग द्वारा व्यावसायिक सरोगेसी के माध्यम से मातृत्व के बारे में भारत सरोगेट मातृत्व के लिए एक अंतरराष्ट्रीय केन्द्र बन गया है। इस आधारपत्र का निष्कर्ष था कि यह समस्या तिगुनी है (1) इससे गुलामी के परिणाम आए हैं, जेल श्रम और बंधुआ मजदूरी के परिणाम भी निकले हैं तथा इसमें बंदी बन

गए हैं, (2) अजन्मे बच्चों के अधिकार प्रभावित होते हैं क्योंकि इसकी कोई गारंटी नहीं है कि जन्मा हुआ बच्चा जिस स्थिति में पैदा हुआ है उसी प्राकृतिक पहचान लिए हुए होगा या जिस स्थिति में शुक्राणु या अंडकोष के दाता थे उसकी पहचान लिए हुए होगा, क्योंकि जर्मनी जैसे कई देश मातृत्व-पितृत्व के लिए सरोगेसी को एक साधन के रूप में मान्यता नहीं देते हैं, और (3) ऐसी कोई व्यवस्था या कोई नीति नहीं है जो यदि अंडकोषदाता भारत में या अन्यत्र बच्चों को पालने में असमर्थ हों तो ऐसे देशों में बच्चों को बढ़ावा देने में सक्षम बनाए जहाँ वे जन्मते हैं या जहाँ के अंडकोषदाता होते हैं। इससे सभ्य काम, मानव अधिकार, अंतरराष्ट्रीय प्रवास तथा मोड-2 (विदेश में उपभोग) तथा मोड-4 (मूवमेंट ऑफ़ नेचुरल पर्सन) के संबंध में किसी शासन के नागरिक दायित्वों के बारे में डब्ल्यूटीओ-विश्व व्यापार संगठन- की सेवाओं में व्यापार पर सामान्य समझौते-गैट्स- के तहत प्रश्न खड़े होते हैं जो नीति व नियमन में अंतर बताते हैं। इन सबसे ऊपर, मनुष्यता के लिए मानव उपयोग की कोई सीमा भी है या नहीं, यह सबसे महत्वपूर्ण सवाल उठता है।

### अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के समारोह

केंद्र ने 08-09 मार्च, 2015 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने के लिए दो समारोहों का आयोजन किया जिनमें निम्नलिखित कार्यक्रमों के लिए मुक्त नामांकन रखा था :

- लिंग समानता और विविधता पर अधिक शोध के लिए एक एजेंडा बनाने हेतु नेटवर्क और समूह बनाने की दृष्टि से स्वयं के जीवन, भूमिकाओं और अनुभवों को साझा करना।
- नीति निर्माता, व्यवसायी, विद्वान लैंगिक न्याय पर क्या सोचते हैं और करते हैं, उन विमर्शों को सुनना।
- यह जानना कि आईआईएमए अनुसंधान ने विभिन्न संगठनों में जेडी की पद्धतियों के बारे में क्या पता लगाया।
- लैंगिक न्याय और सद्भाव के लिए संभावित क्षमता निर्माण की पहल की एक गहरी समझ विकसित करना।

### 'प्राधिकरण में महिला' पर गोलमेज सम्मेलन

यह विषय इस चिंता से उभरा कि सहायकारी संबंधों में कार्य पदों में "वरिष्ठ", "कनिष्ठ" जैसे तथा पालक/आश्रित, प्रशिक्षक/प्रशिक्षु जैसे साथियों के रूप में संबंधितता में काम करते हुए बहुसंख्या में कैसे पुरुष तथा महिलाएँ कार्यालयों में जुड़ते तथा अंतर्क्रिया करते हैं। अधिक से अधिक पुरुष और महिलाएँ उल्लेखनीय नियुक्तियों में जोड़े के रूप में एक ही या अलग अलग संगठनों में काम करते हैं तथा कार्य-जीवन संतुलन के बारे में चिंतित रहते हैं, परिवारों और कार्यस्थलों, और संगठनात्मक संबद्धता की राजनीति में काम करने के लिए लैंगिक विभाजन संबद्धता, उनके लिए शिक्षा, व्यापार, उद्यमशीलता, व्यवसायों व रोजगारों की एक श्रेणी, तथा सिविल सेवाओं के अपने अनुभव साझा किये।

पूछताछ के अलग अलग तरीकों को खोजते हुए प्रश्न : नीति निर्माता, व्यवसायी और विद्वान इन चुनौतियों का कैसे सामना करते हैं? अपने जीवन तथा कार्यस्थल पर पुरुष और महिलाएँ इन मुद्दों से कैसे जूझ सकते हैं? वक्ताओं में डॉ कमल नागपाल-निदेशक, रेटिना फाउंडेशन, प्रोफेसर सरी मट्टिला-आईआईएम बैंगलोर, सुश्री प्रणीत बख्शी, अमेरिकन एक्सप्रेस, प्रकाश कुलकर्णी, निदेशक, प्राग टूल्स, सुश्री यशस्विनी रामास्वामी-आईआईएम बंगलौर में महिला उद्यमिता कार्यक्रम की संस्थापक, प्रोफेसर ज्योत्सना लता बेलिअप्पा-अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, सुश्री गौरी त्रिवेदी-आईएएस, और सुश्री नित्या जे.-अंतर्नाद फाउंडेशन शामिल थे। प्रोफेसर अजीत एन. माथुर, आईआईएम अहमदाबाद ने आईआईएमए जेडी केंद्र की पहल से मिले परिणामों को साझा किया। इस गोलमेज सम्मेलन ने यह निष्कर्ष निकाला कि व्यावसायिकों के रूप में महिलाएँ यदि उन्हें पौरुषी मानंदडों के अनुरूप व्यवहार की रेंज में सीमित करके उनकी क्षमताओं के विकास को सीमित करने के लिए विवश किया जाता है तो विशेष रूप से कमजोर हो जाती हैं।

### "प्रगति अवरोध हटाना" पर संगोष्ठी

चूँकि एक अदृश्य अवरोध के रूप में "प्रगति अवरोध" के बारे में बहुत कुछ कहा व लिखा गया है, जो महिलाओं को चार-दीवारी से बाहर निकालकर संगठनात्मक पदानुक्रम में बढ़ने से रोकता है अथवा तो उस जिम्मेदारी के पदों तक बढ़ने से रोकता है जो निश्चित स्तर से आगे बढ़ने से महिलाओं को रोकता है जिसमें ऐसा कोई कारण नहीं होता कि इस तरह से महिलाओं को अलग क्यों रखा जाना चाहिए, इसमें उठाए गए प्रश्न इस तरह से थे : क्या कोई ऐसा अदृश्य अवरोध है? सफल महिलाओं ने कैसे इसको पार किया है? कौन-से अन्य तरीके लिंग समानता, विविधता और समावेशन की सुविधा देते हैं? क्या भुगतान के तरीके अनुचित हैं? क्या प्रगति अवरोध को दूर करने के लिए संगठन रणनीति अपना सकते हैं? व्यवसायी महिलाएँ प्रगति अवरोध को तोड़ने के लिए क्या कर सकती हैं? इसमें फ़्लैम विश्वविद्यालय की संस्थापक अध्यक्ष प्रोफेसर इंदिरा जे परीख मुख्य वक्ता थी। मुख्य भाषण के बाद प्रोफेसर आशा कौल, प्रोफेसर शेरोन बार्नहार्त, प्रोफेसर पवन मामिडी, प्रोफेसर मंजरी सिंह और प्रोफेसर बीजू वर्की के नेतृत्व में संवादात्मक पैनल चर्चा, और मध्याह्न भोजन के बाद के सत्र हुए।

## 2. अवसंरचना नीति और नियमन केन्द्र

अवसंरचना नीति और विनियमन केंद्र (सीआईपीआर), परामर्शी सेवाओं, शिक्षा, प्रकाशन, अनुसंधान तथा अवसंरचना, नीति व विनियमन के क्षेत्रों में प्रशिक्षण को बढ़ावा देता है। सीआईपीआर, संस्थान में उपलब्ध बुनियादी ढांचे व विनियमन के क्षेत्रों में नीति अनुसंधान में महत्त्वपूर्ण अनुभव को शक्ति प्रदान करने का प्रयास करता है।

### अनुकूलित प्रशिक्षण कार्यक्रम

- सार्वजनिक नीति पर आर्थिक मामलों के विभाग के लिए दो-सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भारतीय आर्थिक सेवा (आईईएस) के बैच-2013 के अधिकारी प्रशिक्षु प्रतिभागी के तौर पर इसमें उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का आयोजन प्रतिभागियों के निजी कौशल निर्माण को सुधारने, सार्वजनिक नीति की उनकी समझ को बढ़ाने तथा आर्थिक वातावरण के प्रति उनकी समझ को गहन बनाने के लिए किया गया था।
- भारतीय नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के लिए वित्त पर दो सप्ताह का एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के प्रतिभागियों में भारतीय लेखापरीक्षा एवं लेखा सेवा (आइए एवं एएस) के बैच-2013 के अधिकारी प्रशिक्षुओं में शामिल थे।
- दिल्ली जल मंडल के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए परियोजना प्रबंधन तथा पीपीपी पर दो कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।
- पावर एक्सचेंज इंडिया लिमिटेड (पीएक्सआईएल) के लिए 'भारत में पावर ट्रांसमिशन : प्रणाली, मुद्दे, तथा परिप्रेक्ष्य' विषय पर एक प्रबंधन विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- भारतीय लेखापरीक्षा एवं लेखा सेवा (आइए एवं एएस) के अधिकारियों के लिए दूसरे कार्यकारी अधिकारी विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय लेखापरीक्षा एवं लेखा सेवा (आइए एवं एएस) के अधिकारियों के तकनीकी तथा प्रबंधकीय कौशलों को सुधारना है।
- सीआईपीआर ने कंपनी-गत एल एंड टी आईपीएम कार्यक्रम के संचालन में सहायता प्रदान की।
- सीआईपीआर ने केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के भारतीय राजस्व सेवा के (मुख्य आयकर आयुक्तों) वरिष्ठतम अधिकारियों के लिए एड्वान्स्ड़ मध्य-कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम दो चरणों में संचालित किया गया। पहले चरण में संस्थान में ही तीन सप्ताह का एक गहन आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल था जबकि द्वितीय चरण हार्वर्ड बिजनेस स्कूल में आयोजित किया गया।

- सीआईपीआर ने भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए सामरिक नेतृत्व कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में संगठनात्मक संदर्भ में बीमा बाजार, प्रवृत्तियाँ और अपेक्षित परिवर्तन, आर्थिक रुझान, और परिवर्तन व साथ-साथ नेतृत्व पर ध्यान केंद्रित किया गया।
- सीआईपीआर ने एमएमटीसी लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए सामरिक नेतृत्व कार्यक्रम का आयोजन किया।

## 3. नवप्रवर्तन ऊष्मायन एवं उद्यमिता केन्द्र

नवप्रवर्तन, ऊष्मायन और उद्यमिता केंद्र (सीआईआईई) भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग तथा गुजरात सरकार के सहयोग में स्थापित नवप्रवर्तन उद्यमशीलता को बढ़ावा देने वाला एक केंद्र है। सीआईआईई निवेशकों, उद्यमियों, नवप्रवर्तकों, सेवा प्रदाताओं, तथा उद्यमशीलता को बढ़ावा देते अन्य पारिस्थितिकी तंत्र हितधारकों के साथ मिलकर काम करता है।

सीआईआईई ने सन् 2002 से एक सक्रिय भूमिका निभाई है और विभिन्न क्षेत्रों में भारतीय स्टार्टअपों की उद्यमकारी भावना को पहचानने तथा पोषण प्रदान करने में यह हिमायती बना रहा है। वर्ष 2008 में, सीआईआईई की निवेश इकाई को उद्यमों के लिए पर्याप्त वित्तीय सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया था जो समय के साथ स्थायी प्रभाव पैदा करने में सक्षम हो जाएगा।

### सीआईआई के काम :

- 400,000 से अधिक लोगों को उद्यमशीलता के लिए प्रेरित किया
- अपने विचारों को ठोस रूप देने में 30,000 से अधिक लोगों की सहायता की
- 4000 से अधिक उद्यमियों का मार्गदर्शन किया
- 200 से अधिक उद्यमियों को समर्थन दिया
- लगभग 90 उद्यमों में निवेश किया; जिनसे सीआईआईई को शेष पोर्टफोलियो के लिए काफी बेहतर प्रदर्शन करने के साथ सामाजिक उपक्रम से 9:1 का फॉलो-ऑन स्तर मिला।

### सामाजिक क्षेत्र में गतिविधियाँ

सीआईआईई अपने दो नवप्रवर्तक स्टार्टअप को सीएसआर योगदान से सुविधाजनक बनाने के द्वारा सीएसआर तथा उद्यमशीलता के बीच संबंध बनाने में जुटा हुआ है। जबकि जीवन विज्ञान में - बहुत बड़े टीएकेई (टेइक) सॉल्युशन्स ने अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के कौशल प्रशिक्षण को डिजिटाईज करने वाले एक सामाजिक उद्यम बोधि स्वास्थ्य शिक्षा में निवेश करने के लिए सीआईआईई के साथ हाथ मिलाए हैं। वहीं महिंद्रा फाइनेंस सीएसआर ने अपनी वित्तिय सहायता कृषि क्षेत्र में विकास के नवीन डिजाइन तथा प्रौद्योगिकी इंटरवेंशन के एक स्टार्ट-अप सिकल नवप्रवर्तन को दे रहा है। कंपनी अधिनियम-2013 की अनुसूची सात में ऐसा प्रावधान है कि शैक्षणिक संस्थानों के भीतर प्रौद्योगिकी इन्क्यूबेटरों के लिए योगदान की राशि कंपनियों द्वारा सीएसआर समर्थन के तहत वैध गतिविधियाँ हैं। सीएसआर अनुदान का बहुत महत्त्व है क्योंकि इससे न केवल सीएसआर फंड के लिए पहुँच प्रदान होती है बल्कि उद्योग तथा इन्क्यूबेटरों के बीच संचार को प्रोत्साहन भी मिलता है।

### किसान उत्पादक संगठनों को सक्षम बनाना

सीआईआईई डच एजेंसी आईसीसीओ के सहयोग से एक प्रक्रिया अनुसंधान परियोजना के माध्यम से उड़ीसा और झारखंड में चार उत्पादक कंपनियों को समर्थन कर रहा है। सीआईआईई सामरिक, संचालनात्मक तथा रणनीतिक हस्तक्षेपों के माध्यम से स्थायी व्यापार मॉडल का निर्माण करने के लिए इन कंपनियों को मदद कर रहा है। ये कंपनियाँ हर्बल उत्पादों, जैविक मसाले, मशरूम, सबाई तथा बांस शिल्पकारी, और सब्जी उत्पादन के काम करती हैं।

इनमें से प्रत्येक निर्माता कंपनी के लिए व्यापार की योजना तथा वित्तीय मॉडल की तैयारी में यह परियोजना संपन्न होगी और उसके बाद सुझाये गए हस्तक्षेप के कार्यान्वयन के लिए छह महीने की अवधि का एक सामरिक समर्थन किया जाएगा।

### गंतव्य स्थान गतिवर्धक

गंतव्य स्थान गतिवर्धक कार्यक्रम का आयोजन ऊर्जा, स्वास्थ्य, कृषि एवं वितरण में सर्वाधिक नवप्रवर्तक उद्यम तथा अमेरिका स्थित प्रभाव निवेश कंपनी विलेज कैपिटल जो "गंतव्य स्थान" में सेवाओं से वंचित जनसंख्या को सेवा वितरित करती है उसके साथ सहभागिता करके किया गया था। मार्च 2014 में, भारत में 350 से अधिक कंपनियों के लिए एक पाइप लाइन विकसित किया गया था तथा इस कार्यक्रम के लिए अप्रैल तक 200 आवेदन प्राप्त हुए। ऑनसाइट मुलाकात सहित संपूर्ण चयन प्रक्रिया के बाद, 12 लघुसूचीकृत कंपनियों को इस कार्यक्रम में जगह देने के लिए पेशकशें रखी गईं। इसका समापन वेंचर फॉरम के साथ हुआ, जिसमें समग्र भारत से 40 से अधिक निवेशकों ने प्रत्येक कंपनी द्वारा की गई गतिविधियों को सुनने के लिए भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में, बोधि हैल्थ एजुकेशन (स्वास्थ्य देखभाल) तथा पर्वता फ़ूड्स (कृषि व्यवसाय) को पूर्व-प्रतिबद्धित 50,000 डॉलर का निवेश प्राप्त हुआ।

### कार्यवाही पर प्रभाव के लिए नवीनीकरण

सीआईआईई सक्रिय रूप से सामाजिक निवेश स्थानों में गतिविधियों का समर्थन करने के लिए पूर्व छात्रों को जोड़ता है। पूर्वछात्रों को फिर से जोड़ने तथा संभव सहक्रियाओं का पता लगाने के लिए अध्यक्ष ने न्यूयॉर्क का दौरा किया था।

सीआईआईई टीम ने पूर्वछात्रों को फिर से जोड़ने के लिए सिंगापुर का दौरा किया। सीआईआईई को इम्पैक्ट इन्वेस्टमेंट एक्सचेंज एशिया (IIX) ने सिंगापुर में 12-13 जून, 2013 को आयोजित हुए अपने वार्षिक शिखर सम्मेलन इम्पैक्ट फॉरम में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया था। सिंगापुर में मार्च 2014 के कार्यक्रम के दौरान स्टार्टअपों में जिन्होंने निवेश करने में रुचि दिखाई थी उनको जोड़ने के लिए इस अवसर का इस्तेमाल किया गया।

### अक्षय एवं क्लीनटेक क्षेत्र की गतिविधियाँ

क्लीन टेक क्षेत्र में सीआईआईई की गतिविधियों को अब प्रारंभिक चरण उद्यम निधि - इनफ़्यूज़ वेंचर के तहत संस्थानगत आश्रय के तहत अंजाम दिया जाता है। इन्फ़्यूज़ सीआईआईई तथा अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम (आईएफसी), बीपी, गोदरेज इंडस्ट्रीज, भारत सरकार के नवीन व अक्षय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) एवं प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी), भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी), आईसीआईसीआई बैंक, तथा अन्य जैसे कई बड़े खेमे के नामों के बीच एक अनोखी सार्वजनिक-निजी-शिक्षा की साझेदारी है। इन्फ़्यूज़ ने अब तक 10 नवीन प्रारंभिक चरण कंपनियों में निवेश किया है।

इनफ़्यूज़ ने प्रारंभिक चरण के क्लीनटेक स्टार्टअपों के लिए पावरस्टार्ट एक्सलरेटर कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए एशियाई विकास बैंक के साथ अपनी भागीदारी को जारी रखा। इस वर्ष इस कार्यक्रम का आयोजन सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) तथा क्लीनटेक के मिलनबिंदु पर अभिनव उत्पादों तथा सेवाओं के स्टार्टअप विकास पर केन्द्रित करते हुए बंगलौर में किया गया था। एक्सलरेटर कार्यक्रम के अलावा, इन्फ़्यूज़ ने एशियाई विकास बैंक तथा नवीन एवं अक्षय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के सहयोग में दो अनुदान कार्यक्रम शुरू किए हैं। इस पहल के हिस्से के रूप में 13 क्लीनटेक सटार्टअपों को 5 लाख से लेकर 10 लाख रुपये तक के प्रतिकृति व प्राथमिक अनुदान प्रदान किए गए।

### आईसीटी क्षेत्र की गतिविधियाँ

फ़िनटेक/भुगतान, इंटरनेट की वस्तुएँ, क्लाउड कंप्यूटिंग, बड़े डेटा और विश्लेषण, और ई-गवर्नेंस जैसे

मुख्य आईसीटी क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए सीआईआईई की गतिविधियाँ पुणे से निवेश तथा गतिवर्धक का नेतृत्व करके बनाए रखना होगा। इसके अलावा, व्यापक दृष्टि से एक आईसीटी मूल निधि की स्थापना करने तथा एक पारिस्थितिकी तंत्र का नेतृत्व करने के लिए सेक्टर-संरेखित गतिवर्धक का संचालन और दुनिया भर के अन्य उद्यमशीलता के शहरों से व आईसीटी केन्द्रों के साथ एक वैश्विक रुप से जुड़ने का विश्वभर का केंद्र बनना है।

इन लक्ष्यों की दिशा में पहला कदम थिंकपूणे का प्रकाशन था/ यह वह रिपोर्ट है जिसमें पुणे पारिस्थितिकी तंत्र और इसके सफल स्टार्टअपों की शक्ति पर प्रकाश डाला गया है। सीआईआईई ने ब्रांड पुणे को अमेरिका के बे एरिया में ले जाने की योजना बनाई है। थिंकपुणे! को जुलाई के अंतिम सप्ताह में बे एरिया में आईआईटी के पूर्वछात्रों के आईआईटी बे एरिया मिलन समारोह में प्रदर्शनी में रखा जाएगा।

सीआईआईई सेक्टर-विशेष ग्रॉथकैम्पस को क्रियान्वित करेगा, जिससे प्रत्येक सेक्टर में होनहार स्टार्टअप एकसाथ आएंगे और उन्हें रणनीति के लिए बाज़ार तथा उत्पाद सत्यापन के लिए कॉरपोरेट भागीदारों के साथ जोड़ा जायेगा। यह केन्द्र कार्यक्रम के डिजाइनिंग तथा कार्यान्वयन में डिजिटल इंडिया चैलेंज के लिए नवप्रवर्तन के लिए इंटेल तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के साथ भी जुड़ा है।

### उद्यमशीलता मेला

स्थानन समिति ने उद्यमिता सेल तथा नवप्रवर्तन, ऊष्मायन, एवं उद्यमिता केंद्र (सीआईआईई) के सहयोग से 18 अक्टूबर, 2014 को एंत्रे मेला-2014 का आयोजन किया। एंत्रे मेले का उद्देश्य एंत्रे कंपनियों के लिए काम करने के लिए छात्रों को ऋण उपलब्ध कराना है। इसके लिए निम्न रूप में एक मंच का सृजन किया :

- एंत्रे कंपनियाँ अपना उद्यम चलाने में रूचि रखने वाले प्रतिभाशाली छात्रों को आगे बढ़ने के लिए उन्हें एक मंच प्रदान करती हैं।
- उद्यमशीलता अपनाने का निर्णय लेने से पहले अनुभव प्राप्त करने के लिए एंत्रे  कंपनी छात्रों को प्रशिक्षु बनने का अवसर प्रदान करती हैं।

यह विचार अगली पीढ़ी के उद्यमियों को प्रेरित करने के लिए छात्रों और एंत्रे फर्मों के बीच मजबूत संबंधों के निर्माण करने के लिए है। एंत्रे मेले वेबिनार तथा इन अन्य बी-स्कूलों में से हितधारकों के उद्यमियों सहित नेटवर्किंग के माध्यम से उन्हें प्रकाश में लाता है।

इस वर्ष के एंत्रे मेले में विकास के विभिन्न चरणों में फैली 20 कंपनियों से भागीदारी देखी गई। परिसर में आई कुछ कंपनियों में एनपारादिग्म, ग्रेट स्पॉर्ट्स इंफ्रा, तथा मायस्मार्टप्राइसडॉटकॉम शामिल थी। हेक्टर बेवरेजिस जैसी कंपनियों ने स्काइप द्वारा छात्रों के साथ बातचीत की। वक्ताओं के पैनल में श्री शंकर मारुवडा (सह संस्थापक, मार्केटिक्स) और श्री पावन नंदा (सह संस्थापक, ज़ोस्टेल) शामिल थे।

पिछले वर्ष की तरह, देश भर से तथा विदेशों से आए छात्रों के लिए प्रस्तुतियाँ प्रसारित की गई। वेबिनार में ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस और जर्मनी जैसे देशों से जमावड़ा देखा गया।

### अनुसंधान एवं प्रकाशन गतिविधियाँ

सीआईआईई नई प्रवृत्तियों, नवाचार, तथा उद्यमिता के क्षेत्र में उद्यम निवेश, उद्यमशीलता, तथा प्रौद्योगिकी विकास में आवश्यक कौशलों को विकसित करने के लिए अनुसंधान एवं प्रशिक्षण देता है।

सीआईआईई ने नए प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों, डिजाइन, तथा व्यापार मॉडल (एनटीएडीबीएम) पर एक नया पाठ्यक्रम बनाया है। संस्थान तथा एनआईडी के छात्रों को राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी) के साथ सहयोग से एनटीएबीडीएम की पेशकश की है।

शैक्षिक प्रयोजनों के लिए स्टार्टअप साहित्य को बढ़ावा देने के उद्देश्य के साथ, सीआईआईई ने नई प्रवृत्तियों तथा उद्यमिता पर केस-लेखन शुरू किया। अधिग्रहण, विपणन तथा व्यावसायीकरण में चुनौतियाँ, आदि जैसे विविध क्षेत्रों में ध्यान केन्द्रित करने वाले स्टार्टअपों पर ये केस लेखन थे।

### अन्य नई पहलें

सीआईआईई ने अपनी नवप्रवर्तन तथा निवेश गतिविधियों के माध्यम से उद्यमशीलता का समर्थन करने के लिए कई पहलें की है। प्रारंभिक चरण में दूरदर्शी निवेशकों तथा क्रांतिकारी स्टार्टअपों को एक साथ लाने की दिशा में जोखिम पूंजी निवेशकों से जोड़ने के लिए किये गए प्रयासों को एक कदम के रूप में देखा गया। इसमें स्टार्टअप परिचय पत्र, स्टार्टअप मूल्यांकन को मिलान धन उपलब्ध कराने के द्वारा सौदों पर सहयोग, तथा नवप्रवर्तन एवं प्रबंधकीय सहायता प्रदान करने के माध्यम से मान्य तरीके से यथोचित परिश्रम उपलब्ध कराते हुए परिश्रम की तरह सेवाएं प्रदान करना शामिल है।

सीआईआईई ने पानी व साफ-सफाई तथा कृषि व कृषि से संबंधित आजीविका जैसे सार्वजनिक सेवा क्षेत्रों में उद्यमशीलता तथा नवीनता को आकर्षित करने के प्रयास किए हैं। वाटर कॉलैब नामक एक नई पहल में एक प्रोटोटाइप प्रयोगशाला तथा व्यापार इनक्यूबेटर शामिल होंगे जो उपचार व शुद्धकिरण, वितरण व आपूर्ति, स्वच्छता, तथा सिंचाई जैसे क्षेत्रों में नए उद्यमियों को आकर्षित करने के लिए है। वाटर कॉलैब केवल इन प्रौद्योगिकियों की अवधारणा के ठोस सबूतों को प्रदान करने के लिए कम सेवा वाले क्षेत्रों में नई प्रौद्योगिकियों तथा व्यापार मॉडलों का मार्गदर्शन देने के लिए राज्य सरकारों से भागीदारी ही नहीं कर रहा है, अपितु बुनियादी ढाँचे के क्षेत्र में निजी क्षेत्र की भागीदारी की शक्ति भी दर्शाता है।

### प्रशिक्षण एवं संबंधों का निर्माण

**एन्जिल निवेश शिक्षा कार्यशाला :** हाई नेट वर्थ इंडिविजुअल (एचएनआईएस) – उच्च निवल मूल्य प्रशिक्षण के लक्ष्य के साथ तथा स्टार्ट-अपों में प्रारंभिक जोखिम पूंजी निवेश करने के प्रारंभिक ज्ञान पर संभावित निवेशकों के साथ लेट्सवेंचर के सहयोग से अहमदाबाद में एक कार्यशाला आयोजित की गई। अहमदाबाद से लगभग 30 एचएनआई तथा दूसरी पीढ़ी के उद्यमियों ने इस कार्यशाला में भाग लिया।

सीआईआईई गुजरात भर में उच्च क्षमता तकनीक के स्टार्टअपों के लिए निवेश प्रदर्शन योजना बना रहा है। इससे राज्य में एचएनआई और व्यक्तिगत निवेशकों को आकर्षक निवेश के अवसर मिलेंगे।

**निवेशक प्रदर्शन दिवस :** प्रदर्शन दिवस का समापन इनफ़्यूज़ के पावरस्टार्ट शो से हुआ जिसमें देशभर से आए निवेशकों ने भाग लिया, जिसे प्रतिभागियों के बारे में अधिक जानने के लिए और उत्पाद डेमो का पहला नजारा प्राप्त करने के लिए आयोजित किया गया था। यह कार्यक्रम बेंगलोर में भी आयोजित किया गया था जिसमें स्टार्टअपों की समीक्षा के लिए देशभर से निवेशकों को आमंत्रित किया गया था।

**निवेश के अवसर और संबंध निर्माण** : क्षेत्र-केंद्रित निवेश की पहलों से अलग, सीआईआईई ने स्टार्टअपों के लिए संगठनात्मक प्रदाताओं के रूप में भी व्यक्तिगत निवेशकों में भारी उछाल देखा गया। विभिन्न प्लेटफार्मों के माध्यम से निवेशकों के समक्ष दिखाई गई कंपनियों के पोर्टफोलियो अलावा, गैर-पोर्टफोलियो कंपनियों का भी सीआईआईई द्वारा वित्त-पोषित मॉडलिंग किया जाता है और शुल्क योग्य आधार पर निधि जुटाई जाती है। इससे केवल पोर्टफोलियो कंपनियों के निवेशकों के लिए ही व्यापक विकल्प से जुड़ना नहीं होता, बल्कि उद्यमशीलता के महान कार्य को भी बढ़ावा मिलता है।

### पारिस्थितिकी तंत्र के विकास की गतिविधियाँ

**स्टार्टअप ओएसिस में गतिविधियाँ** : सीआईआईई ने जयपुर में रीको (आरआईआईसीओ) के सहयोग से स्टार्टअप ओएसिस इन्क्यूबेशन सेंटर की स्थापना की है। स्टार्टअप ओएसिस ने राज्य में उद्यमशीलता को प्रेरित करने के विचार की शुरूआत मार्च 2014 में की। प्राप्त प्रविष्टियों को लघुसूचीकृत किया

गया, मार्गदर्शन दिया गया और 10 टीमों को जून 2014 में एक महीने के मदद शिविर के माध्यम से अंततः लिया गया और एक प्रदर्शन दिवस के साथ समापन हुआ। राजस्थान एंजल निवेशक नेटवर्क (आरएआईएन) तथा इंडियन एंजिल नेटवर्क (आईएएन) ने इस समारोह में भाग लिया और दो टीमों को आरएआईएन की तरफ से मूलधन प्रदान हुआ जबकि अन्य टीमों को स्टार्टअप ओएसिस इनक्यूबेशन सेंटर में ऊष्मायन की पेशकश की गई।

स्टार्टअप ओएसिस ने संयुक्त रूप से पारिस्थितिकी तंत्र के समारोहों तथा कार्यक्रमों का संचालन करने के लिए टाई राजस्थान तथा आरएआईएन के साथ समझौता ज्ञापन किया। टाई इंटरनेशनल बिजनेस प्लान प्रतियोगिता संयुक्त रूप से आयोजित की गई और इस प्रतियोगिता का जयपुर में एम एन आई टी में दो दिन के मदद शिविर में समापन हुआ। स्टार्टअप ओएसिस ने राज्य में सामाजिक उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त स्काउटिंग तथा ऊष्मायन कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए विलग्रो एवं युनिटस सीड फ़ंड के साथ भी समझौता ज्ञापन किया।

स्टार्टअप ओएसिस ने टेकफ़ोरराज नामक एक सामाजिक नवप्रवर्तन स्काउटिंग कार्यक्रम का आयोजन पानी, कृषि, क्लीनटेक, हस्तकला आदि में नवप्रवर्तन तथा व्यापार मॉडलों का समर्थन करने के लिए किया। बारह टीमों को एक मदद शिविर के माध्यम से लिया गया और चार टीमों को पुरस्कृत किया गया। इसके अलावा, एक क्राफ्ट मदद शिविर का आयोजन भारतीय हस्तकला एवं डिजाइन संस्थान (आईआईसीडी) के साथ साझेदारी में किया गया जिसमें नौ हस्तकला / उद्यमियों को दो दिवसीय गहन मदद शिविर के माध्यम से आगे लाया गया और विभिन्न सहायक स्टार्टअप प्रौद्योगिकियों से परिचित कराया।

इस अवधि के दौरान, स्टार्टअप ओएसिस के स्टार्टअपों में से एक रेज़रपे का चयन सिलिकॉन वैली में प्रतिष्ठित वाईकॉम्बिनेटर एक्सेलरेशन कार्यक्रम में हुआ जो भारत में ऐसी उपलब्धि हासिल करने वाली दूसरी प्रतिष्ठित कंपनी है। इसके अलावा, चार स्टार्टअपों ने एंजल / मूल धन प्राप्त किया, सत्रह स्टार्टअप व्यावसायिक रूप से अपने उत्पादों और सेवाओं को लॉन्च करने में सक्षम थे, और दो स्टार्टअपों को एक बड़ी कंपनी ने अधिगृहित किया।

**युवा मेवरिक्स फैलोशिप कार्यक्रम** : युवा आईआईएमेवरिक्स फैलोशिप में 12 स्नातक छात्रों का एक बैच था जिसने उद्यमिता का गैर-परंपरागत मार्ग अपनाने का फैसला किया। इन 12 छात्रों में से तीन ने पहले ही एक कंपनी पंजीकृत करा ली है।

संस्थान के छात्रों का समर्थन करने के लिए दो नई पहल शुरू की गई हैं। आईआईएमेवरिक्स विस्तारित पूर्वछात्रों के लिए एक फैलोशिप कार्यक्रम है जो प्रारंभिक चरण के स्टार्टअप हैं या कुछ व्यापार आइडिया पर काम करने की सोच रहे हैं और मार्गदर्शन तथा अनुदान के रूप में समर्थन ढूँढ़ रहे हैं। दस पूर्वछात्रों को निवेशकों, मार्गदर्शकों, तथा सीआईआईई टीम के सदस्यों के समक्ष पेश करने से पहले लघुसूचीबद्ध किया गया। चार मार्गदर्शक तीन स्टार्टअपों का समर्थन के लिए सहमत हुए तथा एक टीम वित्त पोषण के लिए चर्चा में है।

ग्रीष्मकालीन स्थानन योजना से बाहर रखकर स्नातक होने से पहले छात्रों को जोड़ना (ओओपीएस-ऊप्स) दूसरी पहल थी। पंद्रह छात्रों ने सीआईआईई के मार्गदर्शन के तहत अपने व्यापार विचार पर काम करने के लिए ग्रीष्मकालीन स्थानन से बाहर रहने का विकल्प चुना। पूर्वछात्र भी कुछ छात्रों के सपनों को पूरा करने के लिए दूसरे वर्ष भी सहायता देने के लिए आगे आए हैं।

**क्षमता निर्माण कार्यशालाएँ :** भारत के विकास की कहानी सामाजिक एवं आर्थिक असमानता द्वारा चिह्नित है। सामाजिक उद्यमी वर्तमान तथा भविष्य के सामाजिक एवं पर्यावरण संबंधी मुद्दों से निपटने के लिए एक वैकल्पिक दृष्टिकोण प्रदान करते हैं। जहाँ सामाजिक उद्यमिता के हित अधिक हैं, वहाँ सर्वाधिक सामाजिक उद्यमों के संस्थापक तथा सह-संस्थापक पहली बार उद्यमी हैं। इन उद्यमों के समर्थन के लिए प्रारंभिक

चरण समर्थन प्रदाताओं के रूप में मौजूद कुछ पारिस्थितिकी तंत्र, अविकसित हैं। जीआईजेड के साथ साथ, सीआईआईई ने कोयंबटूर, मदुरै, गुवाहाटी, मोहाली, गोवा, आणंद, नागपुर और हैदराबाद के आठ ऊष्मायकों की क्षमता का निर्माण करने के लिए एक अनूठी पहल को एक साथ रखा। इसका उद्देश्य नए ऊष्मायकों को सक्रिय रूप से परिपक्व बनाना है और तीन वर्षों में एंजल या सामाजिक उद्यमों के वित्त पोषण को स्वीकारने के लिए तैयार बीस निवेश सामाजिक उद्यमों का समर्थन करना है। सीआईआईई खाद्य एवं कृषि व्यवसाय, पानी, स्वास्थ्य देखभाल, और आईओटी भर में इन ऊष्मायकों के साथ चार गतिवर्धक कार्यक्रमों की योजना बना रहा है।

**स्टार्ट-अ-थॉन** : एक अंतर्विषय स्टार्ट-अप मदद शिविर स्टार्ट-अ-थॉन का आयोजन 9 जून और 4 जुलाई, 2014 के दौरान आईआईटी गाँधीनगर और राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान के संकाय विशेषज्ञों तथा माइका के ऊष्मायकों के साथ मिलकर किया गया था। इस शिविर में अंतर- संस्थानीय सहयोग की खूबियाँ देखी गई तो दूसरी ओर एक अद्वितीय पाठ्यक्रम से प्रयोग भी किया गया, जिसमें डिजाइन सोच, निर्भर स्टार्टअप, और ग्राहक सत्यापन के मॉड्यूल शामिल थे। चार सप्ताहों में, 29 छात्रों ने ग्रामीण स्वास्थ्य देखभाल, भंडार विश्लेषिकी, शैक्षणिक खेल, सड़क पर बिकने वाले खाद्य, अर्द्ध कुशल व्यक्तियों की भर्ती, मोबाइल आधारित भेंट, और खाद्य / आतिथ्य संबंधित परियोजनाओं को पूरा किया। सीआईआईई ने ऐसे पाठ्यक्रम से प्रयोग किया जिनमें डिजाइन सोच, कमजोर व्यापार मॉडलिंग तथा अनेक ग्राहक सत्यापन के मॉड्यूलों को एकीकृत किया गया और इनसे टीमों को मजबूत ग्राहक ज्ञान पर निर्मित परियोजनाएँ / प्रोटोटाइप बनाने की क्षमता मिली।

**सहकार्य स्थान (आइडियापैड) :** आइडियापैड चाय-कॉफी के समय समारोहों, प्रदर्शिनियों तथा इससे आगे की बातों पर एक साथ काम करके कई मायनों में आपस में संलग्न होने के लिए अहमदाबाद में उद्यमशीलता के उत्साही लोगों के लिए एक गतिशील, रचनात्मक, और सहयोगात्मक वातावरण को विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसे सीआईआईई में रखा एक नवप्रर्वतक क्लब कहा जा सकता है। यह एक ऐसा अवसर है जिसमें शहर के रचनात्मक लोगों को (कलाकार, डिजाइनर, नवप्रवर्तक, उद्यमी, फ्रीलांसर, आदि) एक साथ लाकर सहकार्य करने का प्रयास किया जाता है।

### सीआईआईई द्वारा आयोजित संगोष्ठी / वार्ता / चर्चाएँ : 2014-15

| संगोष्ठी की तिथि | विषय | वक्ता |
|---|---|---|
| 29/04/14 | इच्छुक उद्यमियों के लिए डिजाइन चिंतन कार्यशाला | अश्विन जोशी, उपाध्यक्ष - पारिस्थितिकी तंत्र विकास, सीआईआईई |
| 10/05/14 | ई-चाय ऐप चुनौती | जतिन चौधरी, सह-संस्थापक एवं सीईओ, प्वाइंट10 वेंचर्स |
| 02/08/14 | अहमदाबाद जावा मिलन | मोंगो डीबी से परिचय पर कार्यशाला |
| 07/10/14 - 10/10/14 | प्रबंध अध्ययन वैश्विक केन्द्र के छात्रों के लिए उद्यमिता सत्र | रोहित लालवानी |
| 10/10/14 | क्लासलिंक्स का शुभारंभ | तेजल अमीन, अध्यक्ष, नवरचना एजुकेशनल सोसायटी |
| 27/10/14 - 31/10/14 | एकलव्य डिजाइन चिंतन कार्यशाला | हिना नयनानी, सीआईआईई |
| 18/01/15 | अमेथॉन 2015 | सामरिक केस अध्ययन प्रतियोगिता |
| 15/02/15 | अपरंपरागत अहमदाबाद | अनुज शर्मा, सीओओ-सर्वजल<br>चंदु नायर, सह-संस्थापक-स्कोप ई-ज्ञान केंद्र एवं विलग्रो में सामाजिक उद्यमियों के लिए संरक्षक। |
| 16/02/15 | संवादात्मक सत्र | अरुण श्रॉफ, सह-संस्थापक एवं मेडइंडिया.नेट के सीटीओ |

| संगोष्ठी की तिथि | विषय | वक्ता |
|---|---|---|
| 17/03/15 | उद्यमी पारिस्थितिकी तंत्र मिलन | प्रोफेसर बी.एच. जाजू, संकाय-आईआईएम अहमदाबाद तथा आईसीटी विशेषज्ञ<br>कुणाल उपाध्याय, सीईओ-सीआईआईई |
| 27/03/15 | आईआईएमेवरिक्स कार्यशाला | कुणाल उपाध्याय, सीईओ-सीआईआईई<br>प्रोफेसर राकेश बसंत, अध्यक्ष-सीआईआईई |
| शनिवार- स्टार्टअप के अंतर्गत व्याख्यान | | |
| 12/04/14 | बिक्री और विपणन – कार्य निष्पादन के लिए रणनीति | समीर पटेल, मैप्रोसिस<br>उदय सिंह, मैप्रोसिस |
| 09/08/14 | आईबीएम द्वारा संचालित स्टार्टअपों के लिए विपणन और वित्तपोषण अंतर्दृष्टि | राधेश कनुमुरी |
| 13/09/14 | खाद्य एवं पेय पदार्थ क्षेत्र में अवसर | विशाल पटेल, टेइकईट.कॉम<br>रोहन भट्ट, व्यवस्थापक, अहमदाबाद में फ़ूडाहॉलिक्स, तथा वरुण भट्टाचार्य<br>आशीष व्यास तथा विद्या राणा, लवफ़ॉरसेलड.कॉम<br>खुशाल वैद, सब्जीवाली.कॉम |
| 11/10/14 | स्टार्टअपों के लिए शिक्षा एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अवसर | सुनील हांडा, एकलव्य शिक्षा फाउंडेशन<br>डॉ. दीप लोधरी, मायटेस्टबडी.कॉम<br>हरीश अय्यर, कंसेप्ट्स आईकनेक्ट प्रा.लि. एवं फ़्लिंट.कॉम |
| 08/11/14 | ई-वाणिज्य में अवसर | मनु मिधा, उपप्रमुख - रणनीति एवं संचालन, इनफीबीम<br>हार्दिक, बोनितो<br>कौशल शाह, अहमदाबादगिफ़्टशॉप.कॉम तथा बंडलबाज़.कॉम |
| 13/12/14 | ऑनलाइन तथा ई-वाणिज्य व्यापार के लिए डिजिटल विपणन | प्रोफेसर पीयूष कुमार सिन्हा, भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद |
| मोबाइल मंडे के अंतर्गत वार्ता | | |
| 23/08/14 | मॉबिलिटी फ़िट है तो पिक्चर हिट है : मॉबिलिटी एप्स की तुलना में अधिक बेहतर है! | सिद्धेश भोबे, प्रमुख एवं सीईओ-ईमी एवं एवीपी, पर्सिस्टेंट सिस्टम्स लिमिटेड |
| 30/08/14 | सामाजिक क्षेत्र में गतिशीलता का महत्व | जिनेश हेगड़े, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, यूनिनॉर |

## 4. कृषि प्रबंधन केन्द्र

संस्थान में कृषि प्रबंध केंद्र (सीएमए) एक अंतर्विषयक समूह है, जो खाद्य, कृषि व्यवसाय, ग्रामीण एवं संबंधित क्षेत्रों में अनुप्रयुक्त नीति एवं समस्या समाधान के अनुसंधान में संलग्न है। शिक्षण, प्रशिक्षण एवं परामर्शी गतिविधियों के इन क्षेत्रों/विषयों में भी सीएमए शामिल है।

### अनुसंधान

#### पूर्ण हुए

वर्ष के दौरान चार अनुसंधान परियोजनाएँ पूर्ण की गई।

इन परियोजनाओं का सारांश **परिशिष्ट ट** में दिया गया है।

### ये अनुसंधान प्रगति पर हैं

- भारत में कृषि-निवेश विपणन मॉडेल : प्रदर्शन तथा क्षमता।
- कृषि जैवविविधता के जरिये जलवायु परिवर्तन का मुकाबला : एक गहन दृष्टि
- चावल की उत्पादकता तथा खाद्य सुरक्षा बढ़ाना : भारत के चुनिंदा राज्यों में चावल की उपज बढ़ाने का तरीका (एसआरआई) अपनाने का एक अध्ययन
- भारत के वायदा बाजारों में किसानों की भागीदारी : प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लाभ की तलाश
- सिंचाई और उद्यमशीलता : सुधार और विस्तार के लिए स्थिति तथा सबक
- भूमि स्वास्थ्य, पौधों का स्वास्थ्य, और मानव स्वास्थ्य

### अध्यापन

सीएमए ने पीजीपी-एबीएम, पीजीपी, तथा पीजीपीएक्स कार्यक्रमों में बीस पाठ्यक्रम चलाए।

### एफ पी एम (कृषि)

सीएमए ने प्रबंधन में फैलो कार्यक्रम (कृषि) के लिए छह पाठ्यक्रम चलाए।

### कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

वर्ष के दौरान तीन कार्यक्रम चलाए गए :

- सामरिक प्रतिस्पर्धी एवं सहयोगात्मक लाभ के लिए उपयोगी बौद्धिक संपदा
- अनुबंध खेती प्रबंधन
- ग्रामीण विपणन

### सम्मेलन

- राष्ट्रीय सामाजिक नवप्रवर्तन संगोष्ठी, 17 नवंबर, 2014 को पुणे में आयोजित।
- जमीनी स्तर पर रचनात्मकता एवं नवाचार पर तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 19-22 जनवरी, 2015.

## 5. स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन केन्द्र

संस्थान द्वारा भूतकाल में स्वास्थ्य क्षेत्र में दिए गए अपने योगदान की पहचान बनाने हेतु और देश में सामाजिक-आर्थिक विकास के संदर्भ में स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूती प्रदान करने की आवश्यकता को देखते हुए जून 2004 में स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन केंद्र (सीएमएचएस) की स्थापना की गई थी। सीएमएचएस का उद्देश्य क्षमतापूर्वक व प्रभावी रूप से विविध भागों की जनसंख्या की जरूरतों से निपटने के लिए स्वास्थ्य सेवाओं के वितरण में प्रबंधकीय चुनौतियों को पूरा करना और स्वास्थ्य क्षेत्र में उत्कृष्ट संस्थान का निर्माण करना तथा स्वास्थ्य नीतियों को प्रभावित करना है।

### सीएमएचएस से निम्न अपेक्षाएँ हैं :

- स्वास्थ्य क्षेत्र में हमारी भागीदारी के लिए जोर देते हुए दीर्घकालीन स्थिरता प्रदान करना।
- सामाजिक क्षेत्र में संस्थान की प्रतिबद्धता को प्रकाश में लाना।
- बड़ी परियोजनाओं में संस्थान की भागीदारी के लिए सुविधाएँ देना ।
- समग्र विश्व से स्वास्थ्य देखभाल के लिए अनुसंधानकर्ताओं को बुलाना।
- स्वास्थ्य प्रबंधन में शामिल अन्य संस्थानों के साथ सहसंचालनों का विकास करना।
- ज्ञान के प्रसार में सक्रिय रूप से भाग लेना।

सीएमएचएस ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में, अस्पताल प्रबंधन, चिकित्सकीय प्रयोगशाला प्रबंधन, इमेजिंग प्रयोगशाला प्रबंधन, मातृत्व स्वास्थ्य, एचआईवी / एड्स, संक्रमण नियंत्रण, ग्राम्य स्वास्थ्य, कैंसर की देखभाल, प्रबंधन

क्षमता के आकलन, इत्यादि में स्वास्थ्य नीति एवं योजना, प्रशासन तथा प्रबंधन की चुनौतियों पर केंद्रित अनुसंधान परियोजनाओं को अंजाम दिया है।

### संगोष्ठी श्रृंखला

सीएमएचएस ने अगस्त 2014 से महीने में एक संगोष्ठी आयोजित करने के उद्देश्य से एक संगोष्ठी श्रृंखला शुरू की है। इस वर्ष के दौरान, आठ संगोष्ठियों का आयोजन किया गया। इसके विवरण **परिशिष्ट ठ** में दिए गए हैं।

### परिसर से बाहर कार्यशाला

सीएमएचएस ने स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र और फार्मा उद्योग, चिकित्सा उपकरणों के निर्माताओं, आदि के व्यावसायिकों, शोधकर्ताओं, तथा शिक्षाविदों तक पहुँचने के लिए परिसर से बाहर कार्यशालाओं का आयोजन करना शुरू किया है।

"हेल्थकेयर एनालिटिक्स" पर पहली कार्यशाला बेंगलुरु में, 14 एवं 15 मार्च, 2015 के दौरान आयोजित की गई थी।

### केस अध्ययन विकास

सीएमएचएस के संकायों द्वारा लिखित केसों को अनुसंधान एवं प्रकाशन समिति द्वारा प्रकाशित विस्तृत वार्षिक रिपोर्ट में शामिल किया जाता है।

## 6. खुदरा बिक्री केन्द्र

खुदरा बिक्री केंद्र (सीएफआर) खुदरा प्रबंधन के विभिन्न क्षेत्रो में अनुसंधान करता है। सीएफआर के संकाय अनुसंधान, कार्यकारी शिक्षा, तथा खुदरा प्रबंधन से संबंधित सलाहकार सेवाओं की गतिविधियों में शामिल रहते हैं।

सीनियर एग्रिकल्चर आताचे के एडम ब्रैनसन तथा अमेरिकी महावाणिज्य दूतावास की प्रिया जशनानी के साथ सीएफआर के संकाय सदस्यों की एक बैठक में खाद्य पदार्थों की खुदरा बिक्री, होटल एवं रेस्तरांओं, और गुजरात में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रों, विदेशी कृषि सेवा कार्यालयों के कार्यक्रमों तथा सेवाओं में प्रवृत्तियों पर चर्चा की गई।

इस क्षेत्र में की गई शोध परियोजनाओं के विवरण **परिशिष्ट छ** में दिए गए हैं।

## 7. सार्वजनिक प्रणाली समूह

सार्वजनिक प्रणाली समूह (पी.एस.जी.) सामरिक सार्वजनिक प्रबंधन एवं सामाजिक नीति पर अनुसंधान, प्रशिक्षण, और संगठनात्मक कार्य संभालता है। इस समूह का उद्देश्य ऐसे अनुसंधान को बढ़ावा देना है जो सार्वजनिक प्रणालियों के प्रभावी प्रबंधन की अवधारणाएँ तथा सिद्धांत पैदा करेंगे और साथ साथ स्कॉलर जैसी समझ पायी जाए तथा सामाजिक व राजनीतिक प्रक्रियाओं की जोड़बंदी को समझा जाए जो नीति निर्माण की आधारशीला है। यह समूह विस्तृत अनुशासनात्मक पृष्ठभूमि और प्रबंधन के विषयों में सामाजिक विज्ञानों तथा मानविकी को एकीकृत करता है।

संकायों के वर्तमान अनुसंधान हितों में ऊर्जा एवं जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण एवं स्थिरता, अस्पताल एवं स्वास्थ्य प्रणालियाँ, ग्रामीण प्रबंधन, सार्वजनिक वित्त, शिक्षा नीति, परिवहन एवं विमानन प्रबंधन, बुनियादी ढांचे का विकास एवं पुनर्वास, सामुदायिक विकास, सार्वजनिक प्रणालियों में संचालन अनुसंधान, प्रभाव का आकलन शामिल हैं।

पाठ्यक्रम

पीजीपी

- विमानन व्यापार रणनीतियाँ
- कार्बन वित्त
- सीएसआर : प्रभाव के लिए धन का रूपांतरण
- आपदा प्रबंधन
- पर्यावरण प्रबंधन
- सुशासन एवं गरीबी में जी रहे लोग
- स्वास्थ्य बीमा
- अस्पताल प्रबंधन
- अवसंरचना विकास एवं वित्त व्यवस्था
- कॉर्पोरेट सामाजिक अनुत्तरदायित्व की जाँच
- ऊर्जा व्यापार प्रबंधन
- स्थायित्व प्रबंधन
- दूरसंचार उद्यम प्रबंधन
- सार्वजनिक वित्त
- लोक स्वास्थ्य प्रबंधन
- सार्वजनिक नीति
- सामाजिक उद्यमिता : नवप्रवर्तक सामाजिक परिवर्तन
- सामरिक परिवहन एवं भारतीय अर्थव्यवस्था में परिवर्तन
- परिवहन अवसंरचना
- शहरी अर्थशास्त्र एवं व्यावसायिक वातावरण
- स्वास्थ्य देखभाल में उद्यम

पीजीपी-एबीएम

- कार्बन वित्त (पीजीपी के साथ)
- कॉर्पोरेट सामाजिक अनुत्तरदायित्व की जाँच (पीजीपी के साथ)
- सार्वजनिक वित्त (पीजीपी के साथ)

पीजीपीएक्स

- अवसंरचना विकास एवं सार्वजनिक निजी भागीदारी
- कार्बन वित्त (पीजीपी के साथ)
- ऊर्जा व्यापार प्रबंधन (पीजीपी के साथ)
- सार्वजनिक नीति (पीजीपी के साथ)

एफ पी एम

- आर्थिक विकास एवं वृद्धि
- ऊर्जा एवं पर्यावरण नीति
- सार्वजनिक प्रणाली में ओआर एप्लिकेशन
- सार्वजनिक वित्त
- सार्वजनिक प्रबंधन
- सार्वजनिक नीति
- पर्यावरण प्रबंधन के लिए सार्वजनिक नीति साधन
- सामाजिक नीति में अनौपचारिक निष्कर्ष के लिए मात्रात्मक तरीके
- पर्यावरण प्रबंधन (पीजीपी के साथ)
- ऊर्जा व्यापार प्रबंधन (पीजीपी के साथ)

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

वर्ष के दौरान, निम्नलिखित कार्यक्रमों की पेशकश की गई :

- अवसंरचना में कानूनी एवं विनियामक मुद्दे*
- चिकित्सकीय लैब प्रबंधन **
- अस्पताल प्रबंधन **

* संयुक्त रूप से व्यापार नीति क्षेत्र के साथ पेशकश की गई

** संयुक्त रूप से सीएमएचएस के साथ पेशकश की गई

## 8. रवि जे. मथाई शैक्षणिक नवप्रवर्तन केन्द्र (आरजेएमसीईआई)

रवि जे. मथाई शैक्षणिक नवप्रवर्तन केंद्र (आरजेएमसीईआई) ने सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में हुए नवप्रवर्तनों पर अपनी शोध जारी रखी है। इस परियोजना का लक्ष्य उन सरकारी शिक्षकों को सशक्त बनाने का है जो शैक्षणिक समस्याओं के समाधान के संदर्भ में अपने बूते पर प्रयोग एवं नवप्रवर्तन करते हैं। इसे गुजरात तथा महाराष्ट्र की सरकारों के साथ भागीदारी में चलाया जाता है और इस केन्द्र ने 10000 से अधिक नवप्रवर्तनों की पहचान है जिनका उनकी प्रभावशीलता के लिए मूल्यांकन किया जा रहा है। नवप्रवर्तन प्रकोष्ठों को गुजरात में शिक्षा एवं प्रशिक्षण के लिए सभी जिला संस्थानों में स्थापित किया गया है। कई नवप्रवर्तन कार्यशालाएँ तथा राज्य स्तर के सम्मेलन गुजरात तथा महाराष्ट्र में आयोजित किए गए

हैं। मोबाइल तकनीक पर आधारित विकेन्द्रीकृत सहकर्मी विकास नेटवर्क को शिक्षकों तथा स्कूल प्रबंधन शिक्षा समितियों के साथ आजमाया जा रहा है। बच्चों के लिए अन्य वर्गीकृत शिक्षण सामग्री, तथा स्थानीय भाषा में पूरक विज्ञान एवं गणित शिक्षण के वीडियो भी बनाए गए हैं।

### पाठ्यक्रम

#### पीजीपी

- शिक्षा क्षेत्र में उद्यमिता

#### एफ पी एम

- संचार पाठ्यक्रम

आरजेएमसीईआई ने माध्यमिक स्कूलों के प्रिंसिपलों के लिए सप्ताह भर के कार्यक्रमों की पेशकश को जारी रखा। इस वर्ष देश के विभिन्न हिस्सों से 47 प्रिंसिपलों तथा स्कूलों के अग्रणियों ने भाग लिया।

# अनुशासनिक क्षेत्र

संस्थान में नौ अनुशासनिक क्षेत्र हैं : व्यापार नीति, संचार, अर्थशास्त्र, वित्त एवं लेखा, सूचना प्रणाली, विपणन, संगठनात्मक व्यवहार, कार्मिक व औद्योगिक संबंध तथा उत्पादन एवं मात्रात्मक तरीके। कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों के अलावा, पीजीपी, पीजीपी-एबीएम, एफ पी एम तथा पीजीपीएक्स में विभिन्न अनिवार्य एवं वैकल्पिक पाठ्यक्रम साथ में पेश किये जाते हैं।

## 1. व्यापार नीति

व्यापार नीति क्षेत्र के संकाय की डिजाइन विचार, नवीनता, उद्यमशीलता, प्रतिस्पर्धी एवं कॉर्पोरेट रणनीति, नेतृत्व, व्यापार के कानूनी पहलू, अंतरराष्ट्रीय व्यापार, विशाल डेटा प्रबंधन, ज्ञान प्रबंधन, बौद्धिक संपदा अधिकारों का प्रबंधन, प्रयोगात्मक विधियों तथा कार्यात्मक अनुसंधान के शिक्षण तथा अनुसंधान में रुचि है।

### पाठ्यक्रम

#### पीजीपी

*अनिवार्य*

- सामरिक प्रबंधन
- व्यापार के कानूनी पहलू
- व्यापार कराधान

*ऐच्छिक*

- व्यवसाय एवं बौद्धिक संपदा
- व्यवसाय, सरकार, और कानून
- रणनीति के निर्धारण एवं निष्पादन की गतिशीलता
- रणनीति अर्थशास्त्र
- उद्यमिता एवं नए उपक्रम की योजना
- रणनीति परामर्शन की नींव
- अंतरराष्ट्रीय व्यापार
- अंतरराष्ट्रीय व्यापार विवाद समाधान
- व्यावसायिक सेवा कंपनियों में नेतृत्व (नया)
- नेतृत्व : दृष्टि, अर्थ और वास्तविकता
- प्रबंधन में रहस्य (नया)
- उच्च तकनीक उद्योगों के लिए प्रौद्योगिकी रणनीति

#### पीजीपी-एबीएम

- खाद्य एवं कृषि व्यवसाय के लिए अंतरराष्ट्रीय रणनीति और संगठन

#### पीजीपीएक्स

- व्यापार अनुकरण कार्य य कैप्स्टॉन
- निगम से संबंधित शासन प्रणाली
- व्यावसायिक सेवा कंपनियों में नेतृत्व
- नेतृत्व, मूल्य और नैतिकता
- व्यापार के कानूनी पहलू
- नई और छोटी कंपनियों का प्रबंधन
- विलय और अधिग्रहण
- सामरिक निष्पादन
- सामरिक प्रबंधन

#### एफ पी एम

- कार्रवाई अनुसंधान पद्धतिशास्त्रों में प्रोन्नत संगोष्ठी
- निगम से संबंधित शासन प्रणाली
- संगठनगत अध्ययनों के लिए डाटा प्रबंधन और विश्लेषण

- रणनीति का अर्थशास्त्र
- अंतर्राष्ट्रीय सामरिक प्रबंधन
- अनुसंधान की विधियाँ
- सामरिक प्रबंधन 1 एवं 2 (एफपीएम के व्यापार नीति क्षेत्र के लिए)
- रणनीति और नवप्रवर्तन
- सामरिक प्रबंधन (मूल विषय)

### कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

निम्न विषय-क्षेत्रों में नौ कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों की पेशकश की गई :

- अनुबंध प्रबंधन
- विदेश में व्यवसाय करना (पहली बार पेशकश की गई)
- पारिवारिक कारोबार : संगठन, रणनीतियाँ, अंतर्राष्ट्रीयकरण और उत्तराधिकार
- नवप्रवर्तन, कॉर्पोरेट रणनीति और प्रतिस्पर्धी प्रदर्शन
- ज्ञान प्रबंधन
- अवसंरचना में कानूनी और विनियामक मुद्दे
- इक्कीसवीं सदी के लिए संगठनात्मक नेतृत्व
- विकास के लिए रणनीतियाँ
- प्राधिकरण, संगठन, रणनीतियाँ और संबद्धता की राजनीति पर कार्य सम्मेलन

### एफडीपी

- प्रबंधन शिक्षा में केस विधि
- रणनीति निर्माण और कार्यान्वयन

### अनुसंधान

संकायों के अनुसंधान की रुचि में प्रतिस्पर्धात्मक रणनीतियाँ, नवप्रवर्तन एवं उद्यमिता, बौद्धिक संपदा अधिकार, अंतर्राष्ट्रीयकरण, क्षमता विकास, तथा व्यापार के कानूनी पहलुओं से संबंधित रणनीतिक मुद्दे शामिल हैं।

## 2. संचार

### पाठ्यक्रम

### पीजीपी / पीजीपी-एबीएम

*अनिवार्य*

- मौखिक व्यापार संचार
- लिखित विश्लेषण और संचार - 1
- लिखित विश्लेषण और संचार - 2

*ऐच्छिक*

- कॉर्पोरेट प्रतिष्ठा संचार
- सांस्कृतिक पहचान और अंतर-सांस्कृतिक संचार
- मुश्किल संचार
- अंतर-सांस्कृतिक संचार क्षमता
- प्रबंधकीय संचार
- मीडिया और समाज : अर्थशास्त्र, राजनीति, नैतिकता, और जन संचार प्रौद्योगिकियाँ
- संगठनात्मक संचार
- प्रेरक संचार
- अग्रणियों के लिए सामरिक चर्चा कौशल

### पीजीपीएक्स

- प्रबंधन संचार (मुख्य)

### एफ पी एम

- प्रबंध शिक्षकों के लिए संचार

### एफडीपी

- प्रबंध शिक्षकों के लिए संचार

### कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- प्रभावी संचार रणनीतियाँ
- लोगों को साथ लेकर : अनुनय द्वारा प्रबंधन
- आकर्षक सीमा

## 3. अर्थशास्त्र

### पीजीपी

*अनिवार्य*

- सूक्ष्म अर्थशास्त्र
- समष्टि अर्थशास्त्र एवं नीति
- आर्थिक वातावरण एवं नीति

*ऐच्छिक*

- संगठन का अर्थशास्त्र
- खेल सिद्धांत और अनुप्रयोग
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और निवेश
- विकासशील देशों में श्रम बाजार

- मौद्रिक सिद्धांत और नीति
- प्रसन्नता का अर्थशास्त्र
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार : सिद्धांत और नीति
- सार्वजनिक वित्त (संयुक्त रूप से सार्वजनिक प्रणाली समूह के साथ प्रस्तुत)

पीजीपीएक्स

- कंपनियाँ एवं बाजार
- मुक्त अर्थव्यवस्था में बृहत्-अर्थशास्त्र

एफ पी एम

- अर्थमिति
- उन्नत सूक्ष्म अर्थशास्त्र
- उन्नत बृहत् अर्थशास्त्र

एफडीपी

- अर्थशास्त्र मॉड्यूल

## 4. वित्त एवं लेखाकरण

पीजीपी

*अनिवार्य*

- कॉर्पोरेट वित्त
- वित्तीय लेखा, रिपोर्टिंग एवं विश्लेषण
- वित्तीय बाज़ार
- लागत प्रबंधन एवं नियंत्रण प्रणालियाँ

*ऐच्छिक*

- वैकल्पिक निवेश और बचाव निधि
- व्यावहारिक वित्त
- कंपनियों में वित्त पोषण
- निर्धारित आय प्रतिभूतियाँ - क्रेडिट (जमा)
- निर्धारित आय प्रतिभूतियाँ - दरें
- धोखाधड़ी जोखिम मूल्यांकन और शासन तंत्र
- वायदा, विकल्प व जोखिम प्रबंधन
- वित्तीय संस्थाओं का प्रबंधन
- संगठन के प्रदर्शन के लिए प्रबंधन नियंत्रण और मेट्रिक्स
- विलय, अधिग्रहण, एवं कॉर्पोरेट पुनर्गठन
- सूक्ष्म वित्त प्रबंधन
- आधुनिक निवेश व पोर्टफोलियो प्रबंधन
- हस्तांतरण मूल्य निर्धारण के सिद्धांत
- मात्रात्मक संपत्ति प्रबंधन (नया)
- प्रतिभूति विनियमन
- वित्त में प्रसंभाव्य कलन
- बैंकिंग में सामरिक परिदृश्य
- व्यापार रणनीतियाँ
- कंपनियों का मूल्यांकन
- उद्यम पूंजी एवं निजी इक्विटी

पीजीपीएक्स

- कॉर्पोरेट वित्त (अनिवार्य)
- वित्तीय कार्यों का प्रभावी प्रबंधन (ऐच्छिक)
- वित्तीय बाजार (अनिवार्य)
- वित्तीय रिपोर्टिंग एवं विश्लेषण (अनिवार्य)
- वित्तीय विवरण विश्लेषण (ऐच्छिक)
- अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन (ऐच्छिक)
- संगठनात्मक कार्यनिष्पादन के लिए प्रबंधन नियंत्रण और मेट्रिक्स (अनिवार्य)
- विलय और अधिग्रहण (अनिवार्य)
- सामरिक लागत प्रबंधन (अनिवार्य)

एफ पी एम

- संपत्ति मूल्य निर्धारण (मुख्य)
- व्यावहारिक वित्त और लेखा (ऐच्छिक)
- व्युत्पन्न मूल्य निर्धारण (मुख्य/ऐच्छिक)
- अनुभवजन्य संपत्ति मूल्य निर्धारण (मुख्य)
- लेखा परीक्षा और कॉर्पोरेट प्रशासन में अनुभवजन्य अनुसंधान (मुख्य / ऐच्छिक)
- मात्रात्मक जोखिम प्रबंधन (ऐच्छिक)
- कॉर्पोरेट वित्त में संगोष्ठी पाठ्यक्रम (मुख्य)
- अनुभवजन्य लेखा अनुसंधान में संगोष्ठी पाठ्यक्रम (मुख्य / ऐच्छिक)
- समय श्रृंखला विश्लेषण (ऐच्छिक)

एफडीपी

- लेखा और लेखा परीक्षा अनुसंधान (ऐच्छिक)
- लेखा प्रबंधन और वित्तीय प्रबंधन (अनिवार्य)
- वित्त में विषय (ऐच्छिक)

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- उन्नत कॉर्पोरेट वित्त
- रणनीतिगत लागत प्रबंधन
- विलय, अधिग्रहण और पुनर्गठन

## 5. सूचना प्रणालियाँ

### पाठ्यक्रम

### पीजीपी

*अनिवार्य*

- व्यवसाय के लिए सूचना प्रणालियाँ
- प्रबंधकीय कम्प्यूटिंग

*ऐच्छिक*

- ई-गवर्नेंस में परामर्शन : दृष्टि से कार्यान्वयन तक (पीजीपी एबीएम के लिए)
- डाटा खनन और व्यापार आसूचना
- निर्णय निर्धारण के लिए डेटा दृश्यावलोकन
- विकास के लिए डिजिटल समावेशन
- डिजिटल उद्यम बुनियादी सुविधाएँ
- ईआरपी प्रणालियाँ : प्रौद्योगिकी योजना और कार्यान्वयन
- सॉफ्टवेयर परियोजनाओं और उद्यमों का प्रबंधन
- सूचना प्रणालियों का सामरिक प्रबंधन

### एफडीपी

- प्रबंधन के लिए सूचना प्रौद्योगिकी

### कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- ईआरपी प्रणालियाँ : प्रौद्योगिकी योजना और कार्यान्वयन
- सूचना प्रौद्योगिकी परियोजना प्रबंधन
- सूचना प्रौद्योगिकी सामरिक प्रबंधन
- दृश्य व्यापार आसूचना

## 6. विपणन

विपणन क्षेत्र ने शिक्षण, अनुसंधान, परामर्श गतिविधियों, और अकादमिक प्रशासन की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया। अग्रणी व्यवसायियों के अनुभवों बाँटकर इस क्षेत्र के पाठ्यक्रमों और कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया गया। उद्योग जगत के कई वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारियों ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में अपने अनुभवों को साझा किया।

### पाठ्यक्रम

### पीजीपी

*अनिवार्य*

- विपणन 1
- विपणन 2

*ऐच्छिक*

- विज्ञापन और बिक्री संवर्धन प्रबंधन
- व्यवसाय से व्यवसाय तक विपणन
- उपभोक्ता व्यवहार और प्रौद्योगिकी
- ग्राहक आधारित व्यापार रणनीतियाँ
- नवप्रवर्तन, जीवंत
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और ब्रिक देशों में विदेशी बाजार का प्रवेश
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और निवेश (संयुक्त रूप से अर्थशास्त्र क्षेत्र के साथ प्रस्तुत)
- विलासी व्यवसाय प्रबंधन
- बाजार अनुसंधान और सूचना प्रणाली
- उच्च प्रौद्योगिकी और नवप्रवर्तन की दुनिया में विपणन प्रबंधन
- तंत्रिका विज्ञान और उपभोक्ता व्यवहार
- मूल्य निर्धारण
- ब्रांड प्रबंधन पर संगोष्ठी
- खुदरा प्रबंधन पर संगोष्ठी
- खेल विपणन
- रणनीतिक विपणन

### पीजीपीएक्स

- उपभोक्ता मूल्य का आकलन और सृजन
- उपभोक्ता मूल्य वितरण और प्रबंधन
- उच्च प्रौद्योगिकी और नवप्रवर्तन की दुनिया में विपणन प्रबंधन
- खुदरा प्रबंधन
- रणनीतिक विपणन
- विपणन में सामरिक मॉडल

### एफ पी एम

- विपणन में प्रयोगात्मक विधियों पर संगोष्ठी
- पिरामिड के मूल आधार पर संगोष्ठी
- विपणन संचालन और विपणन रणनीति की समझ

एफडीपी

- व्यवसाय से व्यवसाय तक विपणन
- विपणन में मुख्य कार्यप्रणाली
- पिरामिड के मूल आधार तक विपणन

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- विपणन निर्णयों के लिए उन्नत डेटा विश्लेषण
- बी 2 बी विपणन
- ग्राहक आधारित व्यापार रणनीतियाँ
- ग्राहक संबंध प्रबंधन
- बिक्री बल प्रदर्शन सुधार
- विकास के लिए नवप्रवर्तन
- अंतरराष्ट्रीय व्यापार
- खुदरा प्रबंधन
- लाभ के लिए मूल्य निर्धारण

सम्मेलन

उभरती अर्थव्यवस्थाओं में विपणन पर छठा आईआईएमए सम्मेलन 07-09 जनवरी, 2015 को आयोजित किया गया था। प्रोफेसर जैन-बेनेडिक्ट ई.एम. स्टीनकैम्प, विपणन के मशहूर प्रोफ़ेसर सी. कॉक्स मैसी इस सम्मेलन के उद्घाटन के लिए मुख्य अतिथि थे। गैतोन व्यवसाय एवं अर्थशास्त्र कॉलेज, केंटकी विश्वविद्यालय, के विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला विभाग के प्रोफेसर, डॉ. देवेनाथन सुदर्शन समापन समारोह के मुख्य अतिथि थे।

वर्ष 2013 में प्राप्त हुए 488 आलेखों की तुलना में इस सम्मेलन में 373 आलेख प्राप्त हुए। इस सम्मेलन में ग्यारह देशों ने भाग लिया और 24 लेख विदेशों से प्राप्त हुए। विशेष विषयों पर दो कार्यशाला सत्रों का भी आयोजन किया गया।

अनुसंधान

इस विषयक्षेत्र के सदस्यों ने उपभोक्ता व्यवहार, ब्रांडिंग, विज्ञापन, बिक्री संवर्धन, खुदरा बिक्री, सूचना उत्पाद एवं सेवाएँ, पिरामिड का मूलाधार और सेवा केंद्रित रणनीति जैसे अलग-अलग विषयों पर अनुसंधान किया है।

## 7. संगठनात्मक व्यवहार

पाठ्यक्रम

पीजीपी और पीजीपी-एबीएम

*अनिवार्य*

- व्यक्तिगत गतिशीलता
- पारस्परिक और समूह प्रक्रियाएँ
- संगठनात्मक गतिशीलताएँ

*ऐच्छिक*

पीजीपी

- संगठनात्मक सह-निर्माण परिवर्तन
- उद्यमशील व्यक्तित्व का विकास
- रचनात्मक आत्म-विकास
- भूमिकाओं और पहचान में अन्वेषण
- उच्च कार्यनिष्पादक टीमें : एक सफरनामा
- संगठन में सत्ता और राजनीति
- प्रतिभा प्रबंधन

पीजीपीएक्स

- प्रेरण
- नेतृत्व कौशल - कार्यशाला
- संगठन व्यवहार
- प्रदर्शन क्षमता : आत्म-जागरूकता की यात्रा

एफ पी एम

- सूक्ष्म संगठनात्मक व्यवहार की मूल बातें
- संगठनों में नेतृत्व : सिद्धांत तथा अनुसंधान की एक समीक्षा
- गुणवत्तात्मक अनुसंधान के तरीके : डेटा एकत्रीकरण और विश्लेषण
- संगठनात्मक अनुसंधान के दार्शनिक आधार
- मनोमिति और आकलन के सिद्धांत
- मात्रात्मक तरीके और विश्लेषण

एफडीपी

- मनोमिति और संरचनात्मक समीकरण मॉडलिंग
- संगठनात्मक व्यवहार की समझ

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- प्रमुख क्षमता के रूप में रचनात्मकता और नवप्रवर्तन : व्यक्तिगत और संगठनात्मक क्षमता विकास
- व्यावसायिक महिलाओं में नेतृत्व क्षमताओं और संभावनाओं को बढ़ावा देना
- पारस्परिक प्रभावशीलता और टीम निर्माण
- नेतृत्व और परिवर्तन प्रबंधन

## 8. कार्मिक और औद्योगिक संबंध

पाठ्यक्रम

पीजीपी

*अनिवार्य*

- कार्मिक योग्यता और क्षमता निर्माण प्रणालियाँ

*ऐच्छिक*

- व्यवसाय और समाज
- व्यवसाय में काया-पलट और संगठनात्मक परिवर्तन
- कर्मचारी कार्यनिष्पादन प्रबंधन और मूल्यांकन प्रणाली
- सेवा क्षेत्र में मानव संसाधन प्रबंधन
- वार्ताओं का व्यवस्थापन
- अंतर्राष्ट्रीय मानव संसाधन प्रबंधन के लिए कार्मिक सक्षमता
- सामरिक मानव संसाधन प्रबंधन

पीजीपी-एबीएम

*ऐच्छिक*

- क्षमताओं का विश्लेषण और निर्माण

पीजीपीएक्स

*अनिवार्य*

- सामरिक मानव संसाधन प्रबंधन

*ऐच्छिक*

- व्यवसाय में काया-पलट और संगठनात्मक परिवर्तन

एफ पी एम

*अनिवार्य*

- मानव संसाधन प्रबंधन-2 में अनुसंधान की आधारशीला
- अंतर्राष्ट्रीय मानव संसाधन प्रबंधन
- मानव संसाधन प्रबंधन में मात्रात्मक तकनीक

*ऐच्छिक*

- मानव संसाधन प्रबंधन में बुनियादी पाठ्यक्रम
- मानव संसाधन प्रबंधन-1 में अनुसंधान की आधारशीला
- रोजगार संबंध प्रबंधन-1 में अनुसंधान की आधारशीला

एफडीपी

*अनिवार्य*

- मानव संसाधन प्रबंधन

*ऐच्छिक*

- समकालीन मानव संसाधन प्रबंधन अनुसंधान का परिप्रेक्ष्य

## 9. उत्पादन एवं मात्रात्मक तरीके

पाठ्यक्रम

पीजीपी

*अनिवार्य*

- निर्णय निर्धारण 1 एवं 2
- संचालन प्रबंधन 1 एवं 2
- संभावना एवं सांख्यिकी 1, 2 एवं 3

*ऐच्छिक*

- डेटा विश्लेषण के उन्नत तरीके
- हाथी और चीता : प्रणालियाँ, रणनीति, तथा बाधाएँ
- विनिर्माण एवं सेवा संचालन रणनीति
- मात्रात्मक प्रणाली कार्यनिष्पादन
- राजस्व प्रबंधन और गतिशील मूल्य निर्धारण
- डेटा विश्लेषण में सांख्यिकीय पद्धतियाँ

पीजीपी-एबीएम

- खाद्य आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन

पीजीपीएक्स

- डेटा विश्लेषण
- व्यावसायिक विश्लेषिकी
- मांग-पूर्ति के लिए परिचालनों की डिजाइनिंग
- रसद प्रबंधन
- निर्णय के लिए मॉडलिंग

- गुणवत्ता प्रबंधन
- सेवा स्तरों की स्थापना करना एवं वितरित करना
- आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन
- जोखिम की समझ और आकलन

### एफ पी एम

- अनुप्रयुक्त बहुरूपी विश्लेषण
- अनुप्रयुक्त सांख्यिकीय अनुमान
- व्यवसाय अनुसंधान के लिए बायेसियन क्रियाविधि
- खंडित अनुकूलन
- बड़े पैमाने पर अनुकूलन
- गाणितीय वित्त
- गाणितीय प्रोग्रामिंग
- अनुमानों से अनुकूलन
- वास्तविक विश्लेषण
- राजस्व प्रबंधन और गतिशील मूल्य निर्धारण
- संचालन प्रबंधन-1 में संगोष्ठी
- संचालन प्रबंधन-2 में संगोष्ठी
- प्रसंभाव्य प्रक्रियाएँ
- प्रणाली विश्लेषण और अनुकार

### एफडीपी

- डेटा विश्लेषण के अनुप्रयोग
- संचालन प्रबंधन
- डेटा विश्लेषण के लिए सांख्यिकी

### अनुसंधान

प्रौद्योगिकी प्रबंधन, प्रौद्योगिकी आधारित नवप्रवर्तन, विनिर्माण, निर्णय समर्थन प्रणाली, रसद, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, राजस्व प्रबंधन, अनुकूलन, नेटवर्क अनुकूलन एवं बहु-अनुमानी, नेटवर्क विश्वसनीयता, वित्त में सांख्यिकीय मॉडलिंग, और सांख्यिकीय अनुमान ऐसे क्षेत्र हैं जहाँ क्षेत्रीय संकाय सदस्यों ने प्रकाशनों के माध्यम से अपना योगदान दिया है।

### कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- प्रबंधन में उन्नत विश्लेषिकी
- उन्नत गुणवत्ता प्रबंधन
- रसद प्रबंधन
- परियोजना प्रबंधन
- राजस्व प्रबंधन और गतिशील मूल्य निर्धारण
- जोखिम : मॉडलिंग और प्रबंधन
- सामरिक विश्लेषिकी : मात्रात्मक डेटा विश्लेषिकी और व्यवसाय तथा विपणन में उसके अनुप्रयोगों पर कार्यक्रम।
- आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन
- परियोजनाओं में अनिश्चितता, जटिलता और जोखिम
- गोदाम डिजाइन और प्रबंधन

# अहमदाबाद और गाँधीनगर शैक्षणिक समूह

## ऊष्मायन संचालन

- **आइडियापैड स्थल :** हर वर्ष 150 से अधिक स्थानीय स्टार्ट-अप आइडियापैड स्थल के बारे में पूछताछ करने के लिए इस केंद्र में आते हैं। हमारे संसाधन कर्मी सहायता प्रदान करते हैं और जहाँ तक संभव हो सके उद्योग से जोड़ते हैं। पिछले वर्ष 30 आइडियापैड आवेदनों को स्वीकार किया गया।
- **उद्यम स्थल :** उद्यम स्थल में 15 से अधिक स्टार्ट-अपों को सीआईआईई द्वारा अविरत प्रयास द्वारा सिखाया गया।
- **सुनील मेहता सम्मेलन कक्ष में आयोजन :** इस कक्ष का उपयोग स्थानीय उद्यमशीलता-संवर्धक नेट वर्कों के द्वारा स्टार्ट-अप शनिवार, ई-चाय, तथा मोबाइल सोमवार जैसे समारोहों के आयोजन के लिए किया जाता है।

## स्टार्ट-अ-थॉन

स्टार्ट-अ-थॉन, एक अंतःविषय स्टार्टअप मदद शिविर है जिसका आयोजन आईआईटी गाँधीनगर और राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी) के विशेषज्ञ संकायों तथा एमआईसीए के इन्क्यूबेटरों ने साथ मिलकर 9 जून से 4 जुलाई, 2014 के दौरान किया था।

## छात्र आउटरीच और ए-लीग का गठन

एनआईडी, आईआईटी-गाँधीनगर, सेप्ट, एमआईसीए तथा डीएआईआईसीटी के शैक्षणिक प्रमुखों के समर्थन के साथ, इस केंद्र ने पूरे अहमदाबाद के छात्रों को एक साथ लाने के लिए बातचीत और व्यवसाय उद्यमों के द्वारा 'ए-लीग' नाम के एक मंच को बनाने की पहल की। अंततः निम्नलिखित गतिविधियाँ की गई :

- एक छात्र समिति और उसकी गतिविधियों के गठन पर चर्चा करते हुए संस्थानों के प्रमुखों एवं उनके छात्र प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की। ऐसा निर्णय लिया गया कि पाठयेतर एवं मनोरंजन के समारोहों, तथा उद्यमशीलता से संबंधित गतिविधियों को ए-लीग द्वारा साथ में आयोजित किया जायेगा।
- एनआईडी-गाँधीनगर में ए-लीग की एक परिचयात्मक बैठक आयोजित की गई। उद्यमशीलता के विचार वाले छात्रों को जोखिमों के बारे में बताने तथा साथी छात्रों को सहायता देने के लिए पिच-एन-प्ले समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में आठ टीमों को खड़ा किया गया।
- दूसरा ए-लीग समारोह सेप्ट में एक तीन-घंटे की अवधि की डिजाइन चिंतन कार्यशाला के रूप में आयोजित किया गया।
- ए-लीग समिति का गठन : ए-लीग समारोहों को व्यवस्थित करने के लिए एक औपचारिक छात्र समिति का गठन किया जा रहा है। इस समिति में प्रत्येक प्रतिभागी संस्थान से दो सदस्य शामिल होंगे।

# पूर्वछात्र गतिविधियाँ

## भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद पूर्वछात्र संघ

आईआईएमएएए के द्वारा एक कार्यकारी समिति का गठन किया गया है जो संस्थान के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने से लेकर चैप्टरों को स्थापित करने और उन्हें संभालने के मामलों को देखती है। इसमें जारी आंतरिक विचार विमर्शों द्वारा एक वैश्विक पूर्वछात्र परिषद बनाने की दिशा में कदम उठाया गया है।

## पूर्वछात्र सदस्यता शुल्क

प्रति वर्ष विभिन्न कार्यक्रमों के प्रतिभागियों को मिलाकर नए सदस्य पूर्वछात्रों के डेटाबेस जोड़े जाते हैं। वर्ष 2014-15 के दौरान सदस्यता शुल्क पिछले वर्ष की तुलना में 29.23 प्रतिशत (वर्ष 2013-14 के दौरान 53.55 लाख रुपए और वर्ष 2014-15 के दौरान 69.21 लाख रुपए) बढ़ा है।

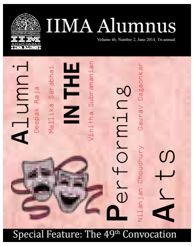


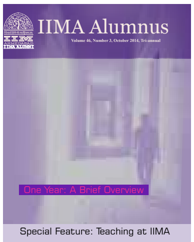


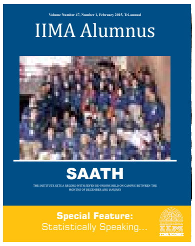


## आईआईएमए अल्युम्नस (पूर्वछात्र) पत्रिका

यह पत्रिका जून, अक्टूबर और फरवरी में वर्ष में तीन बार प्रकाशित होती है। इस पत्रिका में प्रकाशित होने वाले विज्ञापनों से पत्रिका के प्रकाशन की लागत को पूरा करते हुए राजस्व अर्जित किया जाता है। वर्ष 2014-15 के दौरान, पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 155 प्रतिशत राजस्व में वृद्धि (वर्ष 2013-14 के दौरान 4.71 लाख रुपए और 2014-15 के दौरान 12 लाख रुपए) हुई है। पूर्वछात्र वेबसाइट पर विज्ञापन अभियानों से 0.43 लाख रुपए की आय हुई।

## रजत जयंती पुनर्मिलन

26 से 28 दिसम्बर, 2014 के दौरान 1990 (1988-1990) में स्नातक हुए पीजीपी बैच का रजत जयंती पुनर्मिलन आयोजित किया गया। लगभग 70 से अधिक पूर्वछात्रों ने सपरिवार इस मिलन समारोह में भाग लिया। यह आमोद-प्रमोद से पूर्ण, मनोरंजक और दोस्ती के नवीकरण से भरा भव्य मिलन समारोह रहा। इस पुनर्मिलन के दौरान, जिन 12 संकायों ने 1990 बैच को पढ़ाया था उन्हें सम्मानित किया गया।

## अन्य पुनर्मिलन

रजत जयंती पुनर्मिलन के अतिरिक्त, छह अलग अलग पीजीपी बैचों के पुनर्मिलन भी आयोजित किये गए।

| बैच | पुनर्मिलन | | पूर्वछात्रों की संख्या |
|---|---|---|---|
| 2002 - 2004 | 10 वर्ष | 2-4 जनवरी, 2015 | 14 |
| 1997 - 1999 | 15 वर्ष | 26-28 दिसम्बर, 2014 | 50 |
| 1998 - 2000 | 14 वर्ष | 19-21 दिसम्बर, 2014 | 68 |
| 1992 - 1994 | 20 वर्ष | 02-04 जनवरी, 2015 | 90 |
| 1978 - 1980 | 35 वर्ष | 19-21 दिसम्बर, 2014 | 38 |
| 1972 - 1974 | 40 वर्ष | 12-14 दिसम्बर, 2014 | 31 |

## स्वर्ण जयंती दीक्षांत समारोह में पहले बैच (1966) की उपस्थिति

पीजीपी का 50वाँ बैच (2013-15) 21 मार्च, 2015 को स्नातक हुआ। संस्थान ने पहले पीजीपी बैच (पीजीपी-1966) को स्वर्ण जयंती दीक्षांत समारोह में आमंत्रित किया। पीजीपी-1966 बैच के नौ पूर्वछात्रों ने इसमें भाग लिया। उन्होंने 20 मार्च, 2015 को शैक्षिक व अन्य प्रदर्शनों के लिए छात्रों को विभिन्न पुरस्कार प्रदान किए। 21 मार्च को एक पैनल चर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उन्होंने 2015 बैच के साथ दीक्षांत समारोह जुलूस में भी भाग लिया।

## पूर्वछात्र शैक्षणिक संबंध

संबंधित क्षेत्रों में कार्यरत पूर्वछात्रों द्वारा कई ऐच्छिक पाठ्यक्रम / अतिथि व्याख्यान पेश किए गए। इन पूर्वछात्रों को नियमित रूप से अपने ज्ञान एवं अनुभव को साझा करने के महत्व के बारे में सूचित किया जाता है।

## लिंक्डइन पहल

अपने पूर्वछात्रों को कैरियर समर्थन उपलब्ध कराने के लिए, संस्थान ने दो समूहों की स्थापना के लिए लिंक्डइन के साथ गठबंधन किया है। इनमें (क) आईआईएमए पूर्वछात्र समूह, जो उन सभी दीर्घावधि के पूर्वछात्रों के लिए है जो दीक्षांत समारोह के माध्यम से स्नातक हुए हैं। इस समूह में 3200 पूर्वछात्र हैं। इस समूह में आईआईएम-ए का स्थानन कार्यालय भर्ती उपसमूह का हिस्सा बनने के लिए हमारे महत्वपूर्ण नियोक्ताओं को आमंत्रित करता है; और (ख) आईआईएमए कार्यकारी शिक्षा पूर्वछात्र समूह, जो अल्पावधि कार्यक्रम के पूर्वछात्रों को शामिल करता है। इस समूह में 530 सदस्य हैं। संस्थान की नीति के अनुरूप जो छात्र दीक्षांत समारोह के माध्यम से स्नातक हुए हैं वे ही स्थानन सेवाएँ प्राप्त कर सकते हैं ऐसे नियम को ध्यान में रखते हुए इस समूह को नियोक्ताओं की पहुँच उपलब्ध नहीं करायी जाती। इस पहल के पीछे यही उद्देश्य है कि इससे पूर्वछात्र अपने साथियों के नेटवर्क का लाभ ले सकते हैं और इससे ऐसा बुनियादी ढाँचा बनता है जिसमें नियोक्ता पूर्वछात्रों से अंतर्क्रिया कर सकते हैं जो उन्हें ऐसा करने की अनुमति देता है। नियोक्ताओं के लिए मध्यम से लेकर वरिष्ठ स्तर तक की नियुक्तियों हेतु जानकारी खोजने की कम लागत का लाभ शामिल है। पूर्वछात्रों के लिए, मध्यम-कैरियर बदलाव के लिए संभावित नियोक्ताओं से जुड़ना शामिल है। वर्तमान छात्रों के लाभ में, वरिष्ठों तक पहुँच बनती है और कैरियर विशेष चर्चा बोर्ड में भाग लेने को समर्थ बनना शामिल है। संस्थान के लाभ में, लगातार पूर्वछात्रों की कैरियर में प्रगति की जानकारी  मिलती रहता है और एक बार की परिसर स्थानन सेवा के साथ-साथ जीवन भर उनके कैरियर में समर्थन और पूर्वछात्रों से संपर्क बनाए रखना शामिल हैं।

## पूर्वछात्रों से कोष

वर्ष 2014-15 के दौरान, विभिन्न बैचों और व्यक्तिगत रूप से पूर्वछात्रों ने संस्थान को 4.34 करोड़ रुपये का योगदान दिया। उनमें से कुछ प्रमुख दानदाता इस प्रकार हैं :

| | बैच | राशि (रु. लाख में) |
|---|---|---|
| चंद्रिका टंडन | 1975 | 302.00 |
| दीवान अरुण नंदा | 1966 | 16.50 |
| दिनयार देवित्रे | 1970 | 14.92 |
| अजय बंगा और रितु बंगा | 1981 | 9.96 |
| दीपक गुप्ता | 1985 | 6.50 |

| | बैच | राशि (रु. लाख में) |
|---|---|---|
| अक्षय कुमार | 1985 | 6.22 |
| अरुण नागराजन | 1993 | 5.00 |
| श्रीधर निश्तला | 2000 | 5.00 |
| आयुष सोंठलिया | 2000 | 5.00 |
| उत्सव बैजल | 2000 | 5.00 |

### छात्रवृत्तियाँ और पुरस्कार

इस वर्ष के दौरान, पूर्वछात्रों द्वारा प्रायोजित निम्नलिखित छात्रवृत्तियाँ / पुरस्कार दिये गए:

- **मार्टी मन्नारिया गुरुनाथ उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार :** यह पुरस्कार प्रोफेसर मार्टी सुब्रह्मणियम (पीजीपी 1967-69) द्वारा श्री मार्टी मन्नारिया गुरुनाथ की स्मृति में स्थापित किया गया है। यह पुरस्कार एक संकाय सदस्य को उस दीक्षांत समारोह में स्नातक हुए पीजीपी बैच के अध्यापन के लिए दिया जाता है। इस वर्ष यह पुरस्कार प्रोफेसर सरल मुखर्जी को दिया गया।
- **आईआईएमए पूर्वछात्र वीवीईएफ़ उत्कृष्ट अनुसंधानकर्ता पुरस्कार :** यह पुरस्कार विद्या वर्धिनी शिक्षा प्रतिष्ठान द्वारा स्थापित किया गया है, जो पूर्वछात्रों द्वारा संचालित सैक्शन 25 कंपनी नाम से है। यह पुरस्कार एक संकाय को दिया जाता है जो अपने स्थायी अनुसंधान योगदान और / अथवा सबसे अलग प्रकृति के महत्वपूर्ण अनुसंधान के लिए पहचाने गए हों। इस वर्ष 2 लाख रुपए का यह पुरस्कार प्रोफेसर अनिल गुप्ता को दिया गया।

- **फिलिप थॉमस मेमोरियल रणनीति-सार्वजनिक प्रणाली केस पुरस्कार :** यह पुरस्कार प्रोफेसर ऋशिकेश टी. कृष्णन (एफ़पीएम 1996) द्वारा श्री फिलिप थॉमस (पीजीपी-1966) की स्मृति में स्थापित किया गया है। प्रति वर्ष यह पुरस्कार रणनीति/व्यवसाय नीति तथा सार्वजनिक प्रणाली क्षेत्र के केस लेखक(कों) को दिया जाता है। 50,000 रुपए का यह सबसे पहला पुरस्कार प्रोफेसर निहारीका वोहरा को दिया गया।
- **सजीव सिरपाल अकादमिक तथा रचनात्मकता उत्कृष्टता पुरस्कार** : यह पुरस्कार श्री सजीव सिरपाल (पीजीपी 1984) की स्मृति में सुश्री कनक सिरपाल (पीजीपी 1984) और मित्रों द्वारा स्थापित किया गया है। यह पुरस्कार पीजीपी छात्रों के अकादमिक प्रदर्शन और रचनात्मकता में उत्कृष्टता की पहचान के लिए दिया जाता है। राहुल अग्रवाल (पीजीपी-2015) को यह पुरस्कार दिया गया।
- **1969 बैच छात्रवृत्ति :** वर्ष 2011-13 से पीजीपी 1969 बैच के दाताओं ने आर्थिक, सामाजिक और शारीरिक रूप से कमजोर प्रथम वर्ष के पीजीपी छात्रों को समर्थन देने का निर्णय लिया। पाँच छात्रों के लिए प्रत्येक को 2 लाख रुपए की वित्तीय सहायता पीजीपी 1969 निधि वर्ग से जारी की गई।
- **श्री जी. सी. मित्तल उद्यमशीलता सहायता :** अंकित मित्तल (पीजीपी 2005) द्वारा स्थापित 2 लाख रुपए की यह सहायता उन स्नातक छात्रों के लिए है जो स्थानन प्रक्रिया से बाहर रहकर अपना उद्यम स्थापित करना चाहते हैं। निशांत अग्रवाल और पारस मल्होत्रा को प्रत्येक को 1,00,000 रुपए का यह पुरस्कार दिया गया।
- **उत्कृष्ट खिलाड़ी पुरस्कार :** यह श्री सुनील चैनानी (पीजीपी 1980) द्वारा स्थापित 50,000/- रुपए की राशि संस्थान के एक छात्र को छात्रकाल के दौरान खेल में सर्वांगीण प्रदर्शन को पहचान दिलाने के लिए दी जाती है। यह उत्कृष्ट खिलाड़ी पुरस्कार सुश्री गीतिका चड्ढा (पीजीपी-2015) और सुश्री अंशिका सिन्हा (पीजीपी-2015) ने 25,000/- रुपए प्रत्येक की राशि के रूप में प्राप्त किया।
- **श्रीमती जे. नगम्मा स्मृति पुरस्कार :** श्री प्रमोद कुंजु (पीजीपी 1999) द्वारा स्थापित यह 15,000/- रुपए की पुरस्कार राशि अकादमिक रूप से अच्छे प्रदर्शन करने वाले पीजीपी छात्र को प्रथम वर्ष समाप्त होने पर दी जाती है। राहुल अग्रवाल (पीजीपी 2015) ने यह पुरस्कार प्राप्त किया।
- **श्रीमती शारदा भंडारी और श्री पी.के. रथ छात्रवृत्ति :** श्रीमती शारदा भंडारी एवं श्री पी.के. रथ की स्मृति में श्री समीर भंडारी (पीजीपी 1989) द्वारा स्थापित यह छात्रवृत्ति पीजीपी द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए है। रक्षित अग्रवाल (पीजीपी 2015) को यह छात्रवृत्ति प्रदान की गई।
- **रितु बंगा उद्योग छात्रवृत्ति :** यह छात्रवृत्ति सुश्री रितु बंगा (पीजीपी 1981) द्वारा पाँच वर्ष के लिए स्थापित की गई है। प्रथम वर्ष की 1 लाख रुपए की छात्रवृत्ति श्री वैभव मल्होत्रा (पीजीपी 2015) को प्रदान की गई।
- **अजय बंगा उद्योग छात्रवृत्ति :** यह छात्रवृत्ति पाँच वर्ष के लिए श्री अजय बंगा (पीजीपी 1981) द्वारा स्थापित की गई है। प्रथम वर्ष के लिए 1 लाख रुपए की छात्रवृत्ति राहुल अग्रवाल (पीजीपी 2015) को प्रदान की गई।

### स्मारिका वस्तुएँ

पूर्वछात्रों की स्मारिका वस्तुओं में टी-शर्ट्स, सिल्क टाई, वॉल हैंगिंग, ब्रास प्लेट, सुंदर डिज़ाइनर कॉफ़ी मग, चाय कप सेट, एलकेपी की सफेद धातु की रचना इत्यादि शामिल हैं। वर्ष 2014-15 के दौरान, इन वस्तुओं की बिक्री से 4.35 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ।

### सभा गतिविधियाँ

इस वर्ष के दौरान मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद, ओमान, पुणे, सिंगापुर, अमेरिका, लंदन आदि कई स्थानों पर स्थित शाखाओं ने रिपोर्ट के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की।

विवरण **परिशिष्ट ड** में दिए गए हैं।

# संचार एवं डिजिटल विपणन

संस्थान ने पीजीपी अधिसंख्य सीट कोटे के तहत संभावित विदेशी उम्मीदवारों तक पहुँच बनाने और अन्य देशों में विपणन गतिविधियों को प्रषारित करने के लिए एक वेबसाइट शुरू की है। यह वेबसाइट global.iimahd.ernet.in में एकीकृत सीआरएम मंच है जिसके माध्यम से छात्र जानकारी के लिए संस्थान तक पहुँच बना सकते हैं और पीजीपी के लिए आवेदन कर सकते हैं। इस वेबसाइट से आवेदन शुल्क के लेन-देन का भी समर्थन होगा।

### आईआईएम-ए पुनःस्थापन वेबसाइट

पुनःस्थापन वेबसाइट <restoration.iimahd.ernet.in> का उद्देश्य परिसर में होने वाले पुनःस्थापन कार्य के बारे में समुदाय और बाहरी हितधारकों को सूचित करना है। यह लोगों के लिए पुनःस्थापन की प्रक्रिया पर चर्चा करने और बदलाव पर टिप्पणी करने के लिए भी एक मंच है।

### वेब पुनर्गठन एवं इंट्रानेट एजेंसी

एक संपूर्ण प्रक्रिया और बोलियों के एक तकनीकी-वाणिज्यिक मूल्यांकन के बाद, संस्थान ने वेब पुनर्गठन की प्रक्रिया को अंजाम देने के लिए एक एजेंसी का चयन किया है। इस गतिविधि में संस्थान के लिए और वास्तविक दुनिया में संस्थान की समग्र ब्रांड बनाने के लिए 15 अलग-अलग वेबसाइटों से एक इंट्रानेट स्थापित होगा।

### आईआईएमए आधिकारिक यूट्यूब चैनल

दीक्षांत समारोह-2015 के साथ मेल के लिए एक आधिकारिक यूट्यूब चैनल मार्च में शुरू किया गया। यह चैनल संस्थान के समुदाय की क्षमता का प्रदर्शन करेगा और इसे विदेशों में संस्थान के विपणन के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। इस चैनल के माध्यम से समारोहों का जीवंत प्रसारण किया जाता है।

यूट्यूब चैनल के माध्यम से दीक्षांत समारोह का जीवंत प्रसारण किया गया और दुनिया भर में 11,200 दर्शकों द्वारा देखा गया।

### सामाजिक मीडिया अभियान

संस्थान के दीक्षांत समारोह को सार्वजनिक रूप से व्यापक स्तर पर लाने के लिए, एक सामाजिक मीडिया अभियान का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि अजय बंगा के संस्थान में एक छात्र के रूप में बिताये गए जीवन के दिलचस्प पहलुओं को शामिल किया गया और जनता के लिए एक प्रतियोगिता रखी गई। इस अभियान को फेसबुक पर प्रति पोस्ट लगभग 50,000 लोगों द्वारा देखा गया।

## विदेशी छात्रों के समक्ष पीजीपी का डिजिटल विपणन

विदेशों में पीजीपी के विपणन के लिए पीजीपी कार्यालय की मदद से एक योजना तैयार की गई है। इसमें विभिन्न वैश्विक स्थानों पर जीएमएसी टीम के साथ टाई-अप, टाई-अप क्यूएस, गूगल ऐडवर्ड्स अभियान, फेसबुक विज्ञापन अभियान, एवं रोड शो और समारोह जैसे कुछ नाम शामिल हैं।

## जनसम्पर्क गतिविधियाँ

जनसंपर्क और मीडिया गतिविधि के हिस्से के रूप में, संचार विभाग ने भारत तथा विदेशों में शीर्षस्थ राष्ट्रीय और क्षेत्रीय प्रिंट एवं प्रसारण मीडिया में समाचार अंशों के प्रकाशन में भाग लिया। समाचारों को दैनिक आधार पर जुटाया जाता है और iimanewsalert.blogspot.in चैनल के माध्यम से सदस्य बने हितधारकों को भेजा जाता है।

संस्थान में सोलह प्रेस सम्मेलनों का आयोजन किया गया। निदेशक को 14 अलग-अलग विशेष साक्षात्कारों में चित्रांकित किया गया।

इस वर्ष के दौरान संचार विभाग ने संस्थान के लिए विभिन्न प्रिंट और ई-विवरण पुस्तिका बनायी। इनमें विकास कार्यालय के लिए अनुदान जुटाव विवरण पुस्तिका, आईआईएमए बाल देखभाल केंद्र विवरण पुस्तिका, सीएसआर सम्मेलन विवरण पुस्तिका, संकाय भर्ती विवरण पुस्तिका, तथा पीजीपी अधिसंख्य सीटों के लिए विवरण पुस्तिका शामिल हैं। ।

# वैश्विक भागीदारी और कॉर्पोरेट मामले

## क. रैंकिंग एवं सर्वेक्षण

इस वर्ष के दौरान भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद (आईआईएमए) ने रैंकिंग के लिए 17 राष्ट्रीय / अंतरराष्ट्रीय व्यावसायिक-स्कूलों के सर्वेक्षणों में भाग लिया। संस्थान ने रैंकिंग के लिए सभी अग्रणी एवं प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सर्वेक्षणों में अपना शीर्ष स्थान बनाए रखा। हाल ही में अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में स्पष्ट रूप से यह दर्शाया गया है कि संस्थान के कार्यक्रम और छात्र उच्च गुणवत्ता के हैं और वैश्विक स्तर पर श्रेष्ठ हैं।

संस्थान ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) द्वारा उच्च शिक्षा पर कराये गए अखिल भारतीय सर्वेक्षण के पाँचवें संस्करण में भाग लिया और इस वर्ष के दौरान पहली बार, संस्थान ने फाइनेंशियल टाइम्स कार्यकारी शिक्षा रैंकिंग 2015 (वैविध्यपूर्ण और मुक्त कार्यक्रमों) में भी भाग लिया।

### एफटी मास्टर्स मैनेजमैंट 2014 रैंकिंग

एफ़टी (फाइनेंशियल टाइम्स) प्रबंध 2014 की मास्टर्स रैंकिंग में वैश्विक रूप से समीक्षित 70 कार्यक्रमों में आईआईएमए सोलहवें स्थान पर रहा। आईआईएमए का स्नातकोत्तर कार्यक्रम तीन मानदंडों˙ 'वर्तमान वेतन (यूएस डॉलर)', 'अधिकतम वेतन (यूएस डॉलर)', 'तीन महीने में रोजगार' - के लिए पहले स्थान पर रहा और जबकि 'कैरियर' और 'स्थानन सफलता रैंक' में इसने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

### एफटी वैश्विक एमबीए रैंकिंग 2015

आईआईएम-ए एफ़टी (फाइनेंशियल टाइम्स) वैश्विक एमबीए रैंकिंग 2015 में शीर्ष 100 बी-स्कूलों में 26वें स्थान पर रहा है। इसके अलावा, 'एफ़.टी. कैरियर प्रगति रैंकिंग' में पीजीपीएक्स ने दूसरा स्थान प्राप्त किया है।

### एफटी लेखा परीक्षा 2015

संस्थान ने वैश्विक एमबीए रैंकिंग 2015 में भाग लेने के लिए फाइनेंशियल टाइम्स की लेखा परीक्षा प्रक्रिया आवश्यकताओं को सफलता पूर्वक पूरा किया। केपीएमजी, कनाडा को आईआईएमए में लेखा परीक्षा का संचालन करने का काम फाइनेंशियल टाइम्स द्वारा सौंपा गया था।

### इकोनोमिस्ट रैंकिंग 2014

आईआईएमए इकोनोमिस्ट पूर्णकालिक एमबीए कार्यक्रम रैंकिंग 2014 में लगातार पाँच वर्षों तक स्थान बनाए रखने वाला एकमात्र भारतीय व्यावसायिक-स्कूल है।

रैंकिंग के लिए 'मुक्त नए रोजगार अवसर', 'नियोक्ताओं की विविधता', 'स्नातक होने के बाद तीन महीनों के भीतर रोजगार प्राप्ति का प्रतिशत', 'कैरियर सेवा के माध्यम से रोजगार प्राप्ति का प्रतिशत', 'छात्र

गुणवत्ता', तथा 'पूर्व एमबीए वेतन वृद्धि का प्रतिशत' आदि रैंकिंग के मानदंडों में संस्थान प्रथम स्थान पर रहा। आईआईएमए ने एशिया एवं आस्ट्रेलिया 2014 क्षेत्रीय रैंकिंग में चौथा स्थान प्राप्त किया और इकोनोमिस्ट पूर्णकालिक एमबीए कार्यक्रम रैंकिंग 2014 में वैश्विक स्तर पर 48वें स्थान पर रहा।

## एड्युनिवर्सल सर्वोत्तम मास्टर रैंकिंग 2014

आईआईएमए के कृषि-व्यवसाय में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी-एबीएम) ने इस क्षेत्र के वैश्विक रूप से शीर्ष 50 रैंककृत कार्यक्रमों के बीच एड्युनिवर्सल कृषि-व्यवसाय / खाद्य उद्योग प्रबंधन की सर्वोत्तम मास्टर रैंकिंग 2014 में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। एड्युनिवर्सल उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक विशेष फ्रांसीसी रेटिंग एजेंसी है।

## ख. अंतरराष्ट्रीय मान्यता

### इक्विस पुनःमान्यता

आईआईएमए भारत का पहला ऐसा व्यवसाय स्कूल है जिसने 2008 में इक्विस मान्यता प्राप्त की है और इसे तब से बनाये रखा है। आईआईएमए ने उच्च गुणवत्तात्मक शिक्षा प्रदान करने में अंतरराष्ट्रीय मानकों को स्थापित किया है और शीर्ष अंतरराष्ट्रीय व्यवसायिक स्कूलों में अपना नाम बनाए रखा है।

कार्यकारी विकास लिमिटेड, स्पेन 20-22 जनवरी 2015 के आईआईएमए के दौरे पर इक्विस सहकर्मी समीक्षा दल

वर्ष 2014-15 के दौरान, आईआईएमए ने इक्विस की पुनःमान्यता लेने की प्रक्रिया में भाग लिया। संस्थान ने 20 से 22 जनवरी, 2015 के दौरान, इक्विस सहकर्मी समीक्षा दल के गणमान्य सदस्यों की मेजबानी की थी जिसमें निम्न शामिल थे :

- प्रोफेसर जान आई. हालैंड, अर्थशास्त्र प्रोफेसर (पूर्व रेक्टर), एनएचएच नार्वे अर्थशास्त्र स्कूल, नार्वे पीआरटी अध्यक्ष
- प्रोफेसर शेखर चौधरी, निदेशक, शिव नाडर विश्वविद्यालय, प्रबंध एवं उद्यमिता स्कूल, तथा पूर्व निदेशक, आईआईएम कोलकाता, भारत
- श्री जेम्स टेरी लॉकहार्ट, निदेशक, लॉकहार्ट कार्यकारी विकास लिमिटेड, स्पेन 20-22 जनवरी 2015 के आईआईएमए के दौरे पर इक्विस सहकर्मी समीक्षा दल

वर्ष 2015 में, आईआईएमए को ईएफ़एमडी (यूरोपीय प्रबंध विकास फाउंडेशन) द्वारा फिर से मान्यता मिली और दूसरे पाँच वर्ष के लिए इक्विस की मान्यता प्राप्त की। पूरे भारत में आईआईएमए ही एकमात्र ऐसा संस्थान है जिसे पाँच वर्ष के लिए इक्विस से मान्यता मिली है, इसमें किसी संस्थान के लिए अधिकतम अवधि पाँच वर्ष तक की ही होती है। आईआईएमए को यह इक्विस मान्यता तीसरी बार प्राप्त हुई है।

### एएएससीबी मान्यता

इक्विस से पुनःमान्यता प्राप्त करने के बाद, संस्थान ने एएसीएसबी (एड्वान्स्ड् कॉलेजिएट बिज़नेस एक्रेडिटेशन स्कूल एसोसिएशन) में अपनी भागीदारी एवं मूल्यांकन का पता लगाने के लिए कार्यवाही की। इसके बाद, अपनी व्यापक अंतरराष्ट्रीय रणनीति के हिस्से के रूप में एएसीएसबी मान्यता के साथ आगे बढ़ने की पहल शुरू की गई है।

## ग. वैश्विक भागीदारी

शैक्षणिक सहयोग को मजबूती प्रदान करने तथा अंतर्राष्ट्रीयकरण को बढ़ावा देने की दिशा में प्रतिष्ठित विदेशी व्यवसायिक-स्कूलों और संस्थानों के साथ सुगम संवाद किये गए। आईआईएमए ने समझौता ज्ञापन (एमओयू) के माध्यम से प्रतिष्ठित विदेशी बिजनेस-स्कूलों / विश्वविद्यालयों के साथ संस्थागत सहयोग किया। इसमें निम्न के साथ भागीदारी शामिल है :

- एडिनबर्ग बिजनेस स्कूल विश्वविद्यालय, ब्रिटेन
- आईवी बिजनेस स्कूल, पश्चिमी विश्वविद्यालय, ओंटारियो, कनाडा
- मेलबोर्न विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया

## घ. विदेशी संस्थानों के साथ संलग्नता

इस वर्ष के दौरान आईआईएमए 19 विदेशी संस्थानों / अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडलों की मेजबानी करने एवं उनके साथ सार्थक संवाद में संलग्न रहा है। महत्वपूर्ण प्रतिनिधिमंडलों में कुछ निम्न शामिल हैं :

### विदेशी मंत्रीगण :

- सुश्री प्रीति पटेल, विटहैम संसद सदस्य, राजस्व सचिव-ब्रिटेन
- माननीय एंड्रयू रॉब, एओ सांसद, व्यापार एवं निवेश मंत्री, ऑस्ट्रेलिया
- माननीय सुश्री मिशेल रोलैंड सांसद, नागरिकता एवं बहुसंस्कृतिवाद शेडॉ राज्य मंत्री, संचार शेडॉ सहायक राज्य मंत्री, ऑस्ट्रेलिया सरकार

### उच्चायोग / वाणिज्य दूतावास जनरल

- चीनी समकालीन अंतरराष्ट्रीय संपर्क संस्थान (सीआईसीआईआर), बीजिंग से अनुसंधान प्रतिनिधिमंडल जिसमें डॉ लिली, एसोसिएट रिसर्च फैलो, डॉ वांग शिदा, सहायक रिसर्च फैलो, डॉ सांग किंगरुन, तथा सेवानिवृत्त राजदूत श्री किशन राणा (जर्मनी में भारतीय दूतावास के पूर्व राजदूत)
- श्री मार्क पियर्स, प्रधान ऑस्ट्रेलियाई दूतावास, मुंबई
- श्रीमती रूचि घनश्याम, दक्षिण अफ्रीका के लिए नामित उच्चायुक्त
- श्री ए. आर. घनश्याम, भारतीय उच्चायुक्त, एबूजा, नाइजीरिया

### विदेशी संस्थानों के प्रतिनिधि :

- श्री जोनाथन चेंग, अंतर्राष्ट्रीय विकास, सार्वजनिक नीति क्रॉफर्ड स्कूल, एशिया प्रशांत कॉलेज, ऑस्ट्रेलियाई नेशनल यूनिवर्सिटी

प्रोफेसर आशीष नंदा, निदेशक-आईआईएमए के साथ विटहैम की सांसद, ब्रिटेन की राजस्व सचिव सुश्री प्रीति पटेल

आईआईएमए में माननीय एंड्रयू रॉब, एओ सांसद, व्यापार एवं निवेश मंत्री, ऑस्ट्रेलिया, प्रोफेसर जी रघुराम डीन (संकाय) के साथ बातचीत करते हुए

प्रोफ़ेसर आशीष नंदा, निदेशक, आईआईएमए तथा प्रोफ़ेसर अजय पांडेय, डीन (कार्यक्रम), प्रोफ़ेसर इयान क्लार्क, डीन, एडिनबर्ग बिज़नेस स्कूल युनिवर्सिटी, ब्रिटेन के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करते हुए

प्रोफ़ेसर इयान क्लार्क, डीन, एडिनबर्ग बिज़नेस स्कूल युनिवर्सिटी, ब्रिटेन तथा प्रोफ़ेसर आशीष नंदा, निदेशक, आईआईएमए के साथ अन्य आईआईएमए प्रतिनिधि

- प्रोफेसर मार्क वांदनबोश, एसोसिएट डीन, आईवी बिजनेस स्कूल, वेस्टर्न विश्वविद्यालय, कनाडा
- प्रोफ़ेसर सिल्वेन त्रिन, निदेशक, मास्टर स्थायी विकास एवं संगठन, दोपिन विश्वविद्यालय, पेरिस, फ्रांस
- प्रोफेसर स्टीफन होलोवे, प्रोवोस्ट, रासायनिक भौतिकी के प्रोफेसर, लिवरपूल विश्वविद्यालय, ब्रिटेन
- डॉ. गिलर्मो रोड्रिगेज मार्टिन, निदेशक, कासा द ला भारत, स्पेन, श्री जोस रेमन गोंजालेज गार्सिया, वाइस रेक्टर / कुलपति िअंतरराष्ट्रीय एवं संस्थागत मामले, वैलेडॉलीड विश्वविद्यालय, स्पेन
- श्री रॉबर्ट (बॉब) कैनेडी, डीन, आईवी बिजनेस स्कूल, वेस्टर्न विश्वविद्यालय, ओंटारियो, कनाडा
- प्रोफेसर इयान क्लार्क, डीन, सुश्री लिनोस वाइन जोन्स के साथ, अंतरराष्ट्रीय प्रबंधक, एडिनबर्ग बिजनेस स्कूल विश्वविद्यालय, ब्रिटेन
- प्रोफ़ेसर कस्तूरी रंगन, संकाय-हार्वर्ड बिजनेस स्कूल, संयुक्त राज्य अमेरिका
- प्रोफ़ेसर ज्योति गुप्ता, प्रोफेसर-ईएससीपी यूरोप, फ्रांस, मिशेल प्रेदाली, अंतरराष्ट्रीय भागीदारी समन्वयक के साथ

आईआईएमए में सुश्री रूचि घनश्याम, नामित उच्चायुक्त दक्षिण अफ्रिका के साथ प्रोफ़ेसर अजय पांडेय, डीन (कार्यक्रम)

आईआईएमए में प्रोफ़ेसर बॉब केनेडी, डीन, आईवी बिज़नेस स्कूल, वेस्टर्न युनिवर्सिटी, ओंटारियो तथा प्रोफ़ेसर आशीष नंदा, निदेशक, आईआईएमए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करते हुए

## ङ. सार्वजनिक संलग्नता और अध्ययन दौरे

हर वर्ष संस्थान अपने परिसर के दौरे तथा अध्ययन यात्राओं के लिए आगंतुकों को बुलाता है। यह उन्हें संस्थान की गतिविधियों को व्यापक रूप से समझने के साथ ही इसके स्थापत्य वैभव की सराहना करने का भी अवसर प्रदान करता है। संस्थान ने वर्ष 2014-15 के दौरान, लगभग 6000 आगंतुकों का स्वागत किया, इनमें विदेशी नागरिक, सरकारी अधिकारी, कॉरपोरेट, शिक्षा क्षेत्र, सशस्त्र बलों के वरिष्ठ अधिकारी, व्यवसायी तथा छात्र शामिल थे। आईआईएमए का दौरा करने वाले प्रमुख अध्ययन समूहों/संस्थानों में निम्नलिखित शामिल थे :

फूजी विश्वविद्यालय, जापान का समूह

- बसलेल विश्वविद्यालय, यरूशलेम
- तुंगहाई विश्वविद्यालय, ताइवान
- बीआरएसी विश्वविद्यालय, बांग्लादेश
- सिल्पकॉर्न विश्वविद्यालय, बैंगकॉक
- मोराटुवा विश्वविद्यालय, श्रीलंका
- फूजी विश्वविद्यालय, जापान
- पोलिटेक्निक युनिवर्सिटी ऑफ मिलानो, इटली
- पडुआ विश्वविद्यालय, इटली
- बांग्लादेश इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी युनिवर्सिटी (बीयूइटी), ढाका
- सुरक्षा सेवा कार्मिक कॉलेज के वरिष्ठ अधिकारी, पुणे
- ज्ञानी जैल सिंह पंजाब तकनीकी विश्वविद्यालय, भठिंडा
- तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयम्बटूर
- पर्यावरण योजना एवं प्रौद्योगिकी केन्द्र विश्वविद्यालय (सेप्ट), अहमदाबाद
- बिड़ला प्रौद्योगिकी संस्थान, मेसरा, रांची
- बी.वी. भूमारेड्डी इंजीनियरिंग कॉलेज, हुबली, कर्नाटक
- बी.एम. श्रीनिवासैया इंजीनियरिंग कॉलेज, बेंगलुरू
- प्रवासी भारतीय मामलों के मंत्रालय का भारत को जानिए कार्यक्रम

आईआईएमए में रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज, वेलिंगटन के वरिष्ठ अधिकारियों को संबोधित करते हुए डीन (कार्यक्रम), प्रोफेसर अजय पांडेय

# सहायता अनुदान

वर्ष 2014-15 के दौरान, इस संस्थान ने गैर-योजना (नियमित) एवं योजना (नियमित) के अंतर्गत, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार से कोई भी सहायता अनुदान प्राप्त नहीं किया।

वर्ष 2014-15 के दौरान, संस्थान को मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार से एफपीएम कार्यक्रम के लिए 133.15 लाख रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ।

# बुनियादी ढाँचे का विकास

बुनियादी सुविधाओं की जरूरतों को मजबूती प्रदान करने के प्रयास में, संस्थान ने जुड़वां आयामी रणनीति अपनाई है। सबसे पहले, संस्थान ने सीमित उपलब्ध भूमि पर बुनियादी ढाँचे के समग्र पुनः नियोजन के लिए एक प्रमुख वास्तुकार को नियुक्त किया है। दूसरे, संस्थान ने संरक्षण, पुनःस्थापन तथा लूई काह्न द्वारा डिजाइन किए ऐतिहासिक धरोहर जैसे भवनों के उन्नयन के लिए एक संरक्षण एवं पुनरोद्धार वास्तुकार को नियुक्त किया है। इन इमारतों में पुस्तकालय, कक्षा संकुल, संकाय ब्लॉक और मुख्य परिसर के 18 छात्रावास शामिल हैं। काह्न के मूल डिजाइन वाली इमारत को बहाल करने के प्रयास किए जाएंगे, इस तरह आज तक हुए कई अवांछित हस्तक्षेपों को हटाया जाएगा। पुनःस्थापन से इन प्रतिष्ठित भवनों को फिर से मजबूती प्राप्त होगी और रिसाव, टपकने और नमी की समस्याओं का सदा के लिए समाधान होगा। इसके अलावा संस्थान की वर्तमान आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भी इन इमारतों के उन्नयन का काम हो रहा है। सूचना प्रौद्योगिकी के बुनियादी ढाँचे को भी उन्नत किया जा रहा है।

एक विस्तृत राष्ट्रव्यापी चयन प्रक्रिया के बाद मेसर्स एचसीपी डिजाइन प्लानिंग एवं मैनेजमेंट (एचसीपी-डीपीएम), अहमदाबाद को संस्थान के प्रमुख वास्तुकार के रूप में नियुक्त किया गया। एचसीपी-डीपीएम संस्थान के नए परिसर के भी वास्तुकार थे। विस्तृत प्रमुख योजना के अलावा, ये छोटी परियोजनाओं और स्थापत्य की अखंडता को बनाए रखने के लिए मार्गदर्शन तथा दैनिक रखरखाव कार्यों की देखरेख करेंगे। 25 वर्ष की अवधि के लिए एक मुख्य योजना का मसौदा पाँच चरणों में बाँटकर तैयार किया गया है। पहले चरण में 60 संकाय आवास, छात्रावास के लगभग 400 कमरे और एक नया कक्षा संकुल शामिल हैं।

एक विस्तृत चयन प्रक्रिया के बाद, मेसर्स सोमाया और कलप्पा कंसल्टेंट्स प्रा. लिमिटेड-मुंबई को पुनःस्थापन परियोजना के लिए संरक्षण वास्तुकार के रूप में नियुक्त किया गया है। देश के अग्रणी संरक्षण वास्तुकार श्रीमती ब्रिंदा सोमाया की प्रत्यक्ष निगरानी में परियोजना की अगुवाई की गई है। संरक्षण वास्तुकार के मार्गदर्शन में संरचनात्मक परीक्षण का काम पूरा हो चुका है। यह संरक्षण कार्य चार चरणों में किया जाएगा और लगभग पाँच वर्षों में पूरा होने की संभावना है। प्रथम चरण वर्ष 2016 की शुरूआत में ही जल्द शुरू होने की संभावना है। समुदाय को पुनःस्थापन के कार्य का अद्यतन करने के लिए संस्थान ने संरक्षण पर एक वेबसाइट - http://www.restoration.iimahd.ernet.in/ भी बनाई है।

# कार्मिक

वर्ष 2014-15 के दौरान, नौ नए संकाय सदस्यों ने संस्थान में कार्यभार ग्रहण किया। तीन संकाय सदस्य सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर सेवानिवृत्त हुए, और एक संकाय सदस्य ने अपना कार्यकाल पूरा होने पर संस्थान छोड़ दिया है। इस वर्ष के दौरान, सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर अठारह स्टाफ सदस्यों ने सेवानिवृत्ति ली और एक कर्मचारी ने संस्थान की सेवाओं से त्यागपत्र दिया।

इस वर्ष के दौरान, 2 संकाय सदस्यों और 18 स्टाफ सदस्यों को 20 वर्ष की सेवा पूरी करने पर सम्मानित किया गया।

विवरण परिशिष्ट ण में दिए गए हैं।

## अधिकारी एवं कर्मचारी विकास गतिविधि

वर्ष के दौरान, अधिकारियों सहित 64 कर्मचारियों को अहमदाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन तथा अन्य प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रायोजित किया गया। संस्थान ने विभिन्न पाठ्यक्रमों के माध्यम से कौशल उन्नयन को आगे बढ़ने के लिए कई स्टाफ सदस्यों को प्रायोजित करना जारी रखा है।

## राजभाषा कार्यान्वयन

संस्थान पूर्णतया भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के लिए प्रतिबद्ध है। इस वर्ष संस्थान ने 15 से 29 सितम्बर, 2014 के दौरान राजभाषा को बढ़ावा देने के लिए हिन्दी पखवाड़े का आयोजन किया। इस समारोह के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं (हिन्दी निबंध लेखन, कविता, शब्द ज्ञान, आशु-भाषण, तथा सुलेखन) का आयोजन किया। संस्थान के 100 से अधिक हिन्दीभाषी एवं गैर-हिन्दीभाषी कर्मचारी सदस्यों ने इन प्रतियोगिताओं में भाग लिया। इस समारोह के समापन दिवस पर, प्रोफेसर अजय पांडेय, डीन (कार्यक्रम) द्वारा नकद पुरस्कार तथा प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी कमांडर मनोज भट्ट (सेवानिवृत्त) ने भी रोजमर्रा के कार्यकलापों में राजभाषा हिन्दी

के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए संस्थान के सभी कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया। विक्रम साराभाई पुस्तकालय में विभिन्न विषयों पर उपलब्ध हिन्दी पुस्तकों की एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री एवं माननीय गृह मंत्री की तरफ से प्राप्त संदेशों को सभी सूचना पट्टों पर प्रदर्शित किया गया।

वर्ष के दौरान, हिन्दी में टिप्पण व प्रारूपण पर तीन हिन्दी-कार्यशालाएँ, तथा कंप्यूटर पर हिन्दी में काम करने के लिए हिंदी सॉफ्टवेयर का कार्यसाधक ज्ञान देने के लिए एक कार्यशाला आयोजित की गईं, इनमें 64 कर्मचारियों ने भाग लिया। इन कार्यशालाओं में व्याख्यान देने के लिए हिंदी के प्रसिद्ध वक्ताओं को आमंत्रित किया गया।

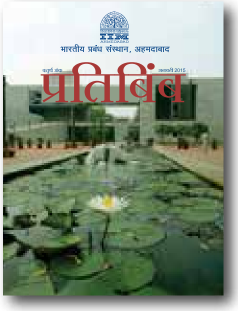


वर्ष के दौरान, राजभाषा कार्यान्वयन समिति की चार बैठकें आयोजित की गई, जिनमें भारत सरकार द्वारा वार्षिक कार्यक्रम में 'ख' क्षेत्र के लिए निर्धारित कार्यान्वयन लक्ष्यों को प्राप्त करने पर जोर दिया गया।

संस्थान की हिन्दी पत्रिका के प्रतिबिम्ब के चौथे संस्करण का प्रकाशन जनवरी 2015 में किया गया और इस अंक की प्रतियाँ सभी आईआईएम, आईआईटी, केंद्रीय विश्वविद्यालयों, संबंधित मंत्रालयों, शासी मंडल के सदस्यों, और नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) के सभी 130 सदस्यों को भेजी गई।

राजभाषा के बेहतर कार्यान्वयन लिए, संस्थान ने हिन्दी प्रशिक्षण संस्थान, अहमदाबाद की सहायता से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें चौंतीस कर्मचारियों को नामित किया गया और 21 मई 2015 को उनके लिए परीक्षा आयोजित की गई।

26 फरवरी, 2015 को एक हिंदी कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस समारोह में अहमदाबाद के प्रसिद्ध हिन्दी कवि उपस्थित रहे थे। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, अहमदाबाद के सभी सदस्य कार्यालयों के लिए संस्थान में 16 अप्रैल, 2015 को हिन्दी आशु-भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। लगभग 40 सदस्यों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया।

## सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अधीन, वर्ष के दौरान 131 आरटीआई आवेदन और 8 प्रथम अपील प्राप्त हुई और उनका निपटान किया गया।

# छात्र गतिविधियाँ

## एबेकस

एबेकस, एक मुकाबला क्लब है, इसमें सभी मात्रात्मक उत्साहियों को परिसर पर इकठ्ठा कर एकसाथ लाया जाता है। यह क्लब गणित तथा तर्क से संबंधित पहेली, कबिंग, पोकर, जैसी रुचियों और शौक को संचित करता है। इसके अलावा, यह क्लब उन छात्रों की संभाव्यता और सांख्यिकी के रूप में विषयों की मूल बातों के माध्यम से मार्गदर्शन द्वारा सहायता करता है जो पाठ्यक्रम आधारित मात्रात्मक या गाणितीय ज्ञान कम रखते हैं या उनको पूर्व ज्ञान नहीं है।

इस क्लब ने अपनी प्रमुख वार्षिक प्रतियोगिता नटक्रेकर का आयोजन किया जो एक सप्ताह का समारोह है इसमें श्रेष्ठ बौद्धिकता वालों के बीच अंतिम पुरस्कार के लिए कड़ा मुकाबला हुआ। एक नई पहेली सुलझाने की ऑनलाइन प्रतियोगिता रिडल-फ़िडल का पाँच दिनों का आयोजन किया गया।

एबेकस ने पोकर एवं रुबिक्स क्यूब जैसी रुचिप्रद एप्लिकेशनों पर कार्यशालाओं का आयोजन किया।

व्यवसाय प्रबंधन एवं विशेषकर वित्तीय भूमिकाओं में मात्रात्मक तरीकों का उपयोग दिन-प्रति-दिन बढ़ता जा रहा है और यह इस तथ्य से रेखांकित हुआ है कि साक्षात्कारों में कम्पनियाँ पहेलियाँ रखती हैं। इस उद्देश्य के लिए, एबेकस क्लब ने टेसरऐक्ट समारोह का आयोजन किया, जो एक पहेली डेटाबेस है जहाँ पर हर दूसरे दिन पहेलियों का एक सेट ग्रीष्मकालीन स्थानन के एक महीने पहले मुकाबले के लिए रखा ताकि छात्रों को अपने विश्लेषणात्मक एवं आँकड़ों के कौशलों का ज्ञान ताज़ा करने में मदद मिल सके। एबेकस ने खेल सिद्धांत सत्रों तथा विश्लेषण प्रतियोगिता जैसे समारोहों की शुरूआत की जिसे अच्छी प्रतिक्रिया मिली।

## शैक्षणिक परिषद

शैक्षणिक परिषद छात्रों की चिंताओं को व्यक्त करता है और शैक्षिक नीति-निर्माण की प्रक्रिया में भाग लेते हुए छात्रों, शिक्षकों, एवं प्रशासन के बीच एक सेतु के रूप में कार्य करता है।

शैक्षणिक परिषद बदलते कारोबारी माहौल के साथ मेल रखने के क्रम में मौजूदा पाठ्यक्रमों में सुधार और नए पाठ्यक्रम के सुझाव की समीक्षा करने में एक सक्रिय दृष्टिकोण रखता है। यह पीजीपी कार्यालय के साथ मिलकर काम करता है जिससे अधिक सीटों के लिए बातचीत करके कई पाठ्यक्रमों के एक ही दिन होने को कम करते हुए अधिकतम छात्रों को ऐच्छिक से लाभान्वित करना सुनिश्चित किया जा सके। यह परिषद भाषा पाठ्यक्रमों और व्याख्यान श्रृंखला की सुविधा भी देती है।

पहली बार, शैक्षणिक परिषद ने पीजीपी एवं एफपीएम छात्रों को सीखने के अवसर बढ़ाने के लिए कॉन्फ्लुअन्स के हिस्से के रूप में आईआईएमए अनुसंधान ओपन हाउस का आयोजन किया। इसने छात्रों के लिए उपचारात्मक सत्रों की भी अच्छी व्यवस्था की थी। इसके अलावा, परिषद ने पीजीपी 2015-17 बैच से लागू की गई पाँच-वर्षीय पाठ्यक्रम समीक्षा प्रक्रिया के लिए अपनी जानकारी दी है।

## कृषि व्यवसाय क्लब

कृषि व्यवसाय क्लब का उद्देश्य कृषि व्यवसाय के पहलुओं की बेहतर समझ के द्वारा ज्ञान के आदान-प्रदान के लिए एक मंच की सुविधा प्रदान करना है।

छात्रों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से, इस क्लब ने अमूल, आनंद, और सरदार पटेल ऑर्गेनिक फार्म के दौरे का आयोजन किया। वर्ष के दौरान, दो वक्ता सत्रों का आयोजन किया गया। क्लब ने वस्तुओं के व्यापार पर एक कार्यशाला का भी आयोजन किया।

इस क्लब द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण प्रतियोगिताओं में सिंचाई प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रायोजित नेटाफ़िम सिंचाई केस चुनौती और रचना : आलेख लेखन प्रतियोगिता की तीन श्रृंखलाएँ शामिल थीं। यह क्लब अहमदाबाद में 10,000 स्कूली लड़कियों तक पहुंच बनाने के उद्देश्य से, अपने समुदाय तक पहुंचने के कार्यक्रम आरंभ के आयोजन द्वारा किशोरावस्था में लड़कियों में स्वास्थ्य व पोषण के प्रति जागरूकता अभियान के लिए परिसर से बाहर गया।

## अमेथॉन

प्रमुख कार्यक्रम अमेथॉन-2015 को बड़ी सफलता मिली। इसका आयोजन जनवरी में 'विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में उभरते खाद्य और कृषि व्यवसाय के सुनहरे अवसर' विषय पर हुआ। यह शिखर सम्मेलन उद्योग, शिक्षा, और छात्रों के लिए विचार संगोष्ठी का एक अंतर्क्रियात्मक मंच प्रदान करता है। इसका उद्देश्य विचारों का विनिमय, ज्ञान का आदान-प्रदान, व्यावसायिक नेटवर्क का निर्माण, और इस क्षेत्र में रुचि के आकर्षण को बढ़ावा देना है। अमेथॉन-2015 विश्व बैंक द्वारा प्रायोजित किया गया था और इसमें पूरे भारत तथा सिंगापुर, फिलीपींस, नेपाल, श्रीलंका, भूटान व बांग्लादेश सहित दुनिया भर से 3000 से अधिक प्रतिभागी उपस्थित रहे।

प्रमुख समारोहों में 'खाद्य वार्ता' पर एक पैनल चर्चा और 'सामाजिक उद्यमिता में महिला अग्रणियाँ' विषय पर चर्चा शामिल थी। इस शिखर सम्मेलन में कोल्ड स्टोरेज एवं भंडारण कार्यशाला, उद्यम स्थान चर्चा, और कृषि वस्तुओं की मूल्य श्रृंखला पर एक चर्चा भी शामिल थी। अमेथॉन ने श्री दीपक द्वारा कॉमेडी 'चक' गोपालकृष्णन, मौके पर मनोरंजन, और 'खाद्यान्न अपव्यय को ना कहो' विषयों पर मैराथन चलाने जैसे समारोहों की भी मेजबानी की।

## पूर्वछात्र सहभागिता प्रकोष्ठ

पूर्वछात्र सहभागिता कक्ष पूर्वछात्रों और वर्तमान छात्रों के बीच संबंधों को मजबूत बनाने और आंतरिक-पूर्वछात्र नेटवर्किंग के लिए सार्थक अवसरों के विकास में अहम भूमिका निभाता है। इस कक्ष का प्रमुख उद्देश्य सद्भाव बढ़ाना और पूर्वछात्रों तथा उनके अपने संस्थान के बीच आजीवन संबंधों को बढ़ावा देना है।

इस वर्ष, पूर्वछात्र प्रकोष्ठ ने शैडॉ एन ऐलम कार्यक्रम तथा यंग अल्युमनी अचिवर (युवा पूर्वछात्रों की उपलब्धियाँ) पुरस्कार सहित कई नए प्रयासों का शुभारंभ किया। शैडॉ एन ऐलम कार्यक्रम छात्र समुदाय तथा विशिष्ट पूर्वछात्रों के बीच संबंधों को निर्णाण की कोशिश में सफल रहा। पीजीपी प्रथम वर्ष के एक छात्र को कई दौर से गुजरने के बाद जेरोक्स इंडिया के प्रबंध निदेशक के साथ एक दिन बिताने का मौका मिला।

यंग अल्युमनी अचीवर अवार्ड में एक पूर्वछात्र को विशेष क्षेत्र में अपनी उपलब्धि के लिए सम्मानित किया जाएगा। इसका उद्देश्य पूर्वछात्रों की उपलब्धियों के बारे में छात्र समुदाय में जागरूकता फैलाना तथा उन्हें प्रेरित करना है।

नियमित गतिविधियों में सिंक्रॉनी-2014 बहुत सफल रहा। यह भारत तथा विदेशों में 11 स्थानों : भारत में दिल्ली, मुंबई, बेंगलूर, हैदराबाद, चेन्नई, पुणे और कोलकाता जैसे भारतीय चैप्टर तथा अंतरराष्ट्रीय चैप्टरों

में दुबई, कुवैत, लंदन, सिंगापुर तथा हांगकांग में आयोजित होने वाला वार्षिक पूर्वछात्र-वर्तमान छात्र मिलन है। प्रत्येक सिंक्रॉनी कार्यक्रम में औसतन 100 से अधिक पूर्वछात्र और वर्तमान छात्र उपस्थित रहे।

वर्ष 2013 में स्थापित पूर्वछात्र-वर्तमान छात्र मार्गदर्शन कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों के शैक्षणिक कैरियर से परे पूर्वछात्र-वर्तमान छात्र संबंधों को विस्तार देना है। इस कार्यक्रम ने सफलतापूर्वक 160 से अधिक पूर्वछात्रों की निगरानी में 250 से अधिक वर्तमान छात्रों को तैयार किया।

पूर्वछात्र प्रकोष्ठ ने 1974, 1980, 1990, 1994, 1999, 2000 तथा 2004 बैच के पुनर्मिलन का भी आयोजन किया। पूर्वछात्रों के परिसर के अपने पुराने दिनों को फिर से ज़िंदा करने और वर्तमान छात्रों के साथ संवाद करने के लिए एक औपचारिक तथा अनौपचारिक पुनर्मिलन समारोह परिसर के बाहर तथा भीतर आयोजित किया गया।

वक्ता सत्र में उद्योग के दिग्गजों श्री मुदित आर.-उपप्रमुख, एम एंड ए, एक्सेंचर, और श्रीमती विनया पर्वते-सिटी साउथ एशिया के जोखिम प्रबंधन के प्रमुख संचालक द्वारा परामर्श एवं वित्त क्षेत्र में इनसाइट्स पर वार्ता शामिल है।

प्रमुख प्रकाशनों में, इस प्रकोष्ठ ने पूर्वछात्रों की सफलता की कहानियों को साझा करने और एक चुने हुए विशिष्ट पूर्वछात्र की उपलब्धियों पर प्रकाश डालने के उद्देश्य से पूर्वछात्र माह श्रृंखला (अल्युमनी ऑफ़ द मंथ) का शुभारंभ किया।

अलावा, मासिक समाचार पत्र – टाइडिंग फ्रॉम विमवी (डब्ल्यूआईएमडब्ल्यूआई) पूर्वछात्रों को नियमित रूप से वितरित किया जाता है। यह समाचार पत्र परिसर में चल रहे विभिन्न समारोहों के संक्षिप्त विवरण, इनकी अद्यतन जानकारी, तथा संस्थान व छात्र समुदाय से संबंधित समाचार प्रदान करता है।

पूर्वछात्र प्रकोष्ठ त्रि-वार्षिक रूप से आईआईएमए पूर्वछात्र पत्रिका के लिए छात्र समुदाय से प्राप्त लेखों और सामग्री का भी योगदान करता है।

## बीटा

बीटा की मुख्य विचारधारा एक शैक्षणिक अनुशासन के साथ में कैरियर के विकल्प के रूप में वित्त में रुचि को बढ़ावा देना है।

बीटा वित्त में कैरियर लक्षित छात्रों को वित्त में कैरियर संबंधित निरंतर मार्गदर्शन एवं परामर्शन प्रदान करता है तथा भर्ती साक्षात्कार, ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप, तथा अंतिम स्थानन की तैयारी में सहायता करता है। आज का बीटा शब्द-डब्ल्यूओटीडी (WOTD) तथा दैनिक श्रृंखला का उद्देश्य छात्रों को वित्तीय अवधारणाओं की समझ एवं वित्तीय समाचारों से अद्यतन करने में सहायता करना है। बीटा पर्स्पेक्टिव के माध्यम से, उपभोक्ता के प्रारूप को आसानी से समझने के लिए द्वितीय वर्ष के छात्रों द्वारा प्रथम वर्ष के छात्रों के साथ अपने अनुभवों को साझा किया जाता है। क्लब बीटा प्राइमर तथा आरईएम सत्रों के कार्यक्रम द्वारा कोर्पोरेट वित्त, निवेश बैंकिंग, तथा विपणन जैसे विषयों की एक व्यापक श्रेणी को कवर करता है और इनका आयोजन ग्रीष्मकालीन तथा अंतिम स्थानन सत्रों से पहले किया जाता है। क्लब ने प्रसिद्ध ब्लूमबर्ग एप्टीट्यूड कसौटी का आयोजन किया जिससे अपने वित्तीय ज्ञान के वैश्विक मानदंडों में छात्रों को सहायता मिली।

ग्रीष्मकालीन स्थानन से ठीक पहले बीटा मार्गदर्शक कार्यक्रम का आयोजन होता है। प्रत्येक प्रथम वर्ष के छात्र के लिए, द्वितीय वर्ष का बीटा सदस्य छात्र निर्धारित होता है जो मार्गदर्शन, शंका का समाधान, इंटर्नशिप साक्षात्कार की तैयारी में सहायता करता है। इसके अलावा, बीटा ने छात्रों को व्यापार के

बारे में सर्वश्रेष्ठ सीखने में सहायता के लिए पंकज वैश्य, एमडी-सिटी, और प्रशांत मोहन्त, सीएफओ-आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज की वक्तव्य श्रृंखला सत्र का आयोजन किया। अन्त में, बीटा ने छात्रों के ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप से पहले उन्हें सही कौशल से सुसज्जित करने के लिए छात्रों के लिए दो-दिवसीय उन्नत वित्तीय मॉडलिंग कार्यशाला का आयोजन किया।

कैरियर की पूर्वतैयारी के मार्गदर्शन प्रदान करने के अलावा, बीटा छात्रों में वित्त में रुचि पैदा करने के उद्देश्य से गतिविधियों की एक श्रृंखला आयोजित करता है। इसमें फिनोमिना वित्त शिखर सम्मेलन शामिल है जो छात्रों को वित्त जगत् में एक परिचयात्मक मंच प्रदान करते हुए इस क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों की पहुँच के बारे में जागरूकता बढ़ाने तथा अपनी समझ से दूरी को पाटने का मंच प्रदान करता है। इस वर्ष, क्लब ने एक नई अल्गोरिदम ट्रेडिंग प्रतियोगिता एनएवी कैपिटल के सहयोग में शुरू की और आईसीआईसीआई के स्टॉकमाइंड राष्ट्रीय व्यापार चुनौती के परिसर संस्करण का आयोजन करने में सहायता की। इन प्रतियोगिताओं के अलावा, बीटा ने व्यूप्वॉइंट नाम से बजट-2014 पर आकर्षक बहस का आयोजन किया।

## कम्प्यूटर केन्द्र समिति

कम्प्यूटर केन्द्र समिति (सीसीसी) छात्रों तथा कम्प्यूटर केन्द्र के बीच अंतर्क्रिया का कार्य करता है ताकि परिसर में छात्रों की आईटी बुनियादी ज़रूरतों को पूरा किया जाए ताकि संस्थान के प्रशासन के समक्ष छात्रों के आईटी संबंधित मुद्दों को संबोधित किया जाए। इस क्लब का उद्देश्य नए अनुप्रयोगों का निर्माण कर छात्रों की सहायता करना है, थोक सौदे आयोजित करना, स्पैम की निगरानी करना, चर्चा मंच का रखरखाव करना, प्रिंटर प्रबंध करना, सर्वर को संभालना, तथा अन्य कार्य करना है। इन वर्षों में यह क्लब डीबैब, बैच प्रोफ़ाइल, तथा इलेक्शन पोर्टल जैसे विकासशील एप्लिकेशनों का विकास करने पर प्रोद्योगिकी क्लब के रूप में प्रसिद्ध हो गया है।

सीसीसी ने कई विकल्पों के साथ बेहतर डिस्काउंट पर स्टोरेज ड्राइव, नेटवर्क डोंगल, सिम कार्ड, और लैपटॉप के सौदे आगे बढ़ाए। सबसे महत्वपूर्ण बाजार की कीमतों से पर्याप्त छूट (> 20 प्रतिशत) पर आईआईएमसी के सहयोग से मैकबुक सौदा किया गया था। इसी तरह 95 प्रतिशत से अधिक की छूट पर एमएस ऑफ़िस एवं विंडोज ओएस सौदा किया गया था।

सीसीसी ने ऑनलाइन छात्र सूचना निर्देशिका, इंटर्नशिप, तथा स्थानन सूचना निर्देशिका जैसे वेब एप्सों का निर्माण शुरू किया है जिनको प्रति वर्ष अपडेट किया जाता है। स्थानन तथा अन्य घटनाओं के लिए मित्रों एवं वरिष्ठों को खोज निकालने के लिए ये एप्लिकेशन छात्रों के लिए काफी उपयोगी हैं। पिछले वर्ष छात्र गतिविधि समिति के दायरे के अंतर्गत सभी चुनाव सीसीसी प्रणालियों के माध्यम से संचालित किये गए। इस वर्ष पहली बार बैच के डेटा परिसर के बाहर उपलब्ध कराये गए; इस पहल से जो छात्र अपने इंटर्नशिप के लिए परिसर से दूर जिन स्थानों पर थे उन्हें काफी सहायता मिली। इस क्लब ने आने वाले बैच को नेटवर्क स्वतः साझा करने के साथ शीघ्र शिकायत समाधान करने में भी सहायता की। आने वाले बैच के साथ अंतर्क्रिया करने में डीबैब मंच उपयोगी रहा।

परिसर में इंटरनेट नेटवर्क द्वारा जीमेल तथा व्हाट्सएप जैसे मोबाइल एप्लिकेशन्स खोलने पर बड़े बदलाव देखे गए।

वर्तमान में छात्रों को “नो प्रॉक्सी” के लिए अनुमति दी गई, इसके द्वारा प्रॉक्सी सेटिंग्स एप्लिकेशन की कोई जरूरत नहीं होगी यह सुनिश्चित किया गया।

## कैओस

हमारे वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव कैओस-2014 का संस्करण 23 से 26 जनवरी, 2014 के दौरान आयोजित किया गया। सन् 1966 में शुरू हुए कैओस ने अपना पैमाना बड़ा किया है और अब प्रति

वर्ष लगभग साठ हजार से अधिक लोग इसमें शामिल होते हैं। देश भर से 200 से अधिक स्कूलों तथा विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने इस समारोह में भाग लिया। कैओस भारत का सबसे बड़ा व्यवसाय स्कूल सांस्कृतिक महोत्सव है।

पिछले वर्ष, कैओस भारतीय सिनेमा के 100 वर्ष पूरे होने के जश्न में "भारतीय सिनेमा को श्रद्धांजलि" के विषयवस्तु के इर्दगिर्द केंद्रित रहा और भव्य प्रदर्शन - सुनिधि चौहान, अमित त्रिवेदी, डीजे एनवायके, कानन गिल तथा शशि थरूर, मधुर भंडारकर और अभिषेक सिंघी के परिपेक्ष्य सत्रों का आयोजन किया गया।

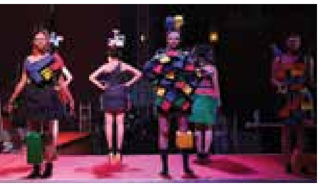

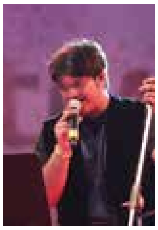

थिएटर तथा संगीत प्रेमियों के लिए पर्याप्त अवसर थे जिसमें वे अपनी प्रतिभा दिखा सकें और श्रेष्ठ प्रदर्शनों का लुत्फ़ उठा सकें। कैओस के फ्लेगशिप संगीत समारोह में शीर्षस्थ अर्ध व्यावसायिक बैंडों को देश भर से रॉक टाइटिल के प्रतिष्ठित ब्लीज़र्ड को जीतने के लिए लाया गया। ज़ुबरन्स द्वारा देश भर से मंच पर इकट्ठा हुई टीमों  शीर्ष नृत्य लाया गया और वह भारत में सबसे बड़े सांस्कृतिक महोत्सव के विजेता के रूप में उभरा। अभिव्यक्ति की खोज में सभी सीमाओं से मुक्त कैओस ने इस जादुई कला पर पकड़ जमाई। नृत्य, कला व खेल संबंधित कई मौके-पर-समारोह तथा कार्यशालाएँ इस चार दिवसीय महोत्सव के दौरान आयोजित किए गए।

## कॉन्फ़्लुअन्स

कॉन्फ्लुअन्स के सोलहवें संस्करण में जोशीले विषय 'भारतीय पुनर्जागरण का खाका' ने पकड़ जमाई। पुनरोद्धार तथा ताजगी पर ध्यान केन्द्रित करने के साथ, यह आशाजनक नई सरकार और व्यापार व नीति में एक सकारात्मक दृष्टिकोण के इर्दगिर्द प्रस्तुत हुआ। इस तीन दिवसीय समारोह में 48 से अधिक देशों के 15000 छात्रों के साथ 400 से अधिक सहयोगी कॉलेजों ने भाग लिया।

समग्र भारत में ऐसे अनूठे समारोह परिवर्तन, ने भारत को संचालित करने वाले लोगों में छात्रों को आमंत्रित किया। भारत भर से सैकड़ों छात्रों ने इस समारोह के कई चरणों में भाग लिया और श्रेष्ठ रहे छात्रों ने देश के ज्वलंत मुद्दों और चुनौतियों पर अपने विचार व्यक्त किये। संस्थान को गहराई तक समाज से जोड़ने के लिए परिवर्तन को सी क्यूब नामक एक मंच के रूप में विकसित किया गया।

प्रबंधन सम्मेलन को उच्च स्तर तक ले जाने के लिए, कॉन्फ्लुअन्स अब आईएसओ प्रमाणित समारोह बनने जा रहा है।

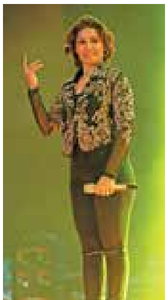

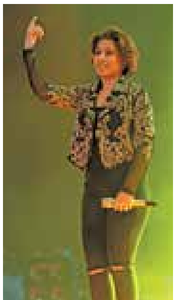

## परामर्श (कन्सल्ट) क्लब

क्लब का उद्देश्य छात्रों को कैरियर के रूप में परामर्श को अपनाने तथा इसके लिए तैयार करने में मदद करना है। इस क्लब की प्रमुख पत्रिका तत्त्व के दूसरे संस्करण में परामर्श की दुनिया पर एक नया परिप्रेक्ष्य बाहर लाया गया।

परामर्श क्लब ने मैकिन्से एंड कंपनी के सहयोग में एक पैनल चर्चा का आयोजन किया। दल के सदस्यों में मैकिन्से इंडिया के पूर्व एम.डी., आदिल जैनुलभाई, मल्लिका साराभाई, प्रोफेसर अजय पांडेय, और छात्र प्रतियोगिता के विजेता भी शामिल थे। यह चर्चा मैकिन्स के प्रकाशन रीइमेजिनिंग इंडिया पर आधारित थी जिसमें तेजी से व समग्र आर्थिक विकास के पैमाने के लिए लंबी अवधि के लिए अभिनव समाधान खोजने पर जोर दिया गया।

इस क्लब ने छात्रों को असामान्य व्यापार की समस्याओं को सुलझाने के द्वारा उनकी केस तैयारी को व्यापक बनाने में मदद करने हेतु आईआईएमए केस बुक पूरक करने के लिए 12 लाइव केसों की एक श्रृंखला को भी प्रस्तुत किया। इसके अतिरिक्त, क्लब ने अपनी ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप के लिए एक विकल्प के रूप में परामर्श अपनाने में रुचि रखते वाले प्रथम वर्ष के छात्रों को भी मार्गदर्शन दिया।

पैनोरमा, विशिष्ट क्षेत्रों के बारे में महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि के साथ छात्रों को सुसज्जित करने के उद्देश्य से क्षेत्रीय रिपोर्टों की यह एक प्रकाशन श्रृंखला है, इसकी पठनीयता में महत्वपूर्ण सुधार देखा गया है और इसे केस तैयारी में तथा अन्य शैक्षिक उद्देश्यों के लिए शीघ्र संदर्भित किया जा सकता है। केस कक्ष एक नई पहल है, जहाँ दूसरे वर्ष के छात्र साथ मिलकर केस साक्षात्कार से निपटने में सहायता करते हैं, इसकी केस तैयारी में एक उपयोगी उपकरण के रूप में विशेष रूप से सराहना की गई।

## सांस्कृतिक क्लब (कल्टकॉम)

सांस्कृतिक तथा सामाजिक कार्य समिति (कल्टकॉम) परिसर में सबसे महत्वपूर्ण घटनाओं की समितियों में से एक है। इसका उद्देश्य घर से दूर रह रहे छात्रों को परिसर में उत्सवों के आयोजन द्वारा जीवंत बनाते हुए मनोरंजन द्वारा घर का सा माहौल महसूस कराना है। यहाँ आने वाले छात्र विभिन्न पृष्ठभूमि तथा संस्कृतियों से आते हैं इसलिए विविध संस्कृतियों को सीखने के लिए उनको बड़े अवसर मिलते हैं। कल्टकॉम यह सुनिश्चित करता है कि प्रत्येक छात्र कम से कम एक त्यौहार मनाने में शामिल हो तथा वह छात्रों से व्यक्तिगत स्तर पर जुड़े।

वर्ष की शुरूआत नवांगतुक छात्रों को संस्थान की संस्कृति से परिचित कराने से होती है, उसके बाद लुई काह्न प्लाजा (एलकेपी) में स्वागत पार्टी आयोजित की जाती है।

उसके बाद टी-नाईट होती है। प्रतिस्पर्धाएँ तीन दिनों व रातों की, चुनौतियों, व मनोरंजन के बाद एक अनुभाग की जीत के साथ समाप्त होती हैं। टी-नाईट वास्तव में छात्रों को एक साथ जोड़ता है जो प्रतिभा और उत्साह का एक मिश्रण है।

प्रमुख उत्सवों में जन्माष्टमी, स्वतंत्रता दिवस, दशहरा, दिवाली, क्रिसमस और नववर्ष शामिल हैं।

कल्टकॉम का एक ही उद्देश्य है : “प्रत्येक नवांगतुक के चेहरे पर मुस्कान देखना”।

## वाकपटुता (इलोकन्स) - सार्वजनिक वक्ता क्लब

इलोकन्स संस्थान का सार्वजनिक वक्ता क्लब है। हर शनिवार सार्वजनिक वक्तव्य के उत्साहियों को सतत मंच प्रदान करने के लिए एक बैठक आयोजित की जाती है।

शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत में, इस क्लब ने एक व्यवसाय शिष्टाचार तथा ग्राहक संपर्क कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप में काम के दबाव को बेहतर रूप से संभालने के लिए छात्रों

के सुसज्जित करने पर ध्यान केन्द्रित किया गया।

क्लब ने प्रथम वर्ष छात्रों के लिए ग्रीष्मकालीन स्थानन से पहले बनावटी समूह चर्चा (जी.डी.) सत्रों एवं बनावटी साक्षात्कार का भी आयोजन किया।

क्लब ने प्रयास के बच्चों के लिए अँग्रेज़ी बोलने की कक्षाओं का आयोजन किया जिसमें क्लब के सदस्यों ने व्यक्तिगत रूप से ध्यान दिया।

राष्ट्रीय अखंडता दिवस के अवसर पर "राष्ट्रीय एकता सुरक्षा के उपाय" विषय पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया गया।

इस क्लब ने अंतिम स्थानन की तैयारी कराने के लिए लगभग 150 द्वितीय वर्ष-छात्रों के लिए जी.डी. सत्र का आयोजन किया।

## एंत्रे क्लब

एंत्रे क्लब का लक्ष्य परिसर में उभरते उद्यमियों के लिए एक मंच प्रदान करना है।

क्लब ने विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला पर वक्ता सत्र का आयोजन किया। उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए कम प्रसिद्ध क्षेत्र 'जैव प्रौद्योगिकी में अवसर' का चयन करते हुए श्री अक्षय सक्सेना ने प्रवाह में क्षणिक परिवर्तन किया।

स्थानन समिति के सहयोग में, एंत्रे क्लब ने सफलतापूर्वक एंत्रे मेला-2014 का आयोजन किया। इसमें 18 कंपनियाँ उपस्थित रही जिन्होंने छात्रों को ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप के लिए विभिन्न पदभारों की पेशकश की। विभिन्न कॉलेजों तक पहुँच को बढ़ाया गया। इसके अलावा, परिसर में जो कंपनियाँ नहीं आ सकी थी उन कंपनियों को छात्रों तक वेबकास्ट से पहुँचने का एक अवसर दिया गया। श्री शंकर मारुवाडा तथा श्री पावन नंदा ने दर्शकों के साथ अपनी उद्यमशीलता की कहानी को साझा किया।

अन्य एक समारोह में, मूलधन निवेशकों के समक्ष छात्रों को अपने विचारों को व्यक्त करने का मौका दिया। इस अवसर पर 34 छात्रों ने अपने विचार रखे। आईआईएमैवरिक्स कार्यक्रम तथा सीआईआईई परिचयात्मक सत्र पर सूचना सत्र का आयोजन किया गया।

समुदाय तक पहुँच कार्यक्रम के एक हिस्से के रूप में, क्लब ने मदर केयर नामक स्टार्टअप के साथ काम करते हुए एक सामाजिक रूप से उपयोगी उत्पाद विकसित किया। इस वेबसाइट की संचालनता तथा एप्लिकेशन को बाजार में अधिक आकर्षण हासिल करने के लिए सुधारा गया।

प्रमुख बी-प्लान प्रतियोगिता, मास्टरप्लान को फिर से बड़ी सफलता मिली और देश भर से करीब 100 कॉलेजों से 350 टीमों ने भाग लिया। फरिश्ते निवेशक सुनील निखार तथा मनीष भंडारी इस समारोह के निर्णायक रहे। यह वर्ष आईआईएमएमैवरिक्स के बड़े आयोजन के आकर्षण के साथ समाप्त हुआ, इसमें सीआईआईई ने संयुक्त रूप से उभरते उद्यमियों के लिए छात्रवृत्ति कार्यक्रम के लिए नौ छात्र टीमों का चयन किया उन्हें उद्यमिता जगत में उतरने के लिए दो वर्ष तक समर्थन जारी रहेगा।

## इक्विपोइज़

इक्विपोइज़, अर्थशास्त्र क्लब है और यह अर्थशास्त्र के क्षेत्र में रुचि रखने वालों का पोषण करने की दृष्टि से प्रेरित है।

क्लब ने सूक्ष्मअर्थशास्त्र और मैक्रोइकॉनॉमिक्स पर अनेक शैक्षिक आरईएम-रेम सत्रों का आयोजन किया। इसके अलावा, शैक्षिक सामग्री के एक ऑनलाइन भंडार को छात्र समुदाय द्वारा आसानी से उपयोग में लेने के लिए वेबसाइट पर अपलोड किया।

क्लब ने परिसर में सबसे अनोखी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं में से एक : 'इक्विज़िटीव' का आयोजन किया। इस प्रश्नोत्तरी में 90 से अधिक छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

एक सक्रिय ब्लॉग और एक अद्यतन फेसबुक पेज को परिसर में नवोदित अर्थशास्त्रियों द्वारा संभाला जा रहा है।

## विनिमय परिषद

विनिमय परिषद छात्र विनिमय कार्यक्रम के लिए विदेश से आने वाले छात्रों और संस्थान से बाहर जाने वाले छात्रों की सुविधा हेतु अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य विकसित करने के लक्ष्य में निरंतर कार्यरत रहती है।

परिषद यह सुनिश्चित करती है कि छात्र-विनिमय के लिए वांछित स्कूल में सभी छात्रों का दाखिला हो और इन स्कूलों के लिए आवेदन की प्रक्रिया (छात्रवृत्ति सहित) सुचारू रूप से चले। इसके अलावा, यह यूरेल पास, यात्रा बीमा, छात्र-कार्ड, आदि जैसी चीज़ों के लिए थोक सौदे में शामिल होकर सब कुछ का ख्याल रखता है और यहाँ तक कि विदेशी मुद्राएँ और वीजा प्राप्त करने के लिए विनिमय प्रदान करता है।

विश्व भर से अपने छात्रों के लगभग बराबर संख्या में विदेशी छात्र परिसर में आते हैं। परिषद आने वाले छात्रों को परिसर में व्यवस्थित करने में मदद करने के लिए एक दोस्त छात्र (पीजीपी) को नियुक्त करती है। ये दोस्त आने वाले छात्रों (संस्थान में आने के समय से लेकर हमारा देश छोड़ने तक) की हर तरह से देखभाल रखने में मदद में करते हैं।

परिषद का यही प्रयास रहता है कि विनिमय में आए छात्रों के अवसरों में वृद्धि की जाए। इसलिए, परिषद ने प्रति वर्ष 200 से अधिक विनिमय सीट करने के लिए इस वर्ष प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के साथ संबंध मजबूत बनाये हैं। परिषद अपने छात्रों तथा विदेशी छात्रों के बीच बहुत जरूरी सांस्कृतिक आदान-प्रदान करने के नवीनतम तरीका अपनाती है और सभी के लिए एक यादगार अनुभव प्रदान करती है।

## संकाय-छात्र आपसी विचार-विमर्श प्रकोष्ठ

संकाय-छात्र आपसी विचार-विमर्श प्रकोष्ठ (इंटरेक्शन सेल) की दूरदर्शिता "एक ऐसा आईआईएमए परिसर जहाँ छात्र स्वतंत्र रूप से संकायों से बातचीत कर सकें जैसे वे आपस में करते हैं" लाना है।

पिछले वर्ष इस क्लब ने कई गतिविधियों का आयोजन किया जिससे मुलाकातें हुई। वर्ष के अंत तक दो बैचों का रात्रिभोज आयोजित किया गया, जिनमें प्रति दिन 500 से अधिक लोग शामिल हुए। अतिप्रिय संकाय सदस्यों के सम्मान में दो वीडियो भी बनाए गए। वीडियो में छात्रों के संकायों के साथ बिताये यादगार क्षणों एवं अनुभवों को रिकॉर्ड किया गया।

इस वर्ष का आकर्षण संकाय मार्गदर्शन कार्यक्रम था जिसमें 170 से अधिक छात्रों तथा 39 संकाय सदस्यों ने भाग लिया। इससे छात्रों को संकाय सदस्यों के समृद्ध अनुभव के माध्यम से पूरा मार्गदर्शन प्राप्त करने में सहायता मिली। शिक्षक दिवस समारोह पर संकाय सदस्यों तथा छात्रों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। संकाय सदस्यों के परिवार के सदस्यों ने भी इस अवसर पर प्रदर्शन किया। संकाय सदस्यों और छात्रों के लिए एक क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया था। एक मिश्रगीत समारोह आयोजित किया गया जिसमें अंताक्षरी, मौन शब्द-पहेली (डम्ब शेराड) तथा प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई। छात्र और संकाय सदस्य एक दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा करने में एकसाथ आए। बुद्धिमत्ता की लड़ाई स्पष्ट दिखाई दे रही थी जिससे शाम पूरी तरह से मनोरंजक और मस्ती भरी हो गई थी।

## कौशल (फ़िनेस)

फ़िनेस एक ललित कला क्लब है जिसका लक्ष्य परिसर में कला के विभिन्न रूपों को बढ़ावा देना है।

## 2014-15 के कार्यक्रमों का सिंहावलोकन

- **कार्टून स्ट्रिप्स :** कार्टून स्ट्रिप्स के माध्यम से प्रथम वर्ष के छात्रों के व्यस्त कार्यक्रम में हास्य जोड़ने का प्रयास किया गया। इसमें आईआईएमए के समुदाय ने भी योगदान दिया।
- **ग्राफिती :** भोजनालय में ग्राफिती की पहल सांस्कृतिक समिति के सहयोग से की गई।
- **कैओस 2015** : कैओस-2015 के आयोजन के साथ बीते समय के साथ बड़े से बड़ा समारोह बनता जा रहा है। इन तीनों दिनों के दौरान मस्ती भरे समारोहों तथा कार्यशालाओं में फ़िनेस ने अपना योगदान दिया। इसमें राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, और भारतीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान जैसे संस्थानों से उत्साहजनक भागीदारी देखी गई। कोयला चित्रकारी कार्यशाला, स्प्रे पेंटिंग, डूडल मेकिंग, टी-शर्ट पेंटिंग, रंगोली, पेपर फैशन, टैटू डिजाइन, और ओरिगामी कार्यशाला जैसे समारोहों में छात्रों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।
- **अमेथॉन-2014 :** एक बार फिर से देश के विविध स्थानों से विशाल संख्या में प्रतिभागी उपस्थित रहे। जीएआईए : वीडियो बनाने की चुनौती, एसपीईटीटीआरओ : पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, एफ़आईओआरई : फूलों की रंगोली प्रतियोगिता, तथा चेहरा पेंट करना जैसी प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई।
- **सामंजस्य समारोह :** फ़िनेस ने दिवाली से पहले रंगोली कार्यशाला, फोटोशोप कार्यशाला तथा कैलिग्राफी कार्यशाला जैसे कार्यक्रम संचालित करने में अन्य क्लबों को सहयोग दिया। फ़िनेस के सदस्यों ने गुजरात सरकार द्वारा आयोजित 'महात्मा गाँधी और सफाई' कला प्रतियोगिता में संस्थान का प्रतिनिधित्व करते हुए भाग लिया।

## फ़ूटलूज़

फ़ूटलूज़ जो कि आधिकारिक नृत्य क्लब है जो नृत्य प्रतिभा का प्रदर्शन करने तथा नृत्य कौशल को आगे बढ़ाने के लिए एक मंच प्रदान करता है।

फ़ूटलूज़ छात्रों का एक गतिशील क्लब है जो नृत्य के लिए उत्साह तथा प्यार साझा करता है।

यह क्लब वर्ष भर सक्रिय रहता है। यह क्लब समारोहों के आयोजनों तथा विभिन्न प्रकार के नृत्य प्रदर्शनों में शामिल रहता है।

जिन समारोहों में फ़ूटलूज़ प्रदर्शन करता है वे हैं : स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, और संस्थान दिवस। फ़ूटलूज़ विभिन्न प्रकार की नृत्य प्रतियोगिताओं में भाग लेकर गर्व महसूस कराता है। यह बिग बैंग जैसे स्वयं को साबित करने वाले समारोह का भी आयोजन करता है  नवागंतुक छात्रों के लिए स्वागत समारोह तथा डान्स नाइट जो कि शैक्षणिक वर्ष के आरंभ व समापन के प्रमुख नृत्य समारोह हैं।

फ़ूटलूज़ क्लब मयूर डान्स अकेडमी के सहयोग में साल्सा, टैंगो तथा बॉलीवुड के नृत्य प्रकारों की कार्यशालाओं के आयोजन की मेजबानी करता है। इसके अतिरिक्त, इस क्लब ने आईआईएमए समुदाय के बच्चों के लिए एक विशेष नृत्य प्रशिक्षण-सह-प्रदर्शन कार्यशाला का भी आयोजन किया।

## उद्योग सहभागिता मंच

उद्योग सहभागिता मंच (एफआईआई) आईएसओ 9001-2008 प्रमाणित छात्र परामर्श निकाय है। एफआईआई ने अपने अस्तित्व के कई वर्षों से छात्रों तथा निगमों, सरकार, गैर सरकारी संगठनों, और स्टार्ट-अप के बीच सफल भागीदारा की है। एफआईआई ने लगातार उद्योगों और कंपनियों के लिए व्यावसायकि कार्यों में प्रभावी तथा व्यावहारिक समाधान दिया है।

यह वर्ष एफआईआई के लिए विभिन्न अंतरराष्ट्रीय तथा घरेलू कंपनियों जैसे कि अमेज़न, फ़िनआईक्यू, सेंट गोबिन, अदानी, तथा राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान के साथ सेवा दे रही टीमों के लिए अभूतपूर्व रहा। इससे

नवोदित प्रबंधकों की एक बड़ी संख्या के लिए न केवल जीवंत परामर्शन कार्यों पर काम करने के अवसर प्रदान हुए बल्कि यह भी सुनिश्चित हुआ कि उपयोगिता स्तर सही-सलामत रहा।

परिसर के बाहर अपना प्रदर्शन अधिक लोगों तक पहुँचाने के लिए एफआईआई की मुख्य टीम द्वारा कई नई पहलें शुरू की गई। टीम के कुछ सदस्यों ने उद्योग के पेशेवरों के साथ बातचीत करने तथा एफआईआई की ब्रांड को बढ़ावा देने के लिए वाइब्रेंट गुजरात शिखर सम्मेलन 2015 का दौरा किया। एफआईआई ने अपनी मुख्य टीम में पीजीपीएक्स बैच के प्रतिनिधियों को शामिल किया। छात्र टीमों के लिए पीजीपीएक्स सदस्यता संस्थागत कर दिया गया है। आईएसओ 9001:2008 प्रमाणन की प्रक्रिया को सफलतापूर्वक 17 फरवरी, 2015 को पूरा कर लिया गया। एफआईआई की वेबसाइट www.iimafii.org का पुनरोत्थान किया गया है।

उत्कृष्ट टीमों को पुरस्कृत करने के लिए, 27 जनवरी, 2015 को एक पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया। पुरस्कार संरचना को इस वर्ष बदला गया। ग्राहक तथा संकाय से प्राप्त प्रतिक्रिया के आधार पर प्रत्येक सफल टीम को श्रेणी ए, बी, और सी में वर्गीकृत किया गया। श्रेणी ए में पुरस्कृत टीम को 60,000/- रुपए, श्रेणी बी की टीम को 30,000/- रुपये तथा श्रेणी सी में पुरस्कृत टीम को 20,000/- रुपये का पुरस्कार दिया गया।

## जेनेसिस

जेनेसिस प्रौद्योगिकी की उभरते रूझानों के प्रति प्रदर्शन उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखता है। भविष्य के प्रबंधकों तथा उद्योग के बीच एक मंच के रूप में यह कार्य करता है; जेनेसिस प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विभिन्न कैरियर विकल्पों से प्रतिभागियों को परिचित कराता है। जेनेसिस प्रतिभागियों की सहायता करने तथा कैरियर के अवसरों के बारे में अंतर्दृष्टि पाने हेतु आईटी क्षेत्र की विभिन्न कंपनियों की प्रमुख हस्तियों के साथ वार्ता सत्रों का आयोजन करता है। इस वर्ष, जेनेसिस ने प्रौद्योगिकी तथा ई-कॉमर्स के क्षेत्र में उत्पाद प्रबंधन भूमिकाओं के लिए छात्रों को तैयार करने में सहायता हेतु एक समर्पित उत्पाद प्रबंधन सेल शुरू किया। यह क्लब प्रौद्योगिकी संबंधित क्षेत्र विश्लेषण तैयार करने तथा बनाए रखने में स्थानन समिति का भी समर्थन कर रहा है।

यह क्लब प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विभिन्न तकनीकी अद्यतन तथा मौजूदा रुझान के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए एक प्रौद्योगिकी ब्लॉग चलाता है। जेनेसिस ने अपने सामाजिक आउटरीच कार्यक्रम के हिस्से के रूप में प्रयास के बच्चों के लिए एक कंप्यूटर साक्षरता सत्र तथा एक मजेदार प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया। पिछले वर्ष अमेथॉन के साथ-साथ क्लब ने नवीनतम कृषि तकनीकों के बारे में एक आईसीटी पैनल चर्चा का आयोजन किया।

## सामान्य प्रबंधन एवं नेतृत्व प्रकोष्ठ (जीएमएलसी)

जीएमएलसी, सामान्य प्रबंधन एवं नेतृत्व प्रकोष्ठ, व्यापार के नेतृत्व के बारे में भावुक छात्रों का एक समुदाय है। यह प्रकोष्ठ तीन क्षेत्रों में सक्रिय रूप से काम करता है :

- सामान्य प्रबंधन से संबंधित कैरियर में सहायता प्रदान करना : जीएमएलसी छात्रों में कैरियर के विकल्प के रूप में सामान्य प्रबंधन को बढ़ावा देता है और साथ ही साथ सामान्य प्रबंधन नियोक्ताओं के बीच में संस्थान की उपस्थिति में सुधार होगा।
- नेटवर्किंग अवसर उपलब्ध कराना : जीएमएलसी परिसर के बाहर व भीतर नेटवर्किंग के अवसरों को बढ़ावा देने की दिशा में काम करता है। इसमें छात्रों के बीच नेटवर्किंग घटनाएँ तथा विभिन्न उद्योग के अग्रणियों के साथ नेटवर्किंग समारोह शामिल हैं।
- उद्योग तथा व्यापार जगत के अग्रणियों को शामिल करना : जीएमएलसी, व्यापार के लिए उद्योगों के दौरों का आयोजन तथा व्यापार और कंपनियों की कॉर्पोरेट रणनीति की एक समग्र समझ प्रदान करने

के लिए, व्यापार जगत के अग्रणियों के साथ सत्रों का आयोजन करता है।

अन्य गतिविधियों में परिसर पर वक्ता श्रृंखला आयोजित करना, रणनीति केस प्रतियोगिताएँ आयोजित करना, और एक 'शैडो ए सीएक्सओ' कार्यक्रम शामिल हैं।

## हेरिटेज क्लब

आईआईएमए समुदाय को संस्कृति और विरासत की भूमि के करीब लाने में हेरिटेज क्लब ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। क्लब उसी उत्साह के साथ, कला के प्रकारों, खानों, त्योहारों, और पुरातात्विक स्थलों की यात्राओं का आयोजन करता है।

वर्ष भर में लगभग 35 हैरिटेज भ्रमण यात्राएँ आयोजित की गई। इसमें आईआईएमए समुदाय, पूर्वछात्र, विनिमय कार्यक्रम पर आए विदेशी छात्र, विदेश से आए प्रतिनिधिमंडल, और कई अन्य लोग शामिल थे। रथयात्रा तथा इफ्तार पर विशेष भ्रमण यात्राएँ रखी गई और इन विशेष जुलूसों के संदर्भ में फोटोग्राफी प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई। पाटन रानी-की-वाव, मोढेरा सूर्य मंदिर, और सांस्कृतिक महत्व के अन्य स्थानों की, तथा पोलो वन के लिए यात्राओं का आयोजन किया गया।

स्थानीय तथा प्रसिद्ध दोनों तरह के कलाकारों को आमंत्रित करके शो आयोजित किए गए। कला प्रदर्शन में ओडिसी नृत्य प्रदर्शन, दास्तां-ए-चौबोली, ग़ज़ल, सूफी संगीत, सुगम संगीत, गुजराती लोक संगीत समारोह तथा ऐसे ही अन्य कार्यक्रम आयोजित किये गए। विपणन सम्मेलन इनसाइट के सिलसिले में गरबा सहित विशेष प्रदर्शन आयोजित किए गए।

यह क्लब कल्टकॉम के सहयोग में आयोजित फूड फेस्टिवल के हिस्से के रूप में परिसर में भटियारों (स्थानीय खाद्य) को लेकर आया। यह क्लब भोजन और उत्पाद प्राप्त करने के लिए रेस्तरां, हस्तकला उत्पादों, कपड़े की दुकानों को एक साथ लाने में सफल रहा।

क्लब ने कला के प्रकारों, मौसमी त्यौहारों, खाद्य पदार्थों, यात्राओं, और फोटोग्राफी को शामिल करते हुए कई मासिक प्रकाशित किये हैं। यह क्लब गुजरात की खुशबू को फैलाने का प्रयास कर रहा है।

## आईआईएमैक्ट्स

आईआईएमऐक्ट्स ने (आईआईएम अहमदाबाद नाट्य सांस्कृतिक एवं नाट्य सोसायटी) 'द प्रेसिडेंट इज़ कमिंग' नाटक के साथ शुरूआत की। इस नाटक में पूरी तरह से अलग-अलग पृष्ठभूमि के लोग और उनमें से प्रत्येक अमेरिकी राष्ट्रपति से मिलने के लिए किस हद तक गिर सकता है ऐसा निरूपण किया गया था।

उसके बाद, इस क्लब ने जीवनसाथी की खोज से संबंधित संघर्ष में क्या-क्या बीता तथा जीवनसाथी बनने के बाद कैसे ब्रेक-अप होता है उस पर एक नाटक 'प्लीज़ चेक' प्रस्तुत किया। इस नाटक ने पूरी तरह से अलग व्यक्तित्वों से सामना होने पर अनुकूलता के मुद्दों पर एक उल्लसित माहौल दिया।

इसके बाद 'भागते रहो' शीर्षक से नाटक प्रदर्शित किया गया जिसमें स्थानन के महत्व पर सवाल उठाया गया था। इस नाटक में छात्रों को अपने प्रिय प्रोफेसरों के साथ प्रदर्शन करने का अवसर मिला और इनसे अभिनय के बारे में कुछ बातें जानने को मिली।

इसी बीच, आईआईएमऐक्ट्स ने कुछ लघु फिल्मों का प्रसारण किया जो कॉमेडी से लेकर सामाजिक रूप से प्रासंगिक मुद्दों पर थी। पहली थी जोहरी विंडो, जो आगंतुकों के संदर्भ में प्रसिद्ध हिंदी फिल्म चुपके-चुपके के एक प्रकरण की पुनर्कृति थी। दूसरी लघु फिल्म थी, स्पीक अप, जो महिलाओं की सुरक्षा के बारे में निरुपित थी।

अक्टूबर में, आईआईएमऐक्ट्स "जिस लाहौर नई वेख्या.. ओ जन्म्या ही नई" के साथ लौटा। इस नाटक में भारत के विभाजन के समय का निरूपण करते हुए मानवता, भावनाओं तथा दुःखों को दर्शाया गया था। इन नाटकों को सभी ने काफी सराहा, और इसने राष्ट्रीय थिएटर महोत्सव, "थेस्पो" में प्रदर्शन करने के लिए आईआईएमऐक्ट्स टीम को प्रेरित किया।

इस टीम ने सांस्कृतिक नाइट प्रदर्शन कार्यक्रम के दौरान एक अंग्रेज़ी लघु नाटक द जॉय ऑफ़ गिविंग वीक का शानदार प्रदर्शन किया। इस टीम ने एमडीपी प्रतिभागियों का भी अपने कार्यक्रम के अंत में नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत करने के लिए मार्गदर्शन किया। राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह के अवसर पर इस टीम ने एक छोटा नुक्कड़ नाटक रजनीश प्रस्तुत किया। इस नुक्कड़ नाटक में धर्म, क्षेत्र और जाति से संबंधित मुद्दों के एक प्रकार को दर्शाया गया।

समुदाय तक पहुँच बनाने के कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, आईआईएमऐक्ट्स ने - "शिक्षा मेरा अधिकार" नुक्कड़ नाटक का अहमदाबाद के छह अलग-अलग स्थानों पर मंचन किया। इस नाटक का उद्देश्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम के बारे में आम जनता को परिचित कराना था।

नए छात्रों का वर्ष का पहला नुक्कड़ नाटक 'राम तेरी दुनिया मैली' था जिसमें 'सफाई अभियान' की असंवेदनशीलता के बारे में बताया गया था जो कि आज पूरे देश में चारों तरफ एक सनक बन गया है। इस नाटक में शरीर और मन की साफ-सफाई से संबंधित गहरे विषयों को भी समाहित किया गया था और इसे अमेथॉन के दौरान परिसर में प्रदर्शित किया गया, इसके अलावा ब्लीट्क्रॉन तथा कैओस के दौरान आईआईटी-गाँधीनगर में प्रदर्शित किया गया।

इस वर्ष का समापन "स्लीप इन टाइम" नामक एक हत्या के रहस्य को उजागर करने वाले नाटक के साथ हुआ। यह नाटक शैली की विशिष्टता को लेकर समीक्षाओं को जुटाने में कामयाब रहा।

## इनसाइट, वार्षिक विपणन सम्मेलन

सन् 1986 में शुरू हुआ इनसाइट संस्थान का सबसे पुराना महोत्सव है। आईएसओ प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाला देश में यह पांचवाँ महोत्सव बन गया है। मूल रूप से इसकी कल्पना विपणन अनुसंधान महोत्सव के रूप में की गई थी जहाँ छात्र विपणन अनुसंधान कर सकें, जो अब विपणन सम्मेलन में तब्दील हो गया है और देश भर से आए छात्रों के लिए विपणन प्रतियोगिताओं का आयोजन करता है, देश में श्रेष्ठ वक्तव्य सत्र आयोजित करता है, और विपणन उत्साहियों के लिए कार्यशालाएँ और अनूठा ग्रेट अहमदाबाद मेले का भी आयोजन करता है जो कि प्रच्छन्न विपणन अनुसंधान के लिए एक मंच है।

ग्रेट अहमदाबाद मेला बेहद सफल रहा था। इसमें सभी आयु वर्ग के 8000 से अधिक लोगों ने भाग लिया। इसमें 500 से अधिक बच्चों ने ड्राइंग, आशुभाषण, और प्रश्नोत्तरी जैसी प्रतियोगिताओं में भाग लिया था। आगंतुकों ने पूरी तरह से उत्सव का आनंद लिया, वहीं परियोजना टीमों ने उपभोक्ता प्रतिक्रिया पाने के लिए दिलचस्प खेल तैयार किए थे।

इस वर्ष इनसाइट के आयोजन में 'आदर्श' तथा 'सिनेमार्क' (फिल्म विपणन) और 'स्टार मैनेजर' (स्पोर्ट्स मार्केटिंग) जैसे नए विपणन कार्यक्रमों के साथ नई ऊंचाई हासिल की गई, जो सात विभिन्न विपणन प्रतियोगिताओं में से हैं। बिक्री व विपणन अनुसंधान कार्यक्रम आदर्श का आयोजन गैर सरकारी संगठनों (सृष्टि और अंधजन मंडल संघ) की मदद करने के लिए किया गया था जिसकी अवधारणा समुदाय तक पहुँच बनाने की पहल के साथ योगदान करने की थी।

इस कार्यक्रम में लोव लिंटास (विज्ञापन), सोशल बीट (डिजिटल विपणन), और आईपीएसओएस (बाजार अनुसंधान) जैसी स्थापित कंपनियों की कार्यशालाएँ आयोजित की गई। आईआईएम उदयपुर, आईआईएम त्रिची, एफएमएस, एसआरसीसी, बिट्स पिलानी, जैसे शीर्ष बिजनेस स्कूलों और स्नातक कॉलेजों से लगभग 1000 से अधिक छात्रों ने भाग लिया।

रमेश श्रीवत्स-एमडी व सीईओ, टेनटेनटेन डिजिटल उत्पाद तथा ट्विटर सेलिब्रिटी; अशोक लल्ला – विपणन के वैश्विक डिजिटल प्रमुख, इन्फोसिस; हरीश बिजूर-सीईओ, बिजूर कंसल्ट्स; और पूर्वी सेठ-सीईओ, शिल्पुत्सी कंसल्टेंट्स जैसे वक्ताओं ने वक्ता श्रृंखला में भाग लिया।

## साहित्य संगोष्ठी डेस्क

साहित्य संगोष्ठी डेस्क (एलएसडी) छात्रों का साहित्यिक क्लब है। इसमें तीन प्रकोष्ठ हैं - क्विजिंग, डिबेटिंग, और साहित्यिक इनके माध्यम से विभिन्न प्रकार की गतिविधियाँ  आयोजित की जाती हैं।

एलएसडी शहर भर से बड़ी संख्या में केम्पस पर भीड़ जुटाता है ओर प्रश्नोत्तरी क्लब के नियमित सत्रों की मेजबानी करता है। हर वर्ष, एलएसडी निहिलान्त जो कि अंतर-आईआईटी-आईआईएम क्विज़िंग महोत्सव है उसका प्रतिनिधित्व करके सुविधा प्रदान करता है। इसमें महाक्विज़र, एशियास्वीप, क्यूओटीबी, ओएसिस लोन वुल्फ, ब्रेनबस्टर्स, और अन्य कई लोकप्रिय क्विज़ों का परिसर में आयोजन किया जाता है।

केओस के हिस्से के रूप में पिछले वर्ष नेशनल डीबेट की सफलता के बाद डीबेट को एक नए स्तर पर ले जाने की योजना बनाई जा रही है। एलएसडी प्रतिष्ठित छात्र संकाय डीबेट का भी आयोजन करता है।

एलएसडी केओस, कॉन्फ्लुअन्स, इनसाइट, तथा अमेथोन पर साहित्यिक समारोहों के संचालन में मदद करता है। ये साहित्यिक समारोह अहमदाबाद में साहित्य, क्विज़िंग, तथा बहस की संस्कृति को बढ़ावा देने में मदद करते हैं। एलएसडी दो लिट वीक (साहित्य सप्ताह) – नवागंतुक छात्र लिट वीक तथा अंतर-अनुभाग लिट वीक के आयोजन की मेजबानी करता है। पहला समारोह प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए है जो उन्हें घर जैसा महसूस कराने के लिए है और साहित्यिक गतिविधियों से परिचित कराने के लिए है। दूसरा कार्यक्रम कक्षाओं के बीच एक दोस्ताना प्रतिद्वंद्विता श्रृंखला के रूप में आयोजित किया जाता है।

## मैड (एमएडी) क्लब

मैड अर्थात् मूवी क्लब, सामूहिक मीडिया प्रावेदन मनोरंजन का स्रोत है। यह क्लब समकालीन सिनेमा के बारे में सार्वजनिक बहस को समन्वित करते हुए फ़िल्म रसिकों की क्षुधा तृप्ति के लिए फ़िल्म तथा दस्तावेजी चलचित्रों का प्रसारण तथा कार्यशालाओं, फिल्मी एवं टी.वी. प्रश्नोत्तरी का आयोजन करता है।

क्लब ने भारतीय समाज में महिलाओं की भूमिका पर आधारित फिल्म द वर्ल्ड बिफोर हर का प्रसारण निर्देशक सुश्री निशा कुमारी पाहुजा के साथ एक खुली चर्चा के बाद किया। सार्वजनिक नीति क्लब के सहयोग से, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता वृत्तचित्र कटियाबाज की स्क्रीनिंग इसके सह-लेखक एवं सह-निर्देशक फहद मुस्तफा के साथ एक बातचीत के बाद किया गया। क्लब ने हास्य अभिनेता, गायक तथा लोकप्रिय अभिनेता वीर दास के साथ एक सत्र का भी आयोजन किया।

क्लब ने आईआईएमए समुदाय के लिए नियमित फिल्म प्रसारण के अलावा, ऑफ़लाइन तथा फेसबुक पेज पर एक मूवी प्रश्नोत्तरी का भी आयोजन किया और एक ऑस्कर पूर्वानुमान इवेंट  भी आयोजित किया। इस क्लब ने समुदाय तक पहुँचने के कार्यक्रम के हिस्से के रूप में आईआईएमऐक्ट्स के नुक्कड़ नाटक का फ़िल्मांकन किया जिसमें आईआईएमए समुदाय के हिस्से के रूप में छात्र क्लबों के प्रयासों को दर्शाया गया।

## मीडिया कक्ष

मीडिया कक्ष, छात्रों तथा मीडिया के बीच संबंध स्थापित करता है। सभी छात्र मीडिया कक्ष के माध्यम से संपर्क में रहते हैं। यह क्लब सोशल मीडिया पर संस्थान के प्रशासन के साथ मिलकर बौद्धिक संपत्ति का प्रबंधन करने में कार्यरत रहता है। नए छात्रों के लिए यह पहला संपर्क सूत्र है और हर वर्ष एक स्वागत ब्रोशर तथा स्वागत वीडियो के माध्यम से परिसर में अपने परिचय की सुविधा उपलब्ध कराता है। यह क्लब छात्र समुदाय के लिए विजिटिंग कार्ड प्रिंट भी करता है।

प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से, यह कक्ष परिसर में छात्र संघों की ओर से सामग्री और जानकारी के सक्रिय प्रसार की सुविधा उपलब्ध कराता है। अन्य गतिविधियों में बजट जैसे मुद्दों पर छात्रों के साथ बातचीत के लिए मीडिया अनुरोधों का जवाब देने में क्लब शामिल रहता है।

परिसर में स्वतंत्र रूप से टीईडी-टेड समारोह आयोजित करने के लिए इस कक्ष ने टेडएक्स -आईआईएमअहमदाबाद की स्थापना में भी सहायता की।

एक सक्रिय आंतरिक ब्लॉग के माध्यम से, यह कक्ष आमजन से जुड़े मुद्दों पर पूरे आईआईएमए समुदाय के भाग लेने और बहस के लिए एक विचार मंच बनाने पर विचार कर रहा है। छात्र समुदाय द्वारा तैयार की गई समृद्ध सामग्री – अनुसंधान, राय या साहित्यिक – पत्रकारिता के विषय य इन सभी को समाहित करके छात्र सामग्री को बढ़ावा देने के लिए गृह पत्रिका के प्रकाशन की योजना बना रहा है।

## मार्गदर्शन प्रकोष्ठ

मार्गदर्शन प्रकोष्ट का उद्देश्य छात्रों को परिसर में अत्यधिक व्यस्त दिनचर्या में रहने के लिए अनुकूलित एवं समाजित होने में सहायता करना है। मार्गदर्शन कार्यक्रम आगंतुक बैच के छात्रों को तथा उस समय के सीनियर बैच के छात्रों के बीच सहज एकीकरण करते हुए संस्थान व्यवस्था के बारे अंतर्क्रिया करने का मंच प्रदान करता है।

इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए, प्रवेश परिणामों की घोषणा के 15 दिनों के भीतर ही सभी प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए मार्गदर्शनकर्ताओं को नामित किया गया। पिछले वर्ष बनाई योजना के अनुसार, प्राथमिक तथा माध्यमिक मार्गदर्शकों को पीजीपी-एबीएम के परामर्श प्राप्त कर्ताओं के लिए आवंटित किया गया। मार्गदर्शकों को शैक्षिक पृष्ठभूमि के आधार पर और प्रत्येक के हितों के आधार पर प्रोफ़ाइल मिलान के माध्यम से आवंटित किया गया। इससे यही सुनिश्चित नहीं हुआ कि छात्रों के पास वे मार्गदर्शक थे जिनके पास उनके सभी प्रश्नों के उत्तर थे बल्कि यह भी कि वे बहुत जल्दी से उत्तर पा रहे थे।

स्थानन की तैयारी के लिए, सीवी तैयार करने, जीडी (समूह चर्चा) दिशा निर्देशों, तथा साक्षात्कार के सुझावों के लिए कई कार्यशालाएँ आयोजित की गई। रॉय एडिंग्टन एंड एसोसिएट्स से विशेषज्ञों को साक्षात्कार की तैयारी के एक घंटे के सत्र के लिए आमंत्रित किया गया। इस टीम ने नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, अहमदाबाद क्षेत्र के निदेशक के एक सत्र का आयोजन किया जिसमें छात्रों को ड्रग्स के प्रयोग से होने वाले बुरे प्रभावों के बारे में सूचित किया गया। विनिमय परिषद के सहयोग में प्रथम वर्ष के छात्रों को छात्र विनिमय कार्यक्रम के परिप्रेक्ष्य से अवगत कराने के लिए एक जानकारी पूर्ण सत्र का आयोजन किया गया और यदि इसमें शामिल नहीं हुए हों तो उन्हें गतिविधियों की जानकारी दी गई।

## भोजनालय समिति

परिसर में स्थित खाने की दुकानें सुबह 8:00 बजे से लेकर रात्रि के 4 बजे तक छात्रों और आईआईएमए समुदाय की तमन्ना पूरी करने के लिए हमेशा हाजिर हैं।

पिछले वर्ष में, भोजन की समग्र गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार किए गए हैं। हालाँकि सुधार की हमेशा गुंजाइश रहती ही है, अब तक इसमें बहुत कुछ शामिल किया गया है।

अंततः, अथक रूप से काम करने वाले भोजनालय कर्मियों का शुक्रिया अदा करने का समय है। इनमें से कुछ इस तरह हैं । सबसे पहले पटेल चाचा, जो सुबह, दोपहर और शाम को हर समय भोजनालय में हाजिर रहते हैं। ये सन् 1974 से भोजनालय में काम कर रहे हैं। उसके बाद, वहाँ पर कुशाल राठौर हैं, जो हमेशा काउंटर पर होते हैं। ये पिछले आठ वर्षों से यहाँ पर्यवेक्षक हैं, और इन्होंने यहाँ कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। यहाँ सुरेंद्र चौहान, सी.टी. पर्यवेक्षक हैं। इन्होंने एक विनम्र हाउसकीपिंग स्टाफ के रूप में

यहाँ पर काम शुरू किया था और अपनी समर्पित सेवा के माध्यम से इस पद तक पहुँचे हैं। ये और ऐसे अन्य अनगिनत लोग यह सुनिश्चित करते हैं कि पर्दे के पीछे सभी काम हमेशा सुचारू रूप से चलते रहें।

## संगीत क्लब

संगीत क्लब सबसे प्यारे और सबसे सक्रिय मंडलों में से एक है। पिछले वर्षों में इस क्लब ने शैलियों और सभी भाषाओं के परिसर में भाईचारे के लिए कई यादगार शो किए हैं।

इस संगीत क्लब ने सन् 2014-15 में नए छात्रों के स्वागत के रूप में पुराने छात्रों के द्वारा रवि मथाई सभागार में खचाखच भरे श्रोतागणों की सराहना से आगाज़ के प्रदर्शन की शुरूआत की। इस शो में बॉलीवुड से लेकर शास्त्रीय, समकालीन से लेकर पुराने संगीत ने काफी भीड़ जुटाई, जिसमें कुछ सुनहरी यादें इसकी शोभा थी। इसके बाद नए छात्रों की बारी थी, जिसमें सी.टी. में एक संगीत संध्या हाई होप आयोजित की गई। विनिमय के पुराने छात्रों को अलविदा कहने के साथ परिसर पर विदाई समारोह यूफोनी का आयोजन हुआ जिसे काफी सराहना मिली। कल्टकॉम तथा अंधजन मंडल के संरक्षण में एक समुदाय तक पहुँचने के कार्यक्रम के तहत प्रयास के बच्चों के लिए निधि जुटाने के लिए जॉय ऑफ़ गिविंग के साथ संगीत क्लब ने विशेषाधिकार से वंचितों के लिए संगीत प्रस्तुत करके खुशियाँ बाँटी। इस क्लब ने पूर्वछात्रों के पुनर्मिलन समारोह, शिक्षक दिवस, संस्थान दिवस, और स्वतंत्रता दिवस पर भी विशेष समारोहों में प्रदर्शन किया।

संगीत क्लब के सदस्यों ने केओस-2015 की उद्घाटन संध्या को गर्मजोशी से भर दिया। अमेथोन की उद्घाटन संध्या में भी क्लब ने प्रदर्शन किया था। अंतिम समारोह रेट्रो नाइट@सी.टी. अतीत के लिए लालायित चलती-फिरती श्रृंखला थी। छात्रावास-5 के तहखाने में, क्लब के एक छात्र ने पहल की जिसे पिछले वर्ष सोशल मीडिया के जरिये पर्याप्त लोकप्रियता मिली और आगे एक धर्मार्थ कार्यक्रम का आयोजन रवि मथाई सभागार में किया गया।

## निशे : विपणन क्लब

इस संस्थान को विपणन का मक्का क्यों कहा जाता है यह इस क्लब ने एक बार फिर से साबित कर दिया। निशे ने इस वर्ष प्रारंभ के साथ शुरूआत की जो कि प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए ब्रांड प्रश्नोत्तरी है। कैरियर्स इन मार्केटिंग पर वार्ता का आयोजन करके निशे ने उत्साह बनाए रखा। इसके बाद वर्ष भर कई वक्ता सत्र छाए रहे। सेन्सोडाइन द्वारा आयोजित 'ब्रांड रणनीति' पर सत्र में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। वर्ष भर निशे ने अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। इस क्लब ने विज्ञापन निर्माण व विज्ञापन रणनीति समारोह 'एड्-मेनिया (विज्ञापन-उन्माद)' के आयोजन के लिए इनसाइट के साथ भागीदारी की जिसने देश भर के कॉलेजों से बड़ी संख्या में प्रतिभागियों को आकर्षित किया। इस क्लब ने कॉन्फ्लुअन्स के साथ भी भागीदारी की और 'बीयोन्ड द केस' का आयोजन किया। इसने प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए एक केस अध्ययन प्रतिस्पर्धा और तीन-दिवसीय अंतर-कक्षा विपणन मैराथन समारोह आयोजित किया।

निशे ने ग्रीष्मकालीन व अंतिम स्थानन के लिए छात्रों को तैयार करने में अहम भूमिका निभाई थी। जनवरी 2015 में अंतर्राष्ट्रीय विपणन सम्मेलन के आयोजन में निशे अपनी निर्णायक समर्थक भूमिका से छाया रहा। निशे ने रसद, प्रचार, और आतिथ्य को संभाला।

इस वर्ष निशे अपने अस्तित्व की 30वीं वर्षगांठ मना रहा है। सभी समारोहों में शामिल हुई भीड़ इस क्लब की गतिशीलता व संस्थान के सबसे पुराने क्लब की मजबूती का प्रमाण है, जिसका हर वर्ष मजबूत होना जारी है।

## ऑप्टिमा

ऑप्टिमा संचालन क्लब है, जिसकी संचालन के क्षेत्र में जागरूकता, ज्ञान, और कुशाग्र बुद्धि में सुधार करने के लिए अक्टूबर 2013 में कल्पना की गई थी।

ऑप्टिमा का पहला समारोह 'ऑपमेनिया' था, जो प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए परिचालन प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम था। ज्ञान डेटाबेस को एक स्वतंत्र वेबसाइट, एक संचालन ब्लॉग, एक फेसबुक पेज, और इंट्रा-टीम रिपोजिटरी जैसे संसाधनों से अद्यतन किया गया था। फेसबुक पेज को समाचार लेखों, संचालन अवधारणाओं, तथा दिलचस्प वीडियो के साथ नियमित रूप से अद्यतन किया गया। इस वर्ष इसने 1000 पसंदगियों (लाइकों) के मील के पत्थर को छुआ। इस क्लब ने सभी आईआईएमों की संचालन पत्रिका ऑप्सवर्ल्ड में भी योगदान दिया।

स्थानन की तैयारी के लिए, ऑपरेशन्स एक्सप्रेस की शुरूआत की गई, जिसमें ग्रीष्मकालीन स्थानन के लिए संचालन खबरों से संबंधित डेली मेलर, तकनीकी शब्दों की स्पष्टता तथा अवधारणाओं को शामिल किया गया। छात्रों को कंपनी प्रोफाइल तथा तैयारी फ़ोल्डर भी दिए गए।

ओप्टिमा ने कॉन्फ्लुअन्स में दो समारोहों का आयोजन किया : केस प्रतिस्पर्धा ऑपस्ट्रक्ट, और अनुकार समारोह ओप्सनीति। भंडारण पर एक कार्यशाला का भी आयोजन किया गया।

ऑप्टिमा भविष्य में सभी आईआईएमों के बीच स्वयं को संचालन केंद्र के रूप में स्थापित करने का इरादा रखता है।

**पैनेसिया**

पैनेसिया स्वास्थ्य देखभाल क्लब है, जो वर्ष में दो बार रक्तदान शिविरों के जरिये जरूरतमंदों को सहायता करते हुए आईआईएमए समुदाय के लाभ के लिए गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल रहता है। पैनेसिया ऊभरते रूझानों, समाचारों, तथा स्वास्थ्य देखभाल व फार्मा क्षेत्र में हुए अद्यतनों का लगातार अनुसरण करता है और न्यूज़लेटर के जरिये प्रचारित करता है। इस न्यूज़लेटर के अलावा डेंगू, मलेरिया, डायरिया, और कुत्ते के काटने जैसे कई सामान्य रोगों के चिह्न, लक्षण, उपचार तथा रोकथाम के उपायों से संबंधित जानकारी ई-मेल के माध्यम से पहुँचाता है।

जून में, पैनेसिया ने इसी महीने में नए दाखिला प्राप्त छात्रों के लिए हेपेटाइटिस-ए के टीके की व्यवस्था की। क्लब ने बरसात के मौसम के दौरान फैलने वाले रोगों के लिए स्वास्थ्य संबंधी दिशा-निर्देश जारी किए।

पैनेसिया ने जरूरतमंद कैंसर रोगियों के लिए गुजरात कैंसर अनुसंधान संस्थान की मदद से संस्थान में दो रक्तदान शिविरों का आयोजन किया।

सार्वजनिक नीति क्लब के सहयोग से पैनेसिया ने "आपके पास जो है उसका क्या मूल्य है, आप जो हैं वह कितना महत्व रखता है" विषय पर एक फील गुड सत्र का आयोजन किया।

जनवरी में पैनेसिया ने छात्रों तथा प्रयास के बच्चों के लिए एक दंत जाँच शिविर का आयोजन किया। फरवरी और मार्च में पैनेसिया ने पैनेसिया न्यूज़लेटर प्रकाशित किया, जिसमें पेटेंटिंग, तनाव प्रबंधन, समय प्रबंधन, काम जीवन में संतुलन, और संचार, तथा अनूठे खाद्य पदार्थों के बारे में रोचक जानकारी पर लेख शामिल थे।

स्वाइन फ्लू महामारी के खिलाफ आवश्यक सावधानी बरतने के लिए, प्रतिरक्षा बढ़ाने के लिए दवाएँ दिलाई गई और मास्क वितरित किए गए।

## प्रकृति

प्रकृति, भावुक प्रकृति प्रेमियों का एक क्लब है। थोल झील के लिए एक यात्रा का आयोजन किया गया जिसमें प्रतिभागियों ने सूर्योदय, वनस्पतियों और जीवसृष्टि को निहारा।

क्लब ने कपड़े एकत्रीकरण करने का अभियान चलाया। ये कपड़े परिसर के पास गैर सरकारी संगठनों में बच्चों को दिए गए। इस क्लब ने जागरूकता बढ़ाने के लिए और ई-कचरा एकत्र करने के लिए सेवा के साथ सहयोग में एक ई-कचरा एकत्रीकरण ड्राइव का आयोजन किया।

कश्मीर बाढ़ राहत के लिए एक संग्रह ड्राइव का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत अभियान का समर्थन करने के लिए परिसर के आसपास सफाई करने के लिए स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया।

प्रकृति ने जानवरों और पक्षियों को उनके प्राकृतिक निवास में निहारने के लिए पोलो वन यात्रा का आयोजन किया। परिप्रेक्ष्य के सहयोग से प्रकृति ने जनवरी में नलसरोवर पक्षी अभयारण्य की यात्रा का आयोजन किया जिसे अद्‌भुत प्रतिक्रिया मिली।

स्थिरता और व्यापार पर एक वक्ता सत्र का आयोजन किया गया जिसमें करीब 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

प्रकृति द्वारा होली का उत्सव प्राकृतिक रंगों के साथ मनाया गया।

## प्रयास

प्रयास संस्थान की एक ऐसी सामाजिक पहल है जिससे आसपास रहने वाले समुदायों तक पहुँच बनती है। प्रयास का उद्देश्य परिसर के आसपास रहने वाले गरीब बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है। वर्तमान में 91 बच्चों को समर्थन किया जा रहा है और उनकी शिक्षा से संबंधित सभी खर्चों को क्लब द्वारा पूरा किया जाता है।

प्रयास द्वारा एक पहल शुरू की गई जिसमें छात्रों ने अपना जन्मदिवस प्रयास के बच्चों के साथ साझा करने की सोच रखी। इसमें उस विशेष माह में सभी बच्चों के जन्मदिन महीने के अंत में उन छात्रों की तरफ से उनके साथ मनाया गया, जिनका जन्मदिन उसी महीने में आता हो।

प्रयास ने रक्षाबंधन त्यौहार के साथ बड़े भाई-बहन संरक्षक कार्यक्रम की शुरूआत की। इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रत्येक बच्चे के लिए एक संरक्षक नियुक्त किया गया जो साल भर उनके बड़े भाई या बहन की तरह उनकी देखभाल करेगा।

अन्य क्लबों की सहायता से कुछ पहलों की शुरूआत की गई जैसे कि, रविवार को विनिमय कार्यक्रम के छात्रों की मदद से प्रयास के बच्चों को फुटबॉल कोचिंग, फिनेस की मदद से कला, ड्राइंग तथा पेंटिंग प्रतियोगिता, फूटलूज़ व प्रयास के सदस्यों की मदद से नृत्य कक्षाएँ, इलोकन्स टीम की तरफ से अंग्रेजी कक्षाएँ, छात्रों की मदद से गणित व विज्ञान के कक्षाएँ आदि। प्रयास के बच्चों ने स्वतंत्रता दिवस तथा गणतंत्र दिवस समारोह, संस्थान दिन समारोह जैसे समारोहों में और इनसाइट तथा केओस के दौरान प्रदर्शन किया। जब पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने परिसर का दौरा किया तब प्रयास के बच्चों को उनके साथ बातचीत करने का अवसर दिया गया।

प्रयास ने 5 से 12 अक्टूबर के दौरान आयोजित खुशी देने के सप्ताह के रूप में भारत के सबसे बड़े परोपकारी त्यौहार दान उत्सव का सफलतापूर्वक आयोजन किया। आईआईएमए के मुख्य कार्यक्रम के दिन देश के विभिन्न भागों से आए 90 प्रतिभागियों का चयन शैक्षणिक कठिनाई का अनुभव कराने के लिए किया गया।

## सार्वजनिक नीति

क्लब ने पूरे वर्ष में देश भर से आए प्रतिभागियों को जटिल नीतिगत बदलावों की जानकारी समुदाय को देने के लिए पैनल चर्चाओं से लेकर पाँच-दिवसीय विंटर स्कूल तक 30 से अधिक समारोह आयोजित किए ।

विषयों पर चर्चाओं में एम एंड ए क्षेत्र में विनियमन शामिल था जिसमें भारत में सीसीआई तथा परिवहन क्षेत्र के लिए सलाहकार सहित शीर्ष विशेषज्ञों का उपयोग किया गया। क्लब ने सार्वजनिक सेवा, प्रबंधन, और कला में प्रख्यात हस्तियों के साथ सामाजिक मुद्दों पर छात्रों के विचार विमर्श का आयोजन किया। उदाहरण के लिए, संस्थान ने फिल्म मंजूनाथ के निदेशक और मुख्य अभिनेता को परिसर में बुलाकर समुदाय के साथ अपने दृष्टिकोण साझा किए।

यह क्लब सार्वजनिक नीति के मंच के रूप में संस्थानगत बहस व विचार विमर्श के लिए काम करता है। शीतकालीन स्कूल में 400 से अधिक प्रतिभागियों की प्रतिभागिता के साथ बड़ी सफलता मिली थी।

## खेल समिति

परिसर से दूर 'संघर्ष' जीतना एक दुर्लभ उपलब्धि है जो एक अंतर-आईआईएम मिलन है, यह जीत दूसरी बार हासिल की गई है। समिति ने 120 से अधिक छात्रों के अभी तक के सबसे बड़े संघर्ष दल को सुविधा प्रदान की। आईआईएम-ए टीमों ने 15 प्रतियोगिताओं में से सात स्वर्ण और दो रजत पदक प्राप्त किये।

खेल उत्सव 'शौर्य' में 32 से ज्यादा कॉलेजों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। यह अहमदाबाद में आयोजित सबसे बड़े खेलोत्सवों में से एक था, जिसमें संस्थान फिर से एक बार 18 में 9 स्वर्ण पदकों के साथ चैम्पियन बनकर ऊभरा है। पूरे वर्ष में यलगार (पुराने-नए छात्रों के खेलों का मिलन) जैसे मित्रता समारोह आयोजित होते रहे, अंतर-अनुभाग, और अंतर-छात्रावास टूर्नामेंट आयोजित होते रहे। बास्केटबॉल और स्क्वैश भी मित्रता प्रतियोगिताओं के तौर पर खेले गए। समिति ने सबसे पहली एथलेटिक्स और महिलाओं की फुटबॉल टीम बनाने में सहायता की।

## स्टारगेजर्स

स्टारगेजर्स ने, खगोल विज्ञान में विशेष रुचि रखने वालों के लिए पूरे वर्ष कई कार्यक्रम आयोजित किए। इस क्लब ने दूरबीन के उपयोग पर कार्यशालाएँ आयोजित की। इससे रुचि रखने वालों के लिए स्वयं के तारों के अवलोकन सत्रों के लिए दूरबीन खरीदने में मदद हुई। समुदाय के लिए, स्टारगेजर्स वर्ष भर तारों को निहारने के सत्रों का आयोजन करता है। यह क्लब अपनी वार्षिक प्रश्नोत्तरी, "स्टार पहेली" का भी आयोजन करता है। चूँकि इसका उद्देश्य हर दिन हर किसी को कुछ नया सिखाना है, इसलिए यह क्लब सीखाने के साथ-साख मनोरंजन की भी कोशिश करता है और फिल्मों और वृत्तचित्रों के प्रदर्शन के माध्यम से इसे हासिल कर लेता है। ब्लैक होल, न्यूट्रॉन तारे, स्ट्रिंग सिद्धांत, ब्रह्मांड के विकास, एक मल्टीवर्स में रहने की संभावना और खगोल विज्ञान और ब्रह्माण्ड विज्ञान के क्षेत्र में नवीनतम प्रगति आदि के बारे में चर्चाओं के लिए, चर्चा सत्रों का जब और तब नियमित आयोजन किया जाता है। स्टारगेजर्स क्लब एक फेसबुक पेज का भी संचालन करता है जिसमें हर रोज कम से कम एक नए अंतरिक्ष तथ्य को पोस्ट किया जाता है। स्टारगेजर्स समूह आईआईएमए समुदाय को महत्वपूर्ण खगोलीय घटनाओं के बारे में भी मेल भेजता है।

स्टारगेजर्स द्वारा आयोजित प्रमुख घटनाओं में निम्न शामिल हैं :

- **ब्लू मून गेजिंग** : यह वर्ष का पहला अवलोकन सत्र था जिसमें 100 से अधिक लोग उपस्थित रहे। पहली बार इस सत्र में एक से अधिक दूरबीनों का उपयोग किया गया। भारी भीड़ की सुविधा के लिए और भी दूरबीनों को जोड़ने की योजना है।
- **स्टार पहेली** : यह वार्षिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता है। इसमें प्रश्नोत्तरी में पाँच टीमों ने खगोल विज्ञान और ब्रह्मांड विज्ञान में अपने ज्ञान का परीक्षण करने के लिए भाग लिया।
- **बृहस्पति अवलोकन** : बृहस्पति के अवलोकन का एक सत्र आयोजित किया गया था क्योंकि उस समय बृहस्पति पूरी तरह से सूर्य द्वारा प्रकाशित के रूप में सूर्य के ठीक सामने था।

- **शुक्र और मंगल का अवलोकन** : शुक्र और मंगल ग्रह ठीक चंद्रमा के नीचे मिले जुले एकसाथ देखने के लिए अवलोकन सत्र का आयोजन किया गया।

## छात्र कार्य कलाप परिषद

छात्र कार्य कलाप परिषद (स्टूडेंट्स अफेयर्स काउंसिल-सैक) छात्रों के निर्वाचित प्रतिनिधियों की परिषद है। सभी छात्र क्लबों की गतिविधियों सहित छात्रों की गतिविधियों को विनियमित तथा समन्वित करना छात्र कार्य कलाप परिषद की जिम्मेदारी है। इस वर्ष के दौरान, छात्रों के संविधान को पाँच वर्ष के बाद संशोधित किया गया था। छात्र कार्य कलाप परिषद ने समुदाय तक पहुँचने के कार्यक्रम की भी नींव रखी। इस कार्यक्रम का उद्देश्य परिसर में हर छात्र क्लब से एक गतिविधि कराना है।

## महिला नेतृत्व सोसायटी

महिला नेतृत्व सोसायटी (डब्लूएलएस) एक स्व-हितार्थ समूह (एसआईजी) है जो महिलाओं में नेतृत्व को बढ़ावा देने और महिलाओं को कार्यस्थल पर जिन चुनौतियों का सामना करना है उसके प्रति पुरुषों को संवेदनशील बनाने हेतु स्थापित किया गया है। महिला नेतृत्व सोसायटी महिलाओं के अधिकारों के लिए लड़ने का लक्ष्य नहीं रखता; परंतु इसके बजाय, पुरुषों और महिलाओं की उभरती जरूरतों के प्रति संवेदनशील माहौल बनाने की ओर उन्मुख है।

महिला नेतृत्व सोसायटी ने पिछले वर्ष कार्यक्रमों की एक श्रृंखला का आयोजन किया। एचयूएल, बीसीजी, मैकिन्से, पी एंड जी, और बैंक ऑफ अमेरिका से आईं महिला अग्रणियों ने एक कैरियर सत्र प्रस्तुत किया। यह कार्यक्रम कोन्फ्लुअन्स के सहयोग से आयोजित किया गया। महिला दिवस के अवसर पर, पारुल मेहता, गीता गरोडिया, और आकांक्षा ठाकुर जैसी उद्यमी महिलाओं ने 'महिला नेतृत्व : भावि पथ' विषय पर एक पैनल चर्चा में भाग लिया। महिला नेतृत्व सोसायटी ने प्रतिष्ठित पैनल के साथ 'राजनीति में महिलाएँ' विषय पर भी एक पैनल चर्चा का आयोजन किया।

महिला नेतृत्व सोसायटी भारत के चयनित शीर्षस्थ व्यवसायिक-स्कूलों तथा इंजीनियरिंग कॉलेजों में अपनी शाखाएँ (चैप्टर) बनाने की योजना बना रहा है। महिला नेतृत्व सोसायटी एक महिला नेतृत्व शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने की भी योजना बनी रही है। इस शिखर सम्मेलन में महिला नेतृत्व के आसपास के मुद्दों पर चर्चा करने के लिए शीर्ष उद्योग के अग्रणी शामिल होंगे। अन्य पहलों में पीजीपीएक्स छात्रों के साथ एक आपसी संवाद का सत्र और ज्ञान बाँटने व कैरियर के अवसरों के लिए पूर्व छात्रों के नेटवर्क का लाभ विषय पर चर्चा सत्र शामिल हैं।

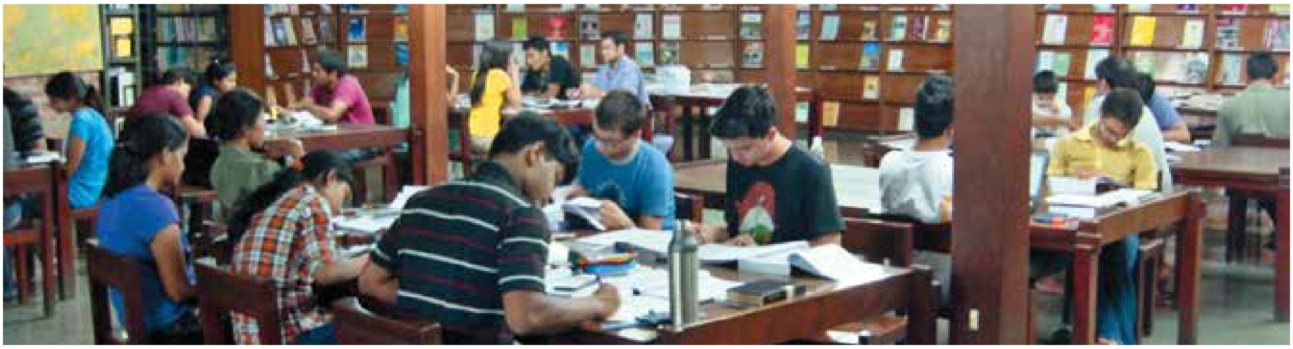

# विक्रम साराभाई पुस्तकालय

विक्रम साराभाई पुस्तकालय, सेवाओं की विस्तृत श्रृंखलाओं के माध्यम से सूचनाओं को सर्वाधिक विस्तृत संभव पहुँच प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और उसके द्वारा प्रस्तुत सेवाओं की श्रेणी में यह प्रतिबद्धता दिखाई देती है। इसकी वेबसाइट http://www.iimahd.ernet.in/library/ विभिन्न ऑनलाइन डेटाबेसों के साथ जुड़ी हुई है, जो इस संस्थान के और पुस्तकालय के भीतर नेटवर्क किए हुए किसी भी कम्प्यूटर से उपलब्ध है। यह पुस्तकालय, सामग्रियों (मुद्रित व अमुद्रित) के संग्रह एवं इलैक्ट्रॉनिक संसाधनों का चयन, अधिग्रहण, आयोजन, आरक्षण, रखरखाव, तथा इन तक पहुँच के अपने प्रयासों को पूरा करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ता है।

## संसाधन

| विवरण | वर्ष 2014-15 के दौरान जोड़ी गई मदों की संख्या | 31.03.2015 को मदों की संख्या |
|---|---|---|
| पुस्तकें | 7332 | 1, 89,120 |
| पत्रिकाओं के जिल्दबंद भाग | 936 | 44,398 |
| आधार-पत्र | 55 | 2,344 |
| शोध-प्रबंध | 14 | 291 |
| परियोजना प्रतिवेदन | 95 | 1,875 |

| विवरण | वर्ष 2014-15 के दौरान जोड़ी गई मदों की संख्या | 31.03.2015 को मदों की संख्या |
|---|---|---|
| शैक्षणिक वीडियो कैसेट | — | 128 |
| सीडी / डीवीडी | 93 | 2,238 |
| मँगाए जाने वाले जर्नल्स की वर्तमान सदस्यता | 910 | 2,099 |
| समाचार पत्र | — | 30 |
| वापस ली गई पुस्तकें | — | 2,000 |

## ई-संसाधन

पुस्तकालय के पास नवीनतम जानकारी प्रदान करने के लिए अनेक कंपनियों और उद्योगों के डेटाबेस, ग्रंथसूची संबंधी डेटाबेस और ई-जर्नल्स मँगाने के लिए उपभोक्ता सदस्यता है।

## कंपनी और देश के डेटाबेस

ऐसीई ज्ञान एवं अनुसंधान पोर्टल, ऐसीई इक्विटी, ऐसीई म्युचुअल फंड, कैपिटैलाइन, सीएमआईई ई-कैपएक्स, कॉमोडिटीज़, इकॉनॉमिक आउटलुक, इंडस्ट्री आउटलुक, इंडिया ट्रेड, प्रोवेस, प्रोवेस डीएक्स एवं स्टेट्स ऑफ इंडिया, कॉम्प्युस्टाट, क्रिसिल रिसर्च, डेटास्ट्रीम (विश्व के दायरे सहित) डियोन इनसाइट, भारत की डिस्ट्रिक्ट जीडीपी, डीएसआई डेटा सर्विस एवं सूचना, ईपीडब्लूआरएफ़ इंडिया टाइम सीरीज़, ईपीडब्लूआरएफ़ इकॉनॉमिक तथा विपणन समीक्षा व अनुसंधान, यूरोमोनिटर पासपोर्ट, फ्रॉस्ट एंड सुलिवन ग्रोथ पार्टनरशिप सर्विसीज़, गार्टनर, इंडियास्टेट.कॉम, इंडियन बोर्ड्स, इन्फ़्रालाइन कॉल सेक्टर, ऑयल एवं गैस सेक्टर एवं पावर सेक्टर, आईएसआई इमर्जिंग मार्केट्स – एशिया, मार्केटलाइन एड्वांटेज, माइका इंडियन मार्केटिंग इंटेलिजेंस, नैसकॉम सदस्य निर्देशिका, थॉमसन रायटर इकॉन, वेंचर इंटेलीजेंस प्राइवेट इक्विटी डील डेटाबेस, एम एंड ए डील डेटाबेस एंड रीअल एस्टेट डील डेटाबेस और डब्लूएआरसी डेटाबेस।

## ई-जर्नल डेटाबेस

एबीआई / इन्फॉर्म कंप्लीट, एसीएम डिजिटल लाइब्रेरी, ईबीएससीओ एकेडेमिक सर्च कंप्लीट, बिजनेस सोर्स कंप्लीट, इकॉनलिट, उद्यमी स्टडीज़ सोर्स, साइकआर्टिकल्स, एमराल्ड इनसाइट, आईईईई एक्सप्लोर, आईजीआई ग्लोबल, इंडियन जर्नल्स.कॉम, इनफ़ॉर्म्स पबसनलाइन, जेएसटीओआर, स्प्रिंगर लिंक, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, प्रोजेक्ट एमयूएसई, सेज जर्नल्स, साइंस डिरेक्ट (एल्सविअर), टेलर और फ्रांसिस ऑनलाइन और विले ऑनलाइन लाइब्रेरी।

## ई-पुस्तकें डेटाबेस

ईब्रेरी, बिज़नेस एक्सपर्ट प्रेस ई-पुस्तकें, आईएमएफ ई-लाइब्रेरी, ओईसीडी लाइब्रेरी (एजुकेशन) और विश्व बैंक की ई-लाइब्रेरी।

## अनुसंधान समर्थन के उपकरण / डेटाबेस

ग्रामरली, आईएसआई वेब नालिज (प्रशस्ति पत्र सूचकांक 1999-2006), आमंत्रित आधार-पत्र, प्रोक्वेस्ट डिसर्टेशन एवं शोधप्रबंध के पूर्ण पाठ : द ह्युमनिटीज़ एंड सोशल साइंसिस कलेक्शन, सेज रीसर्च मैथड्स ऑनलाइन, स्किवल फंडिंग तथा स्कोपस

## समाचार पत्र तथा पत्रिकाओं के डेटाबेस

दी इकॉनॉमिस्ट, एफ़टी.कॉम, एफ़टी आर्काइव (1888-2010), इंडिया बिजनेस इनसाइट और प्रेस डिस्प्ले।

## विधिक डेटाबेस

एआईआर क्रिमिनल विधि, एआईआर उच्च न्यायालय, एआईआर प्रिवी काउंसिल, एआईआर सुप्रीम कोर्ट, क्लुवर आर्बिट्रेशन विधि और वेस्ट विधि (इंडला सहित)।

## अन्य डेटाबेस

ग्लोबल डेवलपमेंट वित्त, ग्लोबल इकोनोमिक मॉनिटर, ब्रिटानिका विश्वकोश, आईएमएफ़ डेटा, ओपन नॉलेज रिपॉज़िटरी, पावर लिंगो एफ़एक्स25, विश्व बैंक के आंकड़े और विश्व विकास संकेतक।

## डेटा सेट

सेन्सस ऑफ़ इंडिया, आईएमएस एंटी-टीबी डेटा, नेशनल स्टाक एक्सचेंज डेटा, सरफ़ेस डेटा, सीडीपी ग्लोबल डेटासेट, एएसआई यूनिट लेवल डेटा, एनएसई ई सीएम एंड एफ़एंडओ डेटा तथा 10 स्थलों के लिए इंडिया डेली सरफेस डेटा।

## विशेष खोज उपकरण

ईबीएससीओ डिस्कवरी, ईबीएससीओ ए-ज़ेड, और आंतरिक उपयोगकर्ताओं के लिए दूरदराज की लॉग इन।

## सेवाएँ

- वितरण
- पठन सुविधा
- ईमेल चेतावनी सेवा
- संदर्भ व सूचना
- स्कैनिंग
- ंडाटाबेस खोज सेवा
- दस्तावेज वितरण
- अंतर-पुस्तकालयी ऋण
- फोटो कॉपी
- अनुक्रमण एवं ग्रंथ सूची
- सारांशकरण
- उन्मुखीकरण कार्यक्रम
- सूचना साक्षरता कार्यक्रम
- ऑनलाइन सार्वजनिक सुविधा कैटेलॉग
- वर्तमान जागरूकता सेवा
- अनुसंधान सहायता

## प्रकाशन

यह पुस्तकालय वर्ष 1998 से दो त्रैमासिक सूचना बुलेटिन प्रकाशित कर रहा है :

- प्रबंधन में वर्तमान विषयवस्तु : विपणन
- प्रबंधन के वर्तमान सूचकांक : विपणन

इसने शोधकर्ताओं को व्यवसाय / प्रबंधन संबंधित अनुसंधान की सहायता / सुविधा के लिए राष्ट्रीय प्रबंध सूचना केन्द्र की सदस्यता देना शुरू किया है। हाल ही में उभरती अर्थव्यवस्थाओं के संदर्भ में विपणन के क्षेत्र में अनुसंधान का दस्तावेजीकरण शुरू किया है।

# कल्याण गतिविधियाँ

## वार्षिक स्वास्थ्य जाँच

कल्याण समिति द्वारा संस्थान के स्थायी कर्मचारियों (35 वर्ष से अधिक आयु वाले महिला एवं पुरूष दोनों) के लिए अप्रैल से जून 2014 के दौरान, स्टर्लिंग अस्पताल, अहमदाबाद में सामान्य स्वास्थ्य जाँच का आयोजन किया गया। अपने जीवनसाथी सहित कुल 347 समुदाय-सदस्य, इस गतिविधि से लाभान्वित हुए।

## आईआईएमए समुदाय के बच्चों के लिए ग्रीष्मकालीन कक्षाएँ

कल्याण समिति ने आईआईएमए समुदाय के बच्चों के लिए 1 से 30 मई, 2014 के दौरान ग्रीष्मकालीन कक्षाओं का आयोजन किया जिसमें आर्ट प्वाइंट, डांस - भारतीय / बॉलीवुड शैली, आर्ट व स्टॉन नक्काशी आदि जैसी विभिन्न गतिविधियों की व्यवस्था की गई। समिति ने एएमए तथा वीएएससीएससी में भी ग्रीष्मकालीन कक्षाओं में शामिल होने के लिए बच्चों को मदद की। इसके लिए, समिति ने दो बच्चों के लिए 500/- रुपए की प्रतिपूर्ति की। इन गतिविधियों में उनतीस बच्चों ने भाग लिया।

## आईआईएमए समुदाय के बच्चों के लिए उच्च शिक्षा ऋण

कल्याण समिति कर्मचारियों के बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए दस मासिक किस्तों में वसूली योग्य ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध करा कर परोक्ष रूप से जरूरत को पूरा करती है। जिस कर्मचारी के बच्चे ने उच्च माध्यमिक विद्यालय परीक्षा उत्तीर्ण की है वह इस ऋण के लिए आवेदन कर सकता है। इस वर्ष, चार स्टाफ सदस्यों ने शिक्षा ऋण योजना का लाभ लिया।

## गुजराती नववर्ष समारोह
कल्याण समिति द्वारा 31 अक्टूबर 2014 को गुजराती नव वर्ष दिवस मेल-मिलाप समारोह का आयोजन किया गया। नव वर्ष का स्वागत फूलों की रंगोली, दीप जलाकर, आतिशबाजी करके, और मिठाई के पैकेट वितरित करके किया गया।

## संस्थान दिवस समारोह
11 दिसंबर, 2014 को संस्थान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर शिक्षा, खेल एवं सामाजिक सेवा गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 64 बच्चों को निदेशक महोदय द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर सभागार में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

## प्रोफेसर बी.एच. जाजू कल्याण समिति चिकित्सा योजना
इस वर्ष संस्थान के सेवानिवृत्त कर्मचारी सदस्यों के लिए प्रोफेसर बी.एच. जाजू कल्याण समिति चिकित्सा योजना के तहत संस्थान से सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों को 1,97,550/- रु. की धनराशि वितरित की गई।

## अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह
कल्याण समिति ने 8 मार्च, 2015 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मनाया। समिति ने 178 महिला कर्मचारियों को मिठाई और गुलाब के फूल बाँटे तथा सभी स्थायी महिला कर्मचारियों के लिए दोपहर के भोजन की विशेष व्यवस्था की थी।

## स्वास्थ्य वार्ता
समिति ने 27 फरवरी, 2015 को स्टर्लिंग अस्पताल के एनेस्थेटिस्ट डॉ. एन.एन. केशवानी द्वारा एच1एन1 स्वाइन फ्लू पर एक वार्ता का आयोजन किया।

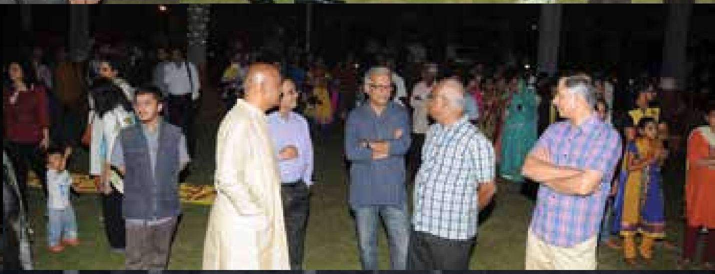

# परिशिष्ट

# क

## प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

### क1: पीजीपी छात्र संख्या

| | पीजीपी I | पीजीपी II |
|---|---|---|
| **कार्यक्रम से जुड़े** | **394** | **375** |
| (-) अलग हुए | 3 | - |
| (-) जिन्हें अनुमति दी गई/2015 में पुनः जुड़ने को कहा गया | 1 | - |
| (अ) पुनरावृत्ति करने वाले | 0 | - |
| (अ) जिन्हें 2014 में पुनः जुड़ने के लिए अनुमति दी गई | 5 | |
| **प्रथम वर्ष में संख्या** | **395** | **-** |
| (-) जिनसे हटने के लिए कहा गया | 0 | - |
| (-) जिनसे पुनरावृत्ति के लिए कहा गया | 2 | - |
| (-) शैक्षणिक आवश्यकताएँ (डबल डिग्री एवं जनरल) पूरी नहीं करने के कारण स्नातक नहीं हो सके | | 11 |
| (-) शैक्षणिक आवश्यकताएँ पूरी नहीं करने के कारण स्नातक नहीं हो सके | - | 1 |
| (अ) पूर्व वर्ष के स्नातक | - | 0 |
| (अ) डबल डिग्री कार्यक्रम के तहत स्नातक हुए छात्र | - | 14 |
| **कुल प्रोन्नत/स्नातक** | **393** | **377** |

### पीजीपी में पेश किये गए नए पाठ्यक्रम

- विमानन व्यापार रणनीतियाँ
- टीम और नेतृत्व प्रभावशीलता के लिए संचार कौशल
- सीएसआर : प्रभाव के लिए पैसों का रुपांतरण
- भारत में कारोबार करना
- कर्मचारी प्रदर्शन प्रबंधन और मूल्यांकन प्रणाली
- स्वास्थ्य बीमा
- सेवा क्षेत्र में मानव संसाधन प्रबंधन
- नवाचार, जीवंत
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार : सिद्धांत और नीति
- व्यावसायिक सेवा कंपनियों के लिए नेतृत्व
- संगठनात्मक प्रदर्शन के लिए प्रबंधन नियंत्रण और मेट्रिक्स
- माइक्रोफाइनेंस प्रबंधन
- प्रबंधन में गोपनीयता
- सामाजिक व्यापार का अभ्यास : मानव केंद्रित समस्या को सुलझाना
- इंटरनेट अर्थव्यवस्था में रणनीतियाँ
- सामरिक परिवर्तन और भारतीय अर्थव्यवस्था में बदलाव
- स्वास्थ्य देखभाल में जोखिम उठाना

# क

## प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

### क2 : छात्र विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत भा. प्र. सं. अहमदाबाद से विदेशी संस्थाओं में गए छात्र

| | |
|---|---|
| एक-सत्रीय छात्र विनिमय कार्यक्रम | |
| **एशिया** | |
| एनयूएस बिजनेस स्कूल (सिंगापुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय) | 2 |
| **ऑस्ट्रेलिया** | |
| ऑस्ट्रेलियाई ग्रेजुएट स्कूल ऑफ़ मैनेजमेंट | 2 |
| **यूरोप** | |
| कॉपनहेगन बिज़नेस स्कूल | 4 |
| ईडीएचईसी | 4 |
| ईएससीपी-ईएपी | 8 |
| ईएससी | 4 |
| ईएसएसईसी | 8 |
| ईएसएसईसी, एमएस, एमआईए (पीजीपी-एबीएम के लिए) | 5 |
| यूरोपीयन बिजनेस स्कूल | 2 |
| एचईसी प्रबंध स्कूल | 5 |
| जोनकोपिंग इंटरनेशनल बिज़नेस स्कूल | 3 |
| एचएचएल-लीपज़िग प्रबंधन स्नातक स्कूल | 2 |
| मैनचेस्टर बिज़नेस स्कूल | 2 |
| अर्थशास्त्र एवं बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन स्कूल, नार्वे | 1 |
| फार्जेम अनुप्रयुक्त विज्ञान विश्वविद्यालय | 5 |
| सॉल्वे बिजनेस स्कूल ब्रसेल्स | 3 |
| स्टॉकहोम स्कूल ऑफ़ इकॉनॉमिक्स | 2 |
| बोकोनी विश्वविद्यालय | 4 |
| कोलोन विश्वविद्यालय | 7 |
| मॉसट्रिच विश्वविद्यालय | 5 |
| मैनहेम विश्वविद्यालय | 4 |
| सेंट गैलन विश्वविद्यालय | 3 |
| विएना अर्थशास्त्र एवं व्यवसाय प्रशासन विश्वविद्यालय | 2 |
| मुंस्टर व्यवसाय एवं अर्थशास्त्र स्कूल, जर्मनी (एमएसबीई) | 4 |
| डब्ल्यूएचयू कोब्लेंज प्रबंध स्नातक स्कूल | 1 |
| लुवेन प्रबंधन स्कूल | 3 |
| कैटोलिका लिस्बन | 2 |
| एफबीएस | 4 |
| ईएससी रेन बिजनेस स्कूल | 3 |
| वारसॉ अर्थशास्त्र स्कूल | 4 |
| एम्लियोन बिजनेस स्कूल | 5 |
| आईईएसईजी प्रबंध स्कूल | 3 |
| सीईयू बिजनेस स्कूल | 3 |
| **यू एस ए** | |
| यूसीएलए एंडरसन स्कूल | 1 |
| केनान फ्लैगलर बिजनेस स्कूल, चैपल हिल में उत्तरी कैरोलिना विश्वविद्यालय | 1 |
| टेक्सास विश्वविद्यालय (मैककोम्ब बिजनेस स्कूल) | 1 |
| वॉशिंग्टन विश्वविद्यालय (जॉह्न एम. ऑलिन बिजनेस स्कूल) | 2 |
| **कनाडा** | |
| मैकगिल विश्वविद्यालय, मोन्ट्रियल | 1 |
| शुलिच बिज़नेस स्कूल | 1 |
| ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय, वैनकूवर (पीजीपीएबीएम के लिए) | 2 |
| **कुल** | **128** |
| **डबल डिग्री कार्यक्रम** | |
| ईएसएसईसी, सेदेक्स, फ्रांस | 2 |
| बोकोनी विश्वविद्यालय, मिलानो, इटली | 4 |
| एचईसी प्रबंध स्कूल, पेरिस, फ्रांस | 3 |
| यूरोपीय बिजनेस स्कूल (ईबीएस), ओएस्ट्रिच-विंकल, जर्मनी (नया) | 2 |
| **कुल** | **11** |

# क

## प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

### क3 : छात्र विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत विदेशी संस्थाओं से भा. प्र. सं. अहमदाबाद में आए छात्र

| एक-सत्रीय छात्र विनिमय कार्यक्रम | |
|---|---|
| **एशिया** | |
| एशियाई प्रौद्योगिकी संस्थान | 1 |
| एशियाई प्रौद्योगिकी संस्थान | 1 |
| **यूरोप** | |
| ईडीएचईसी | 4 |
| ईएससीपी - ईएपी | 11 |
| ईएसएसईसी | 8 |
| ईएसएसईसी/एमएस, एमआईए (पीजीपी-एबीएम के लिए) | 3 |
| एचईसी प्रबंध स्कूल | 4 |
| आल्टॉ अर्थशास्त्र और बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन स्कूल | 2 |
| जॉनकोपिंग इंटरनेशनल बिजनेस स्कूल | 2 |
| एचएचएल - लिपजिग प्रबंध स्नातक स्कूल | 3 |
| मैनचेस्टर बिजनेस स्कूल | 2 |
| नार्वे अर्थशास्त्र और बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन स्कूल | 2 |
| सोल्वे बिजनेस स्कूल | 2 |
| स्टॉकहॉम अर्थशास्त्र स्कूल | 2 |
| बोकोनी विश्वविद्यालय | 4 |
| कोलोन विश्वविद्यालय | 4 |
| मास्ट्रिच विश्वविद्यालय | 3 |
| मैनहेम विश्वविद्यालय | 2 |
| सेंट गैलन विश्वविद्यालय | 1 |
| वियेना अर्थशास्त्र एवं व्यवसाय प्रशासन विश्वविद्यालय | 2 |
| मुनस्टर स्कूल ऑफ़ बिजनेस एंड इकॉनॉमिक्स | 5 |
| डब्ल्यूएचयू कोब्लेन्ज़ प्रबंध स्नातक स्कूल | 1 |
| वारसॉ अर्थशास्त्र स्कूल | 1 |
| एम्लियोन बिजनेस स्कूल | 5 |
| आईईएसईजी प्रबंध स्कूल | 2 |
| सीईयू बिजनेस स्कूल | 3 |
| **यू एस ए** | |
| केनान फ़्लैगलर बिजनेस स्कूल, चैपल हिल में उत्तरी कैरोलिना विश्वविद्यालय | 1 |
| शिकागो व्यवसाय ग्रेजुएट स्कूल विश्वविद्यालय | 1 |
| **कनाडा** | |
| ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय, वैनकूवर (पीजीपीएबीएम के लिए) | 1 |
| **कुल** | **83** |
| **डबल डिग्री कार्यक्रम** | |
| बोकोनी विश्वविद्यालय | 5 |
| एचईसी प्रबंध स्कूल | 2 |
| **कुल** | **7** |

### छात्रवृत्तियाँ

**उद्योग छात्रवृत्तियाँ बैच 2013-15 (प्रथम वर्ष)**

| नाम | छात्रवृत्ति |
|---|---|
| रवि अश्विन | जैट एज फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड |
| आकाश कुमार | इनफोसिस |
| अखिलेश अग्रवाल | आईसीआईसीआई |
| शरद सेन शर्मा | एस.एम. शाह |
| लकी ग्रोवर | एसबीआई म्युचुअल फंड |
| आयुष अग्रवाल | भा.प्र.सं.अ. रजत जयंती/पीजीपी 87 बैच/ संकाय स्मारक एवं ऑडको एवं भा.प्र.सं.अ. |
| सागर साहू | भा.प्र.सं.अ. |
| करण चड्ढा | भा.प्र.सं.अ. |
| आशिमा सेतिया | भा.प्र.सं.अ. |
| आकर्ष श्रीवास्तव | भा.प्र.सं.अ. |
| ध्रुव मुखर्जी | भा.प्र.सं.अ. |
| तरु अग्रवाल | भा.प्र.सं.अ. |
| उदित भरत छेडा | भा.प्र.सं.अ. |
| सयंतन माजी | भा.प्र.सं.अ. |
| ऋषभ गर्ग | भा.प्र.सं.अ. |
| अजय कुमार कथूरिया | भा.प्र.सं.अ. |
| वैभव मल्होत्रा | भा.प्र.सं.अ. |
| समर्थ बंसल | भा.प्र.सं.अ. |
| अनिंद्य ज्योति रॉय | भा.प्र.सं.अ. |

# क

## प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

### उद्योग छात्रवृत्तियाँ बैच 2013-14 (द्वितीय वर्ष)

| नाम | छात्रवृत्ति |
|---|---|
| रक्षित यू. अग्रवाल | श्रीमती शारदा भंडारी व श्री पी. के. रथ |
| अग्रवाल राहुल सतीश | अजय बंगा उद्योग छात्रवृत्ति |
| वैभव मल्होत्रा | रितु बंगा उद्योग छात्रवृत्ति |
| निशांत नवीन | जैट एज सिक्यूरिटीज प्राइवेट लिमिटेड |
| अभिनव गुप्ता | आईएफसीआई लिमिटेड |
| गणेशराम एम. | आईएफसीआई लिमिटेड |
| गिरीश ए. | एस. एम. शाह |
| ध्रुव मुखर्जी | मोनसेंटो एवं भा.प्र.सं.अ. |
| अनुज कुमार सिंह | सुरेंद्र पॉल एवं भा.प्र.सं.अ. |
| जॉन जोय | दुन व ब्राडस्ट्रीट इनफार्मेशन सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड एवं भा.प्र.सं.अ. |

| नाम | छात्रवृत्ति |
|---|---|
| देवव्रत घोष | भा.प्र.सं.अ. |
| अभिनव दुग्गल | भा.प्र.सं.अ. |
| आकर्ष श्रीवास्तव | भा.प्र.सं.अ. |
| पांडे हिमांशु नंदराज | भा.प्र.सं.अ. |
| आकाश कुमार | भा.प्र.सं.अ. |
| आशिमा सेतिया | भा.प्र.सं.अ. |
| रितु श्रीवास्तव | भा.प्र.सं.अ. |
| काव्या आर. | भा.प्र.सं.अ. |
| विष्णु कान्त पिट्टी | भा.प्र.सं.अ. |

### आदित्य बिड़ला छात्रवृत्तियाँ

| पीजीपी-1 | पीजीपी-2 |
|---|---|
| अक्षिता गणेश | आकर्ष श्रीवास्तव |
| अरुंधति हाजरा | आनंद कृष्णमूर्ति राव |
| नीतिशा सेठिया | गिरीश ए. |
| आदित्य कुमार | सायंतन माजी |
| जलज जैन | उदित केजरीवाल |

### सर रतन टाटा छात्रवृत्तियाँ

अग्रवाल राहुल सतीश
अभिनव गुप्ता
जॉन जोय
रक्षित अग्रवाल
तेज प्रताप

### 2014-2016 बैच का विवरण

| श्रेणी | पुरुष | महिला | कुल |
|---|---|---|---|
| सामान्य | 129 | 58 | 187 |
| एन सी - अन्य पिछड़ा वर्ग | 75 | 29 | 104 |
| अनुसूचित जाति | 42 | 19 | 61 |
| अनुसूचित जनजाति | 20 | 10 | 30 |
| शारीरिक रूप से विकलांग | 12 | 0 | 12 |
| **कुल** | **278** | **116** | **394** |

# क

## प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

### क4 : पीजीपी के लिए प्राप्त आवेदन

| श्रेणी | 2014-2016 बैच | | | 2015-2017 बैच | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | पुरुष | महिला | कुल | पुरुष | महिला | कुल |
| सामान्य | 89392 | 38635 | 128027 | 84963 | 38359 | 123322 |
| एन सी - अन्य पिछड़ा वर्ग | 17888 | 5069 | 22957 | 15305 | 4695 | 20000 |
| अनुसूचित जाति | 7042 | 2374 | 9416 | 7967 | 2749 | 10716 |
| अनुसूचित जनजाति | 1717 | 694 | 2411 | 2008 | 839 | 2847 |
| शारीरिक रूप से विकलांग | 437 | 88 | 525 | 500 | 97 | 597 |
| **कुल** | **116476** | **46860** | **163336** | **110743** | **46739** | **157482** |
| % | **71.31** | **28.69** | **100.00** | **70.32** | **29.68** | **100.00** |

### क5 : पीजीपी प्रवेश (2015-2017 बैच)

| चरण | लिंग / कुल | सामान्य वर्ग | आरक्षित वर्ग | | | | जी मैट | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | नॉन क्रीमी अन्य पिछड़ा वर्ग | अनु सूचित जाति | अनु सूचित जन जाति | शारीरिक रूप से विकलांग | | |
| आवेदकों की संख्या | पुरुष | 84939 | 15305 | 7967 | 2008 | 500 | 24 | 110743 |
| | महिला | 38350 | 4695 | 2749 | 839 | 97 | 9 | 46739 |
| | **कुल** | **123289** | **20000** | **10716** | **2847** | **597** | **33** | **157482** |
| साक्षात्कार के लिए बुलाए गए उम्मीदवार | पुरुष | 580 | 286 | 152 | 46 | 32 | 13 | 1109 |
| | महिला | 71 | 35 | 23 | 10 | 4 | 3 | 146 |
| | **कुल** | **651** | **321** | **175** | **56** | **36** | **16** | **1255** |
| साक्षात्कार के लिए उपस्थित रहे उम्मीदवार | पुरुष | 535 | 267 | 139 | 37 | 30 | 12 | 1020 |
| | महिला | 71 | 34 | 20 | 10 | 3 | 1 | 139 |
| | **कुल** | **606** | **301** | **159** | **47** | **33** | **13** | **1159** |

# ख

## कृषि व्यवसाय प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

### ख1 : 2014-2016 बैच का विवरण

| श्रेणी | पुरुष | महिला | कुल |
|---|---|---|---|
| सामान्य | 11 | 14 | 25 |
| एन सी - अन्य पिछड़ा वर्ग | 9 | 4 | 13 |
| अनुसूचित जाति | 4 | 1 | 5 |
| अनुसूचित जनजाति | 0 | 3 | 3 |
| शारीरिक रूप से विकलांग | 0 | 0 | 0 |
| **कुल** | **24** | **22** | **46** |

### ख2: पीजीपी – एबीएम के लिए प्राप्त आवेदन

| | 2014-2016 बैच | | | 2015-2017 बैच | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| श्रेणी | पुरुष | महिला | कुल | पुरुष | महिला | कुल |
| सामान्य | 68950 | 27373 | 96323 | 62365 | 25946 | 88311 |
| एन सी - अन्य पिछड़ा वर्ग | 14414 | 3751 | 18165 | 11966 | 3417 | 15383 |
| अनुसूचित जाति | 5467 | 1710 | 7177 | 5908 | 1894 | 7802 |
| अनुसूचित जनजाति | 1307 | 498 | 1805 | 1456 | 573 | 2029 |
| शारीरिक रूप से विकलांग | 345 | 59 | 404 | 384 | 64 | 448 |
| **कुल** | **90483** | **33391** | **123874** | **82079** | **31894** | **113973** |
| **प्रतिशत** | **73.04** | **26.96** | **100** | **72.01** | **27.99** | **100** |

### ख3: पीजपी – एबीएम प्रवेश : 2014-2016

| क्रम सं. | विवरण | लिंग | सामान्य श्रेणी | आरक्षित श्रेणी | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | सामान्य | एनसी-ओबीसी | अ.जा. | अ.ज.जा. | विकलांग | जीमैट | कुल |
| 1 | कैट परीक्षार्थियों की संख्या | पुरुष | 89254 | 16300 | 8384 | 2154 | 520 | 0 | 116612 |
| | | महिला | 41768 | 5378 | 3019 | 948 | 104 | 0 | 51217 |
| | | **कुल** | **131022** | **21678** | **11403** | **3102** | **624** | **0** | **167829** |
| 2 | पीजीपी – एबीएम आवेदकों की संख्या | पुरुष | 62365 | 11966 | 5908 | 1456 | 384 | 0 | 82079 |
| | | महिला | 25946 | 3417 | 1894 | 537 | 64 | 0 | 31894 |
| | | **कुल** | **88311** | **15383** | **7802** | **2029** | **448** | **0** | **113973** |
| 3 | साक्षात्कार के लिए बुलाये गये उम्मीदवारों की संख्या | पुरुष | 335 | 47 | 56 | 32 | 2 | 0 | 472 |
| | | महिला | 105 | 15 | 28 | 12 | 1 | 0 | 161 |
| | | **कुल** | **440** | **62** | **84** | **44** | **3** | **0** | **633** |
| 4 | साक्षात्कार में उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या | पुरुष | 156 | 23 | 16 | 6 | 1 | 0 | 202 |
| | | महिला | 60 | 6 | 6 | 1 | 0 | 0 | 73 |
| | | **कुल** | **216** | **29** | **22** | **7** | **1** | **0** | **275** |

# ख

## कृषि व्यवसाय प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

### ख4: वर्ष 2014-15 में पीजीपी–एबीएम छात्रों संख्या

| | पीजीपी–एबीएम I (2014-15) | पीजीपी–एबीएम II (2014-15) |
|---|---|---|
| **कार्यक्रम से जुड़े** | **46** | **38** |
| (-) अलग हुए | - | - |
| (-) जिन्हें अनुमति दी गई/2015 में पुनः जुड़ने को कहा गया | - | - |
| (अ) पुनरावृत्ति करने वाले | 03 | - |
| जिन्हें 2015 में पुनः जुड़ने के लिए अनुमति दी गई | - | - |
| **प्रथम/द्वितीय वर्ष में संख्या** | **49** | **38** |
| (-) जिनसे हटने के लिए कहा गया | 01 | 0 |
| (-) जिनसे पुनरावृत्ति के लिए कहा गया | 02 | 0 |
| शैक्षणिक आवश्यकताएँ (डबल डिग्री एवं जनरल)पूरी नहीं करने पर स्नातक नहीं हो सके | 0 | 02 |
| शैक्षणिक अनुशासनहीनता के कारण स्नातक नहीं हो सके | 0 | 0 |
| पूर्व वर्ष के स्नातक | 0 | 0 |
| डबल डिग्री कार्यक्रम के तहत स्नातक हुए छात्र | 0 | 0 |
| **कुल प्रोन्नत/स्नातक** | **46** | **36** |

# ग

## कार्यकारी अधिकारियों के लिए प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

### ग1: छात्रों के प्रोफ़ाइल

| | औसत |
|---|---|
| जीमैट | 705 |
| 10 अगस्त, 2013 को कुल कार्य अनुभव | 9 वर्ष 8 महीने |
| 10 अगस्त, 2013 को अंतरराष्ट्रीय कार्य अनुभव | 3 वर्ष |
| 31 मार्च, 2014 को आयु | 33 वर्ष 10 महीने |

**अंतरराष्ट्रीय कार्य प्रदर्शन**

- 3 (3.53%) अंतरराष्ट्रीय छात्र हैं।
- 21 (24.71%) छात्र भारत के बाहर रहते हैं।
- 71 (83.53%) छात्रों के पास कार्य और अध्ययन के संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन हैं।
- 71 (83.53%) छात्रों ने अपने देश के अलावा कम से कम एक अन्य देश का दौरा किया हुआ है।

**शैक्षणिक पृष्ठभूमि**

- 15 (17.65%) छात्रों ने अपने देश के बाहर से उपाधि प्राप्त की है।
- 34 (40.00%) छात्रों के पास स्नातक से भी उच्च योग्यता है।
- 71 (83.53%) छात्र इंजीनियर हैं।
- 18 (21.18%) छात्र आईआईटी / एनआईटी से स्नातक हैं।

- उद्योगों में – रक्षा, शिक्षा, ऊर्जा / विद्युत, वित्तीय सेवाएँ, एफएमसीजी, सरकारी सेवाएँ, स्वास्थ्य देखभाल, औद्योगिक / प्रोसेशन और स्वचालन, इन्फ्रास्ट्रक्चर, आईटी और आईटी सेवाएँ, कानून, मैनेजमेंट कंसल्टेंसी, विनिर्माण इंजीनियरिंग, विनिर्माण प्रक्रिया, मीडिया, गैर सरकारी संगठन, दूरसंचार शामिल हैं।
- 13 (15.29%) छात्र महिलाएँ हैं।

| उद्योग विवरण | |
|---|---|
| रक्षा | 1 |
| शिक्षा | 1 |
| ऊर्जा / विद्युत | 8 |
| वित्तीय सेवाएँ | 9 |
| एफएमसीजी | 3 |
| सरकारी सेवाएँ | 2 |
| स्वास्थ्य देखभाल | 4 |
| औद्योगिक / प्रोसेशन स्वचालन | 1 |
| इन्फ्रास्ट्रक्चर | 1 |
| आईटी और आईटी सेवाएँ | 28 |
| कानून | 2 |
| मैनेजमेंट कंसल्टेंसी | 2 |
| विनिर्माण इंजीनियरिंग | 13 |
| विनिर्माण प्रक्रिया | 3 |
| मीडिया | 1 |
| गैर सरकारी संगठन | 1 |
| दूरसंचार | 5 |
| **कुल** | **85** |

| कार्यात्मक विवरण | |
|---|---|
| शिक्षाविद | 1 |
| व्यापार विश्लेषक | 5 |
| परामर्श | 11 |
| वित्त एवं लेखा | 1 |
| सामान्य प्रबंधन | 7 |
| विपणन | 7 |
| संचालन | 8 |
| प्रोग्रामिंग | 2 |
| परियोजना प्रबंधन | 25 |
| गुणवत्ता आश्वासन | 2 |
| अनुसंधान और विकास / डिजाइनिंग | 10 |
| सॉफ्टवेयर रखरखाव | 2 |
| सिस्टम डिजाइनिंग | 4 |
| **कुल** | **85** |

### ग2 : नए वैकल्पिक पाठ्यक्रम

| क्षेत्र | पाठ्यक्रम का नाम |
|---|---|
| एफ व ए | अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन |
| आईएस | निर्णय निर्धारण के लिए डेटा कल्पनाकरण |
| बीपी | व्यापार एवं बौद्धिक संपदा |
| बीपी | विदेश में व्यवसाय करना |
| बीपी | व्यावसायिक सेवा कंपनियों में नेतृत्व |
| विपणन | विपणन में सामरिक मॉडल |
| एफ व ए | व्युत्पादित एवं जोखिम प्रबंधन का एक परिचय |

# घ

## प्रबंध में फ़ेलो कार्यक्रम

### स्नातक होने वाले एफ़पीएम छात्र

| नाम | क्षेत्र | शोध प्रबंध शीर्षक | शोध प्रबंध परामर्शन समिति सदस्य |
|---|---|---|---|
| **अनुराग सक्सेना** | आईएस | सिस्टम गतिशीलता दृष्टिकोण का उपयोग कर विश्लेषण और सार्वजनिक नीति के डिजाइन : स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक केस | प्रो. संजय वर्मा (अध्यक्ष)<br>प्रो. अनिल गुप्ता<br>प्रो. एम. आर. दीक्षित<br>प्रो. कविता रंगनाथन |
| **अतुल अरुण पाठक** | व्यवसाय नीति | गतिशील क्षमताओं के निर्धारकों का एक एकीकृत चित्रण : सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग में एक अध्ययन | प्रो. एम. आर. दीक्षित (अध्यक्ष)<br>प्रो. सुनील शर्मा<br>प्रो. ए. के. जायसवाल |
| **अविजित खानरा** | पी व क्यूएम | न्यूज़बॉय की समस्या पर निबंध | प्रो. चेतन सोमन (अध्यक्ष)<br>प्रो. टी. बंदोपाध्याय<br>प्रो. दीप्तेश घोष |
| **धर्म राजू बातिनी** | ओबी | कार्य गहनता की तलाश : भारत के सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में टेली होमवर्क का एक केस | प्रो. जॉर्ज कंडाथिल (अध्यक्ष)<br>प्रो. निहारीका वोहरा<br>प्रो. प्रद्युमन खोकले |
| **कल्याण भास्कर** | सार्वजनिक प्रणाली समूह | भारत के लिए सौर और जैव ऊर्जा परिदृश्य : मॉडलिंग और नीति आकलन | प्रो. पी. आर. शुक्ला (अध्यक्ष)<br>प्रो. रविंद्र धोलकिया<br>प्रो. अमित गर्ग |
| **नीलेश कुमार गुप्ता** | एफ व ए | भारतीय बाजार में निवेशकों की धारणा का एक अध्ययन | प्रो. अजय पांडेय (अध्यक्ष)<br>प्रो. ए. के. लाहा<br>प्रो. जोशी याकूब |
| **नोबिन थॉमस** | ओबी | संगठनात्मक शिक्षा प्रक्रिया के लिए बहुस्तरीय नेटवर्क उपाय | प्रो. निहारीका वोहरा (अध्यक्ष)<br>प्रो. डी. कार्तिक<br>प्रो. कीर्ति शारदा<br>प्रो. सुरेश भगवतुला |
| **पूजन परेश चोक्सी** | सार्वजनिक प्रणाली समूह | स्थाई कम कार्बन शहरी गतिशीलता : भारत के लिए भविष्य के परिदृश्य और नीतियों का आकलन | प्रो. पी. आर. शुक्ला (अध्यक्ष)<br>प्रो. अजय पांडेय<br>प्रो. अमित गर्ग |
| **रामकृष्णन टी एस** | सार्वजनिक प्रणाली समूह | भारत में मॉडल शिफ्ट आकलन और हाई स्पीड रेल की वित्तीय दृश्यता : अहमदाबाद मुंबई कॉरिडोर का केस अध्ययन | प्रो. जी. रघुराम (अध्यक्ष)<br>प्रो. सेबेस्टियन मॉरिस<br>प्रो. अमित गर्ग |
| **सफल बत्रा** | व्यवसाय नीति | क्या सामरिक योजना संगठनों में नवाचार निर्धारित करती है? भारतीय एसएमई क्षेत्र का एक अध्ययन | प्रो. सुनील शर्मा (अध्यक्ष)<br>प्रो. एम. आर. दीक्षित<br>प्रो. निहारीका वोहरा |
| **सलमान सिद्दीकी अली** | व्यवसाय नीति | संगठनों में पुनः अंतरराष्ट्रीयकरण प्रक्रिया | प्रो. अजीत माथुर (अध्यक्ष)<br>प्रो. शैलेंद्र मेहता<br>प्रो. ए. के. जायसवाल |
| **शान्तम शुक्ला** | व्यवसाय नीति | नवाचार प्रक्रिया में खुलेपन की तलाश | प्रो. एम. आर. दीक्षित (अध्यक्ष)<br>प्रो. अमित गर्ग<br>प्रो. संजय वर्मा |
| **वर्षा वर्मा** | विपणन | विपणन संचार में भाषा कल्पना : उत्पाद विफलता संदर्भ की ऑनलाइन समीक्षा | प्रो. धीरज शर्मा (अध्यक्ष)<br>प्रो. पीयूष कुमार सिन्हा<br>प्रो. क्रिस्टीन डी. वाल्क |
| **विजेयता दोशी** | ओबी | कार्यस्थल से परिचित ना होने के अनुभवों की समझ | प्रो. निहारीका वोहरा (अध्यक्ष)<br>प्रो. प्रद्युमन खोकले<br>प्रो. राजीव शर्मा |

# ङ

## स्नातकोत्तर एवं फ़ेलो कार्यक्रम : छात्रों की संख्या

| | प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम | कृषि व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम | कार्यकारी अधिकारियों के लिए प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम | प्रबंधन में फैलो कार्यक्रम | कुल |
|---|---|---|---|---|---|
| 2004-5 | 501 | 55 | - | 54 | 610 |
| 2005-6 | 493 | 56 | - | 69 | 618 |
| 2006-7 | 488 | 55 | 60 | 66 | 609 |
| 2007-8 | 518 | 54 | 72 | 75 | 647 |
| 2008-9 | 560 | 44 | 77 | 84 | 688 |
| 2009-10 | 602 | 54 | 80 | 79 | 735 |
| 2010-11 | 688 | 77 | 86 | 69 | 834 |
| 2011-12 | 747 | 78 | 101 | 73 | 898 |
| 2012-13 | 753 | 78 | 85 | 84 | 915 |
| 2013-14 | 756 | 87 | 85 | 80 | 923 |
| **2014-15** | **773** | **82** | **85** | **75** | **930** |

# च

## स्थानन

### च-1 : बैच प्रोफ़ाइल

| शैक्षणिक पृष्ठभूमि | |
|---|---|
| **कार्य** | **छात्रों का प्रतिशत** |
| इंजीनियरिंग | 90 |
| कला, विज्ञान व अन्य | 8 |
| वाणिज्य एवं व्यवसाय प्रशासन | 2 |

| कार्य अनुभव | |
|---|---|
| अवधि | छात्रों का प्रतिशत |
| नए | 27 |
| 0 – 1 वर्ष | 14 |
| 1 – 2 वर्ष | 30 |
| 2 – 3 वर्ष | 20 |
| 3 – 4 वर्ष | 7 |
| 4 वर्ष | 2 |

### परिशिष्ट च-2 : प्रस्ताव एवं स्वीकृति

| समूह | प्रस्ताव | स्वीकृति |
|---|---|---|
| समूह 1 | 104 | 95 |
| समूह 2 | 270 | 198 |
| समूह 3 | 107 | 68 |
| कुल | 481 | 361 |

### परिशिष्ट च-3 : नए भर्तीकर्ता

- आलेग्रो एडवाइजर्स
- अमूल
- अपोलो ग्लोबल मैनेजमेंट
- अरविंद इंटरनेट
- एवेंडस कैपिटल
- बाबा (डीपीपीसीएल)
- ब्राउज़र स्टैक
- सेलो
- एजवर्व
- फ्यूचर ग्रुप
- गल्फ़ टैलेंट
- हाई रेडियस
- होपस्काच
- हाउसिंग
- इक्रेओन
- इंडएक्सएक्स
- इंटरग्लोब
- कलारी कैपिटल
- मैट्रिक्स इंडिया पार्टनर्स
- ओला
- पैसिफ़िका
- पेटीएम
- प्रैक्टो
- प्रिंटवन्यू
- क्विकर
- सेंट गोबेन
- शादीडॉटकॉम
- स्नैपडील
- स्टार टीवी
- स्टेज़िला
- उबेर
- वोडाफोन
- ज़ेराक्स
- ज़ेडएस एसोसिएट्स

# च

## स्थानन

### च-4 : स्थल अनुसार नियुक्ति

| स्थान | 2013 | | 2014 | | 2015 | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | संख्या | प्रतिशत | संख्या | प्रतिशत | संख्या | प्रतिशत |
| भारत | 347 | 96.39 | 346 | 95.58 | 351 | 97.23 |
| यूएसए | 1 | 0.28 | 1 | 0.28 | 2 | 0.55 |
| यूरोप/यूके (लंदन) | 1 | 0.28 | 2 | 0.55 | 1 | 0.28 |
| एशिया-पैसिफिक (हाँगकाँग, सिंगापुर, टोक्यो) | 6 | 1.67 | 5 | 1.38 | 3 | 0.83 |
| कुवैत, यूएई, अफ़्रीका | 5 | 1.39 | 8 | 2.21 | 4 | 1.11 |
| **कुल** | **360** | **100.00** | **362** | **100.00** | **361** | **100.00** |

### च-5 : विदेशी और देशी प्रस्ताव एवं स्वीकृतियाँ

| स्थान | 2013 | | | 2014 | | | 2015 | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | प्रस्ताव | स्वीकृति | प्रस्तावों की स्वीकृति का प्रतिशत | प्रस्ताव | स्वीकृति | प्रस्तावों की स्वीकृति का प्रतिशत | प्रस्ताव | स्वीकृति | प्रस्तावों की स्वीकृति का प्रतिशत |
| विदेशी | 13 | 13 | 100 | 17 | 16 | 94.12 | 13 | 10 | 76.92 |
| देशी | 420 | 347 | 82.62 | 409 | 346 | 84.60 | 468 | 351 | 75.00 |
| **कुल** | **433** | **360** | **83.14** | **426** | **362** | **84.98** | **481** | **361** | **75.05** |

### च-6: क्षेत्रवार/कार्यवार स्थानन

| क्षेत्र / कार्य | 2013 | | | 2014 | | | 2015 | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | विदेशी | भारतीय | कुल का प्रतिशत | विदेशी | भारतीय | कुल का प्रतिशत | विदेशी | भारतीय | कुल का प्रतिशत |
| बिक्री/विपणन (एफ़एमसीजी) | 0 | 30 | 8.33 | 0 | 32 | 8.84 | 0 | 36 | 9.97 |
| वित्त (निवेश बैंकिंग, बाजार, बैंकिंग और वित्तीय सेवाएं, पीई, वीसी, निवेश प्रबंधन और बचाव निधि) | 7 | 52 | 16.39 | 11 | 54 | 17.96 | 7 | 50 | 15.79 |
| प्रणालियाँ/आईटी/आईटीईएस | 0 | 42 | 11.67 | 0 | 53 | 14.64 | 1 | 75 | 21.05 |
| परिचालन (उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, टेलीकॉम, ऑनलाइन सेवाएँ, फार्मा, चिकित्सा एवं हैल्थकेयर) | 3 | 33 | 10.00 | 3 | 21 | 6.63 | 0 | 23 | 6.37 |
| परामर्शी | 0 | 115 | 31.94 | 0 | 114 | 31.49 | 1 | 94 | 26.32 |
| कम्पनी संगठन | 1 | 32 | 9.17 | 0 | 26 | 7.18 | 0 | 29 | 8.03 |
| सामान्य प्रबंधन (विनिर्माण, इंजीनियरिंग एवं तकनीक आदि) | 2 | 23 | 6.94 | 2 | 21 | 6.35 | 0 | 35 | 9.70 |
| मीडिया / संचार | 0 | 0 | 0 | 0 | 10 | 2.76 | 0 | 6 | 1.66 |
| अन्य (पर्यटन, रसद, रियल एस्टेट, शिक्षा प्रबंधन, पर्यावरण एवं ऊर्जा, तेल एवं गैस, अंतरराष्ट्रीय व्यापार) | 0 | 20 | 5.56 | 0 | 15 | 4.15 | 1 | 3 | 1.11 |
| **कुल** | **13** | **347** | **100** | **16** | **346** | **100** | **10** | **351** | **100** |

# च

## स्थानन

### च - 7 : उद्यमिता

| छात्र का नाम | उद्यमिता के क्षेत्र |
|---|---|
| **पीजीपी** | |
| आकृति गुप्ता | विनिर्माण (होटल सुविधाएँ और जूते) |
| आरती आर. | फ़ैशन |
| गीतिका चड्ढा | शिक्षा क्षेत्र |
| ज्ञान वर्धन गुप्ता | कृषि आधारित / खाद्य प्रसंस्करण |
| कुलोथुंगन बी. | प्रतिभा के एक विशाल नेटवर्क का लाभ लेते हुए, परखने के लिए कलाकार को जोड़ने वाले एक ऑनलाइन बाजार का निर्माण करना |
| मिनाखी प्रसाद मिश्रा | एक पूर्णकालिक लेखक बनने के लिए निबंध-लेखन |
| मुथु रमन टी | शिक्षा क्षेत्र |
| नमिता बडवाल | साहसिक पर्यटन |
| निशांत अग्रवाल | इंटरनेट  चीजों पर आधारित एक फर्म का निर्माण करना (आने वाले वर्ष में 4 से 5 उत्पादों को विकसित करने के लिए) |
| पारस मल्होत्रा | इंटरनेट  चीजों पर आधारित एक फर्म का निर्माण करना (आने वाले वर्ष में 4 से 5 उत्पादों को विकसित करने के लिए) |
| उज्जवल सुतरिया | लोगों में खेलों को बढ़ावा देने के लिए एक एप के माध्यम से निकटतम खेल सुविधा का पता लगाना और उन्हें खेल  के लिए अग्रिम में बुक करने में मदद करना। |
| **पीजीपी-एबीएम** | |
| कृष्ण चंद्र सिंह | आपूर्ति श्रृंखला और रसद क्षेत्र |
| सिद्धार्थ अग्रवाल | आपूर्ति श्रृंखला और रसद क्षेत्र |
| पल्लवी माथुर | स्वास्थ्य क्षेत्र |

### च - 8 : ग्रीष्मकालीन स्थानन का क्षेत्रवार वितरण

| क्षेत्र | नियुक्तियों की संख्या |
|---|---|
| बैंकिंग, वित्तीय सेवाएँ और बीमा (बीएफ़एसआई) | 83 |
| कंपनियों का संगठन | 24 |
| परामर्श | 99 |
| उपभोक्ता सामान (एफ़एमसीजी) | 46 |
| उपभोक्ता सेवाएँ | 12 |
| सूचना प्रौद्योगिकी | 22 |
| विनिर्माण | 10 |
| मीडिया/संचार | 11 |

| क्षेत्र | नियुक्तियों की संख्या |
|---|---|
| ऑनलाइन सेवाएँ | 26 |
| फार्मास्यूटिकल/स्वास्थ्य देखभाल | 16 |
| रियल एस्टेट | 7 |
| खुदरा | 13 |
| टेलीकॉम | 12 |
| अन्य | 3 |
| **कुल** | **384** |

# च

## स्थानन

### च – 9 : पीजीपी-एबीएम के प्रस्ताव

| क्षेत्र | छात्रों की संख्या | प्रतिशत |
|---|---|---|
| बीएफ़एसआई क्षेत्र | 5 | 15% |
| विकास | 3 | 9% |
| एफएमसीजी | 12 | 35% |
| आदान | 7 | 20% |
| विनिर्माण | 3 | 9% |
| अन्य | 3 | 9% |
| खुदरा | 1 | 3% |

### च – 10 : नए भर्तीकर्ता

- बीकानेरवाला
- ब्लूमकेम एजी
- ईडब्ल्यू-न्यूट्रिशन
- फ्यूचर ग्रुप
- केमिन इंडस्ट्रीज
- पी एंड जी
- राम-नाथ एंड कं. प्राइवेट लिमिटेड
- यूनाइटेड ब्रेवरीज

### च – 11 : पीजीपीएक्स स्थानन पूल

| | |
|---|---|
| छात्रों की कुल संख्या | 85 |
| खुद का उद्यम शुरू करने के लिए नियुक्ति अवकाश का विकल्प चुनने वाले छात्र | 2 |
| अपने बूते पर नियुक्ति खोजने वाले छात्र (नियुक्ति प्रक्रिया से बाहर) | 7 |
| अध्ययन प्रोत्साहन अवकाश | 4 |
| नियुक्ति प्रक्रिया के जरिये अंतिम पेशकश प्राप्त करने वाले छात्र | 58 |
| जारी प्रक्रिया में छात्र | 14 |

### च – 12 : एफ पी एम स्थानन पूल का वर्गीकरण

| | |
|---|---|
| छात्रों की कुल संख्या | 3 |
| खुद का उद्यम शुरू करने के लिए स्थानन अवकाश का विकल्प चुनने वाले छात्र | 0 |
| स्थानन प्रक्रिया के जरिये अंतिम पेशकश प्राप्त करने वाले छात्र | 1 |
| विचाराधीन प्रस्तावों वाले छात्र | 0 |
| स्थानन के लिए शेष छात्र | 2 |

# छ

## कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

### प्रतिभागियों का विभाजन

| कार्यक्रम | कार्यक्रमों की संख्या | प्रतिभागियों की संख्या | | | कुल |
|---|---|---|---|---|---|
| | | सार्वजनिक क्षेत्र | निजी क्षेत्र | विदेशी | |
| सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम | 3 | 53 | 135 | 10 | 198 |
| नए कार्यक्रम | 6 | 38 | 89 | 0 | 127 |
| नियमित / दोहराए कार्यक्रम | 53 | 568 | 1045 | 40 | 1653 |
| **कुल** | **62** | **659** | **1269** | **50** | **1978** |

### सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम

| कार्यक्रम | प्रतिभागियों की संख्या | | | कुल |
|---|---|---|---|---|
| | सार्वजनिक क्षेत्र | निजी क्षेत्र | विदेशी | |
| 3 - टी. पी. उभरते नेतृत्वों का कार्यक्रम<br>03 - 30 अगस्त, 2014 | 28 | 36 | 0 | 64 |
| लघु और मझौले उद्यमों के रूपांतरण कार्यक्रम<br>06 - 19 अक्टूबर, 2014 | 0 | 38 | 0 | 38 |
| 3 - टीपी वरिष्ठ नेतृत्वों का कार्यक्रम<br>18 जनवरी - 7 फ़रवरी, 2015 | 25 | 61 | 10 | 96 |
| **कुल** | **53** | **135** | **10** | **198** |

### नए कार्यक्रम

| कार्यक्रम | प्रतिभागियों की संख्या | | | कुल |
|---|---|---|---|---|
| | सार्वजनिक क्षेत्र | निजी क्षेत्र | विदेशी | |
| **व्यापार नीति** | | | | |
| विदेश में व्यवसाय करना<br>09 - 11 फ़रवरी, 2015 | 4 | 10 | 0 | 14 |
| पारिवारिक व्यवसाय : संगठन, रणनीतियाँ, अंतर्राष्ट्रीयकरण और उत्तराधिकार<br>23 - 25 फ़रवरी, 2015 | 1 | 31 | 0 | 32 |
| **कार्मिक और औद्योगिक संबंध** | | | | |
| कर्मचारी संलग्नता : एक 3 डी दृष्टिकोण<br>21 - 23 जुलाई, 2014 | 0 | 18 | 0 | 18 |
| सामरिक परिवर्तनकारी प्रशिक्षण क्रियाविधि<br>25 - 27 अगस्त, 2014 | 18 | 6 | 0 | 24 |
| मानव संसाधन प्रबंधकों के लिए औद्योगिक संबंध कौशल<br>15 - 17 सितम्बर, 2014 | 14 | 7 | 0 | 21 |
| मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन और मनोमिति<br>27 - 30 अक्टूबर, 2014 | 1 | 17 | 0 | 18 |
| **कुल** | **38** | **89** | **0** | **127** |

# छ

## कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

### नियमित / दोहराए कार्यक्रम

| कार्यक्रम | प्रतिभागियों की संख्या | | | कुल |
|---|---|---|---|---|
| | सार्वजनिक क्षेत्र | निजी क्षेत्र | विदेशी | |
| **व्यापार नीति** | | | | |
| वर्किंग सम्मेलनः प्राधिकरण, संगठन, रणनीतियाँ, और संबद्धता की राजनीति<br>04 - 10 सितम्बर, 2014 | 6 | 10 | 0 | 16 |
| विकास के लिए रणनीतियाँ<br>22 - 27 सितम्बर, 2014 | 0 | 25 | 1 | 26 |
| 21वीं सदी के लिए संगठनात्मक नेतृत्व<br>27 - 30 अक्टूबर, 2014 | 10 | 29 | 2 | 41 |
| नवाचार, कॉर्पोरेट रणनीति, और प्रतिस्पर्धी कार्यप्रदर्शन<br>3 - 8 नवम्बर, 2014 | 7 | 15 | 1 | 23 |
| अनुबंध प्रबंधन<br>10 - 14 नवम्बर, 2014 | 14 | 33 | 0 | 47 |
| ज्ञान प्रबंधन<br>15 - 20 दिसम्बर, 2014 | 14 | 7 | 1 | 22 |
| **संचार** | | | | |
| लोगों को साथ लेकरः अनुनय द्वारा प्रबंध<br>25 - 30 अगस्त, 2014 | 5 | 30 | 1 | 36 |
| जीतने की कगार परः अग्रणियों के लिए संचार रणनीतियाँ<br>06 - 11 अक्टूबर, 2014 | 14 | 22 | 0 | 36 |
| प्रभावी संचार रणनीतिः पुरुष और महिलाएं काम पर<br>13 - 18 अक्टूबर, 2014 | 17 | 9 | 0 | 26 |
| **वित्त एवं लेखा** | | | | |
| उन्नत कॉर्पोरेट वित्त<br>3 - 8 नवम्बर, 2014 | 15 | 12 | 0 | 27 |
| विलय, अधिग्रहण, और पुनर्गठन<br>17 - 22 नवम्बर, 2014 | 4 | 21 | 0 | 25 |
| सामरिक लागत प्रबंधन<br>19 - 22 जनवरी, 2015 | 8 | 21 | 0 | 29 |
| **सूचना प्रणालियाँ** | | | | |
| सीआईओ के लिए सामरिक आईटी प्रबंधन<br>22 - 27 सितम्बर, 2014 | 12 | 18 | 3 | 33 |
| आईटी परियोजनाओं के प्रबंधन<br>17 - 22 नवम्बर, 2014 | 24 | 16 | 0 | 40 |
| दृश्य व्यापार आसूचना<br>01 - 04 दिसम्बर, 2014 | 3 | 23 | 0 | 26 |
| नई पीढ़ी के उद्यम सिस्टम : ईआरपी, सीआरएम, बीआई और एससीएम<br>11 - 14 मार्च, 2015 | 9 | 12 | 2 | 23 |
| **विपणन** | | | | |
| विपणन निर्णयों के लिए उन्नत डेटा विश्लेषण<br>11 - 16 अगस्त, 2014 | 6 | 22 | 0 | 28 |
| अंतरराष्ट्रीय व्यापार<br>22 - 27 सितम्बर, 2014 | 20 | 10 | 1 | 31 |

# छ

## कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

| कार्यक्रम | प्रतिभागियों की संख्या | | | कुल |
|---|---|---|---|---|
| | सार्वजनिक क्षेत्र | निजी क्षेत्र | विदेशी | |
| लाभ के लिए मूल्य निर्धारण<br>06 - 10 अक्टूबर, 2014 | 2 | 30 | 0 | 32 |
| खुदरा व्यापार प्रबंधन<br>06 - 11 अक्टूबर, 2014 | 8 | 13 | 1 | 22 |
| ग्राहक संबंध प्रबंधन<br>24 - 29 नवम्बर, 2014 | 12 | 8 | 1 | 21 |
| ग्राहक आधारित व्यापार रणनीति<br>05 - 07 जनवरी, 2015 | 0 | 38 | 0 | 38 |
| विकास के लिए अभिनवकरण<br>27 - 31 जनवरी, 2015 | 6 | 14 | 1 | 21 |
| बी 2 बी विपणन<br>02 - 07 फ़रवरी, 2015 | 1 | 24 | 0 | 25 |
| बिक्री बल कार्यक्षमता बढ़ाना<br>16 - 19 फ़रवरी, 2015 | 27 | 27 | 11 | 65 |
| **संगठनात्मक व्यवहार** | | | | |
| मुख्य क्षमता के रूप में रचनात्मकता और नवीनता : व्यक्तिगत और संगठनात्मक क्षमता का विकास करना<br>28 - 31 जुलाई, 2014 | 7 | 19 | 1 | 27 |
| नेतृत्व और परिवर्तन प्रबंधन<br>08 - 12 सितम्बर, 2014 | 19 | 33 | 2 | 54 |
| व्यावसायिक महिलाओं के बीच नेतृत्व क्षमता और संभावना बढ़ाना<br>22 - 25 सितम्बर, 2014 | 14 | 22 | 1 | 37 |
| पारस्परिक प्रभाव और टीम का निर्माण<br>12 - 15 जनवरी, 2015 | 27 | 24 | 0 | 51 |
| मुख्य क्षमता के रूप में रचनात्मकता और नवीनता : व्यक्तिगत और संगठनात्मक क्षमता का विकास (दूसरी बार)<br>23 - 26 मार्च, 2015 | 12 | 13 | 0 | 25 |
| **कार्मिक एवं औद्योगिक संबंध** | | | | |
| बातचीत कौशल क्लिनिक<br>11 - 13 अगस्त, 2014 | 6 | 25 | 0 | 31 |
| कार्यनिष्पादन प्रबंधन और प्रतिस्पर्धात्मक लाभ<br>18 - 21 अगस्त, 2014 | 10 | 11 | 0 | 21 |
| सामरिक मानव संसाधन प्रबंधन<br>22 - 27 सितम्बर, 2014 | 15 | 12 | 0 | 27 |
| उन्नत मानव संसाधन प्रबंधन<br>01 - 06 दिसम्बर, 2014 | 17 | 20 | 1 | 38 |
| **उत्पादन एवं मात्रात्मक तरीके** | | | | |
| सामरिक विश्लेषिकीः मात्रात्मक डाटा विश्लेषण और व्यापार एवं विपणन में उसके अनुप्रयोग पर कार्यक्रम<br>14 - 16 अप्रैल, 2014 | 4 | 17 | 1 | 22 |
| परियोजनाओं में अनिश्चितता, जटिलता, और जोखिम<br>14 - 17 अप्रैल, 2014 | 15 | 21 | 0 | 36 |

# छ

## कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

| कार्यक्रम | प्रतिभागियों की संख्या | | | कुल |
|---|---|---|---|---|
| | सार्वजनिक क्षेत्र | निजी क्षेत्र | विदेशी | |
| उन्नत गुणवत्ता प्रबंधन<br>14 - 18 जुलाई, 2014 | 21 | 9 | 0 | 30 |
| आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन<br>21 - 26 जुलाई, 2014 | 0 | 33 | 0 | 33 |
| जोखिमः मॉडलिंग और प्रबंधन<br>01 - 05 सितम्बर, 2014 | 12 | 11 | 0 | 23 |
| परियोजना प्रबंधन<br>01 - 06 सितम्बर, 2014 | 15 | 21 | 0 | 36 |
| गोदाम डिजाइन और प्रबंधन<br>22 - 25 सितम्बर, 2014 | 0 | 52 | 1 | 53 |
| प्रबंधन के लिए उन्नत विश्लेषिकी<br>3 - 8 नवम्बर, 2014 | 4 | 37 | 2 | 43 |
| राजस्व प्रबंधन और गतिशील मूल्य निर्धारण<br>24 - 29 नवम्बर, 2014 | 15 | 13 | 0 | 28 |
| रसद प्रबंधन<br>01 - 04 दिसम्बर, 2014 | 2 | 29 | 2 | 33 |
| गोदाम डिजाइन और प्रबंधन (दूसरी बार)<br>09 - 12 फ़रवरी, 2015 | 36 | 17 | 0 | 53 |
| **कृषि** | | | | |
| सामरिक प्रतिस्पर्धी और सहयोगात्मक लाभ के लिए बौद्धिक संपदा का दोहन<br>20 - 22 जून, 2014 | 13 | 5 | 0 | 18 |
| अनुबंध खेती का प्रबंधन<br>27 - 31 जनवरी, 2015 | 13 | 7 | 0 | 20 |
| ग्रामीण विपणन<br>16 - 20 फ़रवरी, 2015 | 15 | 10 | 0 | 25 |
| **स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन केंद्र** | | | | |
| अस्पताल प्रबंधन<br>15 - 19 सितम्बर, 2014 | 8 | 30 | 0 | 38 |
| नैदानिक प्रयोगशाला प्रबंधन<br>24 - 26 नवम्बर, 2014 | 4 | 11 | 0 | 15 |
| स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए डेटा विश्लेषण<br>27 - 31 जनवरी, 2015 | 3 | 8 | 2 | 13 |
| **सार्वजनिक प्रणाली** | | | | |
| अवसंचरना में कानूनी और विनियामक मुद्दें<br>25 - 29 अगस्त, 2014 | 14 | 3 | 0 | 17 |
| **रवि जे. मथ्थाई शैक्षिक नवाचार केंद्र** | | | | |
| बदलते परिवेश में स्कूलों के लिए सामरिक नेतृत्व<br>06 - 11 अक्टूबर, 2014 | 3 | 43 | 1 | 47 |
| कुल | 568 | 1045 | 40 | 1653 |

# ज

## अनुसंधान, केस लेखन परियोजनाएँ, तथा संगोष्ठी

### प्रारंभ की गई परियोजनाएँ

### अनुसंधान परियोजनाएँ

- स्टोकेस्टिक मांग तथा भीड़ के साथ स्थान-आवंटन की समस्याएँ : बेंडर के अपघटन के साथ लाग्रेंजियन रियायत (प्रोफेसर सचिन जायसवाल)
- फिनलैंड भारत आर्थिक संबंध (प्रोफेसर अजीत माथुर)
- उपकरण-से-उपकरण-तक तदर्थ नेटवर्क में साथी-से-साथी-तक फाइल शेयरिंग (प्रोफेसर कविता रंगनाथन)
- स्टोकेस्टिक मांग से कम मांग वाले हिस्सों के लिए सेवा हिस्सों का रसद नेटवर्क डिजाइन (प्रोफेसर सचिन जायसवाल)
- संगठनों में विकलांग लोगों के लिए कैरियर पथ : एक खोजपूर्ण अध्ययन (प्रोफेसर राजेश चंदवानी और प्रोफेसर बीजू वर्की)
- जम्मू-कश्मीर में केसर भारी उछाल की ओर (प्रोफेसर सतीश देवधर)
- गैर-स्थिर आवक के साथ एक कंटेनर टर्मिनल में मॉडलिंग बाहर की तरफ संचालन (प्रोफेसर देबजीत रॉय)
- दो अलग अलग निर्माण परियोजनाओं में परियोजना जोखिम प्रबंधन में अपेक्षित मूल्य पद्धति का एक विश्लेषण (प्रोफेसर गौतम दत्ता)
- मेट्रो परिचालन योजना के लिए निर्णय समर्थन प्रणाली (प्रोफेसर सुंदरवल्ली नारायणस्वामी)
- वितरण प्रयोगों में दौर- गैर दौर हिस्सेदारी के प्रभाव में एक जाँच (प्रोफेसर संजीव त्रिपाठी)
- भावनाओं का प्रबंध : भावनात्मक श्रम या भावनात्मक संवर्धन (प्रोफेसर राजेश चंदवानी और प्रोफेसर धीरज शर्मा)
- तनावपूर्ण होने पर भी मुक्त रहना : व्यवसायियों द्वारा मोबाइल संचार उपकरणों के उपयोग के विरोधाभासी निहितार्थ (प्रोफेसर धीरज शर्मा और प्रोफेसर राजेश चंदवानी)
- मजबूत और कमजोर ब्रांडों के लिए उपभोक्ता संज्ञानात्मक भार और संवर्धन निर्धारण के बीच बातचीत के प्रभाव (प्रोफेसर अरविंद सहाय)
- ऑफ़शोरिंग के संदर्भ में ज्ञान बढ़ाना (प्रोफेसर अर्नेस्ट नोरोन्हो और प्रोफेसर प्रेमीला डी'क्रूज़)
- विज्ञापन में कानूनी तथा नैतिक मुद्दे : भारतीय विज्ञापनों की एक समीक्षा (प्रोफेसर अभिषेक)
- निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा अधिकार अधिनियम, 2009 के लिए बच्चों के अधिकारों के बेहतर कार्यान्वयन के लिए शिकायत निवारण प्रणाली का सुदृढ़ीकरण (प्रोफेसर पवन मामीडी)
- कार्यस्थल पर बाहरी धमकी (प्रोफेसर अर्नेस्टो नोरोन्हा और प्रोफेसर प्रेमीला डी'क्रूज़)
- भीड़ से हुई मल्टी-कमोडिटी नेटवर्क डिजाइन समस्या के लिए बाह्य-सन्निकटन एल्गोरिथ्म (प्रोफेसर सचिन जायसवाल)

### मूलधन परियोजनाएँ

- हाइब्रिड वाहन मार्ग समस्या मोडलिंग (प्रोफेसर प्रहलाद वेंकटेशन)
- गलत निर्दिष्ट मॉडल के पीछे स्थिरता (प्रोफेसर कार्तिक श्रीराम)
- भारत में खेल के लिए गैर-लाभकारी वित्तपोषण (प्रोफेसर संजीव त्रिपाठी)
- स्थायित्व आधारित ब्रांड इक्विटी के पूर्वचरित (प्रोफेसर अभिषेक)
- मित्र की सहायता – उत्तम हित के संकेत अथवा उसका अनुसरण करना : अल्टीमेटम खेलों में एक अध्ययन (प्रोफेसर संजीव त्रिपाठी)
- भारत में एसएमई क्षेत्र के लिए नीतिगत नुस्खे (प्रोफेसर अमित कर्ण तथा प्रोफेसर सुनील शर्मा)
- विविधीकरण-कार्यनिष्पादन विश्लेषण का मेटा-विश्लेषीकरण (प्रोफेसर अमित कर्ण)
- मोबाइल मार्केटिंग में सेंसर आधारित संचार के एप्लिकेशन (प्रोफेसर अभिषेक)
- भारत में प्रतिस्पर्धा कानून पर सम्मेलन (प्रोफेसर विश्वनाथ पिंगाली)
- स्वाइन फ्लू के संदर्भ में जोखिम से बचाव के प्रति जोखिम धारणाओं तथा इच्छा की समझ (प्रोफेसर राम मोहन तुरागा तथा प्रोफेसर राजेश चंदवानी)

# ज

## अनुसंधान, केस लेखन परियोजनाएँ, तथा संगोष्ठी

- आत्म-छल तथा नियंत्रण के स्थान के बारे में स्वयंसेवा के प्रभाव तथा भ्रष्टाचार को सीमित करने की उनकी क्षमता (प्रोफेसर नमन देसाई)
- आर्थिक संदर्भ में स्वचालित अर्थ विश्लेषण (प्रोफेसर अंकुर सिन्हा)
- मानव संसाधन प्रबंधन में सोशल मीडिया की भूमिका की तलाश (प्रोफेसर प्रोमिला अग्रवाल और प्रोफेसर बीजू वर्की)

### पूर्ण हुई परियोजनाएँ

### अनुसंधान परियोजनाएँ

- ग्राम स्तरीय मोबाइल एड-होक नेटवर्क का यथार्थवादी सिमुलेशन (प्रोफेसर कविता रंगनाथन और डॉ. अनु विद्यानाथन)
- स्टोकेस्टिक मांग के साथ हब-एवं स्पोक नेटवर्क डिजाइन तथा सेवा स्तर की कमी (प्रोफेसर सचिन जायसवाल)
- चटाई की आपूर्ति श्रृंखला के लिए बंद-लूप इन्वेंटरी मॉडल (प्रोफेसर देबजीत रॉय)
- सागर कंटेनर टर्मिनल पर माल-उतराई संचालन में पोत डेरे के लिए मौसम का आकलन (प्रोफेसर देबजीत रॉय)
- भारतीय कॉल सेंटर में भावनात्मक श्रम (प्रोफेसर अर्नेस्टो नोरोन्हा)
- प्राथमिकता रोगी वर्गों पर सेवा स्तर की बाधाओं के साथ आपातकालीन चिकित्सा सेवा सुविधा स्थान (प्रोफेसर सचिन जायसवाल)
- अनुपालन से लेकर मूल्य आंतरिकता तक : कर्मचारी के पूर्व-समाजीकरण (आदतन) अभ्यस्त व्यवहार तथा संगठन के अपेक्षित कर्मचारी व्यवहार के मेल की गंभीर भूमिका : भाग द्वितीय (प्रोफेसर जॉर्ज कंडाथिल)
- सेलिब्रिटी समर्थन में संस्कृति की भूमिका : भारतीय संदर्भ में सेलिब्रिटियों द्वारा ब्रांड प्रचार की समीक्षा (प्रोफेसर अरविंद सहाय और प्रोफेसर अभिषेक)
- वस्तु विनिमय व्यापार में बंदोबस्ती के प्रभाव : प्रयोगात्मक सबूत (प्रोफेसर विश्वनाथ पिंगाली)
- घरेलू उपकरणों के ऊर्जा लेबल तथा उपभोक्ता व्यवहार : द्वितीय (प्रोफेसर राम मोहन तुरागा और प्रोफेसर जॉर्ज कंडाथिल)
- कार्यस्थल पर धमकाने की पार सांस्कृतिक धारणाएं (प्रोफेसर प्रेमीला डी'क्रूज़)

### मूलधन परियोजनाएँ

- अल्टीमेटम खेलों में हिस्सेदारी आकार में मात्र उल्लेखनीय मतभेदों के प्रभाव का अध्ययन (प्रोफेसर संजीव त्रिपाठी)
- गलत निर्दिष्ट मोडलों में पश्च सामंजस्य (प्रोफेसर कार्तिक श्रीराम)
- लेखा परीक्षकों के लेखा लेन-देन की नीतिपरकता की धारणाओं का मापन (प्रोफेसर नमन देसाई और प्रोफेसर शोभेश अगरवाला)
- लेखा परीक्षकों पर दबाव, अवसर और ग्राहक विस्तार के प्रभाव, धोखाधड़ी जोखिम के आकलन और लेखा परीक्षा के प्रयास (प्रोफेसर नमन देसाई)
- भारत में खेल के लिए गैर-लाभकारी अनुदान (प्रोफेसर संजीव त्रिपाठी)
- मित्र की सहायता का समर्थन : अनुसरण के लिए उत्तम हित के संकेत : अल्टीमेटम खेलों में एक अध्ययन (प्रोफेसर संजीव त्रिपाठी)
- संयुक्त देयता, एकाधिक उधार, और अधिकतर लाभ उठाना (प्रोफेसर विश्वनाथ पिंगाली)
- भारत में प्रतिस्पर्धा कानून पर सम्मेलन (प्रोफेसर विश्वनाथ पिंगाली)
- कर्मचारी उत्पादकता पर सामंजस्य का प्रभाव : भारतीय आईटी कंपनियों का एक अनुदैर्ध्य अध्ययन (प्रोफेसर डी. कार्तिक और प्रोफेसर राकेश बसंत)
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना : बीपीएल परिवारों के लिए स्वास्थ्य बीमा सुविधा का विस्तार (प्रोफेसर डी. कार्तिक)

### इंटर्नशिप परियोजनाएँ

- शिक्षा नवप्रवर्तन बैंक : सार्वजनिक स्कूली शिक्षा में विकेन्द्रीकृत व्यावसायिक विकास और गुणवत्ता संवर्धन (प्रोफेसर विजय शेरी चंद)
- कृषि उद्यमशीलता के लिए विनियामक अंतर्दृष्टि (प्रोफेसर वैभव भमोरिया)

# ज

## अनुसंधान, केस लेखन परियोजनाएँ, तथा संगोष्ठी

- लेन लागत संतुलन बाधा के साथ माल-भाड़े का आवंटन : एक लेग्रेंजियन अनुमानी दृष्टिकोण (प्रोफेसर सचिन जायसवाल)
- शिक्षा के अधिकार अधिनियम के तहत स्कूल व्याप्ति और पहुंच का अध्ययन (प्रोफेसर कविता रंगनाथन)
- होटल राजस्व प्रबंधन के लिए अनुकूलन आधारित निर्णय समर्थन प्रणाली (प्रोफेसर गौतम दत्ता)
- ग्रामीण तदर्थ मोबाइल फोन के नेटवर्कों के लिए रूटिंग प्रोटोकॉल (प्रोफेसर कविता रंगनाथन)
- गरीब और बुजुर्गों की आय सृजन के लिए सरकारी योजनाओं का सर्वेक्षण (प्रोफेसर राजीव शर्मा)
- गुड़गांव में विकास प्रबंधन की चुनौतियाँ (प्रोफेसर प्रेम पंगोत्रा)
- दवा परीक्षण प्रयोगशाला में संसाधनों का निर्धारण (प्रोफेसर देबजीत रॉय)
- भारत में संपत्ति की कीमतों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव (प्रोफेसर पी. आर. शुक्ला)
- आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में सोशल मीडिया के उपयोग की खोज (प्रोफेसर सरल मुखर्जी)
- ग्राहक की आवाज : ऑनलाइन ग्राहक समीक्षा का एक अध्ययन (प्रोफेसर श्रीकुमार कृष्णमूर्ति)
- उत्पाद की बिक्री पर ऑनलाइन अफ़वाह के प्रभाव का अध्ययन (प्रोफेसर श्रीकुमार कृष्णमूर्ति)
- मानेट (एमएएनईटी) पर डिवाइस-से-डिवाइस-तक फ़ाइल शेयरिंग के लिए माइक्रोइकोनोमिक मॉडल (प्रोफेसर अंकुर सरीन और प्रोफेसर कविता रंगनाथन)
- विभिन्न सामाजिक उद्यमों द्वारा नियुक्त विपणन प्रक्रियाओं की जाँच करना (प्रोफेसर अभिषेक)
- कृषि में पीपीपी के माध्यम से खाद्य सुरक्षा प्रदान करने के लिए एक मॉडल का विकास (प्रोफेसर वैभव भमोरिया)
- प्रसंस्कृत कृषि-खाद्यान्न उत्पादों में बुनियादी-उद्योग व्यापार के निर्धारकों का एक विश्लेषण - भारत और उसके प्रमुख व्यापारिक भागीदारों का केस (प्रोफेसर पूर्णिमा वर्मा)
- शिक्षा के अधिकार का मूल्यांकन (प्रोफेसर अंकुर सरीन)
- सीएसआर आउटरीच योजना (प्रोफेसर शेरोन बार्नार्त)
- इंटरनेट, सोशल मीडिया, और शेयर बाजार की धारणा (प्रोफेसर जोशी जेकब)
- खेल में एम्बुश मार्केटिंग (प्रोफेसर संजीव त्रिपाठी)
- स्वास्थ्य सेवाओं की सुलभता बढ़ाने वाले व्यापार मॉडलों की पहचान तथा जाँच करना (प्रोफेसर अभिषेक)
- भारतीय अर्थव्यवस्था पर अनुसंधान अध्ययन (प्रोफेसर सेबेस्तियन मॉरिस)
- सार्वजनिक नीति और प्रबंधन (प्रोफेसर अमित गर्ग)
- निवेशक रिटर्न में व्यवस्थित कारकों की भूमिका (प्रोफेसर जोशी जेकब)
- नीति अनुसंधान प्रसार (प्रोफेसर शेरोन बार्नार्त)
- पिरामिड की तह तक मार्केटिंग (प्रोफेसर धीरज शर्मा)
- स्टोकेस्टिक मांगों के साथ कानून की मांग शक्ति के लिए सेवा शक्ति रसद नेटवर्क डिजाइन (प्रोफेसर सचिन जायसवाल)
- भारत में अक्षय प्रचार नीतियाँ (प्रोफेसर अमित गर्ग)
- मुक्त उत्पादों के लिए उपभोक्ता निर्णय निर्धारण (प्रोफेसर धीरज शर्मा)
- वाहन मार्ग समस्या (प्रोफेसर सचिन जायसवाल)
- एसएमई क्षेत्र का विश्लेषण और संबंधित नीतियां (प्रोफेसर अमित कर्ण)
- घटना आधारित खुदरा मूल्य प्रचार का एक खोजपूर्ण अध्ययन (प्रोफेसर संजीव त्रिपाठी)
- न्यूनतम सीएसआर खर्च प्रावधान : परोकपकार खर्च को प्रोत्साहन देना अच्छा या बुरा (प्रोफेसर नमन देसाई)
- रेक लिंक प्रबंधन (प्रोफेसर सुंदरवल्ली नारायणस्वामी)
- महत्वपूर्ण पथ में स्टोकेस्टिक प्रभुत्व (प्रोफेसर गौतम दत्ता)

# ज

## अनुसंधान, केस लेखन परियोजनाएँ, तथा संगोष्ठी

- एसएमई क्षेत्र का विश्लेषण और संबंधित नीतियां (प्रोफेसर अमित कर्ण)
- मोबाइल तदर्थ नेटवर्क में फाइल शेयरिंग (प्रोफेसर कविता रंगनाथन)
- ड्राइवर प्रतिधारण के लिए भूमिका रूप व्यवस्था (प्रोफेसर देबजीत रॉय)
- गैर-लाभकारी संगठन के लिए काम करने से क्या भ्रष्टाचार का मनोविज्ञान प्रभावित होता है? (प्रोफेसर नमन देसाई)
- शिक्षा नवप्रवर्तन बैंक : सार्वजनिक स्कूली शिक्षा में विकेन्द्रीकृत व्यावसायिक विकास तथा गुणवत्ता संवर्धन (प्रोफेसर विजय शेरी चंद)
- बाल-स्तर के परिणामों पर आरटीईआरसी के प्रभाव का मूल्यांकन (प्रोफेसर अंकुर सरीन)
- एफसीआई पर अनुसंधानः खरीद, भंडारण तथा वितरण से संबंधित (प्रोफेसर जी. रघुराम)

### आधार-पत्र

- अभिषेक, 'क्या आप दूसरे ग्राहक द्वारा छुई हुई चीज़ खरीदेंगे? खरीददारी के दौरान दूसरों द्वारा छुए गए उत्पादों का मूल्यांकन' (आ.प.सं. 2015-03-13)
- अभिषेक और मेथन, निधि, "मोबाइल कूपनों की क्षमता : वर्तमान स्थिति और भविष्य के वादे" (आ.प. सं. 2014-07-03)
- अग्रवाल, उपासना और गुप्ता, विशाल, "कथित संगठनात्मक समर्थन, उत्तेजित प्रतिबद्धता, संगठनात्मक नागरिकता व्यवहार तथा कार्य में संबद्ध करके जोड़ते हुए एक संचालित-मध्यस्थता मॉडल की परीक्षा : भारतीय संदर्भ में नर्सों का एक अध्ययन" (आ.प. सं. 2015-03-05)
- अग्रवाल, अनुराग के., "व्यापार विवाद समाधान : विवाचन खंड को गंभीरता से लेते हुए" (आ.प. सं. 2014-09-02)
- अग्रवाल, अनुराग के., "पुलिस और कानून का शासन : भारत में हाल के घटनाक्रम" (आ.प. सं. 2014-04-02)
- अग्रवाल, प्रोमिला, "दवा और एफएमसीजी उद्योग में मनोवैज्ञानिक अनुबंध की समझ : एक तुलनात्मक विश्लेषण" (आ.प. सं. 2014-12-02)
- अग्रवाल, प्रोमिला, "मनोवैज्ञानिक अनुबंध : एक समीक्षा मॉडल" (आ.प. सं. 2014-12-03)
- अग्रवाल, उपासना ए., और गुप्ता, विशाल, "नौकरी की विशेषताओं के लिए संबद्धता तथा कर्तव्यनिष्ठा की मध्यस्थता व संचालनता के प्रभाव की जाँच करना और यह संबद्धता छोड़ देने के इरादे" (आ.प. सं. 2015-03-04)
- अगरवाला, शोभेश कुमार; देसाई, नमन और त्रिपाठी, अरिंदम, "नैतिकता से संबंधित निर्णयों पर मनोवैज्ञानिक लक्षण के प्रभाव" (आ.प. सं. 2015-03-08)
- अगरवाला, शोभेश कुमार; जेकब, जोशी और वर्मा, जयंत आर., वासुदेवन, एल्लापुल्ली, "भारतीय बाजार में बीटा के खिलाफ सट्टेबाजी" (आ.प. सं. 2014-07-01)
- अगरवाला, शोभेश कुमार; जोशी, जेकब और वासुदेवन, एल्लापुल्ली, 'लंबे समय तक चले खराब प्रदर्शन के प्रति बाजार ज्यादतीभरी प्रतिक्रिया करता है? भारत में पुनर्खरीद फर्मों में से एक केस' (आ.प. सं. 2015-02-01)
- बालासुब्रमण्यम, बाला एन., "भारत में कॉरपोरेट गवर्नेंस को मजबूत बनाना : वर्ष 2013-14 में विधायी और विनियामक पहलों की एक समीक्षा" (आ.प. सं. 2014-06-04)
- बालासुब्रमण्यम, बाला एन.; बरुआ, एस.के.; और कार्तिक, डी., "बोर्ड विविधता के प्रभाव और सीईओ मुआवजे पर इसकी विशेषताएँ : केंद्रित स्वामित्व के आकस्मिक प्रभाव" (आ.प. सं. 2015-03-37)
- बनर्जी, अरिंदम, "विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में निर्णय लेने के लिए डाटा विज्ञान : व्यापार निवेश का मखौल" (आ.प. सं 2014-12-07)
- बनर्जी, अरिंदम, "भारत में विपणन विश्लेषिकी की स्थिति : संभावनाएँ और संभावित चुनौतियां" (आ.प. सं. 2014-10-05)
- बार्नार्दर्त, शेरोन; एरिका, फील्ड और रोहिणी, पांडे, "अवसर के प्रति आगे बढ़ रहे हैं या अलगाव के प्रति? भारत में एक झुग्गी बस्ती पुनर्वास कार्यक्रम के प्रभाव" (आ.प. सं. 2014-11-01)
- बातिनी, डी. और कंडाठील, जॉर्ज, "ग्राहक को जब तक कोई समस्या नहीं है तब तक मुझे परेशान ना करें : टेलिवर्क में नियंत्रण और प्रतिरोध" (आ.प. सं.2015-01-03)

# ज

## अनुसंधान, केस लेखन परियोजनाएँ, तथा संगोष्ठी

- भास्कर, के. और तुरागा, राम मोहन, "इलेक्ट्रॉनिक अपशिष्ट प्रबंधन के लिए एक साधन के रूप में विस्तारित निर्माता जिम्मेदारी : भारत के ई-वेस्ट नियमों का एक गंभीर विश्लेषण" (आ.प. सं. 2015-01-04)
- बिक्किना, नलिनी; तुरागा, राम मोहन और भमोरिया, वैभव, "किसान सामुदायिक के तौर पर किसान उत्पादक संगठन : भारत से एक केस स्टडी" (आ.प. सं. 2015-01-05)
- चंदवानी, राजेश और शर्मा, धीरज, "भावनाओं का प्रबंधन : भावनात्मक श्रम या भावनात्मक संवर्धन" (आ.प. सं. 2015-03-42)
- चोपड़ा, संजीव; काकानी, राम कुमार और गुप्ता, विशाल, "जिला मजिस्ट्रेट की भूमिका के लिए भारतीय प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों को तैयार करना : एक योग्यता आधारित दृष्टिकोण" (आ.प. सं 2014-07-02)
- दयाल, मधुकर और वर्मा, संजय, "अनेक-विध आरसीपीएसपी के नियमित-उपायों से सबसे पहला-विस्तार और सबसे पहले-श्रेष्ठ सटीक प्रक्रियाएँ" (आ.प. सं. 2014-10-04)
- दयाल, मधुकर और वर्मा, संजय, "अनेक-विध आरसीपीएसपी के अनियमित-उपायों के लिए सटीक प्रक्रियाएं" (आ.प. सं. 2015-03-06)
- दयाल, मधुकर और वर्मा, संजय, " अनेक-विध आरसीपीएसपी के नियमित उपायों के लिए मल्टी-प्रोसेसर सटीक प्रक्रियाएं" (आ.प. सं. 2015-03-25)
- देवधर, सतीश वाय., "मेक इन इंडिया : कुछ हटकर मंत्र का पुनर्जाप करना" (आ.प. सं. 2015-02-02)
- देसाई, नमन, "धोखाधड़ी के जोखिम कारक और लेखा परीक्षा की प्रक्रिया पर ग्राहकों के लक्षण के प्रभाव" (आ.प. सं. 2015-03-15)
- देसाई, नमन, " दबाव और अवसर की उपस्थिति में संभावित गलतबयानी और धोखाधड़ी जोखिम के मूल्यांकन के लिए लेखा परीक्षक की खोज पर समूह विचार मंथन के प्रभाव" (आ.प. सं. 2015-03-11)
- देसाई, नमन और गुप्ता, विशाल, "चयनित धारणाएं और समूह विचार मंथन : धोखाधड़ी के जोखिम आकलन की लेखा परीक्षकों की एक जाँच" (आ.प. सं. 2015-03-14)
- देसाई, नमन; पिंगाली, विश्वनाथ, और त्रिपाठी, अरिंदम, "क्या 2% समाधान है? भारत में नए सीएसआर नियम पर प्रयोगात्मक सबूत" (आ.प. सं. 2015-03-09)
- धोलकिया, हेम एच.; भद्रा, धीमान, और गर्ग, अमित, "भारतीय शहरों में वायु प्रदूषण : तापमान के साथ अल्पावधि मृत्युदर के प्रभाव और सहभागिता" (आ.प. सं. 2014-04-01)
- धोलकिया, हेम एच. और गर्ग, अमित, "पांच शहरों की कहानी : शहरी भारत में गर्म हवाएँ, तेज ठंड़ और मृत्यु दर का जोखिम" (आ.प. सं. 2014-10-02)
- धोलकिया, रवीन्द्र एच.; पंड्या, मनीष बी. और पटेरिया, पायल एम., 'पंजीकृत विनिर्माण क्षेत्र से राज्य की आय में माप के मुद्दे - गुजरात का केस' (आ.प. सं. 2014-11-02)
- दत्ता, गौतम और पचीसिया, दिव्या, "एक उभरती एशियाई अर्थव्यवस्था की राष्ट्रीय रेलवे में बुकिंग प्रोफ़ाइल के साथ पूर्वानुमान शुद्धता : विभिन्न तकनीकों की तुलना" (आ.प. सं. 2014-10-01)
- दत्ता, गौतम और सेंट्रा, सुमित्रो, "भारतीय बाजार में प्रतिस्पर्धी एयरलाइन्स के मूल्य आंदोलन : एक अनुभवजन्य अध्ययन (ए)" (आ.प. सं. 2015-01-02)
- दत्ता, स्वाति; मुखोपाध्याय, ज्योति प्रसाद और पिंगाली, विश्वनाथ, "बंडलों में बंदोबस्ती प्रभाव", (आ.प. सं. 2014-06-01)
- फोरम, मेहता और देवधर, सतीश वाय., "खाद्य उद्योग पर अनिवार्य सीएसआर के प्रभाव का आकलन" (आ.प. सं. 2014-12-08)
- गोनकालो, जैक और कंडाथिल, जॉर्ज, "समूह कार्य निष्पादन के लिए शक्ति की दूरी में विश्वास और श्रेय" (आ.प. सं. 2015-02-06)
- गुप्ता, नारायण; दत्ता, गौतम और फुरेर, रॉबर्ट, "प्रक्रिया उद्योगों में सामरिक योजना के लिए एक बहु-अवधि के दो-चरणीय स्टोकेस्टिक प्रोग्रामिंग आधार पर निर्णय समर्थन प्रणाली : एकीकृत आयरन एंड स्टील कंपनी का एक केस" (आ.प. सं. 2014-04-04)
- गुप्ता, विशाल, "भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) और अन्तरंग पूंजीवाद : एक समीक्षा पेपर" (आ.प. सं. 2015-03-07)
- ह्यूबर, हंस, " हब-आधारित नेटवर्क विश्लेषण और अमेरिकी वायु परिवहन प्रणाली में परिवर्तन (एटीएस)" (आ.प. सं. 2014-05-02)

# ज

## अनुसंधान, केस लेखन परियोजनाएँ, तथा संगोष्ठी

- आयंगर, श्रीकांत और धोलकिया, रविंद्र एच., " क्या गुजरात में हेल्थकेयर का प्रदर्शन गैप सूचकांक से निर्धारित होता है" (आ.प. सं. 2014-05-03)
- जेकब, जोशी; देसाई, नमन और अगरवाला, शोभेश कुमार, 'क्या लेखा परीक्षा शुल्क के 4 बड़े प्रीमियम हमेशा बेहतर ऑडिट गुणवत्ता से संबंधित हैं? भारत के अनोखे लेखा परीक्षा बाजार से साक्ष्य' (आ.प. सं. 2015-03-10)
- जयकुमार, सरवाना; पिंगाली, विश्वनाथ और विरमानी, विनीत, 'क्या निवेशकों की नीतियाँ नास्तिक हैं?' (आ.प. सं. 2015-03-12)
- जैन, रेखा, "भारत के लिए इंटरनेट गवर्नेंस और प्रभाव के लिए एक मॉडल" (आ.प. सं. 2015-03-23)
- जैन, रेखा और रघुराम जी., "दूरसंचार क्षेत्र के सुधारों का सबक" (आ.प. सं. 2015-03-22)
- जैन, रेखा और सिंह, मंजरी, "ब्रिटेन और भारत में राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क के तुलनात्मक विश्लेषण के लिए एक फ्रेमवर्क" (आ.प. सं. 2015-03-29)
- जैन, रेखा और सिंह, मंजरी, "ज्ञान नेटवर्क की प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए एकीकृत ढांचा : नेटवर्क प्रदाताओं और उपयोगकर्ताओं की भूमिका" (आ.प. सं. 2015-03-27)
- जायसवाल, सचिन, "विभिन्न प्रकार के मरीज़ों के लिए सेवा स्तर की कमी के तहत आपातकालीन चिकित्सा सेवा प्रणाली डिजाइन" (आ.प. सं. 2014-11-04)
- जायसवाल, सचिन, "सेवा स्तर की कमी के तहत प्राथमिकता सेवा प्रणाली अनुकूलन" (आ.प. सं. 2014-08-04)
- जायसवाल, सचिन; विद्यार्थी, नवनीत और दास, साझिक, "कतारबद्ध देरी के कारण होती मिश्रित बैंडविड्थ पैकिंग समस्या के लिए एक कुशल समाधान दृष्टिकोण" (आ.प. सं.  2014-12-05)
- कंडाथिल, जॉर्ज, "प्रौद्योगिकी का गैर-किफायतीपन : डिजाइनर-उपयोगकर्ता-प्रौद्योगिकी तिकड़ी में राजनीतिक बातचीत की खोज" (आ.प. सं. 2014-12-06)
- कंडाथिल, जॉर्ज, "प्रौद्योगिकी आधारित परिवर्तन के दौरान संगठनों में सत्ता के संचालन का अध्ययन करने के लिए एकीकृत ढांचे का एक बहु परिप्रेक्ष्य" (आ.प. सं. 2015-02-05)
- कंडाथिल, जॉर्ज, "व्यवहार के अनुपालन से लेकर आंतरीकरण के मूल्यांकन तक : कर्मचारी के पूर्व समाजीकरण अभ्यस्त व्यवहार और संगठन के अपेक्षित कर्मचारी व्यवहार के बीच मेल की महत्वपूर्ण भूमिका" (आ.प. सं. 2015-02-04)
- कंडाथिल, जॉर्ज, "कर्मचारी की भागीदारी पर पुनः ध्यान केन्द्रित करते हुए : कल्पना और सनक की बहस से परे" (आ.प. सं. 2015-03-39)
- कंडाथिल, जॉर्ज, "समय के अर्थ को कौन ठीक करता है? भारत में एक पश्चिमी संगठन में एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग प्रौद्योगिकी के कार्यान्वयन के दौरान वैचारिक शक्ति का प्रयोग" (आ.प. सं. 2015-02-09)
- कंडाथिल, जॉर्ज, "काम की अधिकता और टेलिहोमवर्किंग : भारतीय आईटी सेक्टर के केस" (आ.प. सं. 2015-01-01)
- कंडाथिल, जॉर्ज; नेवेल, स्यू और एरिका वैगनर, "सामूहिक कार्रवाई फ्रेम और सामूहिक कार्रवाई निर्धारण के बीच सहभागिता : भारत स्थित बहुराष्ट्रीय कंपनी में ईआरपी अनुकूलन तलाश" (आ.प. सं. 2015-02-08)
- कर्ण, अमित; ताब, फ्लोरियन ए. और सोंदरेजर, पेट्रा, "आर्थिक भूगोल और नेटवर्क : क्लस्टर विकास में स्थानीय और गैर स्थानीय संबंधों की भूमिका" (आ.प. सं. 2014-12-01)
- कार्तिक, डी.; उपाध्यायुलु, राजेश और बसंत, राकेश "सामरिक पथ और जो विश्वप्रसिद्ध बनकर जन्मे उनका निष्पादन : भारतीय आईटी कंपनियों का एक अध्ययन" (आ.प. सं. 2015-03-36)
- कार्तिक, डी; जॉर्ज, रेजी और सिंगला, चित्रा, "अंतर्राष्ट्रीय विविधीकरण और कंपनी का प्रदर्शन : उत्पाद विविधीकरण के आकस्मिक प्रभाव" (आ.प. सं. 2015-03-32)
- केराई, अनीता  और शर्मा, सुनील, "व्यापार समूह की कंपनियों में नवप्रवर्तन : नेटवर्क विविधता का प्रभाव" (आ.प. सं. 2015-03-26)
- खानरा, अविजित, "बहु-उत्पाद से परितुष्ट अख़बार विक्रेता की समस्या के लिए एक कुशल स्व-अनुभव", (आ.प. सं. 2014-06-03)
- कुमार, विशाल और देवधर, सतीश वाय, "एड़ी से लेकर चोटी तक अच्छे से सजे-धजे, जूता चमकाने से लेकर जूता की लेस तक : पुरुषों के औपचारिक जूते में उत्पाद भेदभाव की बातों का महत्व" (आ.प. सं. 2014-12-04)

# ज

## अनुसंधान, केस लेखन परियोजनाएँ, तथा संगोष्ठी

- कुरैशी, सोनल और थॉमस, सुजो, "कारण संबंधित विपणन - एक भारतीय अवलोकन" (आ.प. सं. 2014-04-03)
- मल्होत्रा, पर्ल और सिंह, मंजरी, "अपनी टीम के सदस्यों के कैरियर में विकास के लिए मानव तथा सामाजिक पूंजी के टीम अग्रणियों को जोड़ना" (आ.प. सं. 2015-03-24)
- मॉरिस, सेबस्टियन, "पानी के अधिकार, संस्थागत डिजाइन और मूल्य निर्धारण में मुद्दे" (आ.प. सं. 2014-10-03)
- नायर, निशा और वोहरा, निहारीका, "कार्यस्थल में विविधता और समावेशन : अनुसंधान और दृष्टिकोण की एक समीक्षा" (आ.प. सं. 2015-03-34)
- नंदराम, बालगोबिन; भद्रा, धीमान और लियू, यीवेई, "स्तन कैंसर रोगियों के उपचार में नस्लीय मतभेदों का एक बेयेसियन विश्लेषण" (आ.प. सं. 2015-03-38)
- रघुराम जी. और दीपा, एस., "वस्तु एवं सेवा कर : परिचय प्रक्रिया" (आ.प. सं. 2015-03-01)
- रमन चरन्या और गुप्ता, विशाल, "कार्यजगत के लिए तैयारी : भारत में माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षा" (आ.प. सं. 2015-02-03)
- राव, हरीश वेंकटेश; दत्ता, गौतम और बसु, संकर्षन, "संपत्ति के लिए एक बहु-चरणीय स्टोकेस्टिक अनुकूलन आधारित निर्णय समर्थन प्रणाली के लिए डेटाबेस संरचना - एक जीवन बीमा कंपनी का देयता प्रबंधन" (आ.प. सं. 2014-06-02)
- राव, टी.वी.; सक्सेना, सिद्धार्थ सतीश; विजया शेरी चंद; नरेन्द्रन, राजेश्वरी; भारतन, कंडास्वामी और जाजू, बी. एच., "एमबीए को भर्ती करते समय नियोक्ता क्या मूल्यांकन करते हैं : प्रबंधन शिक्षा पाठ्यक्रम पुनर्संतुलन" (आ.प. सं. 2014-06-05)
- रॉय, देबजीत; शर्मा, अनुज; कुमार, आशीष और सौरभ, विवेक, "एक आपदा साइट से तेजी से निकासी के लिए स्थान की पहचान : केएपीएस से एक केस अध्ययन" (आ.प. सं. 2014-09-1)
- सरस, प्रत्यूष; सिंह, दिशा और मॉरिस, सेबस्टियन, "भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के स्रोतों के निर्धारक" (आ.प. सं. 2014-11-05)
- शर्मा, धीरज, "सुविधा स्टोर उद्योग में ग्राहकों की संतुष्टि और संरक्षण के इरादों पर सेवा की गुणवत्ता के प्रभाव की जाँच" (आ.प. सं. 2014-04-05)
- शर्मा, धीरज और चंदवानी, राजेश, "प्रौद्योगिकी के उपयोग और तनाव के पूर्ववृत्तों की तलाश" (आ.प. सं. 2015-03-41)
- शर्मा, मीनाक्षी, "भारतीय कंपनियों की वेबसाइटों पर आचार कथन" (आ.प. सं. 2014-05-01)
- शर्मा, सुनील, "प्रतिक्रिया की अनिश्चितता को व्याख्यायित करना" (आ.प. सं. 2015-03-21)
- शर्मा, सुनील, "उभरती अर्थव्यवस्थाओं से कंपनियों का अंतर्राष्ट्रीयकरण : एक संगठनात्मक संरचना से सीखना" (आ.प. सं. 2015-03-17)
- शर्मा, सुनील, "गठबंधनों में ज्ञान हस्तांतरण के लिए संगठन डिजाइन" (आ.प. सं. 2015-03-19)
- शर्मा, सुनील, "क्षमतागत विकास के लिए संसाधन आधारित दृष्टिकोण विषयों की प्रासंगिकता" (आ.प. सं. 2015-03-30)
- शर्मा, सुनील, 'व्यापक अनिश्चितता के तहत रणनीतिक निर्णय' (आ.प.सं. 2015-03-20)
- शर्मा, सुनील, "विनियमन के लिए रणनीतिक प्रतिक्रियाएँ : एक संस्थागत सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य" (आ.प. सं. 2015-03-18)
- सिंह, मंजरी और जैन, रेखा, "राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क के लिए संगठनात्मक तंत्र और उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थानों में इसके परिणामः जरूरतों और पारिस्थितिकी तंत्र की मध्यस्थता की भूमिका" (आ.प. सं. 2015-03-28)
- सिंह, सुखपाल, "भारत में कृषि व्यवसाय फ्रेंचाइज़िंग : अनुभव और क्षमता" (आ.प. सं. 2014-12-09)
- सिन्हा, पीयूष कुमार; थॉमस, सुजो और पटेल, रितेश, "भारत में कानूनी संरचना और लक्जरी वस्तुओं के बाजार की रूपरेखा : प्रतियोगी या प्रतिबंधात्मक विकास" (आ.प. सं. 2015-03-31)
- त्रिपाठी, संजीव और अग्रवाल, कोपल, "ओलंपिक गोल्ड के लिए गैर लाभकारी मार्ग पर एक अध्ययन" (आ.प. सं. 2015-03-03)
- त्रिपाठी, संजीव और कपूर, अंकुर, "उभरते बाजारों में सफल खेल लीग के संघटक" (आ.प. सं. 2015-03-02)
- तुरागा, राम मोहन आर., 'पर्यावरण संरक्षण के लिए अर्थव्यवस्था पर जन समर्थन का क्या लेना-देना है? भारत से साक्ष्य' (आ.प. सं. 2015-03-40)

# ज

## अनुसंधान, केस लेखन परियोजनाएँ, तथा संगोष्ठी

- उपाध्यायुलु, राजेश; कार्तिक, डी. और कर्ण, अमित, "उभरते बाजारों से ऑफ़शोरिंग सेवा प्रदाता के अंतर्राष्ट्रीयकरण में समूहों की भूमिका और प्रमाणन : भारतीय आईटी कंपनियों का एक अध्ययन" (आ.प. सं. 2015-03-35)
- वर्मा, जयंत आर. और विरमानी, विनीत, "डेरिवेटिव कॉन्टलिब का उपयोग करते हुए मूल्य निर्धारण : एक परिचय" (आ.प. सं. 2015-03-16)
- वत्स, अमित कुमार और घोष, दीप्तेश, "बहु-अवधि सुविधा स्थान के लिए निषिद्ध खोजें : सर्वरों की अनिश्चित संख्या के साथ अनधिकृत समस्या" ( आ.प. सं. 2014-11-03)
- वत्स, अमित कुमार और जायसवाल, सचिन, "सर्वर अनिश्चितता से बहु-अवधि सुविधा स्थान समस्या के लिए एक नया निर्माण और कोलाहलपूर्ण वियोजन" (आ.प. सं. 2015-02-07)
- वोहरा, निहारीका; नीलकंठन, निरंजना, नायर, निशा; प्रेमापुरी, प्रियंका; शर्मा, गीता और सोनपाल, दीपा, "बहिष्करण और समावेश की आम श्रेणियों में से कुछ पर परिप्रेक्ष्य" (आ.प.सं. 2015-03-33)
- चटर्जी, चिरंतन; क्युबो, केनसुके और पिंगाली, विश्वनाथ, 'भारतीय मौखिक एंटी-डायाबीटिक बाजार में पेटेंट संरक्षण, मूल्य निर्धारण और लाइसेंसिंग में कल्याण के परिणाम' इस वेबसाइट पर उपलब्ध : http://papers.ssrn.com/sol3/papers.cfm?abstract_id=2263128
- रॉय, देबजीत, फ्रंटेनर टर्मिनल संचालन का मॉडलिंग और डिजाइन", 2014, एसएसआरएन सार क्रमांक : 2458048, ईआरआईएम रिपोर्ट सीरीज संदर्भ सं. ईआरएस-2014-008-एलआईएस
- गारहगोज़ली, ए.एच., रॉय, देबजीत और कोस्तर, द आर., "समुद्र कंटेनर टर्मिनलः नई प्रौद्योगिकियाँ, या मॉडल, और उभरते अनुसंधान क्षेत्र", 2014, एसएसआरएन सार क्रमांकः 2469175, ईआरआईएम रिपोर्ट सीरीज संदर्भ सं. ईआरएस-2014-009 एलआईएस
- रॉय, देबजीत, गुप्ता, ए; पाड़ी, एस. और कोस्तर, द आर., "स्वचालित भारोत्तोलन वाहन के साथ एक समुद्री कंटेनर टर्मिनल में इष्टतम स्टेक लेआउट", 2014, एसएसआरएन सार क्रमांक : 2491023, ईआरआईएम रिपोर्ट सीरीज संदर्भ सं. ईआरएस-2014-012-एलआईएस
- मिश्रा, निशांत; रॉय, देबजीत, और जेन-कीस वैन ओमेरेन, "इंटर टर्मिनल कंटेनर परिवहन के लिए स्टोकेस्टिक मॉडल", ज्ञापन 2032 (दिसंबर 2013)। आईएसएसएन 1874? 4850। इस वेबसाइट से उपलब्ध - http://www.math.utwente.nl/publications
- चतुर्वेदी, वैभव; शुक्ला, प्रियदर्शी आर. और गणेशन, कार्तिक, "भारत में परमाणु ऊर्जा के दीर्घकालिक भविष्य के लिए जोखिम विचारों के प्रभाव : एक एकीकृत मूल्यांकन मॉडलिंग ढांचे के भीतर परमाणु ऊर्जा लागत का लगभग एक संवेदनशीलता विश्लेषण", सीईईडब्ल्यू आधार पत्र 2014/6, नई दिल्ली, अप्रैल (2014)
- शुक्ला, पी.आर.; धर, एस.; पाठक, एम और भास्कर, के, "इलेक्ट्रिक वाहन परिदृश्य और भारत के लिए एक रोडमैप" ऊर्जा, जलवायु और स्थायी विकास पर यूएनईपी आरआईएसओ केंद्र द्वारा प्रकाशित, डेनमार्क तकनीकी विश्वविद्यालय, आईएसबीएन : 978-87-931 30-22-7, नवंबर, 2014, पृ. 57
- श्रीराम, कार्तिक, ब्रायेसियन कोंटाइल प्रतिगमन के लिए एक सैंडविच संभावनारु (फरवरी 2015 में ऑनलाइन रखा गया आधार पत्र), लिंक : http://arxiv.org/abs/1502.06481
- फाबो, बी; वर्की, बीजू; कोरडे, आर., जिमिनेज़, आर., व्रेजइंडिकेटर और मोन्सटर इंडिया वेजइंडेक्स विश्लेषणात्मक रिपोर्ट - भारत; भारत में औपचारिक श्रम बाजार में मजदूरी और काम की शर्तेंरु एम्स्टर्डम, वेजइंडिकेटर फाउंडेशन, दिसम्बर 2014 (ऑनलाइन संदर्भ): http://www.wageindicator.org/main/Wageindicatorfoundation/publications/2015/wageindicator-monster-india-wageindex-analytical-report-india-february-2015
- वर्की, बीजू; कोरडे, रूपा और पाठक, स्वाति, "भारतीय औपचारिक क्षेत्र में बोनस का भुगतान : पेचेक भारत के आंकड़े से 2008-2014 तक के रुझान : नीदरलैंड, भारत : वेजइंडिकेटर डेटा रिपोर्ट, जनवरी 2015 (ईएन)
- फैबियो, बी; वर्की, बीजू और कोरडे, आर., (2014) वेजइंडेक्स विश्लेषणात्मक रिपोर्ट भारत; आईटी क्षेत्र में मजदूरी और काम करने की स्थिति। एम्स्टर्डम, वेजइंडिकेटर फाउंडेशन, अप्रैल 2014 (ईएन)
- चटर्जी, चिरंतन; क्युबो, केनसुके और पिंगाली, विश्वनाथ, 'भारतीय मौखिक एंटि-डायाबीटिक बाजार में पेटेंट संरक्षण, मूल्य निर्धारण और लाइसेंसिंग में कल्याण के परिणाम' (ऑनलाइन संदर्भ : http://papers.ssrn.com/sol3/papers.cfm?abstract_id=2263128)

# ज

## अनुसंधान, केस लेखन परियोजनाएँ, तथा संगोष्ठी

- ला फ़ोर्जिया, जेरार्ड; राहा, शोमिको; शेख, शब्बीर; माहेश्वरी, सुनील कुमार और अली, राबिया, "भारत की सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं में समानांतर व्यवस्था और मानव संसाधन प्रबंधन : अग्रपंक्ति से एक दृश्य (अंग्रेजी)"
- जैन, रेखा, 'उभरती अर्थव्यवस्थाओं में राष्ट्रीय ब्रॉडबैंड की तैनाती में सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के लिए उपयुक्त भूमिकाओं की पहचान के लिए रूपरेखा : भारत की राष्ट्रीय ब्रॉडबैंड योजना' टीपीआरसी 42 में प्रस्तुत आधार पत्र : संचार, सूचना और इंटरनेट नीति पर 42वां अनुसंधान सम्मेलन, अर्लिंगटन, 12-14 सितंबर, 2014 (ऑनलाइन संदर्भ : एसएसआरएन : http:// ssrn.com / abstract=2418442)

### अनुसंधान एवं प्रकाशन समिति द्वारा आयोजित अनुसंधान संगोष्ठियाँ

| वक्ता | विषय | तारीख | क्षेत्र |
|---|---|---|---|
| **डॉ. तुशी बाउल**<br>न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय<br>अबु धाबी | क्या व्यवसाय के चयन को अनैतिक व्यवहार प्रभावित करता है : सार्वजनिक बनाम निजी? | 24 अप्रैल 2014 | अर्थशास्त्र |
| **डॉ. जेम्स सी हेयटन**<br>वारविक बिजनेस स्कूल ब्रिटेन | प्रमुख पत्रिकाओं में प्रकाशन | 28 अप्रैल 2014 | अनुसंधान एवं प्रकाशन |
| **डॉ. राधेन्दुष्का श्रीवास्तव**<br>भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुंबई | स्पेक्ट्रम आकलन और उच्च आयामी डेटा की कुछ नई तकनीकें | 28 अप्रैल 2014 | उत्पाद एवं मात्रात्मक तरीके |
| **डॉ. सिद्धार्थ एस. पाढ़ी**<br>ईटीएच ज्यूरिख<br>स्विट्जरलैंड | सांठगांठ के प्रभाव को कम करने के लिए नीलामी मानदंडों का इष्टतम डिजाइन | 29 अप्रैल 2014 | उत्पाद एवं मात्रात्मक तरीके |
| **प्रोफ़ेसर शैलेंद्र मेहता**<br>भारतीय प्रबंधन संस्थान<br>अहमदाबाद | प्रबंधकीय और निवेशक व्यवहार, झूठे मूल्य और विलय की लहरें : एक सिमुलेशन | 1 मई 2014 | व्यापार नीति |
| **प्रोफ़ेसर विजय मोदी**<br>कोलम्बिया विश्वविद्यालय<br>अमेरीका | क्या नवप्रवर्तन से उद्यमियों को मदद मिल सकती है और गरीबों के लिए सेवा प्रदान करने में सक्षम हो सकते हैं? | 28 मई 2014 | अनुसंधान एवं प्रकाशन |
| **प्रोफ़ेसर शुभज्योति बंदोपाध्याय**<br>फ्लोरिडा विश्वविद्यालय<br>फ्लोरिडा | नेट तटस्थता पर नीतिगत प्रभाव : एक आर्थिक परिप्रेक्ष्य | 12 जून 2014 | अनुसंधान एवं प्रकाशन |
| **डॉ. नंदिनी चटर्जी सिंह**<br>राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र, भारत | मस्तिष्क को जानना | 13 जून 2014 | अनुसंधान एवं प्रकाशन |
| **डॉ. आशीष जलोटे परमार**<br>अहमदाबाद विश्वविद्यालय | नए उत्पाद को बढ़ावा देने वाले महत्वपूर्ण कारकों में से एक के रूप में डिजाइन थिंकिंग - चिकित्सकों के लिए इंट्रा-ऑपरेटिव निर्णय समर्थन प्रणाली का एक केस | 23 जून 2014 | व्यापार नीति |
| **प्रोफ़ेसर एम.एस. श्रीराम**<br>भारतीय प्रबंधन संस्थान बेंगलुरु | "बहुत छोटा भी गिना जायेगा : निवेश और समावेशन" | 23 जून 2014 | वित्त एवं लेखा |
| **डॉ. टी. एस. रंगन**<br>रुपाजन मैनेजमेंट कंसल्टिंग लिमिटेड, चेन्नई | अनुपालन कार्यक्रम के रूप में ही केवल कॉर्पोरेट गवर्नेंस को बनाने के बजाय भारतीय कॉर्पोरेट को शासन के सूचकों का कैसे लाभ उठाना चाहिए | 24 जून 2014 | व्यापार नीति |
| **सुश्री निहारिका गरुड़**<br>भारतीय प्रबंधन संस्थान<br>बेंगलुरु | नए उत्पाद विकास में उपकरण (ब्रिकोलाज) की समझ : अभिनव व्यवहार और राजनैतिक कौशल की भूमिका | 3 जुलाई 2014 | संगठनात्मक व्यवहार |

# ज

## अनुसंधान, केस लेखन परियोजनाएँ, तथा संगोष्ठी

| वक्ता | विषय | तारीख | क्षेत्र |
|---|---|---|---|
| **प्रोफ़ेसर रतुल लाहकर**<br>अर्थशास्त्र विभाग, अशोक विश्वविद्यालय, कुंडली, हरियाणा | आकांक्षा, सीखना और सामाजिक परिवर्तन | 8 जुलाई 2014 | अनुसंधान एवं प्रकाशन |
| **सुश्री अंकिता टंडन**<br>भारतीय प्रबंधन संस्थान कोझिकोड | सीमा गतिशीलता और बिचौलिया ज्ञान : सामाजिक उद्यम में संगठनात्मक शिक्षा की तलाश। | 14 जुलाई 2014 | संगठनात्मक व्यवहार |
| **डॉ. शुभ्रा हजेला**<br>टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान हैदराबाद | भीतर बैठा दानव : डिप्रेशन के वर्णनों की समझ | 15 जुलाई 2014 | संगठनात्मक व्यवहार |
| **डॉ. संकेत महापात्र**<br>विश्व बैंक | सार्वभौम और उप-सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग : छलकते प्रभाव की पुनःजाँच | 15 जुलाई 2014 | अर्थशास्त्र |
| **श्री ऋत्विक बनर्जी**<br>आर्हस विश्वविद्यालय, डेनमार्क | "भ्रष्टाचार, नियमों का उल्लंघन और सामाजिक पूंजी का क्षय" का संक्षेप | 21 जुलाई 2014 | अर्थशास्त्र |
| **डॉ. सीमंथी बंदोपाध्याय** | वित्तीय स्थिति और अंतर्राष्ट्रीय स्थानांतरण : दक्षता के आधार पर एक दृष्टिकोण। | 22 जुलाई 2014 | सार्वजनिक प्रणाली समूह |
| **प्रोफ़ेसर नवनीत विद्यार्थी**<br>कोनकोर्डिया विश्वविद्यालय कनाडा | रक्ताधिक्य के तहत निवारक स्वास्थ्य सुविधा नेटवर्क के डिजाइन पर निर्देशित पसंद का प्रभाव | 24 जुलाई 2014 | अनुसंधान एवं प्रकाशन |
| **डॉ. चितवन त्रिवेदी**<br>कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय इर्विन | सामाजिक उद्यमिता : पर्यावरण चेतना और सामूहिक प्रक्रियाएँ। | 30 जुलाई 2014 | संगठनात्मक व्यवहार |
| **डॉ. अंकुर सिन्हा**<br>आल्टो व्यवसाय स्कूल विश्वविद्यालय हेलसिंकी, फिनलैण्ड | द्विस्तरीय अनुकूलन : अनुप्रयोग और तरीके | 1 अगस्त 2014 | उत्पाद एवं मात्रात्मक तरीके |
| **डॉ. रोहित जोशी** | स्मार्ट समाज के लिए वास्तविक समय डाटा इंटेलिजेंस | 18 अगस्त 2014 | सूचना प्रणाली |
| **डॉ. श्यामान्तक भट्टाचार्य**<br>प्लायमाउथ विश्वविद्यालय यूके | कॉर्पोरेट स्वतंत्रता की लहर का संचालन : कामगार रोजगार और कार्यस्थल स्वस्थता प्रथाओं और समुद्री तथा डॉक क्षेत्रों में सुरक्षा के प्रबंधन के तरीकों पर एक तुलनात्मक अध्ययन | 19 अगस्त 2014 | अनुसंधान एवं प्रकाशन |
| **श्री आशीष खन्ना**<br>विश्व बैंक | भारत को अधिक बिजली : बिजली वितरण की चुनौती | 21 अगस्त 2014 | अनुसंधान एवं प्रकाशन |
| **प्रोफेसर सुभाष झा**<br>भारतीय संस्थान प्रबंधन उदयपुर | अतिशयोक्तिपूर्ण विज्ञापित संदर्भ की कीमतों की प्रभावशीलता : निर्णय लेने में समय के दबाव की भूमिका | 22 अगस्त 2014 | अनुसंधान एवं प्रकाशन |
| **प्रोफ़ेसर रमेश बोल्लप्रगदा**<br>सैन फ्रांसिस्को स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए | सैन फ्रांसिस्को खाड़ी क्षेत्र में पुलों पर फास्टट्रैक (इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रहण प्रणाली) के उपयोग में भारी उछाल : यातायात की भीड़ से राहत, और उत्पादकता में सुधार लाने में ओ.आर. मॉडल का प्रभाव | 2 सितम्बर 2014 | अनुसंधान एवं प्रकाशन |

# ज

## अनुसंधान, केस लेखन परियोजनाएँ, तथा संगोष्ठी

| वक्ता | विषय | तारीख | क्षेत्र |
|---|---|---|---|
| **प्रोफ़ेसर के. आर. सुब्रमण्यम**<br>दक्षिणी कैलिफोर्निया, विश्वविद्यालय, सीए | क्या भविष्य के शेयर विकल्पों में उम्मीद के मुताबिक पैटर्न की कीमत लाभ करती है? लेखा विसंगतियों से साक्ष्य | 25 सितंबर 2014 | अनुसंधान एवं प्रकाशन |
| **श्री एड फॉरेस्ट**<br>जीवन शिक्षा, संयुक्त राज्य अमेरिका | ग्रामीण राजस्थान में एक अभिनव कार्रवाई रिसर्च स्कूल के माध्यम से समुदाय परिवर्तन और समग्र विकास | 13 अक्टूबर 2014 | अनुसंधान एवं प्रकाशन |
| **श्री बरजोर मेहता**<br>विश्व बैंक | दक्षिण एशिया में शहरीकरण का इस्तेमाल : भावी शहरी विकास और बदलाव का प्रबंधन | 15 अक्टूबर 2014 | अनुसंधान एवं प्रकाशन |
| **श्री अर्नब भट्टाचार्य**<br>भारतीय प्रबंधन संस्थान कोलकाता | "भारतीय आईपीओ के लिए माध्यमिक बाजार में सम्पत्ति के विकास में खुदरा निवेशकों की भागीदारी की भूमिका" | 15 अक्टूबर 2014 | वित्त एवं लेखा |
| **श्री शिव मणि**<br>संघीय ऊर्जा नियामक आयोग, संयुक्त राज्य अमेरिका | परिपक्व विद्युत प्रणाली में और उसे विकसित करने में बाजार आधारित माइक्रोग्रिड की संभावना | 17 अक्टूबर 2014 | अनुसंधान एवं प्रकाशन |
| **प्रोफ़ेसर शाहरूख एम. सौदागरन**<br>वाशिंगटन टकोमा विश्वविद्यालय | पहले की निगम सामाजिक दायित्व गतिविधियों का आर्थिक प्रभाव : अनुसंधान सबूत की समीक्षा और संश्लेषण | 21 अक्टूबर 2014 | अनुसंधान एवं प्रकाशन |
| **श्री वरुण सूद**<br>फोर्टिस हेल्थकेयर<br>श्री विजय सेठी<br>हीरो मोटोकॉर्प. लिमिटेड<br>श्री प्रकाश परांजपे आइडिया सेल्युलर<br>श्री नितिन शर्मा रेकेम आरपीजी | सीआईओ कॉन्क्लेव | 2 नवम्बर 2014 | सूचना प्रणाली |
| **प्रोफ़ेसर इसरार कुरैशी**<br>हांगकांग पॉलिटेक्निक यूनिवर्सिटी | चौपाल में वीडियो : आईसीटी, सामाजिक प्रथाएं, और ज्ञान हस्तांतरण | 5 नवम्बर 2014 | अनुसंधान एवं प्रकाशन |
| **डॉ. महेंद्र राज**<br>इंस्टीटयूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी दुबई | "फंड क्षमता और रेटिंग के बीच रिश्ते की एक जाँच" | 13 नवम्बर 2014 | वित्त एवं लेखा |
| **प्रोफ़ेसर सेबेस्टियन मॉरिस**<br>भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद | जल अधिकार, संस्थागत डिजाइन और मूल्य निर्धारण की समस्याओं में संकल्प की जरूरत है | 03 दिसंबर 2014 | अनुसंधान एवं प्रकाशन |
| **प्रोफ़ेसर मुदित कपूर**<br>भारतीय व्यवसाय स्कूल, हैदराबाद | राजनीति में महिलाओं की प्रतिभागित इतनी कम क्यों? भारत से साक्ष्य | 4 दिसंबर 2014 | अनुसंधान एवं प्रकाशन |
| **प्रोफ़ेसर सौतीर बंद्योपाध्याय**<br>लीहाई विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका | बड़े स्थानिक डेटा के लिए सांख्यिकी | 9 दिसंबर 2014 | अनुसंधान एवं प्रकाशन |

# ज

## अनुसंधान, केस लेखन परियोजनाएँ, तथा संगोष्ठी

| वक्ता | विषय | तारीख | क्षेत्र |
|---|---|---|---|
| **सुश्री स्मिता मिश्रा**<br>विश्व बैंक | भारत में ग्रामीण जल और स्वच्छता : उपलब्धियां और चुनौतिया | 11 दिसंबर 2014 | अनुसंधान एवं प्रकाशन |
| **प्रोफ़ेसर पृथ्वीराज नाथ**<br>ईस्ट एंग्लिया विश्वविद्यालय, ब्रिटेन | ई-स्टोर गुण और वेबसाइट का उपयोग : दलों और संतुष्टों के बीच मतभेद की खोज | 22 दिसंबर 2014 | अनुसंधान एवं प्रकाशन |
| **प्रोफ़ेसर शिव नाथन**<br>जॉर्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए | वित्तीय विश्लेषक : जब कोई एक पद्धति बदतर हो | 23 दिसंबर 2014 | अनुसंधान एवं प्रकाशन |
| **डॉ. निकोलाओस** पापाजोर्जियादिस<br>लिवरपूल विश्वविद्यालय, ब्रिटेन | अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट प्रणाली सामर्थ्य 1998-2011 | 24 दिसंबर 2014 | अनुसंधान एवं प्रकाशन |
| **प्रोफ़ेसर वी.जी. नारायणन**<br>हार्वर्ड बिजनेस स्कूल, संयुक्त राज्य अमेरिका | अंतर-संगठनात्मक सेटिंग में नियंत्रण | 26 दिसंबर 2014 | अनुसंधान एवं प्रकाशन |
| **प्रोफेसर विश्वनाथ पिंगाली**<br>भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद | सीएसआर खर्च में प्रस्तुतीकरण | 31 दिसंबर 2014 | अनुसंधान एवं प्रकाशन |
| **प्रोफ़ेसर सुरेश राधाकृष्णन**<br>टेक्सास विश्वविद्यालय, डलास | सीएसआर पर रिसर्च के आर्थिक आधार | 5 जनवरी 2015 | अनुसंधान एवं प्रकाशन |
| **प्रोफ़ेसर सुरेश राधाकृष्णन**<br>टेक्सास विश्वविद्यालय, डलास | अच्छा शोध करना | 6 जनवरी 2015 | अनुसंधान एवं प्रकाशन |
| **डॉ मुकेश सूद**<br>फेयरफील्ड विश्वविद्यालय | उद्यमिता : सामाजिक, आवश्यकता एवं संस्थागत | 8 जनवरी 2015 | व्यापार नीति |
| **श्री बिन्दु एन.लोहानी**<br>एशियाई विकास बैंक | नवप्रवर्तन और रचनात्मकता : एशिया और प्रशांत क्षेत्र में ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्थाओं का निर्माण | 10 जनवरी 2015 | अनुसंधान एवं प्रकाशन |
| **डॉ. अनिल के. तुरिमेला** | सिस्टम के लिए आवश्यकताएँ, निर्णय समर्थन, अनुभवजन्य तरीके और सिस्टम के लिए उपकरण | 20 जनवरी 2015 | सूचना प्रणाली |
| **श्री अनिंद्य चक्रवर्ती**<br>बोस्टन यूनिवर्सिटी | "अस्थिरता का वैश्वीकरण" | 20 जनवरी 2015 | अर्थशास्त्र |
| **डॉ. देवराज बसु**<br>स्ट्रेथक्लाइड बिजनेस स्कूल, स्कॉटलैंड | कमोडिटी बाजार का वित्तीयकरण | 21 जनवरी 2015 | अनुसंधान एवं प्रकाशन |
| **डॉ. पृथा देव**<br>इंस्टीट्यूटो तेकनोलोजिको ओतोनोमो दे मेक्सिको | लागत साझा करने के साथ एक नेटवर्क गठन खेल में समूह की पहचान | 22 जनवरी 2015 | अर्थशास्त्र |
| **सुश्री आकांक्षा जालान**<br>भारतीय प्रबंधन संस्थान बंगलौर | "ऋण, दिवालियापन जोखिम और कॉर्पोरेट टैक्स को आश्रय" | 10 फ़रवरी 2015 | वित्त एवं लेखा |

# ज

## अनुसंधान, केस लेखन परियोजनाएँ, तथा संगोष्ठी

| वक्ता | विषय | तारीख | क्षेत्र |
|---|---|---|---|
| **डॉ. अनीश सुगाथन**<br>हार्वर्ड केनेडी व्यापार एवं राज्य केंद्र स्कूल | टैक्स प्रेरित अंतर्राष्ट्रीय लाभ स्थानांतरण पर शासन अवसंरचना तथा निगम शासन का प्रभाव | 11 फ़रवरी 2015 | व्यापार नीति |
| **प्रोफ़ेसर वी. एस. चंद्रशेखर**<br>पम्मी,इलाहाबाद विश्वविद्यालय | संभावना सिद्धांत का तांत्रिक अर्थतंत्र | 12 फ़रवरी 2015 | अनुसंधान एवं प्रकाशन |
| **डॉ. लक्ष्मी के. राउत**<br>सामाजिक सुरक्षा प्रशासन, संयुक्त राज्य अमेरिका | शिक्षा और आर्थिक विकास में वैश्वीकरण, गुणवत्ता और असमानता : भारतीयों के लिए चीन से सबक | 12 फ़रवरी 2015 | अनुसंधान एवं प्रकाशन |
| **श्री शरद सक्सेना**<br>आईसीआईसीआई बैंक | बैंकों में प्रौद्योगिकी जोखिम प्रबंधन | 16 फ़रवरी 2015 | अनुसंधान एवं प्रकाशन |
| **प्रोफ़ेसर टी.टी. निरंजन**<br>भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई | अप्रयुक्त ऑर्डरों का डिस्काउंट करने के कारण भारत में आपूर्ति श्रृंखला ऑर्डर में मुद्रास्फीति | 17 फ़रवरी 2015 | उत्पाद एवं मात्रात्मक तरीके |
| **श्री सौमोजीत कुमार**<br>भारतीय प्रबंधन संस्थान कोलकाता | उत्पाद लाइन के निर्णय के लिए गणितीय प्रोग्रामिंग : एक एकीकृत दृष्टिकोण | 18 फ़रवरी 2015 | उत्पाद एवं मात्रात्मक तरीके |
| **श्री ध्रुव गुप्ता**<br>आईपीएस | नक्सलवाद पर एक आर्थिक विश्लेषण | 19 फ़रवरी 2015 | अनुसंधान एवं प्रकाशन |
| **डॉ. मनजेश कुमार हानवल** | एक गैर तटस्थ नेटवर्क में मूल्य नियंत्रण | 23 फ़रवरी 2015 | सूचना प्रणाली |
| **डॉ. रामगोपाल अग्रवाल**<br>पहले इंडिया फाउंडेशन, भारत | भारत 2050 : स्थायी समृद्धि के लिए एक रोडमैप | 26 फ़रवरी 2015 | अनुसंधान एवं प्रकाशन |
| **प्रोफ़ेसर तपन बागची**<br>केआईआईटी विश्वविद्यालय | इसरो के लिए अंतरिक्ष यान कार्य निर्धारण का समर्थन - संचालन प्रबंधन में एक चुनौती | 27 फ़रवरी 2015 | उत्पाद एवं मात्रात्मक तरीके |
| **डॉ. प्रबीर नियोगी**<br>कार्लटन विश्वविद्यालय | मोबाइल संचार और राष्ट्रीय ब्रॉडबैंड रणनीतियाँ : परिप्रेक्ष्य, सबक, मुद्दे, और चुनौतियाँ | 10 मार्च 2015 | सूचना प्रणाली |
| **डॉ. पूर्णिमा वर्मा**<br>भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद | भारतीय चावल निर्यातकों का मूल्य भेदभाव तथा मूल्य निर्धारण के लिए बाजार व्यवहार : बासमती तथा गैर-बासमती चावल के लिए अनुभवजन्य साक्ष्य | 11 मार्च 2015 | अनुसंधान एवं प्रकाशन |
| **डॉ. आशीष जलोटे परमार**<br>भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद | सामुदायिक स्वास्थ्य वितरण प्रणाली में नवप्रवर्तन के लिए डिजाइन सोच की भूमिका : मातृ मृत्यु दर को कम करने के लिए ग्रामीण सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के लिए आईसीटी आधारित मोबाइल एप्लिकेशन का एक केस | 25 मार्च 2015 | अनुसंधान एवं प्रकाशन |
| **डॉ. कुशांकुर डे**<br>भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद | क्या भारत में किसान वायदा बाजार को अपनाते है? एक क्षेत्र आधारित प्रयोग (प्रथम चरण) | 31 मार्च 2015 | अनुसंधान एवं प्रकाशन |

# झ

## प्रकाशन

### पुस्तकें

डी'क्रूज़, प्रेमिला, कार्यस्थल पर गैरव्यक्तिगत धमकी : सबूत से अवधारणा तक, न्यूयॉर्क : स्प्रिंगर, 2015

कंडाथिल, जॉर्ज, संगठनात्मक परिवर्तन में कर्मचारी की भागीदारी के विरोधाभास : एनसीजेएम में परिवर्तन के प्रयास एक भारतीय औद्योगिक सहकारी समिति। न्यू यॉर्क : लेक्सिंगटन पुस्तकें, 2015

कौल, आशा, प्रभावी व्यापार संचार, द्वितीय संस्करण, नई दिल्ली : भारतीय अप्रेंटिस हॉल, 2015

कृष्णमूर्ति, नागराजन, और रविचंद्रन, एन. (संपा.) संचालन अनुसंधान पर उन्नत कार्यशाला तथा ट्यूटोरियल की कार्यवाही, एडब्ल्यूटीओआर 2012, नई दिल्ली : अलाइड पब्लिशर्स प्रा. लि., 2014

पाठक, अखिलेश्वर और गोडियावाला, सावन, व्यापार कराधान, तीसरा संस्करण, नई दिल्ली : मैकग्रा-हील एज्यूकेशन (आई) प्राइवेट लिमिटेड, 2014

पाठक, अखिलेश्वर, व्यापार के कानूनी पहलू, छठा संस्करण, नई दिल्ली : मैकग्रा-हील एज्यूकेशन (आई) प्राइवेट लिमिटेड, 2014

शर्मा, धीरज, सेना से नेतृत्व सबक, नई दिल्ली : सेज पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड, 2014

शुक्ला, पी.आर.; गर्ग, अमित और धोलकिया, हेम, भारत के लिए ऊर्जा उत्सर्जन रुझान और नीति परिदृश्य, नई दिल्ली : अलाइड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, 2015

सिंह, सुखपाल सिंह, तरुणवीर, भारत में निर्माता कंपनियाँ : संगठन और प्रदर्शन, नई दिल्ली : अलाइड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, 2014

सुब्रमण्यन, टी.एस.आर.; पाई, टी.वी.एम.; वाजपेयी, जी.एन.; धोलकिया, रवीन्द्र एच.; शर्मा, आर.एस.; गोयल, एल.सी.; गर्ग, राकेश; बनर्जी, कावेरी और वासुमित्र, ग्रामीण भारत को सशक्त बनाते हुए, डाकघर नेटवर्क के लाभ पर टास्क फोर्स की रिपोर्ट; नई दिल्ली : संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली, 2014 (http://indiapost.gov.in)

### व्यावसायिक पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख

अग्रवाल, योगेश और वेंकटेशन, प्रहलाद, "साझा-संरक्षण मार्ग के साथ जीवनयोग्य नेटवर्क डिजाइन," आपरेशनल रिसर्च का यूरोपीय जर्नल, 238 (2014), 836-845

आद्य, सुमंत; बंद्योपाध्याय, तथागत और चटर्जी, गौरांगदेब, "पी-स्प्लिन का उपयोग करके परिमित जनसंख्या वितरण संचालन के आकलन" कलकत्ता सांख्यिकीय एसोसिएशन बुलेटिन, 66 (2014), 161-192

एयरोन, प्रगीत और जैन, रेखा, 'भारत में उत्पाद आधारित दूरसंचार स्टार्ट-अप के बीच तकनीकी क्षमता पर एक अध्ययन : तकनीकी पढ़ाई और ब्रिकोलाज (उपकरण) की भूमिका', तकनीकी शिक्षा, नवप्रवर्तन और विकास की अंतरराष्ट्रीय जर्नल (इस लिंक पर उपलब्ध है : http://www.inderscience.com/info/ingeneral/forthcoming.php?jcode=ijtlid)

अग्रवाल, अनुराग के., "कॉर्पोरेट गवर्नेंस : विश्वासाश्रित ड्यूटी की व्याख्या में बदलते रुझान", विकल्प, 39, 3 (जुलाई-सितंबर 2014), 1-12

अग्रवाल, अनुराग के., "पुलिस और कानून का शासन : भारत में हाल के घटनाक्रम," एनपीए आपराधिक कानून समीक्षा, 1, 1 (2014), 61-88

अग्रवाल, प्रोमिला, "अपनी कंपनी के लिए कार्य-प्रदर्शन प्रबंधन प्रणाली तैयार करना" मानव संसाधन प्रबंधन इंटरनेशनल डाइजेस्ट, 22 (2014), 33-35

अग्रवाल, प्रोमिला, "संगठनात्मक परिणामों पर संगठनात्मक जलवायु शक्ति की मध्यस्थता का प्रभाव" एप्लाइड मनोविज्ञान की भारतीय अकादमी जर्नल , 41 (दिसंबर-जनवरी 2015), 71-76

# झ

## प्रकाशन

अगरवाला, शोभेश कुमार; बरुआ, एस.के.; जेकब, जोशी और वर्मा, जयंत आर., "शहरी भारत में काम कर रहे युवाओं में वित्तीय साक्षरता," विश्व विकास, 67, 100 (2015), 101-109

अगरवाला, शोभेश कुमार; जेकब, जोशी और पांडे, अजय, "मूल्य खोज पर कॉल ऑक्शन की शुरूआत के प्रभाव : उच्च आवृत्ति डेटा का उपयोग कर भारतीय शेयर बाजार से साक्ष्य," अंतरराष्ट्रीय वित्तीय विश्लेषण समीक्षा 39 (2015), 167-178

बातिनी, धर्म राजू और वोहरा, निहारीका, "स्वेच्छापूर्ण सेवा : व्यक्तिगत स्तर के मनोवैज्ञानिक परिवर्तकों की भूमिका," विकल्प, 39, 2 (अप्रैल-जून 2014), 113-126

बत्रा, सफल; शर्मा, सुनील; दीक्षित, एम.आर. और वोहरा, निहारीका, "एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था की संसाधन सीमित एसएमई में सामरिक झुकाव और नवप्रवर्तन," उद्यमिता जर्नल , 21,1 (2015), 17-36

बत्रा, सफल; शर्मा, सुनील; दीक्षित, एम.आर.; वोहरा, निहारीका और गुप्ता, विशाल कुमार, "विनिर्माण एसएमई के लिए उद्योग उपयुक्तता के प्रदर्शन निहितार्थ : प्रौद्योगिकी अभिविन्यास की भूमिका," विनिर्माण प्रौद्योगिकी प्रबंधन जर्नल, 26, 5 (2015), 660-677

बीएल, डेविड और नोरोन्हा, अर्नेस्टो, "एक निरंकुश राजनीतिक माहौल में भारतीय पब्लिक सेक्टर ट्रेड यूनियनवाद : गुजरात का विशिष्ट केस" कैपिटल और क्लास, 38, 3 (अक्टूबर 2014), 517-539

बीएल, डेविड और नोरोन्हा, अर्नेस्टो, "संदर्भ में भारतीय पब्लिक सेक्टर ट्रेड यूनियनवाद : गुजरात और पश्चिम बंगाल की तुलना," कन्टेम्परारी एशिया जर्नल , 45,1 (2015), 113-138

बिस्वास, ए.; दत्ता, एस.; लाहा, ए.के. और बख्शी, पी., "परिपत्र डेटा के लिए प्रतिक्रिया-अनुकूलित आवंटन," बायोफर्मासिटिकल सांख्यिकी जर्नल , 25 (2015), 830-842

बलसारा, हेमन्तकुमार पी.; चंदवानी, ज्योति और गाँधी, शैलेश, "भारत में महिला उद्यमिता और नवप्रवर्तन : एक खोजपूर्ण अध्ययन," नवप्रवर्तन इंटरनेशनल जर्नल, 1, 1 (2014), 32-44

बलसारा, हेमन्तकुमार पी.; चंदवानी, ज्योति और गाँधी, शैलेश, "भारत में महिला उद्यमशीलता : क्रिएटिव बी का एक केस स्टडी" नेतृत्व और संगठनात्मक प्रभावशीलता जर्नल, 2, 5 (2014), 22-37

बलसारा, हेमन्तकुमार पी.; चंदवानी, ज्योति और गाँधी, शैलेश, "भारत में महिला उद्यमिता : रिंक के क्रिएशन्स पर एक केस स्टडी," यूरोपीय व्यापार और प्रबंधन जर्नल, 6, 34 (2014), 124-133

बलसारा, हेमन्तकुमार पी.; चंदवानी, ज्योति; गाँधी, शैलेश और मिनिआउवी, हेला, "भारत, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, चीन, युगांडा और रूस में महिलाओं की उद्यमिता के लिए समर्थन प्रणाली : एक तुलनात्मक अध्ययन," मैन इन इंडिया, 94, 4 (भाग-द्वितीय 2014), 879-913

बलसारा, हेमन्तकुमार पी.; गाँधी, शैलेश और चंदवानी, ज्योति, "भारत में महिलाओं की उद्यमशीलता : भावना किकला की डिजाइन्ज बुटीक का एक केस अध्ययन," अर्थशास्त्र, वाणिज्य एवं प्रबंधन का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल , 2, 6 (2014), 1-14

कारानोआ, आन्द्रे एल.; पासुर्बे, जेनिफर ए.; रॉय, देबजीत और तोर्न, ब्रायन के., 'कार्बन उत्सर्जन के प्रभाव के आधार पर रंगपट्टीका प्रबंधन रणनीति का चयन' उत्पादन अर्थशास्त्र इंटरनेशनल जर्नल 164 (जून 2015), 258-270 (ओनलाइन संदर्भ : **DOI : 10.1016//j.ijpe.2014.09.037)**

छाबड़ा, ए.; राव, एम.वी.; हेर्मोन, आर.आर.; गर्ग, अमित.; नाग, टी.; राव, बी. एन.; शर्मा, ए. और परिहार, जे. एस., 'क्षेत्र, सहायक, और भू-स्थानिक डेटा का उपयोग करके एक भारतीय अर्द्ध-शुष्क ग्रामीण पारिस्थितिकी तंत्र का ऊर्जा संतुलन।' एग्री खोज जर्नल, 2,1 (2015), 28-32

डी'क्रूज़, प्रेमिला और नोरोन्हा, अर्नेस्टो, "प्रौद्योगिकी और ग्राहक साइबर धमकियों के बीच आमना-सामना : भारत से साक्ष्य," सूचना और संगठन, 24 (2014), 176-193

# झ

## प्रकाशन

देसाई, भूपत एम.; डिसूजा, एरोल और नंबूदिरी, एन.वी., "खाद्य सब्सिडी : अवधारणा, दलील, कार्यान्वयन डिजाइन और नीतिगत सुधार," आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक , 49, 52 (27 दिसंबर 2014), 36-44

धर, एस. और शुक्ला, पी.आर., ॠभारत में परिवहन के लिए कम कार्बन परिदृश्य : सहकारी लाभ का विश्लेषण,रु ऊर्जा नीति, 2014 (ऑनलाइन संदर्भ : http://dx.doi.org/10.1016/ j.enpol. 2014.11.026i)

धोलकिया, हेम; भद्रा धीमान और गर्ग, अमित, "पाँच भारतीय शहरों में तापमान द्वारा परिवेशी वायु प्रदूषण तथा मृत्यु दर एवं संशोधन के बीच अल्पावधि संबंध," पर्यावरण वायुमंडलीय, 99 (2014), 168-174

धोलकिया, रवींद्र एच. और सप्रे, ए., "गुजरात और भारतीय कृषि में व्यापार की अंतर-क्षेत्रीय शर्तें तथा कुल आपूर्ति की प्रतिक्रिया," मात्रात्मक अर्थशास्त्र जर्नल, 12, 2 (जुलाई 2014), 60-75

धोलकिया, रवींद्र एच., "बदलते आर्थिक परिवेश में लक्ष्यों और प्राथमिकताओं से निपटना," योजना, 58 अगस्त (2014), 10-14

धोलकिया, रवींद्र एच., "भारत में लागत और अवस्फीति नीति का लाभ," आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक, 49, 28 (12 जुलाई, 2014), 165-169

धोलकिया, रवींद्र एच., "भारत में आर्थिक विकास : प्रदर्शन और संभावनाएँ," योजना , 58 (अप्रैल 2014), 8-11

धोलकिया, रवींद्र एच., "गुजरात का सापेक्ष विकास प्रदर्शन : हाल ही में बहस, पर एक टिप्पणी" आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक, 49, 18 (3 मई, 2014), 75-77

धोलकिया, रवींद्र एच., "केंद्रीय बजट : प्रक्रियाएँ और कार्यविधियाँ," योजना , 59 (मार्च 2015), 38-41

धोलकिया, रवींद्र एच.; पंड्या, एम.बी. और पटेरिया, पी.एम., "शहर का आकलन - भारत के प्रमुख राज्यों की ग्रामीण आय में अंतर," आय एवं संपत्ति जर्नल, 36, 2 (जुलाई-दिसंबर, 2014), 166-175

दीक्षित, एम.आर. और यादव, सुधीर, 'अंतर्राष्ट्रीयकरण के प्रारंभिक चरण में प्रेरणा, क्षमता बाधाएँ, और दृढ़ प्रतिक्रियाएँ : भारतीय दवा उद्योग में एक अध्ययन' वैश्विक विपणन जर्नल, 28, 1 (2014), 1-18 (ऑनलाइन संदर्भ : http://dx.doi.org/10.1080/ 08911762.2014 .959231)

डि'सूजा, एरोल, "भारत के लिए स्वर्ण मुद्रीकरण योजना," आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक, 12 (21 मार्च 2015), 23-27

दत्ता, गौतम और पचीसिया, दिव्या, मरोडिया, "उभरती एशियाई अर्थव्यवस्था में राष्ट्रीय रेलवे के लिए राजस्व प्रबंधन में पूर्वानुमान तकनीकों की तुलना" राजस्व प्रबंधन इंटरनेशनल जर्नल 8, 2 (2015), 130-151

दत्ता, गौतम; घोष, प्रियंको और कौल, आरुषि वांचो, "रेलवे सफर के लिए उपयोगिता कार्य को विकसित करने हेतु लघुगणक लक्ष्य प्रोग्रामिंग प्रवेश" राजस्व प्रबंधन इंटरनेशनल जर्नल 8, 2 (2015), 153-164

गंगवार, रचना और रघुराम, जी. 'रेलवे में सार्वजनिक निजी भागीदारी संरचना के लिए फ्रेमवर्क,' परिवहन नीति पर केस अध्ययन 2014 (ऑनलाइन संदर्भ : DOI:10.1016/ j.cstp .2014.08.005)

गर्ग, अमित; नासवा, पी. और शुक्ला, पी.आर., 'भारत में ऊर्जा की बुनियादी सुविधा : प्रोफ़ाइल और जलवायु परिवर्तन के तहत जोखिम।' ऊर्जा नीति, 2014 (ऑनलाइन संदर्भः http://dx.doi.org/10.1016/ j.enpol.2014.12.007 i)

गारेगोज़ली, आमिर हुसैन; रॉय, देबजीत और दे कोस्तेर, रेने, 'सागर कंटेनर टर्मिनल : नई प्रौद्योगिकियाँ और ओ.आर. मॉडल,' समुद्री अर्थशास्त्र और रसद, 2015 (ऑनलाइन संदर्भ : DOI:10.1057/ mel.2015.3)

गोर्मन, माइकल एफ.; क्लार्क, जॉन पॉल; हेविट, माइकल; दे कोस्तेर, रेने और रॉय, देबजीत, "व्यवसाय प्रथा की स्थिति : माल ढुलाई में ओ.आर. / एम.एस. के अनुप्रयोग की एक समीक्षा," इंटरफेस, 44, 6 (2014), 535-554

# झ

## प्रकाशन

गुहा, अप्रतिम और कोतिया, टॉम, 'आपसी जानकारी के आधार पर दो नमूने का एक परीक्षण,' कलकत्ता एसोसिएशन सांख्यिकी बुलेटिन, 66, 261-262 (2014), 39-54

गुहा, अप्रतिम, 'माउस के उपयोग में आपसी जानकारी का उपयोग करते हुए स्थानीय क्षेत्र क्षमता और न्यूरोनल निर्वहन के बीच अंतर्क्रिया का कुछ विश्लेषण,' कृषि सांख्यिकी भारतीय मंडली जर्नल, 68, 2 (2014) 117-29

गुप्ता, आकांक्षा और वर्मा, पूर्णिमा, "हाट बाजार पर वायदा व्यापार का प्रभाव : भारत में रबर का एक अनुभवजन्य विश्लेषण," पूर्वी आर्थिक जर्नल, (2015), 1-14

गुप्ता, नारायण; दत्ता, गौतम और फुरेर, रॉबर्ट, "बहु-सत्रावधि के एक वर्ग के लिए एक विस्तृत डेटाबेस संरचना, प्रक्रिया उद्योगों के लिए स्टोकेस्टिक गणितीय प्रोग्रामिंग मॉडल," निर्णय समर्थन प्रणाली, (अगस्त 2014), 43-56

गुप्ता, विशाल, "कर्मचारी रचनात्मकता : मनोवैज्ञानिक उत्कृष्टता की मध्यस्थता और नियमनता की भूमिका"औद्योगिक संबंध भारतीय जर्नल, 49, 4 (अप्रैल, 2014), 649-662

ह्यूबर, हंस जे., "हब आधारित नेटवर्क विश्लेषण और अमेरिकी वायु परिवहन प्रणाली में परिवर्तन" प्रबंधन और नेटवर्क अर्थशास्त्र का अंतरराष्ट्रीय जर्नल, 3, 3 (अक्टूबर 2015)

ह्यूबर, हंस जे., "न्यू लिस्बन हवाई अड्डा : एक मेगा परियोजना की राजनीति" आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक, 49, 7, (2014)

जेकब, जोशी और अगरवाला, शोभेश कुमार, 'अनिवार्य आईपीओ ग्रेडिंग : क्या इससे मूल्य निर्धारण दक्षता में मदद मिलती है?' विकल्प, 40, 2 (2015), 132

जयकुमार, सरवन और सरीन, अंकुर, 'एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था में सुस्पष्ट उपभोग और आय असमानता : भारत से साक्ष्य,' मार्केटिंग पत्र, 26 (2015), 279-292

(ऑनलाइन संदर्भ : DOI10.1007/ s11002-015-9350-5)

जयकुमार, सरवन और त्रिपाठी, संजीव, "अल्फान्यूमेरिक ब्रांड नाम में अक्षर और क्रमांक के प्रभाव को क्रम में रखते हुए" कंज्यूमर रिसर्च के क्षेत्र में प्रगति, 42 (2014), 787-787

जयकुमार, सरवन, "मूल्य धारणा पर अतिव्यापी मूल्य के प्रभाव की सीमाएँ," उपभोक्ता अनुसंधान में प्रगति, 42 (2014), 787-787

जैन, रेखा, 'उभरती अर्थव्यवस्थाओं में कम आय वर्ग के लिए आईसीटी आधारित सेवाओं के लिए व्यापार मॉडल नवप्रवर्तन,' वैश्विक सूचना प्रौद्योगिकी प्रबंधन जर्नल, 17, 2 (अगस्त 2014), 74-90 (ऑनलाइन संदर्भ : http://www.tandfonline.com/doi/abs/10.1080/ 1097198X.2014.928561)

जायसवाल, आनंद के. और गुप्ता, श्रुति, "पिरामिड के तल में खपत व्यवहार पर विपणन के प्रभाव," उपभोक्ता विपणन जर्नल, 32, 2 (2015), 113-124

जायसवाल, सचिन और अग्रवाल, पी., "संसाधन आश्रित टास्क टाइम्स के साथ जनसमूह लाइनों का यू-आकार का संतुलन : एक नकली धातु निकल करने की कला का दृष्टिकोण," विनिर्माण सिस्टम के जर्नल , 33, 4 (अक्टूबर 2014), 522-534

झा, जे.के. और सिंह, मंजरी, "भारत में सूक्ष्म वित्त द्वारा महसूस की गई मानव संसाधन और सामाजिक चुनौतियाँ : एक फ्रेमवर्क," औद्योगिक संबंध भारतीय जर्नल , 50, 3 (2015), 493-504

झा, जतिंदर कुमार और माहेश्वरी, सुनील, "प्रतियोगी कार्यकारी और श्रम बाजार में कार्यकारी वेतन और मजदूरी के निर्धारक : अनुसंधान के लिए अतीत का अध्ययन और भविष्य के निर्देश की समीक्षा," औद्योगिक संबंध भारतीय जर्नल, 50, 1 (अप्रैल 2015)

जोसेफ, जेरोम और जगन्नाथन एस., 'संगठनकारी असुरक्षा : सीमांत विषय और अन्याय के आख्यान,' संस्कृति और संगठन, 2015 (ऑनलाइन संदर्भ : DOI:10.1080/14759551.2014.1000325)

# झ

## प्रकाशन

जोसेफ, जेरोम, "यथास्थिति औद्योगिक संबंध विवाद समाधान" औद्योगिक संबंध भारतीय जर्नल, 50, 1 (जुलाई 2014), 75-88

कार्तिक, डी.; उपाध्यायुलु, आर.एस. और कर्ण अमित, 'कंपनियाँ क्यों एकाधिक क्लस्टर से दूर ही स्थान निर्धारित करती हैं? क्लस्टर घनत्व, क्षमताएं और प्रजातीय गुत्थियाँ,' उद्योग और नवप्रवर्तन, 22, 4, (2015) (ऑनलाइन संदर्भ : http://dx.doi.org /10.1080/ 13662716.2015.1035958)

खान्डेपरकर, कपिल, "बंडल पेशकशों का उपयोग करके नए उत्पाद की शुरूआत में पूरकता एवं भागीदार ब्रांड मूल्य स्तर की भूमिका : बंडल घटकों की गुणवत्ता धारणा पर एक अध्ययन" खुदरा बिक्री और उपभोक्ता सेवा जर्नल, 21, 6 (2014)

खानरा, अविजीत; चेतन, सोमन, और बंद्योपाध्याय, तथागत, "अखबार विक्रेता मॉडल की संवेदनशीलता का विश्लेषण,"आपरेशनल रिसर्च यूरोपीय जर्नल, 239, 2, 1 (दिसंबर 2014), 403-412

खत्री, एन. और गुप्ता, विशाल, 'अमेरिका के अस्पतालों में स्वास्थ्य सूचना प्रौद्योगिकी का प्रभावी कार्यान्वयन,' स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन की समीक्षा, (जुलाई, 2014), 1-11 (ऑनलाइन संदर्भः DOI:10.1097/ HMR.0000000000000039)

कोठारी, बृज और बंद्योपाध्याय, तथागत, "टीवी पर बॉलीवुड फिल्म के उपशीर्षक की एक ही भाषा : साक्षरता पर प्रभाव," सूचना प्रौद्योगिकी और अंतर्राष्ट्रीय विकास, 10, 4 (विंटर 2014)

कौल, सुरभि; सिन्हा, पीयूष कुमार और मिश्रा, एच.जी., "पिरामिड उपभोक्ताओं से नीचे के लिए निर्णय लेने की प्रक्रिया : एफएमसीजी उत्पादों का एक केस," एनएमआईएमएस प्रबंधन की समीक्षा, 24 (अप्रैल-मई 2014), 89-104

कृष्णमूर्ति, श्रीकुमार, "समीक्षा सहयोगपूर्णता भविष्यवाणी के लिए भाषाई सुविधाएं," अनुप्रयोग के साथ विशेषज्ञ प्रणालियां, 42, 7 (2015)

कृष्णमूर्ति, श्रीकुमार, "खनन में उच्च उपयोगिता की वस्तुओं के सेट के लिए छंटाई रणनीतियां," अनुप्रयोग के साथ विशेषज्ञ प्रणालियां, 42, 5 (2015)

लाहा, ए.के. और महेश, के.सी., "दिशात्मक डेटा के लिए टेस्ट मैचों की मजबूती," सांख्यिकी : सैद्धांतिक और व्यावहारिक सांख्यिकी जर्नल, 49, 3 (2015), 522-536

लोवालेकर, हर्षल और रविचंद्रन, एन., "भारत में ब्लड बैंक सूची प्रबंधन," भारत की आपरेशनल रिसर्च सोसायटी जर्नल , 51, 3 सितम्बर (2014), 376-399

माहेश्वरी, सुनील, "न्याय सिद्धांत और छोड़ने का इरादा : भारत में आई.टी./आईटीईएस और बीएफएसआई के कर्मचारियों का केस स्टडी," औद्योगिक संबंध इंडियन जर्नल।

मैती, राजू; बिस्वास, अतनु; गुहा, अप्रतिम और सेंग, हुआत ओंग, "शून्य अवमूल्यन गणना समय श्रृंखला की मॉडलिंग और सुसंगत पूर्वानुमान," सांख्यिकीय मॉडलिंग : एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ,14,5 (2014), 375-398

मेहता, एफ. और देवधर एस., "खाद्य उद्योग पर अनिवार्य सीएसआर के प्रभाव का आकलन" भारतीय खाद्य उद्योग, 36, 6 नवम्बर (दिसंबर 2014), 29-36

मिश्रा, एच.जी.; सिन्हा, पीयूष कुमार और कौल, सुरभि, "प्रतिष्ठा इंडस्ट्रीज लिमिटेड : एक ग्रामीण पहल," उद्यमिता और अभिनव एसएमएस जर्नल , 1, 1 (2014), 72-87

मिश्रा, एच.जी.; सिन्हा, पीयूष कुमार और कौल, सुरभि, "ग्राहक व्यवहार पर स्टोर माहौल का प्रभाव : अनुक्रिया मध्यस्थ के प्रभाव," व्यापार और प्रबंधन जर्नल 20, 1 (2014)

मिश्रा, एच.जी.; सिन्हा, पीयूष कुमार और कौल, सुरभि, "आवेशपूर्ण विशेषता खरीदना : खरीदारी की भावनाओं और कथित जोखिम के लिए एक प्रभावी संचालक," प्रबंधन अनुसंधान जर्नल , 14, 2 (अप्रैल-जून 2014), 109-120

# झ

## प्रकाशन

मिश्रा, एच.जी.; सिन्हा, पीयूष कुमार और कौल, सुरभि, "क्रेता-विक्रेता के संबंधों में ग्राहक निर्भरता का प्रभाव : छोटे खुदरा विक्रेताओं का एक केस" आईआईएम प्रबंधन विज्ञान जर्नल 5, 1 (2014), 1-18

मिश्रा, एच.जी.; सिन्हा, पीयूष कुमार सिंह, एस., "ग्राहक संबंध प्रबंधन (सीआरएम) चरणों का स्थायी कॉर्पोरेट प्रदर्शन पर ब्रांड छवियों और मूल्य के साथ प्रभाव," इलेक्ट्रानिक्स ग्राहक संबंध प्रबंधन अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 8, 1/2 (2014)

नानारपुझा, राजेश और सिन्हा, पीयूष कुमार, "साधन और भावनात्मक लगाव : अपनी संपत्ति के साथ घुमक्कड़ उपभोक्ताओं के रिश्तों का एक अध्ययन," उपभोक्ता अनुसंधान के क्षेत्र में उन्नति, 42, 621

नारायणस्वामी, सुंदरवल्ली और रंगराज, नारायण, 'रेल परिवहन के लिए लागू किये गए गतिशील, रीयलटाइम पुनर्निर्धारण और सीखने के लिए एक एमएएस आर्किटेक्चर,' अनुप्रयोग के साथ विशेषज्ञ प्रणालियाँ, 42, 1 (2015), 2638-2656 (ऑनलाइन संदर्भ : DOI:10.1016/ j.eswa.2014.11.013)

नारायणस्वामी, सुंदरवल्ली, 'यातायात अवरोध : एक गतिशील अनुमानी दृष्टिकोण,' अंतर्राष्ट्रीय रसद प्रणाली जर्नल और प्रबंधन, 2014 (ऑनलाइन संदर्भः http://www.inderscience.com/info/ingeneral/forthcoming.php?jcode=ijlsm)

पाल, देबदत्ता और लाहा, ए.के., 'ग्रामीण भारत में क्षेत्रीय क्रेडिट चुनाव,' चुनाव मॉडलिंग का जर्नल, 14 (2015), 1-16 (ऑनलाइन संदर्भ : DOI :10.1016/ j.jocm .2015.03.001)

पाल, देबदत्त और लाहा, ए.के., 'ग्रामीण भारत में औपचारिक वित्तीय संस्थानों से क्रेडिट उठाव : क्वांटाइल प्रतिगमन परिणाम' कृषि और खाद्य, 2, 9 (2014), 20 (ऑनलाइन संदर्भ : DOI:10.1186/ s40100-014-0009- y)

पाठक, अतुल अरुण; बातिनी, धर्म राजू और कंडाथिल, जॉर्ज, "घर से काम पर प्रतिबंध लगाने पर याहू को समझ में आया," मानव संसाधन प्रबंधन इंटरनेशनल डाइजेस्ट, 23, 3 (2015), 12-14

राम मोहन टी.टी., "छुपछुपकर हो रहा बैंक का निजीकरण" आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक, 49, 23 (7 जून, 2014)

राम मोहन टी.टी., "प्रशासन पर ब्रिक्स बैंक का भविष्य टिका है" आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक , 49, 30 (26 जुलाई, 2014)

राम मोहन टी.टी., "भारत की सेंट्रल बैंक का इतिहास (1981-1997)," आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक , 49, 18 (3 मई, 2014)

राम मोहन टी.टी., "उन्होंने जो लिखा उसका विलय," आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक , 50, 1 (3 जनवरी, 2015)

राम मोहन टी.टी., "वित्तीय समावेशन पर थोड़ा और : बस थोड़े से बालकदम, कोई बड़ी छलांग आगे नहीं" आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक , 49, 16 (19 अप्रैल, 2014)

राम मोहन टी.टी., "बैंकिंग में प्रबंधकीय वेतन विनियमन" आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक , 49, 37 (13 सितंबर 2014)

रामकृष्णन, अंजलि और वर्मा, पूर्णिमा, "क्या मुक्त व्यापार समझौते आंतर उद्योग व्यापार को बढ़ावा देते हैं? भारत और उसके एफटीए का केस" व्यापार और ग्लोबल मार्केट का इंटरनेशनल जर्नल, 7, 2 (2014), 129-144

राममूर्ति, आर.वी.; श्रीराम, कार्तिक और मार्टिन, रयान, "गलत निर्दिष्ट मॉडल में पिछली एकाग्रता के बारे में," बेयेसियन विश्लेषण, (4 फ़रवरी, 2015)। (ऑनलाइन संदर्भ : DOI:10.1214/15- BA941)

रंगनाथन, कविता, "ऑफ-ग्रिड टेलीफोनी को सक्षम बनाते हुए : तदर्थ मोबाइल फोन के नेटवर्क में प्रसारण के लिए एक अनुकूली संभाव्य मॉडल," अनुकरण मॉडलिंग अभ्यास और सिद्धांत, 49 (2014), 73-84

राव, टी.वी.; सक्सेना, सिद्धार्थ; विजय शेरी चंद; नरेन्द्रन, आर.; भारतन, के. और जाजू, बी.एच., "उद्योग की जरूरत पर प्रतिक्रिया : प्रबंधन शिक्षा को पुनःप्राप्त करना," विकल्प, 39, 4 (अक्टूबर-दिसम्बर 2014) 1-10

# झ

## प्रकाशन

रिले, रिचर्ड डी.; तकवोइंगी, येमिसी; थॉमस, त्रिकालिनोस; गुहा, अप्रतिम; बिस्वास, अतनु; एन्सर, जुआए; मॉरिस, केटी आर. और जोनाथन, डीक्स जे., "एकाधिक और गुम थ्रेसहोल्ड के साथ परीक्षण सटीकता अध्ययन का मेटा-विश्लेषण : एक बहुभिन्नरूपी-सामान्य मॉडल," बॉयोमीट्रिक्स और जैव सांख्यिकी जर्नल (ऑनलाइन संदर्भ :DOI:10.4172/2155-6180.1000196)

रॉय, देबजीत और पासुर, जेनिफर ए., "दो ग्राहक वर्गों के लिए अपेक्षित प्रतीक्षा समय को ध्यान में लेने वाली थ्रेसहोल्ड नीतियों के किराये के लिए वाहन का विश्लेषण" कंप्यूटर और औद्योगिक इंजीनियरिंग, 2015, 80-96 (ऑनलाइन संदर्भ : DOI: 10.1016/ j.cie .2014.10.030)

रॉय, देबजीत, "अर्द्ध-खुले कतार नेटवर्क : स्टोकेस्टिक मॉडल, समाधान के तरीकों और नए अनुसंधान क्षेत्र की समीक्षा," उत्पादन अनुसंधान इंटरनेशनल जर्नल 2015 (ऑनलाइन संदर्भ : DOI:10.1080/00207543.2015.1056316)

रॉय, देबजीत; गुप्ता, आकाश और रेने, बी.एम. दे कोस्तेर्क, "ए.जी.वी. के साथ कंटेनर टर्मिनल प्रवाह क्षमता का अनुमान लगाने के लिए अरेखीय यातायात-प्रवाह पर आधारित कतारबद्ध मॉडल," उत्पादन अनुसंधान इंटरनेशनल जर्नल 2015 (ऑनलाइन संदर्भ : 10.1080/00207543.2015.1056321)

रॉय, देबजीत; कृष्णमूर्ति, अनंत; हेरागु, सन्देरेस और माल्मबॉर्ग, चार्ल्स, "स्वायत्त वाहन आधारित गोदाम सिस्टम में ध्यान केन्द्र-बिंदु और क्रॉस-गलियारे स्थान का विश्लेषण करने के लिए कतारबद्ध मॉडल," आपरेशनल रिसर्च के यूरोपीय जर्नल, 42, 1 (अप्रैल 2015), 72-87 (ऑनलाइन संदर्भ : DOI:10.1016/ j.ejor.2014.09.040)

रॉय, देबजीत; कृष्णमूर्ति, अनंत; हेरागु, सुन्देरेस और माल्मबॉर्ग, चार्ल्स, "स्वायत्त वाहनों के साथ गोदाम प्रणाली में यूनिट-लोड संचालन के लिए स्टोकेस्टिक मॉडल," ऑपरेशन रिसर्च इतिहास , 231 (2015), 129-155 (ऑनलाइन संदर्भः डीओआई10.1007/ s10479-014-1665-8)

रॉय, देबजीत; कृष्णमूर्ति, अनंत; हेरागु, सन्देरेस और माल्मबॉर्ग, चार्ल्स, "स्वायत्त वाहनों के साथ गोदाम प्रणाली में अवरुद्ध प्रभावों के अध्ययन के लिए एक सिमुलेशन फ्रेमवर्क" औद्योगिक इंजीनियरिंग यूरोपीय जर्नल, (2015)

सहाय, अरविंद; मुखर्जी सुमितेव और देवानी, प्रेम, "भारतीय बाजार में शिपिंग शुल्क के साथ मूल्य डिस्काउंट निर्धारण : भारित यौगिक और संदर्भ आश्रित मॉडल की जाँच," भारतीय व्यापार अनुसंधान जर्नल , 9, 1 (2015), 1-15

सैयद, अबरार अली और रिकार्ड, एन्टोनिन, "अंतर्राष्ट्रीयकरण और शीघ्र अंतर्राष्ट्रीयकरण के प्रति रवैया : भारतीय और फ्रांसीसी एसएमई के निर्णय निर्माता की तुलना," M@n@gement, 18,1 (2015), 54-77

सरीन, अंकुर और गुप्ता, स्वाति, "शिक्षा के अधिकार के तहत कोटा : एक समतावादी शिक्षा प्रणाली की दिशा में अग्रणी नहीं है" आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक, 50, 38 (2015)

पटेल, सेजल; स्लिउज़ाज़, रिचर्ड वी. और माथुर, नवदीप, "अहमदाबाद में शहरी विकास प्रेरित विस्थापन और पुनर्वास में दरिद्रता का जोखिम,रुपर्यावरण और शहरीकरण, 27, 1 (अप्रैल 2015), 231-256. (ऑनलाइन संदर्भ : DOI: 10.1177/0956247815569128)

शर्मा, भारती; रमणी, के.वी.; मावलंकर, दिलीप; कंगुरु, लोवनी और हुसैन, जूलिया, "भारत में मातृत्व देखभाल में संक्रमण नियंत्रण के तरीकों में सुधार करने के लिए सराहना की जाँच : एक गुणात्मक अध्ययन," विश्व स्वास्थ्य कार्रवाई, 8 (2015).

शर्मा, धीरज, "सुविधा स्टोर उद्योग में ग्राहकों की संतुष्टि और संरक्षण के इरादों पर सेवा की गुणवत्ता के प्रभाव की जाँच" बिजनेस और वैश्वीकरण अंतरराष्ट्रीय जर्नल, 15, 2 (2015), 152-170 । (ऑनलाइन संदर्भ : DOI:10.1504/ IJBG.2015.071154).

शर्मा, आर. और चंदवानी, आर., "पीएलसी के साथ उपभोक्ता व्यवहारः अभिनव परिप्रेक्ष्य का प्रसार," प्रबंधन यूरोपीय जर्नल 14, 3 (2014).

शर्मा, विजय पाल, ''भारत की सोयाबीन अर्थव्यवस्था : कार्यनिष्पादन, समस्याएँ, और संभावनाएँ," तिलहन अनुसंधान जर्नल , 31, 1 (जनवरी-जून 2015).

# झ

## प्रकाशन

शर्मा, विजय पाल, “आवश्यकता : उर्वरक सब्सिडी के लिए एक दीर्घावधि दृष्टिकोण,” किसान फोरम, 14, 6 (दिसंबर-जनवरी 2015), 26-33.

शील, राहुल और वोहरा, निहारीका, ॠभारत में प्रबंधन विद्वानों में शैक्षणिक अनुसंधान को बढ़ावा देना : विशेषांक के लिए एक परिचय,” विकल्प, 39, 2 (अप्रैल-जून 2014), 5-11.

शुक्ला, पी.आर. और धर, एस. ”एशिया में कम कार्बन सतत परिवहन के लिए ऊर्जा नीतियाँ,” ऊर्जा नीति, 2015, (ऑनलाइन संदर्भ : http://dx.doi.org /10.1016/ j.enpol .2015.02.021).

सिद्धू, देविंदर और शर्मा, धीरज, ”भारतीय उपभोक्ता शैली सूची (सीएसआई) और भारतीय मॉल संरक्षण इरादे की भविष्यवाणी करने में उसकी भूमिका” बिजनेस और उभरते बाजार अंतरराष्ट्रीय जर्नल, 7, 2 (2015), 203-218 (ऑनलाइन संदर्भः DOI:10.1504/ IJBEM.2015.068348)

सिंह, एस.; सिन्हा, पीयूष कुमार और मिश्रा, एच.जी., “खरीदारी की आदतें और मॉल के ग्राहकों की निर्णय लेने की शैलियाँ।” बीएचयू प्रबंधन समीक्षा, 4 (जुलाई-दिसम्बर 2014), 21-33.

सिंह, सुखपाल, “जी.एम. फसलें और ग्लोबल एग्री ट्रेड”, आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक, 49, 42 (18 अक्टूबर, 2014).

सिन्हा, अंकुर; पेक्का, मालो और टीमो, कुओस्मानेन, ”प्रतिगमन मॉडल चयन के लिए एक बहु उद्देश्य खोजपूर्ण प्रक्रिया,” कम्प्यूटेशनल और ग्राफिकल सांख्यिकी जर्नल, 24,1 (2015), 154-182 (ऑनलाइन संदर्भः DOI: 10.1080/10618600.2014.899236).

सिन्हा, अंकुर; पेक्का, मालो; टीमो, कुओस्मानेन और वालेनियस, जे., ”निचले स्तर पर निर्णय अनिश्चितता के साथ द्विस्तरीय बहुमानदंड अनुकूलन समस्याओं का हल” विकासवादी संगणना पर आईईईई लेनदेन 2015 (ऑनलाइन संदर्भः DOI: 10.1109/ TEVC.2015. 2443057).

सिन्हा, पीयूष कुमार; पाठक, भारती और थॉमस, सुजो, ”शिक्षण सामाजिक उद्यमिता : दिल और दिमाग के मुक़ाबला के माध्यम से विकास” अर्थशास्त्र और व्यापार भारतीय जर्नल 13, 3 (2014), 331-339.

स्लुइस्वेल्द, वान, एम.ए.ई.; जेरनात, डी.ई.एच.जे.; आसिना, एस.; केल्विन, के.वी.; गर्ग, अमित; आइजैक, एम.; लुकास, पी. एल.; मुरातिआदु, आई.; ओत्तो, एस.ए.सी.; राव, एस.; शुक्ला, पी.आर.; व्लिएत, वान जे. और वुरेन, वान डी.पी., ”पांच प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के 2020 पश्चात् शमन के प्रयासों का एक मल्टी-मॉडल विश्लेषण,” जलवायु परिवर्तन अर्थशास्त्र, 4, 4 (2013) (ऑनलाइन संदर्भ : DOI:10.1142/S2010007813400125).

श्रीनिवासन, वी. और चंदवानी आर., “तेजी से विकास संदर्भों में मानव संसाधन प्रबंधन नवाचार : भारत में स्वास्थ्य देखभाल सेक्टर,” मानव संसाधन प्रबंधन अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 25, 10 (2014), 1505-1525.

श्रीराम, कार्तिक; शि, पेंग और घोष, पुलक ”बीमा कंपनी लागत डेटा के लिए एक बायेसियन क्वांटाइल प्रतिगमन मॉडल” समाज में रॉयल सोसायटी सांख्यिकी सीरीज एक-सांख्यिकी जर्नल, (3 मार्च, 2015) (ऑनलाइन संदर्भ : DOI: 10.1111/ rssa.12111), http://onlinelibrary.wiley.com/doi /10.1111/ rssa.12111/).

टेलर, पी.; डी'क्रूज़, प्रेमिला; नोरोन्हा, अर्नेस्टो और स्कोलारियोस, दे., ‘बाज़ार में तेज़ी से कहाँ पहुँचेंगे? भारतीय बीपीओ सेक्टर में काम और रोजगार पर संकट के प्रभाव,’ नई प्रौद्योगिकी, कार्य, और रोजगार , 29, 2 (2014), 105-123.

थॉमस, नॉबिन और वोहरा, निहारीका, ‘संगठनात्मक शिक्षण में तीन वाद-विवाद : प्रत्येक प्रबंधक को क्या पता होना चाहिए,’ संगठनों में विकास और प्रशिक्षण अंतरराष्ट्रीय जर्नल 29, 3 (2015), 3-6.

तोबासाइक, जेरोम और शर्मा, धीरज, ‘उपभोक्ता संप्रभुता की मिथक तलाश : एक खोजपूर्ण अध्ययन,’ विपणन समीक्षा, 15, 2 (2015).

तुरागा, राम मोहन आर.; नूनन, डी. और बॉस्त्रोम, ए., ”विषाक्त हवा में महीन आकाशीय विनियमन,” नीति विश्लेषण और प्रबंधन के जर्नल। (ऑनलाइन संदर्भ : http://onlinelibrary.wiley.com/doi/10.1002/ pam.21820/ abstract).

# झ

## प्रकाशन

वर्की, बीजू, "पीवीएसएल पर लोगों की देखभाल और व्यापार प्राथमिकताओं को संतुलित बनाना," एनएचआरडी नेटवर्क जर्नल, (जनवरी 2015).

वर्मा, पूर्णिमा और रामकृष्णन, अंजलि, "संरचना और कृषि खाद्य उत्पादों में इंट्रा-उद्योग व्यापार के निर्धारकों का एक विश्लेषण : भारत और चयनित एफ.टी.ए. का केस," सहस्त्राब्दी एशिया , 5, 2 (7 अक्टूबर, 2014), 179- 196.

वर्मा, वर्षा और शर्मा, धीरज, "केस स्टडी : लांस आर्मस्ट्रांग और लिवस्ट्रॉंग फाउंडेशन : पतन के बाद फिर से उदित," व्यापार केस आइवी प्रकाशन (2014), 11.

वर्मा, वर्षा और शर्मा, धीरज, "पुरस्कार कार्यक्रम के मनोवैज्ञानिक और आर्थिक आधार" खुदरा बिक्री एवं उपभोक्ता सेवा जर्नल, 21, 6 (2014), 924-932.

वर्मा, वर्षा, "विपणन संचार में भाषा की रूकावट : उत्पाद विफलता संदर्भ की ऑनलाइन समीक्षा," प्रबंधन कार्यवाही अकादमी (जनवरी 2014) (ऑनलाइन संदर्भ : DOI: 10.5465/ AMBPP.2014.16633 abstract).

वर्मा, वर्षा; पाठक, अतुल अरुण और बातिनी, धर्म राजू, "केस अध्ययन : एंटरआल इनफ़ोसेक समाधान : एक नैतिक खुश्क व्यापार की वृद्धि" व्यापार केस आइवी प्रकाशन (दिसंबर 2014), 11.

वर्मा, वर्षा; शर्मा, धीरज और शेठ, जगदीश, "ऑनलाइन खुदरा बिक्री में क्या संबंधितता से बाजार पर असर पड़ता है? : एक मेटा-विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण," विपणन विज्ञान अकादमी जर्नल , 2015 (ऑनलाइन संदर्भ : DOI10.1007/ s11747-015-0429-6).

वोहरा, निहारीका; राठी, नीर्पल और भटनागर, दीप्ति, "ईएमबीए छात्रों में नेतृत्व कौशल का विकास : डिजाइन में नवाचार," विकल्प, 40, 1 (जनवरी-मार्च 2015), 15-27.

यादव, रमा शंकर और दास, संकेत, "विश्वसनीयता और वैधता कर्मचारी को काम पर लगाने के दो मापन" मानविकी और सामाजिक विज्ञान अध्ययन, 3, 1 (2014), 2-8.

यादव, रमा शंकर और माहेश्वरी, सुनील, ''क्या संभावित कर्मचारियों के लिए सीएसआर एकमात्र स्वच्छता कारक है : एक भारतीय अन्वेषण," औद्योगिक संबंध भारतीय जर्नल, 50, 4 (2015), 601-612.

### पुस्तकें में अध्याय

भटनागर, सुभाष, "डिजिटल समावेशन के लिए रणनीतियाँ : भारत के अनुभव", बौम, स्कॉट और माहिज़नान, अरुण (संपा.), ई-गवर्नेंस और सामाजिक समावेशन, आईजीआई ग्लोबल, हर्षे, संयुक्त राज्य अमेरिका, 2014.

भटनागर, सुभाष "गरीबों के लिए प्रशासन और सेवा वितरण में सुधार करने के लिए सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग करना", देवलालीकर, ए.बी., झा, एस. और क्विसिंग, पी. (संपा.), विकासशील एशिया में प्रशासन, एडवर्ड एल्गर, नॉर्थेम्पटन, संयुक्त राज्य अमेरिका, 2015.

बिशप, आर.; एल्स जे.; हैरिसन, एन. और शुक्ला, पी.आर. "हरित विकास के आकलन और संचार लाभ", बेनिऑफ़, रॉन तथा अन्य (संपा.), ग्रीन ग्रॉथ बेस्ट प्रैक्टिस : लेशन्स फ्रॉम कंट्री एस्पीरिअंसिज, ग्लोबल ग्रीन ग्रॉथ इन्स्टिट्यूट, कोरिया गणराज्य। http://www.ggbp.org/sites/all/themes/ggbp/uploads/Green-Growth-in-Practice-062014-Full.pdf.

केल्विन, कैथरीन; क्लार्क लियोन; क्रिप्पा, मोनिका; गर्ग, अमित; जियांग, केजुन, वोल्कर; लोव, जेसन; मेनहुट, ग्रीट; रियाही, कीवान; शेफर, मिकाएल; वुरेन, डेटलेफ़ वान और वेनयिंग, चेन "तापमान सीमा के साथ उत्सर्जन का कितना स्तर पालन किया जाएगा?", डैनियल पुइग, बेर्त मेत्ज़, वोलोडिमिर दिमकिन (संपा.) एमिशन्स गैप रिपोर्ट, एक यूएनईपी संश्लेषण रिपोर्ट, नैरोबी, 2014.

क्लार्क एल., के. जियांग, के. आकिमोतो, एम. बेबिकेर, जी. ब्लानफ़ॉर्ड, के. फिशर-वानदेन, जे.-सी. उरकादे, वी. क्रेय, ई. क्रिगलर, ए. लोशेल, दे मेककुलम, एस. पाल्त्सेव, एस. रोज़, पी.आर. शुक्ला, एम. तायोनी, बी.सी.सी. वान देर ज्वान, तथा डी.पी. वान वुएन

# झ

## प्रकाशन

द्वारा "परिवर्तनकारी रास्तों का आकलन" एदनोफेर, ओ., आर. पिक्स-मद्रुगा, वाय.सोकोना, ई. फरहानी, एस. कादनेर, के. सेयबॉथ, ए. आदलेर, आई. बॉम, एस. ब्रुनर, पी. इकमिएर, बी. क्रिएमेन, जे. सावोलेनन, एस. श्लोमेर, सी. वोन स्टेचो, टी. ज्विकेल तथा जे.सी. मिन्क्स (संपा.), जलवायु परिवर्तन 2014 : जलवायु परिवर्तन में कमी । जलवायु परिवर्तन पर अंतर सरकारी पैनल की पांचवीं आकलन रिपोर्ट के लिए कार्य समूह III का योगदान, कैम्ब्रिज : कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, 2014.

देसाई, भूपत एम.; डिसूजा, एरोल; मेलर, जॉन, डब्ल्यू.; शर्मा, वी.पी. और तंबोली, प्रभाकर द्वारा पुलाप्रे बालाकृष्णन (संपादक) "कृषि नीति रणनीति, उपकरण और कार्यान्वयन", आर्थिक विकास और भारत में इसका वितरण, नई दिल्लीः ओरिएंट ब्लैकस्वान, 2015, 173-193.

धोलकिया, अर्चना और धोलकिया, रविंद्र एच. द्वारा "गुजरात में शहरी विकास", पानगरिया, अरविंद और राव, गोविंदा, एम. (संपा.), भारतीय राज्यों में चमत्कार कर दिखाना, न्यूयॉर्क : ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 2015, 265 -274.

धोलकिया, अर्चना और धोलकिया, रविंद्र एच., "गुजरात में राजकोषीय सुधार और प्रदर्शन", पानगरिया, अरविंद और राव, गोविंदा, एम. (संपा.) भारतीय राज्यों में चमत्कार करना, न्यूयॉर्कः ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 2015 , 275-284.

धोलकिया, अर्चना और धोलकिया, रविंद्र एच. "गुजरात में शासन, दक्षता और प्रभाव", द्वारा पानगरिया, अरविंद और राव, गोविंदा, एम. (संपा.) भारतीय राज्यों में चमत्कार की मेकिंग , न्यूयॉर्क : ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 2015, 311-319.

धोलकिया, अर्चना और धोलकिया, रविंद्र एच., "गुजरात के अनुभव और परिशिष्ट से सबक", द्वारा पानगरिया, अरविंद और राव, गोविंदा, एम. (संपा.) भारतीय राज्यों में चमत्कार करना, न्यूयॉर्क : ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 2015, 320-326.

धोलकिया, अर्चना और धोलकिया, रविंद्र एच., "गुजरात में प्राथमिक स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा", द्वारा पानगरिया, अरविंद और राव, गोविंदा, एम. (संपा.) भारतीय राज्यों में चमत्कार करना, न्यूयॉर्क : ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 2015, 295-310.

धोलकिया, अर्चना और धोलकिया, रविंद्र एच., "गुजरात में तरक्की और विकास - एक अवलोकन", द्वारा पानगरिया, अरविंद और राव, गोविंदा, एम. (संपा.) भारतीय राज्यों में चमत्कार करना, न्यूयॉर्क : ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 2015, 227-245.

धोलकिया, अर्चना और धोलकिया, रविंद्र एच., "गुजरात में आर्थिक क्षेत्रों में नीति सुधार" द्वारा पानगरिया, अरविंद और राव, गोविंदा एम. (संपा.) भारतीय राज्यों में चमत्कार करना, न्यूयॉर्क : ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 2015, 246-264.

धोलकिया, अर्चना और धोलकिया, रविंद्र एच., "गुजरात में प्राथमिक और उच्च शिक्षा", द्वारा पानगरिया, अरविंद और राव, गोविंदा, एम. (संपा.) भारतीय राज्यों में चमत्कार करना, न्यूयॉर्क : ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 2015, 285-294.

डि'सूजा, एरोल, "वैश्विक स्तर पर एकीकृत अर्थव्यवस्था में रोजगार" द्वारा कामैयाह, बांदी, शेषैयाह, एस.वी. और मूर्ति, जी.आर.के. (संपा.) मैक्रोइकोनोमिक्स में चयन मुद्दे : एक मात्रात्मक दृष्टिकोण - दिलीप नचाने, हैदराबाद के सम्मान में एक संस्मरण : आईयूपी प्रकाशन, 2014, 446-457.

हेलेना चम, एंजेल द ला वेगा नवारो, जेम्स एडमंड्स, आंद्रे फ़्राइज, बंदित फ़ुंगतामाकन, एडगर हेरत्विच, डैमन ओनेरी, डेविड रियासत, मिकिको काइनुमा, स्मेइल केन्नास, सुदुक किम, हसन बशीर निमिर, केयवान रिआही, नील स्ट्रेचन, रयान वाइज़र, ज़ियांग जैंग, और गर्ग, अमित, "एनर्जी सिस्टम्स" द्वारा परीख, किरीट और स्किया, जिम (संपा.) पांचवीं आकलन रिपोर्ट में एनर्जी सिस्टम्स : जलवायु परिवर्तन के शमन , कैम्ब्रिज : कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, 2014.

जोसेफ, जेरोम और जगन्नाथन, एस., "राज्य के साथ अधीनस्थ काम में आवंटनः एक नीति की लोकतांत्रिक राजनीति के लिए भारत और खोज में अनौपचारिक श्रमिक" द्वारा जोस, दारी क्रिएन, यूजेनिया, त्रोंकोसो लिओने तथा पेद्रो, एनरिक एवांजेलिस्ता द्वार्ते (संपा.) स्थायी विकास, विकास और श्रमः स्थानीय, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर प्रगतिशील जवाब, कैम्पिनास, ब्राजीलः एदितोरा कुर्त निमुएन्दाजु, 2014, 107-128.

लोवालेकर, हर्षल और रवीचंद्रन, एन., "रक्त बैंकों में सूची प्रबंधन" द्वारा मूर्ति, के.जी. (संपा.) संचालन अनुसंधान में केस अध्ययन, संचालन अनुसंधान और प्रबंधन विज्ञान में अंतर्राष्ट्रीय श्रृंखला न्यू यॉर्कः स्प्रिंगर विज्ञान, 2015, 431-464.

# झ

## प्रकाशन

मॉरिस, सेबस्टियन, "गुजरात के आर्थिक विकास का एक तुलनात्मक विश्लेषण" द्वारा हिरवई, इंदिरा; शाह, अमिता और शाह, घनश्याम (संपा.) तरक्की या विकास स किस रास्ते गुजरात जा रहा, नई दिल्ली : ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 2014.

नोरोन्हा, अर्नेस्टो और डी'क्रूज़, प्रेमिला, "ग्राहक के लिए साइबर धमकी : भारत में अंतर्राष्ट्रीय कॉल सेंटर एजेंट के अनुभव" द्वारा सहदेव, सुनील; मल्होत्रा, नीरू और पुरानी, केयूर (संपा.) सीमा पर फैले तत्व और संगठनों में विपणन समारोह , लंदन : स्प्रिंगर अंतरराष्ट्रीय प्रकाशन, 2015, 9-32.

रघुराम, जी. और शुक्ला, नीरजा, "भारत के बंदरगाहों में सार्वजनिक निजी भागीदारी के मुद्दे" द्वारा आर.के मिश्रा, और अन्य (संपा.), सार्वजनिक निजी भागीदारी : समय की माँग, ब्लूम्सबरी भारत, 2014, 1-16.

रवीचंद्रन, एन., "एक संचालन अनुसंधान शिक्षक का विकासः कुछ व्यक्तिगत विचार" द्वारा कृष्णमूर्ति, नागराजन और रवीचंद्रन एन (संपा.), एडब्ल्यूटीओआर-2012 की कार्यवाही, नई दिल्लीः अलाइड प्रकाशक, 2014, 142-155.

शुक्ला, पी.आर. और महापात्र, दीप्तिरंजन, "भारत में पर्यावरण और संसाधन नीति" द्वारा मानागी, शुनसुके (संपा.) एशिया में पर्यावरण अर्थशास्त्र की रूटलेज हैंडबुक , लंदन : रूटलेज, 2015, 620-657.

सिंह, पवन कुमार; कुमार, विपिन; मौर्य, नितिन; चौधरी, हरदेव और गुप्ता, अनिल कुमार, "कृषि में अजैविक और जैविक पर्यावरण के तनाव पर काबू पाने के लिए जमीनी स्तर पर समाधान" द्वारा एस.बी. सिंह और अन्य (संपा.), पर्यावरण और व्यावसायिक तनाव में अंतरण अनुसंधान, नई दिल्ली : स्प्रिंगर, 2014, 11-16.

सिंह, सुखपाल सिंह, तरुणवीर, "भारत के वर्षा आधारित क्षेत्रों में छोटे किसान संगठन : एक संगठन का अध्ययन और निर्माता कंपनियों का प्रदर्शन" द्वारा प्रसाद, देवी जे. और अन्य (संपा.), कृषि जोखिम प्रबंधन हैदराबाद : सी.जी.जी. और बी.एस. प्रकाशन, 2015.

सिंह, सुखपाल, "वैश्विक उत्पाद नेटवर्क का स्थानीयकरण करना (जीपीएन) : भारत में ताजा उपज निर्यात जीपीएन में स्थानीय उद्यमियों की भूमिका" द्वारा मिश्रा, एस., अवस्थी, डी. और बातिनी जी. (संपा.), उद्यमिता पर ग्यारहवाँ द्विवार्षिक सम्मेलन, अहमदाबाद : ईडीआईआई और बुकवेल, 2015, 236-1247.

सिंह, सुखपाल, "भारत में छोटे किसान, समृद्ध किसान : केस अध्ययन से साक्ष्य और सबक", द्वारा प्रसाद, देवी जे. और अन्य (संपा.) के कृषि जोखिम प्रबंधन, हैदराबाद : सीजीजी और बी. एस. प्रकाशन, 2015.

सिंह, सुखपाल, "छोटे उत्पादक, ज्ञान और बाजार" द्वारा बनर्जी और अन्य (संपा.), भारत : विज्ञान और प्रौद्योगिकी, नई दिल्ली : फाउंडेशन बुक्स और सीएसआईआर-एनआईएसटीएडी, 2015.

वर्की, बीजू, "भारत : श्रम बाजार", द्वारा क्लेवरेन, वैन मार्टेन; ग्रेगरी, डेनिस और शुलतेन, तोर्स्तेन (संपादक) के एशिया और यूरोप में न्यूनतम मजदूरी, सामूहिक सौदेबाजी और आर्थिक विकास, एक श्रम परिप्रेक्ष्य, लंदन : पालग्रेव मैकमिलन , 2015, 120-138.

वेक्टेशन, प्रहलाद और सज़मेरेकोवस्की, जोसेफ वी., "अनियमित प्रारंभ समय लागत के साथ अलहदा समय लागत समझौताकारी तालमेल समस्या", द्वारा श्विन्द्त, सी. और ज़िम्मरमैन, जे. (संपा.), परियोजना प्रबंधन और निर्धारण पर हैंडबुक स्प्रिंगर अंतरराष्ट्रीय प्रकाशन : लंदन 2015, 621-638.

### सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

अग्रवाल, प्रोमिला, "आशा जगाकर निर्धारित करना : पार राष्ट्रीय विश्लेषण", पार सांस्कृतिक मनोविज्ञान के लिए अंतरराष्ट्रीय एसोसिएशन की 22 वीं अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस, रैम्स, फ्रांस, 15-19 जुलाई, 2014.

अग्रवाल, प्रोमिला, "सभी विलयों और अधिग्रहणों से अनुबंध का मनोवैज्ञानिक उल्लंघन नहीं होता : मानव संसाधन प्रभावशीलता के मध्यस्थता प्रभाव', अंतरराष्ट्रीय मानव संसाधन प्रबंधन संवर्धन जर्नल : एशिया में मानव संसाधन प्रबंधन : एशियाई मानव संसाधन प्रबंधन की विशिष्टता? आईएससी पेरिस बिजनेस स्कूल, पेरिस, 18-19 सितम्बर, 2014.

आंजली, फ़ेडेरिका और जायसवाल, आनंद कुमार, "समावेशी हेल्थकेयर के लिए व्यापार मॉडल नवप्रवर्तन" पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय

# झ

## प्रकाशन

सम्मेलन, समावेशी नवप्रवर्तन एवं अभिनव प्रबंधन, वलाया अलोंगकोर्न राजाभाट विश्वविद्यालय, पाथुमथानी, थाईलैंड, 11-12 दिसम्बर, 2014.

आंजली, फ़ेडेरिका और जायसवाल, आनंद कुमार, 'समावेशी बाजार में क्यों स्थानीय कंपनियां बहुराष्ट्रीय कंपनियों को मात करती हैं? एक संस्थागत परिप्रेक्ष्य' पर पांचवाँ जीविका बाजार सम्मेलन, उरबाना शेंपेन, इलिनोइस विश्वविद्यालय, इलिनोइस, 13-15 जून, 2014.

बार्नादर्त, शेरोन और लिजिआंग, "अवसर के लिए या अलगाव के लिए आगे बढ़ रहे हैं? भारत में एक यादृच्छिक हाउसिंग गतिशीलता कार्यक्रम से लंबे समय तक चलने के साक्ष्य," येल चीन-भारत इनसाइट्स सम्मेलन, 13-15 जुलाई, 2014.

बार्नादर्त, शेरोन, "प्रारंभ से अंत तक एक आरसीटी", आईएमआर डॉक्टरेट सम्मेलन 2014, भारतीय प्रबंध संस्थान, बेंगलुरू, 23 दिसंबर, 2014.

बार्नादर्त, शेरोन, "सामाजिक प्रभाव", कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी पर आईआईएमए में कार्यशाला : अनुसंधान और अभ्यास के लिए चुनौतियां, भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद, 10 फरवरी, 2015.

भास्कर, कल्याण और शुक्ला, पी.आर., "भारत में जैवऊर्जा के लिए दीर्घकालिक भविष्यः सह-लाभ का आकलन", 22 वाँ यूरोपीय बायोमास सम्मेलन और प्रदर्शनी, हैम्बर्ग, 22-26 जून, 2014.

भास्कर, कल्याण और तुरागा, राम मोहन आर., "इलेक्ट्रॉनिक अपशिष्ट प्रबंधन के लिए एक साधन के रूप में विस्तारित निर्माता जिम्मेदारीः भारत में ई-कचरा नियमों का एक महत्वपूर्ण विश्लेषण", एपीपीएएम शरद काल अनुसंधान सम्मेलन, अल्बुकर्क, 5-7 नवम्बर, 2014.

भास्कर, कल्याण; शुक्ला, पी.आर. और धार, सुभाष, "भारत के लिए इलेक्ट्रिक वाहन परिदृश्य : विकास और गंभीरता कम कर देने के निहितार्थ", विकास और न्यूनीकरण फोरम, केप टाउन, 27-29 जनवरी, 2015.

भास्कर, कल्याण; शुक्ला, पी.आर. और शिवीका, "कम कार्बन परिदृश्यों में विद्युत पावर प्रौद्योगिकी प्रतियोगिता : भारत के लिए एक मॉडलिंग आकलन" पर चौथा आईएईई एशियाई सम्मेलन, बीजिंग, 19-21 सितम्बर, 2014.

भास्कर, कल्याण; शुक्ला, पी.आर. और शिवीका, मित्तल, "भारत में कम कार्बन परिदृश्यों में सौर एवं जैवऊर्जा गतिशीलता मॉडलिंग", 33वीं अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा कार्यशाला, बीजिंग, 2-3 जून, 2014.

भट्ट, रमेश, "राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति प्रारूप", आईएचईपीए का चौथा सम्मेलन : भारत में स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत बनाना और उसमें सुधार, 2015.

भट्ट, रमेश, "यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज की ओर : नीति अनिवार्यता", आईआईएमए प्रथम सम्मेलन : विजन 2024 : सार्वजनिक नीति की अनिवार्यता, भारतीय प्रबंध संस्थान, नवम्बर 2014.

भट्ट, रमेश, "यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज : ज्ञात अज्ञात", स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन सेवाओं में उन्नति पर भारतीय प्रबंध संस्थान-अहमदाबाद का दूसरा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, जून-2015.

भटनागर, सुभाष, "विकास और सामाजिक परिवर्तन के लिए आईसीटी",15वां आईसीटी सम्मेलन, काठमांडू, 1-2 फ़रवरी, 2015.

भटनागर, सुभाष, "ई-शहरी शासन", महानगरों की 11वीं वर्ल्ड कांग्रेस : सभी के लिए शहर, हैदराबाद, 7 अक्टूबर, 2014.

बोस्तियन, एम.; सिन्हा, अंकुर; व्हिटटेकर, गेराल्ड और बारनादर्त, ब्राडली, "द्विस्तीय बहु-उद्देश्य अनुकूलन में अनुसूचित डेटा लेकर विश्लेषण समाधान के तरीकों को शामिल करना", आईईईई, विकासवादी संगणना (सीईसी-2015) पर कांग्रेस, आईईईई प्रेस, 2015.

चोकशी, पूजन, 'यूरोपीय संघ ईटीएस के तहत विमानन का रुचि समूह गतिशीलता के समावेशन के वर्णन', अवनेश 2014 : डॉक्टरेट छात्रों के लिए सम्मेलन, प्रबंधन संस्थान, निरमा युनिवर्सिटी, अहमदाबाद, 11-12 अप्रैल, 2014.

# झ

## प्रकाशन

चोकशी, पूजन, 'एयरलाइन उत्सर्जन को रोकने के लिए यूरोपीय संघ की नीति में समानता और न्याय', अवनेश 2014 : डॉक्टरेट छात्रों के लिए सम्मेलन, प्रबंधन संस्थान, निरमा युनिवर्सिटी, अहमदाबाद, 11-12 अप्रैल, 2014.

चोकशी, पूजन; शुक्ला, पी.आर. और भास्कर, कल्याण, 'भारत के लिए स्थाई कम कार्बन शहरी गतिशीलता परिदृश्य : इलेक्ट्रिक वाहनों के सह-लाभ का एक आकलन', 37वाँ आईएईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, न्यूयार्क, 15-18 जून, 2014.

डी'क्रूज़, प्रेमिला और नोरोन्हा, अर्नेस्टो, "आंतरिक और बाहरी कार्यस्थल पर सायबर धोकाधड़ी : डिजिटल अर्थव्यवस्था के एक अनोखे तनाव की खोज", गतिशीलता के आभासी कार्य सम्मेलन में मौखिक प्रस्तुति, यूनाइटेड किंगडम, 3-5 सितम्बर, 2014.

डी'क्रूज़, प्रेमिला; ओमरी, मरयम; पॉल, मेगन और बुरकु, गुनेरी-कांगारली, "निष्कपटता : कार्यस्थल पर अनुमोदित लक्ष्यों को प्राप्त करने में सांस्कृतिक मानदंडों का प्रभाव" कार्यस्थल पर धमकाने और उत्पीड़न पर नौवां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, मिलान, 17-20 जून, 2014.

देवधर, सतीश, वाय., "मेक इन इंडियाः एक अंतर के साथ मंत्र का पुनः जाप", मेक इन इंडिया पर वैश्विक शिखर सम्मेलन-2015ः मानव संसाधन और रणनीतिक विकास को बदलना, उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास राष्ट्रीय संस्थान (एनआईईएसबीयूडी), सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली, 19 मार्च, 2015.

देवधर, सतीश, वाय., 'बाजार संरचनाएँ, बाजार की विफलता, और मूल्य निर्धारण', आईआईएमए सोसायटी सम्मेलन, अहमदाबाद, 28 जून, 2014.

दोशी, विजेता और वोहरा, निहारीका, 'पहचान संघर्ष : नेतृत्व में 'जानकारी नहीं', दूसरा अखिल आईआईएम विश्व प्रबंधन सम्मेलन, भारतीय प्रबंध संस्थान-कोझीकोड, 5-8 नवम्बर, 2014.

डिसूजा, एरोल, ÿउदारीकरण अर्थव्यवस्था में अनौपचारिक और औपचारिक रोजगार", भारतीय समाज के श्रम अर्थशास्त्र का 56वां वार्षिक सम्मेलन, बीआईटी मेसरा, रांची, 18 दिसंबर, 2014.

डिसूजा, एरोल, "बाल श्रम प्रतिबंध क्यों कारगर नहीं है", सामाजिक सुरक्षा और बाल श्रम के विरोध पर पश्चिमी क्षेत्र गोलमेज सम्मेलन, यूनिसेफ, आईएलओ, गुजरात सरकार, महात्मा गांधी श्रम संस्थान, 5 जून 2014.

डिसूजा, एरोल, "भारत के लिए स्वर्ण मुद्रीकरण स्कीम", लोक अर्थशास्त्र और नीति सम्मेलन में आधारपत्र, राष्ट्रीय लोक वित्त एवं नीति संस्थान, नई दिल्ली, 12 मार्च, 2015.

डिसूजा, एरोल, "नौकरी सुरक्षा विनियम और उदारीकृत अर्थव्यवस्था में अनौपचारिक रोजगार", कानून और अर्थशास्त्र-2015 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पूर्ण अधिवेशन, जीएनएलयू, भारतीय प्रबंध संस्थान-अहमदाबाद और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-कानपुर, गाँधीनगर, 15 मार्च 2015.

गुप्ता, अनिल कुमार, "स्थायी खुशहाली और सशक्तिकरण के लिए डिजाइन", भारतीय विज्ञान संस्थान-बेंगलुरू, 12-14 जून, 2014.

गुप्ता, दीप्ति, "अखिल समावेशी स्मार्ट सिटी का सृजन", जमीनी स्तर पर तीसरा रचनात्मकता और नवप्रवर्तन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, भारतीय प्रबंध संस्थान-अहमदाबाद, 19-22 जनवरी, 2015.

गुप्ता, परविंदर, "प्रतिभा प्रबंधन", संगठन व्यवहार एवं मानव संसाधन प्रबंधन पर पांचवां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीओबीएचआरएम'15), अबू धाबी, मार्च 2015.

जयकुमार, सरवन और त्रिपाठी एस., "अल्फ़ान्यूमेरिक ब्रांड नामों में अक्षर तथा संख्या क्रम का प्रभाव", उपभोक्ता अनुसंधान के लिए उत्तर अमेरिकी एसोसिएशन का सम्मेलन, बाल्टीमोर, 23-26 अक्टूबर, 2014.

जयकुमार, सरवन, "लोकप्रिय हस्तियों द्वारा विज्ञापन और ब्रांडिंग रणनीति : भारत से समारोह अध्ययन', आईएनएफ़ओआरएमएस (इन्फ़ॉर्म्स) विपणन विज्ञान सम्मेलन, अटलांटा, 12-14 जून, 2014.

# झ

## प्रकाशन

जयकुमार, सरवन, "मूल्य धारणा पर मूल्य सीमाओं के अधिव्यापन का प्रभाव", उपभोक्ता अनुसंधान एसोसिएशन, बाल्टीमोर, 23-26 अक्टूबर, 2014.

जैन, रेखा, "उभरती अर्थव्यवस्थाओं में राष्ट्रीय ब्रॉडबैंड की तैनाती में सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के लिए उपयुक्त भूमिकाओं की पहचान के लिए फ्रेमवर्क : भारत की राष्ट्रीय ब्रॉडबैंड योजना", टीपीआरसी 42 : संचार, सूचना और इंटरनेट नीति पर 42वां अनुसंधान सम्मेलन, आर्लिंग्टन, 12-14 सितम्बर, 2014.

जैन, रेखा, 'आईसीटी और आर्थिक विकास', दूरसंचार टावरों के अधिष्ठापन एवं सुरक्षा व्यवस्था पर भारत सरकार के दिशानिर्देशों पर कार्यशाला, अहमदाबाद, 13 अगस्त, 2014.

जैन, रेखा, 'विजन 2024 : सार्वजनिक नीति के लिए अनिवार्यता', सार्वजनिक नीति सम्मेलन-2014, नई दिल्ली, 21-22 नवम्बर, 2014.

जायसवाल, आनंद कुमार और लेमिंक, जोस जी.ए.एम., "दो अलग अलग तरीकों का उपयोग करके सेवा गुणवत्ता ग्राहक वफादारी मॉडल की जाँच", भारत विपणन सम्मेलन में विपणन शिक्षा के लिए आठवीं ग्रेट लेक्स-नॉर्थ अमेरिकन सोसायटी, ग्रेट लेक्स प्रबंधन संस्थान, चेन्नई, 26-27 दिसंबर, 2014.

जलोटे, आशीष परमार, "मातृ-मृत्युदर को कम करने के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के लिए निर्णय समर्थन डिवाइस" 15वां वार्षिक वैश्विक विकास सम्मेलन, अक्करा, 18-20 जून, 2014.

जलोटे, आशीष परमार, "डिजाइन सोच : विश्वविद्यालय के भीतर और परे उत्प्रेरित रचनात्मकता", गोइंग ग्लोबल-2015 सम्मेलन, लंदन, 1-3 जून, 2015.

जलोटे, आशीष परमार, "परियोजना आधारित इंजीनियरिंग शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कारक सोचते हुए डिजाइन" शिक्षा में सरहदें, आईईईई सम्मेलन, मैड्रिड, 23-26 अक्टूबर, 2014.

झा, जे.के. और सिंह, मंजरी, "अनौपचारिक क्षेत्र में श्रम प्रक्रियाओं के प्रबंधन में चुनौतियाँ और श्रम बाजार तथा श्रम लचीलापन के अलगाव पर श्रम कानून का प्रभाव : एक प्रस्तावित फ्रेमवर्क", श्रम अर्थशास्त्र भारतीय समाज का 56वां वार्षिक सम्मेलन, मानव विकास संस्थान, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, रांची और बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान, मेसरा, रांची, 18-20 दिसम्बर, 2014.

जोस, सी. बी.; वर्की, बीजू और मेनन, मनोज, "एमबीए की कक्षाओं में सिनेमा, एक प्रयोग के प्रभाव का अध्ययन," संगठनों में ज्ञान, संस्कृति और परिवर्तन पर 14वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सेड व्यापार स्कूल, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, 4-5 अगस्त, 2014.

कौल, आशा और चौधरी, वी., 'साझा मूल्य का सृजन : आईटीसी लिमिटेड में स्थिरता की यात्रा,' मानविकी में नए दिशा-निर्देशों पर बारहवां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सीईयू सैन पाब्लो विश्वविद्यालय, मैड्रिड, 11-13 जून, 2014.

खुराना, निधि; भट्ट, रमेश; गाँधी, रिकीन और बूहेर, पैगी कोनीज़, "ओडिशा में समुदाय-प्रेरित वीडियो के माध्यम से पोषण मैसेजिंग हस्तक्षेप लागत का विश्लेषण," आईसीटीडी '15 सूचना और संचार प्रौद्योगिकी और विकास पर सातवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही-रिपोर्ट, न्यूयॉर्क, 2015.

कुलकर्णी, वैभवी, "संगठन दृष्टि के भीतर सामरिक हितधारक संचार की जांचः एक खोजपूर्ण अध्ययन," राष्ट्रीय संचार एसोसिएशन, 100वाँ वार्षिक सम्मेलन, शिकागो, 21-23 नवम्बर, 2014.

कुलकर्णी, वैभवी, "संस्थागत परिवर्तन के संभाषण : संगठनात्मक क्षेत्र के भीतर तर्कों की (गैर)तर्कसंगतता," राष्ट्रीय संचार एसोसिएशन, 100वाँ वार्षिक सम्मेलन, शिकागो, 21-23 नवम्बर, 2014.

मल्होत्रा, पी. और सिंह, मंजरी, "अपने अधीनस्थों की ऊर्ध्वगामी उन्नति पर विकलांग प्रबंधक का प्रभाव : एक वैचारिक प्रस्ताव," ब्रिटिश प्रबंध अकादमी-2014 सम्मेलन, बेलफास्ट, उत्तरी आयरलैंड, 9-11 सितम्बर, 2014.

# झ

## प्रकाशन

मल्होत्रा, पी. और सिंह, मंजरी, " भारतीय संदर्भ में - विक्लांग-प्रबंधकों की सफलता को सक्षम बनाने के लिए व्यक्तिगत कारक और संगठनात्मक पहल," एशिया में मानव संसाधन प्रबंधन पर मानव संसाधन प्रबंधन के संवर्धन का अंतरराष्ट्रीय जर्नल : एशियाई मानव संसाधन प्रबंधन की विशिष्टता, आईएससी पेरिस बिजनेस स्कूल, पेरिस, 18-19 सितम्बर, 2014.

मेहता, फ़ॉरम और देवधर, सतीश वाय., (2015)। "खाद्य उद्योग पर अनिवार्य सीएसआर के प्रभाव," अनुसंधान और अभ्यास के लिए सीएसआर चुनौतियाँ, आईआईएमए संवर्धन, अहमदाबाद, 10 फरवरी, 2015.

मिश्रा, एच.जी.; सिन्हा, पीयूष कुमार और कौल, एस., "छोटे खुदरा विक्रेताओं द्वारा वर्गीकरण योजनाः एक आधारभूत सिद्धांत दृष्टि कोण," 8वाँ एनएएसएमईआई सम्मेलन, ग्रेट लेक प्रबंध संस्थान, चेन्नई, 26-27 दिसम्बर, 2014.

नागर, नीरव, "कॉर्पोरेट गवर्नेंस और नकद प्रवाह का हेरफेर : भारत से साक्ष्य" आईएफ़एबीएस-2015 कॉर्पोरेट वित्त सम्मेलन : वैश्विक रूप से जुड़े पर्यावरण में संस्थान, प्रशासन, और वित्त, ऑक्सफोर्ड, 12-13 सितम्बर, 2015.

नागर, नीरव, 'सकल लाभ हेरफेर : उत्पाद बाजार प्रतिस्पर्धा का प्रभाव,' अमेरिकी लेखा एसोसिएशन की वार्षिक बैठक : वैश्विक ऊभरते इमर्जिंग विद्वान अनुसंधान की कार्यशाला, अटलांटा, 2-6 अगस्त, 2014.

नागर, नीरव, "सकल लाभ हेरफेर : उत्पाद बाजार प्रतिस्पर्धा का प्रभाव," प्रथम कॉर्पोरेट गवर्नेंस सम्मेलन, भारतीय प्रबंध संस्थान, त्रिची, 13-14 जून, 2014.

नोरोन्हा, अर्नेस्टो और डी'क्रूज़, प्रेमिला, "गोइंग डच, शेष भारतीय : नीदरलैंड में भारतीय आई.टी. कर्मचारियों का अनुभव," आभासी काम की गतिशीलता : एक डिजिटल वैश्विक अर्थव्यवस्था में श्रम परिवर्तन, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, हर्टफोर्डशायर विश्वविद्यालय, 3-5 सितम्बर, 2014.

नोरोन्हा, अर्नेस्टो और डी'क्रूज़, प्रेमिला, "प्रतिस्पर्धा के नाम पर : भारतीय आई.टी./आई.टी.ई.एस. सेक्टर में औद्योगिक संबंध", 56वाँ आईएसएलई वार्षिक सम्मेलन, 18-20 दिसम्बर, 2014.

परिदा, बिस्वजीत, "कैप्टिव बनाम नोन-कैप्टिव : एक वैचारिक फ्रेमवर्क," दूसरा अखिल आईआईएम विश्व प्रबंधन सम्मेलन, भारतीय प्रबंधन संस्थान, कोझीकोड, 5-8 नवम्बर, 2014.

परिदा, बिस्वजीत, "उभरते बाजारों में उपभोक्ता : एक विश्लेषणात्मक फ्रेमवर्क," उभरते बाजार सम्मेलन बोर्ड का वार्षिक सम्मेलन, आईएमटी दुबई, 20-22 जनवरी, 2015.

परिदा, बिस्वजीत, "अवज्ञा के संकेतों से क्षमता और अवस्था का निष्कर्ष निकालना,' अंतर्राष्ट्रीय व्यापार आधारपत्र विकास अकादमी कार्यशाला, भारतीय प्रबंधन संस्थान, बेंगलूरू, 18-19 दिसम्बर, 2014.

रवीचंद्रन एन. और राधा आर., "सुश्री तारा की दुविधाः मुक़दमा करना या अन्यथा करना," तेरहवीं केस कार्यशाला, प्रेस्टिज मैनेजमेंट इंस्टिट्यूट, ग्वालियर, 25-27 अप्रैल, 2014.

सैयद, अबरार अली और माहेश्वरी, सुनील, "नई उद्यम कंपनियों की उद्यमशीलता विशेषताएँ और सामरिक विकल्प," प्रबंधन कार्यवाही पर बारहवाँ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, भारतीय प्रबंध संस्थान, कोझीकोड, 2-5 जनवरी, 2015, 415-421.

सैयद, अबरार अली; गुप्ता, विशाल और दत्ता, देवकमल, "उद्यमी अभिविन्यास, कंपनी का प्रदर्शन, और सी.ई.ओ. सत्ता : भारत से साक्ष्य" बेबसन कॉलेज उद्यमिता अनुसंधान सम्मेलन, लंदन, ओंटारियो, 4-7 जून, 2014.

सरीन, अंकुर और रंगनाथन, कविता, "प्रौद्योगिकी आधारित सामाजिक नवप्रवर्तनों का सामाजिक रूप से सार्थक मूल्यांकनों के लिए एक मूल्यांकन फ्रेमवर्क," अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक नवप्रवर्तन अनुसंधान सम्मेलन (आईएसआईआरसी), सेड बिजनेस स्कूल, ऑक्सफोर्ड, सितंबर 2014.

शाह, भाविन और रवीचंद्रन एन., "बीएफ़एल पर डिस्काउंट कूपनः शेयरधारकों के लिए एक विशेषाधिकार या शेयरधारकों की संपत्ति को खत्म करना का अर्थ है?" वर्षगांठ सम्मेलन 2014. केस रिसर्च सेंटर, भारतीय प्रबंध संस्थान, बेंगलूरू, 8-9 सितम्बर, 2014.

# झ

## प्रकाशन

शर्मा, श्रुति, "आयातित इंटरमीडिएट आदान और कार्यबल संयोजन : भारत के सीमा शुल्क उदारीकरण से साक्ष्य," श्रम अर्थशास्त्र की 19वीं सोसायटी बैठक, आर्लिंग्टन, 2 मई, 2014.

शर्मा, श्रुति, "आयातित इंटरमीडिएट आदान और कार्यबल संयोजन : भारत के सीमा शुल्क उदारीकरण से साक्ष्य" आर्थिक असमानता, श्रम बाजार और व्यापार पर सम्मेलन, सीईपीआर और ज्यूरिख विश्वविद्यालय, ज्यूरिख, 15-18 जून, 2014.

शर्मा, सुप्रिया, "पारंपरिक और अस्तित्व मूल्यों को क्या जातीयता पर मापा जा सकता है?" दूसरा अखिल आईआईएम विश्व प्रबंधन सम्मेलन, भारतीय प्रबंध संस्थान, कोझीकोड, 5-8 नवम्बर, 2014.

शर्मा, सुप्रिया, "पहचान और एक संगठन की छवि के बीच संघर्ष : नए उद्यमशील उद्यम में जवाब की तलाश," आईआईएमबी प्रबंधन समीक्षा डॉक्टरेट सम्मेलन, भारतीय प्रबंध संस्थान, बेंगलुरू, 22-23 दिसम्बर, 2014.

शर्मा, विजय पॉल, "कृषि का व्यावसायीकरण और छोटे उत्पादकों को बाजार से जोड़ना : मुद्दे और विकल्प," छोटे किसानों की स्थायी आजीविका सुरक्षा पर 12वीं कृषि विज्ञान कांग्रेस, राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान, करनाल, 3-6 फ़रवरी, 2015.

शर्मा, विजय पॉल, "सही लाभार्थियों की पहचान और कुशल आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षित करना", "एक रिसाव रोधक टीपीडीएस : भावि रास्ता," पर राष्ट्रीय सम्मेलन, उपभोक्ता मामला मंत्रालय, खाद्यान्न एवं सार्वजनिक वितरण, नई दिल्ली, 30 अक्टूबर, 2014.

शर्मा, विजय पॉल, ३भारतीय कृषि खाद्य क्षेत्र में उभरते रुझान और उनके वाहक,रु प्रभावित खाद्य मूल्य श्रृंखला और लाभकर्ता नवप्रवर्तन पर तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, राष्ट्रीय खाद्यान्न, उद्यमशीलता, एवं प्रबंध प्रौद्योगिकी संस्थान, सोनीपत, 26-28 फ़रवरी, 2015.

शर्मा, विजय पॉल, "भारतीय कृषि-व्यवसाय और खाद्य सुरक्षा चुनौतियों में उभरते रुझान", राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के आर्थिक प्रभाव पर राष्ट्रीय सम्मेलन, गुजरात राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, गाँधीनगर, 9 अगस्त, 2014.

शर्मा, विजय पॉल, "भारतीय कृषि व्यवसाय के क्षेत्र में उभरते रुझान : संभावनाएँ और नीति विकल्प," जलवायु न्याय पहल को मजबूत बनाने पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन : स्थानीय स्तर पर किसानों पर ध्यान देने के साथ आजीविका चुनौतियाँ, निरमा युनिवर्सिटी, अहमदाबाद, 8-9 नवम्बर, 2014.

शर्मा, विजय पॉल, "भारतीय तिलहन क्षेत्र में उभरते रुझान : महत्वपूर्ण मुद्दे और नीति विकल्प," भारत में तिलहन उत्पादन बढ़ाने के लिए रणनीतिक हस्तक्षेप पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, भारतीय तिलहन अनुसंधान सोसायटी, रेपसीड सरसों अनुसंधान निदेशालय, भरतपुर, 19-21 फ़रवरी 2015.

शर्मा, विजय पॉल, "भारत में उर्वरक सब्सिडी : मुख्य मुद्दे और चिंताएं," उर्वरक के प्रयोग और सब्सिडी की समझ पर राष्ट्रीय सम्मेलन, भारत अंतरराष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली, 7 नवंबर 2014.

शर्मा, विजय पॉल, "भारत में उर्वरक सब्सिडी : महत्वपूर्ण मुद्दे और नीति विकल्प," सार्वजनिक नीति सम्मेलन, "विजन 2024" सार्वजनिक नीति के लिए अनिवार्यता, विज्ञान भवन, नई दिल्ली, 21-22 नवम्बर, 2014.

शर्मा, विजय पॉल, "भारत में भूमि उपयोग के प्रमुख मुद्दे और नीति नियोजन के लिए निहितार्थ," भूमि और पानी के मुद्दों पर विचार-मंथन, अभिनव विचार मंच, इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली, 18 मार्च, 2015.

शर्मा, विजय पॉल, "गुजरात में कृषि का प्रदर्शन : सामरिक परिदृश्य और नीति विकल्प," भारत में समर्थन-प्रेरित और आर्थिक विकास की मध्यस्थता युक्त खाद्य एवं पोषण सुरक्षा पर नीति परामर्श कार्यशाला : गुजरात का केस, अंतरराष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान और भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद, 1 नवंबर, 2014.

शर्मा, विजय पॉल, "उर्वरक सब्सिडी को युक्तिसंगत बनाने के संभावित तरीके," कृषि खाद्य प्रणाली में सुधार के लिए उपयोग के अवसर पर राष्ट्रीय सम्मेलन, इंदिरा गाँधी विकास अध्ययन संस्थान और अंतरराष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली, 10-11 जुलाई, 2014.

# झ

## प्रकाशन

शर्मा, विजय पॉल, "भारत में तिलहन उत्पादन की समस्याएँ और संभावनाएँ," वरिष्ठ अधिकारी बैठक, कृषि और सहकारिता विभाग, कृषि मंत्रालय, नई दिल्ली, 19 जनवरी, 2015.

शर्मा, विजय पॉल, "एशिया में कृषि परिवर्तन में उर्वरक की भूमिका : भारतीय उर्वरक क्षेत्र का एक केस अध्ययन," कृषि अर्थशास्त्रियों का एशियाई सोसायटी सम्मेलन, ढाका, 15-17 अक्टूबर, 2014.

शुक्ला, एस., दीक्षित, एम.आर., गुप्ता, ए. के., और वर्मा, संजय, "अभिनव प्रक्षेप पथ : संगठन अभिनव प्रक्रिया में मुक्त और सीमित दृष्टि कोण का प्रबंधन," 12वाँ वार्षिक मुक्त और उपयोगकर्ता अभिनव सम्मेलन, हार्वर्ड बिजनेस स्कूल, बोस्टन, 28-30 जुलाई, 2014.

सिद्दीकी, सलमान अली, "पुनःअंतर्राष्ट्रीयकरण प्रदर्शन और पूर्ववृत्त," अंतर्राष्ट्रीय व्यापार अकादमी आधारपत्र विकास कार्यशाला, भारतीय प्रबंध संस्थान, बेंगलुरू, 18-19 दिसम्बर, 2014.

सिंह वी.एल. और सिंह, मंजरी, ऋनौकरी विवरण से परे नौकरियों का क्राफ्टिंग : गैर-रोजागार परामर्शक के संदर्भ में," प्रथम मानव संसाधन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, प्रबंधन अकादमी का एच.आर. डिवीजन, बीजिंग, 14-16 जून, 2014.

सिंह, मंजरी और सरकार, ए., "अभिनव व्यवहार को बढ़ावा देनाः मनोवैज्ञानिक अधिकारिता और कार्य भागीदारी की भूमिका" आईआईएमए सोसायटी सम्मेलन, भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद, 27-28 जून, 2014.

सिंह, सुखपाल, "एपीएमसी अधिनियमों को बनाने का काम" भारत में कृषि खाद्य आपूर्ति श्रृंखला की उपयोगिता के अवसरों पर आईजीआईडीआर-आईएफ़पीआरआई कार्यशाला, नई दिल्ली, 24-25 जुलाई, 2014.

सिंह, सुखपाल, "एक छोटे परिप्रेक्ष्य से कृषि और कृषि व्यवसाय परिवर्तन को समझना : चुनौतियाँ, अवसर और नवप्रवर्तन," ऑक्सफैम तथा भागीदारों के लिए ऑक्सफेम इंडिया कृषि अधिगम बैठक, नई दिल्ली, 24-25 मार्च, 2015.

सिंह, सुखपाल, "भारत में छोटे उत्पादकों तक आधुनिक कृषि बाजार की सुविधा : निर्माता कंपनियों की भूमिका," 12वीं कृषि विज्ञान कांग्रेस, राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान, करनाल, 3-6 फ़रवरी, 2015.

सिंह, सुखपाल, " पंजाब में कृषि विविधीकरण और कृषि औद्योगीकरण हासिल करना : मुद्दे, रणनीति, और तंत्र," पंजाब के विकास मॉडल के पुनर्लोकन पर यूजीसी-एसएपी संगोष्ठी, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, 12 मार्च, 2015.

सिंह, सुखपाल, "भारत में लघु किसान संगठन : प्रदर्शन, स्थिरता और चुनौतियाँ," एशिया में सामाजिक उद्यम पर तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, योनसेई विश्वविद्यालय, वंजू कैम्पस, दक्षिण कोरिया, 3-6 जुलाई, 2014.

सिंह, सुखपाल, "समावेशी विकास के लिए सामाजिक उद्यम और सामाजिक उद्यमिता : प्रासंगिकता, तंत्र, और चुनौतियाँ," समावेशी विकास के लिए सामाजिक उद्यम पर पैनल, श्रम अर्थशास्त्र भारतीय सोसायटी का वार्षिक सम्मेलन, रांची, 19 दिसंबर, 2014.

सिंह, सुखपाल, "एक मूल्य श्रृंखला परिप्रेक्ष्य से कृषि खाद्य बाजार में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की भूमिका को समझना : भारत में मल्टीब्रांड खुदरा व्यापार एफडीआई का केस" आईएएई-आईएसएई इंटर सम्मेलन संगोष्ठी : वैश्वीकरण अनुभव के प्रकाश में कृषि नीतियों से पुनर्भेंट : भारतीय संदर्भ, हैदराबाद, 12-13 अक्टूबर, 2014.

सिंह, सुखपाल, "भारतीय कृषि में स्थिरता के मुद्दे : निगमित सामाजिक दायित्व की भूमिका बनाम 3पी बिजनेस मॉडल की भूमिका की एक जाँच," भारत में निगमित सामाजिक दायित्व पर राष्ट्रीय संगोष्ठी : सामाजिक-आर्थिक बदलाव के लिए चुनौतियाँ, संभावनाएँ, और पूर्वेक्षण, सीआरआरआईडी, चंडीगढ़, 12-14 मार्च, 2015.

सिंह, वी.एल. और सिंह, मंजरी, ऋ कार्य क्राफ्टिंग व्यवहार की खोज और जाँच", 74वीं प्रबंधन अकादमी वार्षिक बैठक, फिलाडेल्फिया, 1-5 अगस्त, 2014.

सिन्हा, अंकुर; मालो, पी. और देब, के., "एक बहु उद्देश्य द्विस्तरीय अनुकूलन समस्या के रूप में परिवहन नीति निर्धारण", विकासवादी संगणना (सीईसी-2015) पर आईईईई कांग्रेस, आईईईई प्रेस, 2015.

# झ

## प्रकाशन

सिन्हा, अंकुर; पोरोक्का, पी. मालो, और देब, के., "एक प्रतिष्ठित विदेशी ऑपरेटर का उपयोग करके स्वेच्छापूर्ण मजबूत अनुकूलन" विकासवादी संगणना (सीईसी-2015) पर आईईईई, कांग्रेस, आईईईई प्रेस, 2015.

सिन्हा, पीयूष कुमार; मिश्रा, एच.जी. और कौल, एस., "छोटे खुदरा विक्रेताओं के व्यापारिक निर्णयों का निर्धारणः एक गुणात्मक दृष्टि कोण," उभरते अर्थशास्त्र में छठा विपणन सम्मेलन, भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद, 7-9 जनवरी, 2015.

थॉमस, नोबिन और वोहरा, निहारीका, "संगठनात्मक शिक्षण के लिए एक बहु स्तरीय ढाँचे के विकास के लिए मानचित्रण सूचना प्रवाह के तरीके : एक सेवा प्रदाता का केस" दूसरा अखिल आईआईएम विश्व प्रबंधन सम्मेलन, भारतीय प्रबंध संस्थान, कोझीकोड, 5-8 नवंबर, 2014.

वर्मा, पूर्णिमा और रामकृष्णन, अंजलि, "एसएएफ़टीए में आंतर-उद्योग व्यापार और संभावना श्रम बाजार समायोजन," आर्थिक संस्थान का तेरहवां वार्षिक दक्षिण एशियाई नेटवर्क सम्मेलन, ढाका, 30-31 अगस्त, 2014.

वर्मा, वर्षा, "विपणन संचार में भाषायी अवरोध : उत्पाद विफलता संदर्भ की ऑनलाइन समीक्षा," प्रबंधन अकादमी की वार्षिक बैठक, फिलाडेल्फिया, 1-5 अगस्त, 2014.

यादव, रमा शंकर, " विभिन्न प्रकार की नेतृत्व शैलियों और संगठनात्मक नवप्रवर्तन के बीच के संबंध पर एक साहित्यिक समीक्षा" अनुसंधान एवं शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता पर छठा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, भारतीय प्रबंध संस्थान, इंदौर, 8-11 मई, 2014.

# ञ

## केस लेखन, अनुसंधान, एवं परामर्शन

| वर्ष | पूर्ण किए गए केस (संचयी) | पूर्ण हुई अनुसंधान परियोजनाएँ (संचयी) | पूर्ण हुई परामर्शन परियोजनाएँ (संचयी) |
|---|---|---|---|
| 2004-05 | 2933 | 655 | 2044 |
| 2005-06 | 2945 | 675 | 2118 |
| 2006-07 | 2977 | 709 | 2137 |
| 2007-08 | 2988 | 729 | 2186 |
| 2008-09 | 3037 | 749 | 2272 |
| 2009-10 | 3050 | 791 | 2405 |
| 2010-11 | 3062 | 792 | 2510 |
| 2011-12 | 3068 | 793 | 2634 |
| 2012-13 | 3080 | 797 | 2708 |
| 2013-14 | 3169 | 814 | 2823 |
| **2014-15** | **3210** | **889** | **3356** |

# ट

## कृषि प्रबंधन केन्द्र

### पूर्ण हुई अनुसंधान परियोजनाओं के सार

**1. संसाधन संरक्षण प्रौद्योगिकी का एक विश्लेषणः लघु सिंचाई प्रणाली का एक केस (ड्रिप सिंचाई)**

कृषि के क्षेत्र में अनुसंधान ने विशेष रूप से संसाधन संरक्षण में, लघु सिंचाई तकनीक की लाभकारी भूमिका पर प्रकाश डाला है। हालांकि, हाल की कुछ शोध रिपोर्टों में प्रकाश डाला गया है कि बेसिन स्तर पर प्रौद्योगिकी से व्युत्पन्न खेत स्तर के लाभ कभी बदलते नहीं है और इसलिए वास्तव में संसाधन संरक्षण को प्रौद्योगिकी लाभ नहीं पहुँचाती है। इस अध्ययन में अधिक अपनाए गए क्षेत्रों या समूहों में फैली और प्रभावित ड्रिप सिंचाई का विश्लेषण किया गया है। एक सर्वेक्षण गुजरात, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में आयोजित किया गया।

इस अध्ययन से पता चलता है कि संसाधन संरक्षण प्रभाव वास्तव में मौजूद हैं लेकिन अधिक अपनाने की स्थितियों में सरलता से दिखाई देते हैं और इसीलिए एक क्लस्टर अभिग्रहण नीति काफी उपयोगी हो सकती है। अधिक फसलों अथवा सिंचाई की न्यूनता को काबू करने अथवा सिंचित क्षेत्र के विस्तार के लिए 'संचित जल' का उपयोग करने की प्रवृत्ति होने के बावजूद इस अभिग्रहण के बाद से जलस्तर और पानी की उपलब्धता पर सकारात्मक प्रभाव दिखे हैं। जो किसान पानी, बिजली, या श्रमिकों की कमी का सामना कर रहे हैं उनके लिए काबू पाने का यह एक महत्वपूर्ण तरीका भी है, और इनके लिए एक आय बीमा के रूप में कार्य करता है। खेती को एक व्यवसाय के रूप में बनाए रखने में किसानों के लिए बूंद-बूंद (ड्रिप) सिंचाई ही सबसे अच्छा विकल्प दिखता है। जो समूह स्तर पर दिखे और खेत स्तर पर ना दिखे ऐसे जल संचय के बजाय किसानों को बेहतर कृषि अर्थशास्त्र को प्रोत्साहित करने की जरूरत है। विभिन्न योजनाओं से ड्रिप सिंचाई के लिए वित्तपोषण जुटाकर सब्सिडी आवंटन बढ़ाने के लिए सामंजस्य स्थापित किया जा सकता है।

**2. भारत में प्रमुख खाद्यान्नों का विपणन और विपणन अधिशेष का आकलन (समन्वित अध्ययन)**

भारतीय कृषि तेजी से वाणिज्यिक, बाजार-उन्मुख और धन कमाने का जरिया बन गई है। किसानों द्वारा कृषि उत्पादों के विपणन का अनुपात हाल के दिनों में काफी बढ़कर 70 से अधिक प्रतिशत तक हो गया है जो 50 के दशक में लगभग 30 - 35 फीसदी था। निर्वाह फसलों की तुलना में वाणिज्यिक फसलों के मामले में बिक्रीकृत अधिशेष अपेक्षाकृत अधिक है। उत्पादकों और विश्वसनीय विपणन अधिशेष के अनुमान के साथ ही इसे प्रभावित करने वाले कारकों के विपणन व्यवहार को समझने से उचित उत्पादन, खरीद, भंडारण, वितरण और मूल्य निर्धारण की नीतियों को डिजाइन करने में महत्वपूर्ण मदद मिल सकती है। प्रमुख उत्पादक राज्यों में खेतों की विभिन्न श्रेणियों के लिए बिक्री अधिशेष के स्तर को निर्धारित करने वाले प्रमुख खाद्यान्न के बिक्री और विपणन योग्य अधिशेष का अनुमान लगाने तथा महत्त्वपूर्ण कारकों की जाँच करने के लिए यह अध्ययन किया गया था। यह उम्मीद की गई है कि इस अध्ययन के परिणाम प्रभावी खाद्यान्न खरीद, वितरण और मूल्य नीति को डिजाइन करने में उपयोगी रहेंगे।

**3. भारत में तिलहन उत्पादन की समस्याएँ और संभावनाएँ (समन्वित अध्ययन)**

भारतीय घरों में भोजन व्यय का एक महत्वपूर्ण घटक खाद्य तेल होते हैं और इसकी गणना भोजन पर व्यय में 6.7 प्रतिशत मानी जाती है। पिछले एक दशक के दौरान खाद्य तेलों की मांग में एक नियमित वृद्धि हुई है और प्रति व्यक्ति खपत वर्ष 2006-7 में लगभग 12 किलो / वर्ष से लेकर वर्ष 2012-13 में 15.4 किलो / वर्ष तक बढ़ गई है। खाद्य तेलों की मांग में वृद्धि मुख्य रूप से बढ़ती आय के स्तर, जीवन स्तर और भोजन की बदलती आदतों के कारण है। देश में खाद्य तेलों की मांग आय में वृद्धि, जनसंख्या वृद्धि, और खपत के तरीकों में बदलाव के बढ़ने के कारण अपेक्षित है। हालांकि, घरेलू तिलहन उत्पादन में धीमी गति से वृद्धि और अन्य उच्च मूल्य फसलों के रकबे का स्थानांतरण किये जाने के कारण खाद्य तेलों की मांग और आपूर्ति के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर रहा है। इस अंतर को आयात के माध्यम से पूरा किया गया है, जो वर्ष 2012-13 में तेल की लगभग 57 प्रतिशत खपत के लिए है।

विभिन्न फसलों के लिए कृषि भूमि की मांगों को देखते हुए, यदि किसानों को लाभकारी और आकर्षक कीमत तथा आश्वासनप्रद विपणन सुविधा मिल सकती है तो उद्यमों से और तिलहन का उत्पादन करके उत्पादकता में काफी सुधार किया जा सकता है। हालांकि, किसानों को तिलहन उत्पादन में विभिन्न बाधाओं का सामना करना पड़ता है। तिलहन अधिकांशतः वर्षा आधारित परिस्थितियों में उगाए जाते हैं, और तिलहन के लिए केवल 25 प्रतिशत भाग ही सिंचित क्षेत्र है। कई जैविक, अजैविक, तकनीकी, संस्थागत और सामाजिक-आर्थिक बाधाएँ भी फसलों की उपज क्षमता के दोहन को रोकती हैं। बदलते नीति पर्यावरण, बढ़ती मांग, घरेलू उत्पादन में धीमी गति से वृद्धि, और बढ़ते आयात को देखते हुए, इस अध्ययन में भारतीय तिलहन क्षेत्र के प्रदर्शन और क्षमता को दर्शाया गया है, प्रमुख समस्याओं / बाधाओं की पहचान की गई है, और तिलहन के उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने के लिए नीतिगत विकल्पों को सुझाया गया है।

# ट

## कृषि प्रबंधन केन्द्र

**4. कृषि में जैव प्रौद्योगिकीः संभावना, प्रदर्शन, और चिंताएँ**

जैव प्रौद्योगिकी में प्रमुख सुझावों ने सीधे ही जीन की पहचान, उनके कार्यों पता लगाने, और एक जीव से अलग करके दूसरे तक स्थानांतरित करना संभव बना दिया है। इससे प्रमुख घटनाओं और संभावनाओं के साथ ही विवाद बढ़ गए। यह शोध भारत के लिए कृषि जैव प्रौद्योगिकी के संभावित लाभ का आकलन करता है। इसमें भौतिकी और आर्थिक दृष्टि से जैव प्रौद्योगिकी के प्रदर्शन पर अब तक उपलब्ध जानकारी, और भारत में तथा अन्यत्र जैव प्रौद्योगिकी के रिकार्ड की परख होती है। इससे भारत में जोखिम तथा जोखिम की लोकधारणा सहित कृषि जैव प्रौद्योगिकी के प्रतिरोध के पीछे रहे कारणों की जाँच भी होती है। इसके आधार पर, नीतियाँ बनती हैं और भविष्य में भारत में कृषि जैव प्रौद्योगिकी की कार्रवाई के लिए एक संभव पथ निकलता है।

# ठ

## स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन केन्द्र

### वर्ष 2014-15 में आयोजित सेमिनार

- देबजीत बिस्वास, उपप्रमुख व अध्यक्ष, जैव सांख्यिकी और डाटा प्रबंधन, पीरामल लाइफ साइंसेज, एनसीई रिसर्च, मुंबई, "औषधकीय विकास में विश्लेषिकी", 27 अगस्त 2014
- अजय बख्शी, प्रबंध निदेशक व सीईओ, मणिपाल स्वास्थ्य उद्यम (मणिपाल हॉस्पिटल्स), बैंगलुरू, "निजी क्षेत्र स्वास्थ्य सेवा वितरण संगठनों द्वारा प्रबंधन चुनौतियों का सामना", 10 सितम्बर 2014
- वेंकटेश्वरलु सोनाती, समूह प्रमुख, केन्द्रीय एनालिटिक्स संचालन, नोवार्टिस, हैदराबाद, "व्यापार निर्णय निर्माण के लिए विश्लेषिकी" 28 नवंबर 2014
- डॉ महेश देसाई, चिकित्सा निदेशक, मूलजीभाई पटेल यूरोलोजिकल अस्पताल, नडियाद, गुजरात, "गुणवत्ता प्रबंधन और संस्थागत अस्पताल देखभाल", 19 दिसंबर 2014
- गैरी जे. बेर्तोल्फ़, सहायक प्रोफ़ेसर, अंग्रेजी विभाग, क्लेमसन विश्वविद्यालय, "वंश का बायोपॉलिटिक्स और जाति के प्रति जीनोमिक झुकाव", 29 दिसंबर 2014
- संदीप मेनन, कार्यकारी निदेशक और प्रमुख, फाइजर इंक न्यूयॉर्क में जैव चिकित्सा विज्ञान में अनुसंधान एवं विकास पर जैव सांख्यिकी, "मात्रात्मक उपकरणों के माध्यम से अनुसंधान एवं विकास में सुधार और स्वास्थ्य देखभाल", 5 जनवरी 2015
- कांति मरडिया, वरिष्ठ अनुसंधान प्रोफ़ेसर, केलॉग कॉलेज-ऑक्सफोर्ड फेलो, ऑक्सफोर्ड और लीड्स विश्वविद्यालय, "सांख्यिकी हर जगह है क्या? स्वास्थ्य और चिकित्सा विज्ञान में कुछ दूर तक के केस अध्ययन", 19 जनवरी 2015
- डॉ सिद्धार्थ सत्पथी, प्रोफेसर और प्रमुख, अस्पताल प्रशासन विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली, "अस्पतालों में रोगी की सुरक्षा : एक सिंहावलोकन", 13 फ़रवरी 2015

# ङ

## पूर्वछात्र गतिविधियाँ

| तारीख | शाखा | घटनाक्रम | उपस्थित पूर्वछात्रों की संख्या | टिप्पणी |
|---|---|---|---|---|
| अप्रैल 2014 | अहमदाबाद | अध्ययन मंडली की भेंट | 9 | नई टीम ने औपचारिक रूप से अप्रैल से अपनी गतिविधियों को शुरू कर दिया। इसमें नियमित रूप से अध्ययन मंडली की भेंट शामिल है जो महीने में एक बार होती है। इस शाखा ने युवा उद्यमियों के लिए 'प्रेरणात्मक वित्त' नामक एक पहल शुरू की है जिसमें एक निधि शुरू की गई है। आईआईएमएएएसी पूर्वछात्रों को नियमित रूप से मिलन समारोह तथा रात्रिभोज में मिलाती रहती है। यह शाखा बहुत ही जीवंत है और संस्थान के पूर्व छात्रों के संबंधों को मजबूत करने के लिए विविध गतिविधियों को अपनाने की योजनाएँ बना रही है। |
| 11 अप्रैल 2014 | मुंबई | आईआईएमए सम्मान समारोह | 25 | सामाजिक प्रासंगिक हितकार्यों में अपनी संलिप्तता के द्वारा समाज पर आईआईएमए जो निश्चित प्रभाव बनाता है उस पर चर्चा के लिए पूर्वछात्र एकत्र हुए। इस तरह से एक विचार-मंच पर विचार, उद्देश्य और दृष्टि के लिए पूर्वछात्र एकसाथ मिलकर उद्योगों, सरकारी, गैर-लाभकारी क्षेत्रों में अपने समुदाय की उपस्थिति को मजबूत करते हैं। |
| 19 अप्रैल, 2014 | पुणे | नेतृत्व कार्यशाला | 20 | कार्यशाला का संचालन प्रोफेसर इंदिरा परीख (आईआईएमए की पूर्व डीन) के नेतृत्व में किया गया। यह सत्र मुख्य रूप से व्यावहारिक विचारों के साथ प्रभावी नेतृत्व के अंतर को पूरा करने के लिए एक आत्म रूपरेखा पर था। प्रोफेसर परीख के समृद्ध अनुभव से अमूल्य अंतर्दृष्टि प्राप्त करके प्रतिभागी सक्षम बने। |
| 19 अप्रैल, 2014 | बेंगलुरू | 2 स्टेट्स का प्रदर्शन | 100 | इस शाखा द्वारा फिल्म 2 स्टेट्स के प्रदर्शन का आयोजन किया गया। यह पूर्वछात्रों का एक अलग ही अनुभव था क्योंकि यह फिल्म परिसर में ही शूट की गई थी। |
| 24 अप्रैल, 2014 | चेन्नई | निदेशक का दौरा | 100 | प्रोफेसर आशीष नंदा, निदेशक, ने दो विस्तारित सत्रों के लिए चेन्नई का दौरा किया। प्रोफेसर नंदा ने आईआईएमए के लिए अपनी दूरदृष्टि के बारे में प्रेरणादायक महत्वपूर्ण भाषण दिया और पूर्वछात्रों से अपनी उम्मीदें जताईं। |
| 26 अप्रैल, 2014 | मुंबई | 2 स्टेट्स का प्रदर्शन | 45 | इस शाखा द्वारा फिल्म 2 स्टेट्स के प्रदर्शन का आयोजन किया गया। यह पूर्वछात्रों का एक अलग ही अनुभव था क्योंकि यह फिल्म परिसर में ही शूट की गई थी। |
| 27 अप्रैल, 2014 | चेन्नई | सीएसआर | 25 | अपने पूर्वछात्रों के साथ-साथ आईआईएमए एक विचार-मंच बनाना चाहता है एक ऐसा केन्द्र जो समग्र रूप से कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी को संबोधित कर सके। एक बार जब यह केन्द्र शुरू हो जाए तो फिर व्यक्तियों द्वारा विभिन्न सीएसआर पहलों का संकलन करने पर ध्यान देगा। |
| 17 मई, 2014 | पुणे | सिंक्रोनी 2014 | 55 | जेनी चन्द्रा ने आईआईएमए की नई गतिविधियों और सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। 'नौकरियों के लिए और कैरियर के लिए नौकरियों तथा उद्यमियों दोनों के लिए और मुख्य बिंदुओं के रूप में आने वाले दस वर्षों में युवा एमबीए छात्रों के लिए अवसर' विषय पर एक पैनल चर्चा आयोजित की गई। |

# ङ

## पूर्वछात्र गतिविधियाँ

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 24 मई, 2014 | चेन्नई | सिंक्रोनी 2014 | 80 | प्रथम वर्ष के छात्रों के परंपरागत परिचय के साथ यह कार्यक्रम शुरू किया था। सिंक्रोनी के लिए जब इस शाखा के प्रमुख ने संस्थान द्वारा भेजा स्मृतिचिह्न प्राप्त किया तब हमारी मातृसंस्था की स्मृति में कुछ उदासी छा गई। |
| 10 मई, 2014 | मुंबई | सिंक्रोनी 2014 | 130 | नवागंतुकों तथा स्थानीय वरिष्ठों के बीच सिंक्रोनी एक दिलचस्प पुल बना हुआ है। |
| 17 मई, 2014 | पुणे | सिंक्रोनी 2014 | 75 | नए प्रवेशी छात्रों को पूर्वछात्रों के साथ बातचीत करने का मौका मिला और वे नेटवर्क बनाने में सक्षम बने। वर्षों के बाद पूर्वछात्रों ने अपने सहपाठियों से मिलकर कुछ सुनहरे पल बिताए। |
| 18 मई, 2014 | हैदराबाद | सिंक्रोनी 2014 | 250 | इस समारोह को बड़ी सफलता मिली। प्रारंभिक बैच-1968 के सहित सभी बैचों के पूर्वछात्रों ने इस समारोह में भाग लिया। इसके अलावा प्रथम वर्ष के 11 इंटर्न और 25 नवागंतुकों ने भाग लिया। |
| 24 मई, 2014 | हैदराबाद | चित्रकला प्रदर्शनी | 50 | इस प्रदर्शनी के शीर्षक 'भाग्य के रंग, के रूप में यह 2014 का आकर्षक चित्रण था। इसका लक्ष्य आईआईएमए छात्र संघ हैदराबाद शाखा द्वारा चलाए जा रही शहर में स्थित उद्भव स्कूल को समर्थन करने जैसी सामाजिक गतिविधियों के लिए धन जुटाना था। |
| 21 जून, 2014 | पुणे | 1964 के उपलक्ष्य में | 20 | 'आईआईएमए में पीजीपी के पचास वर्ष' मनाने के क्रम में पुणे शाखा द्वारा एक बैठक का आयोजन हुआ। |
| 14 जून, 2014<br>23 अगस्त, 2014 | बड़ौदा | मिलन समारोह | 10 | यह शाखा अपने भव्य अतीत के गौरव को फिर से हासिल करने अपने रास्ते पर आ गई है। बड़ौदा में 48 पूर्वछात्रों की पहचान की गई है। |
| 31 जुलाई, 2014 | लंदन | बैठक | 10 | इस शाखा ने यह कार्यक्रम प्रोफेसर आशीष नंदा और प्रोफेसर अरविंद सहाय से मिलने के लिए अक्टूबर में रखा था। पहले फ्लैगशिप कार्यक्रम के आयोजन के लिए निदेशक एवं डीन (एई एवं आर) के साथ हुई बातचीत ने एक उपयोगी उत्प्रेरक के रूप में कार्य किया। |
| 15 अगस्त, 2014 | बेंगलुरू | समाचार पत्र 'नम्मा' का उद्घाटन | 40 | पूर्व छात्रों के साथ साक्षात्कार, पूर्व छात्रों की एक परिचय पुस्तिका; समारोहों के आयोजन और शाखा की योजना इस समाचार पत्र में शामिल किये गये हैं। इस समाचार पत्र से पूर्वछात्रों को बेहतर रूप से जोड़ने में मदद मिली है। |
| 13 सितंबर, 2014 | चेन्नई | पैनल चर्चा | 50 | इस शाखा ने लेखक बने पूर्वछात्रों के बीच एक पैनल चर्चा का आयोजन किया। |
| 20 सितंबर, 2014 | कोलकाता | इंटर आईआईएमए नेटवर्किंग सत्र | 50 | इसमें 1978 बैच के एक पूर्वछात्र पी.डी. राय मुख्य अतिथि थे। |
| 29 अक्टूबर, 2014 | लंदन | इनोवेशन फोरम (नवाचार मंच) | 200 | इस मंच ने आईआईएमए और पूर्वछात्रों द्वारा सीआईआईई के लिए एक बड़े मंच के रूप में कार्य किया और शीर्ष नेतृत्व के साथ बातचीत के लिए मंच प्रदान किया। आईआईएम-ए में उद्यमशीलता की भावना पर प्रोफेसर आशीष नंदा की एक संक्षिप्त जानकारी के बाद, प्रोफेसर राकेश बसंत ने आईआईएमए में सीआईआईई की प्रभावी उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। |

# ङ

## पूर्वछात्र गतिविधियाँ

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 9 नवम्बर, 2014 | अहमदाबाद | दिवाली के बाद मिलन समारोह | 20 | प्रोफेसर आशीष नंदा मुख्य अतिथि थे। |
| 22 नवम्बर, 2014 | मुंबई | वर्षांत मिलन 2014 | 150 | इन बैठकों से मिल रहे सभी व्यावसायिक लाभों के अलावा एक और बात यह है कि आपको याद दिलाया जाता है कि आप इस संस्थान से हैं। |
| 22 नवम्बर, 2014 | दिल्ली | वार्षिक रात्रिभोज और पैनल चर्चा | 300 | पैनल चर्चा के लिए विषय था - 'बदलते समय के साथ बदलें'। इस दल के सदस्य पी.डी. राय, प्रोफेसर आशीष नंदा, किरण कार्णिक और संतोष देसाई थे। |
| 16 जनवरी, 2015 | अहमदाबाद | 1980 बैच के छात्रों का पुनर्मिलन | 25 | इस शाखा के पूर्वछात्र सदस्यों को इस बैच द्वारा 35 साल के पुनर्मिलन को चिह्नित करने तथा मनाने के लिए आमंत्रित किया गया था। |
| 18 जनवरी, 2015 | अहमदाबाद | हैरिटेज वॉक | 25 | आईआईएमए के हैरिटेज क्लब के सहयोग से एक हैरिटेज वॉक में संस्थान के पूर्व निदेशक प्रोफेसर समीर बरुआ सहित सदस्यों ने भाग लिया। |
| 19 जनवरी, 2015 | पुणे | मेक इन इंडिया | 42 | यह संध्या निदेशक प्रोफेसर आशीष नंदा और शीर्ष प्रबंधन के कुछ अग्रणियों तथा पुणे के उद्योग अग्रणियों के साथ एक गोलमेज बैठक के रूप में शुरू हुई। बैठक के दौरान, निम्नलिखित बातों पर विचार-विमर्श किया गया :<br>• सीआईआईई के माध्यम से उद्यमिता को बढ़ावा देना।<br>• समकालीन केसों के विकास पर आईआईएमए-उद्योग का सहयोग।<br>• प्रबंधन विकास को बढ़ावा देने के लिए आईआईएमए एवं उद्योग कैसे एक साथ आ सकते हैं। |

# ढ

## वैश्विक रैंकिंग

### अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग : फाइनेंशियल टाइम्स प्रबंध में स्नातकोत्तर रैंकिंग 2014

FT.com FINANCIAL TIMES

**Masters in Management 2014**

FT.com Business School Rankings - Custom PDF download

| Rank in 2014 | Rank in 2013 | School name | Country | Programme name | Weighted salary (US$) | Value for money rank | Employed at three months (%) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 1 | University of St Gallen | Switzerland | Master of Arts in Strategy and International Management | 79,572 | 1 | 100 (88) |
| 2 | 4 | HEC Paris | France | HEC Master of Science in Management | 78,825 | 28 | 97 (65) |
| 3 | 8 | Essec Business School | France | Master of Science in Management | 77,451 | 40 | 91 (74) |
| 4 | 3 | WHU Beisheim | Germany | Master of Science in Management | 93,948 | 5 | 100 (90) |
| 5 | 7 | Cems | See table note | Masters in International Management | 63,468 | 2 | 93 (62) |
| 6 | 10 | Esade Business School | Spain | MSc in International Management | 65,647 | 29 | 97 (96) |
| 7 | 2 | ESCP Europe | France, UK, Germany, Spain, Italy | ESCP Europe Master in Management | 65,404 | 48 | 83 (63) |
| 8 | 5 | Rotterdam School of Management, Erasmus University | Netherlands | MSc in International Management | 67,696 | 11 | 88 (96) |
| 9 | 5 | IE Business School | Spain | Master in Management | 74,263 | 46 | 95 (88) |
| 10 | - | London Business School | UK | Masters in Management | 70,414 | 27 | 96 (98) |
| 11 | 9 | HHL Leipzig Graduate School of Management | Germany | Master of Science in Management | 85,238 | 26 | 90 (88) |
| 12 | 17 | Università Bocconi | Italy | Master of Science in International Management | 63,986 | 38 | 94 (42) |
| 13 | 19 | Indian Institute of Management, Calcutta | India | Post Graduate Programme | 83,085 | 41 | 100 (99) |
| 14 | - | EBS Business School | Germany | Master in Management | 81,734 | 25 | 86 (100) |
| 15 | 13 | Grenoble Graduate School of Business | France | Master in International Business | 56,048 | 49 | 88 (75) |
| 16 | 14 | Edhec Business School | France | Edhec Master in Management | 56,651 | 54 | 97 (94) |
| 16 | 18 | Indian Institute of Management, Ahmedabad | India | Post Graduate Programme in Management | 94,721 | 55 | 100 (95) |

# ढ

## वैश्विक रैंकिंग

### अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग : दी इकोनोमिस्ट - पूर्णकालिक एमबीए रैंकिंग 2014

| Rank | Business School | Country | Rank | Business School | Country |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | University of Chicago – Booth School of Business | United States | 51 | University of Maryland – Robert H Smith School of Business | United States |
| 2 | Dartmouth College - Tuck School of Business | United States | 52 | University of Cambridge – Judge Business School | United Kingdom |
| 3 | University of Virginia – Darden School of Business | United States | 53 | Cranfield School of Management | United Kingdom |
| 4 | HEC School of Management, Paris | France | 54 | City University – Cass Business School | United Kingdom |
| 5 | University of Navarra – IESE Business School | Spain | 55 | Hult International Business School | United States |
| 6 | Harvard Business School | United States | 56 | University of Wisconsin-Madison – Wisconsin School of Business | United States |
| 7 | University of California at Berkeley – Haas School of Business | United States | 57 | Temple University – Fox School of Business | United States |
| 8 | New York University – Leonard N Stern School of Business | United States | 58 | University of Rochester – Simon Business School | United States |
| 9 | Stanford University – Graduate School of Business | United States | 59 | University of St.Gallen | Switzerland |
| 10 | Columbia Business School | United States | 60 | Erasmus University – Rotterdam School of Management | Netherlands |
| 11 | University of Pennsylvania – Wharton School | United States | 61 | Pennsylvania State University – Smeal College of Business | United States |
| 12 | Massachusetts Institute of Technology – MIT Sloan School of Management | United States | 62 | Hong Kong University of Science and Technology – HKUST Business School | Hong Kong |
| 13 | UCLA Anderson School of Management | United States | 63 | University College Dublin – Michael Smurfit Graduate School of Business | Ireland |
| 14 | Northwestern University – Kellogg School of Management | United States | 64 | University of Southern California – Marshall School of Business | United States |
| 15 | London Business School | United Kingdom | 65 | Wake Forest University Schools of Business | United States |
| 16 | University of Queensland Business School | Australia | 66 | Nanyang Technological University – Nanyang Business School | Singapore |
| 17 | Emory University – Goizueta Business School | United States | 67 | Texas Christian University – Neeley School of Business | United States |
| 18 | INSEAD | France | 68 | University of California at Davis – Graduate School of Management | United States |
| 19 | Yale School of Management | United States | 69 | University of Oxford – Saïd Business School | United Kingdom |
| 20 | University of Michigan – Stephen M. Ross School of Business | United States | 70 | University of Nottingham – Nottingham University Business School | United Kingdom |
| 21 | IMD - International Institute for Management Development | Switzerland | 71 | EMLYON Business School | France |
| 22 | Carnegie Mellon University – The Tepper School of Business | United States | 72 | University of Iowa – Henry B Tippie School of Management | United States |
| 23 | Cornell University – Samuel Curtis Johnson Graduate School of Management | United States | 73 | Boston University School of Management | United States |
| 24 | ESADE Business School | Spain | 74 | University of Georgia – Terry College of Business | United States |
| 25 | Duke University – Fuqua School of Business | United States | 75 | Grenoble Ecole de Management – Grenoble Graduate School of Business | France |
| 26 | European School of Management and Technology – ESMT Berlin | Germany | 76 | University of Pittsburgh – Katz Graduate School of Business | United States |
| 27 | University of Hong Kong – Faculty of Business and Economics | Hong Kong | 77 | Durham University Business School | United Kingdom |
| 28 | Ohio State University – Fisher College of Business | United States | 78 | George Washington University – School of Business | United States |
| 29 | Vanderbilt University – Owen Graduate School of Management | United States | 79 | HEC Montréal | Canada |
| 30 | University of Washington – Foster School of Business | United States | 80 | University of Florida – Hough Graduate School of Business | United States |
| 31 | Indiana University – Kelley School of Business | United States | 81 | Concordia University – John Molson School of Business | Canada |
| 32 | University of Texas at Austin – McCombs School of Business | United States | 82 | Lancaster University Management School | United Kingdom |
| 33 | Rice University – Jesse H Jones Graduate School of Business | United States | 83 | Case Western Reserve University – Weatherhead School of Management | United States |
| 34 | Henley Business School | United Kingdom | 84 | China Europe International Business School (CEIBS) | China |
| 35 | University of North Carolina at Chapel Hill – Kenan-Flagler Business School | United States | 85 | University of Arizona – Eller College of Management | United States |
| 36 | IE University – IE Business School | Spain | 86 | Southern Methodist University – Cox School of Business | United States |
| 37 | Warwick Business School, University of Warwick | United Kingdom | 87 | Aston University – Aston Business School | United Kingdom |
| 38 | University of Mannheim – Mannheim Business School | Germany | 88 | Audencia Nantes School of Management | France |
| 39 | SDA Bocconi – School of Management | Italy | 89 | International University of Monaco | Monaco |
| 40 | University of Melbourne – Melbourne Business School | Australia | 90 | University of Edinburgh Business School | United Kingdom |
| 41 | York University – Schulich School of Business | Canada | 91 | University of California, San Diego – Rady School of Management | United States |
| 42 | Georgetown University – Robert Emmett McDonough School of Business | United States | 92 | Thunderbird School of Global Management | United States |
| 43 | University of Bath – School of Management | United Kingdom | 93 | University of Birmingham – Birmingham Business School | United Kingdom |
| 44 | EDHEC Business School | France | 94 | University of South Carolina – Darla Moore School of Business | United States |
| 45 | University of Notre Dame – Mendoza College of Business | United States | 95 | National University of Singapore – The NUS Business School | Singapore |
| 46 | University of Strathclyde – Strathclyde Business School | United Kingdom | 96 | International University of Japan – Graduate School of International Management | Japan |
| 47 | Washington University in St Louis – Olin Business School | United States | 97 | Chinese University of Hong Kong – CUHK Business School | Hong Kong |
| 48 | Indian Institute of Management Ahmedabad | India | 98 | Brandeis University – Brandeis International Business School | United States |
| 49 | Macquarie Graduate School of Management | Australia | 99 | Yonsei University | Republic of Korea |
| 50 | Arizona State University – W. P. Carey School of Business | United States | 100 | WHU - Otto Beisheim School of Management | Germany |

# ढ

## वैश्विक रैंकिंग

### कृषि व्यवसाय/खाद्य उद्योग प्रबंधन में एडयूनिवर्सल सर्वोत्तम स्नातकोत्तर रैंकिंग 2014-15

Best-Masters.COM
The best Masters and MBA worldwide

Agribusiness / Food Industry Management - WORLDWIDE

Best Masters Ranking in
**Agribusiness / Food Industry Management**

EDUNIVERSAL MASTERS RANKING 2014 | 2015

| Country | Rank | School / Programme |
|---|---|---|
| | 1. | ESSEC Business School<br>MS Management International Agro-Alimentaire |
| | 2. | Indian Institute of Management Ahmedabad<br>Post Graduate Programme in Agri-Business Management (PGP-ABM) |
| | 3. | Pontificia Universidad Católica de Chile - Facultad de Agronomía e Ingeniería Forestal<br>Magíster en Gestión de Empresas Agroalimentarias |
| | 4. | University of California - Berkeley<br>Graduate Program and PhD Agribusiness Program |
| | 5. | Cornell University<br>Master of Science in Food Industry Management |
| | 6. | Universidad de Buenos Aires (UBA)<br>Maestría en Agronegocios |
| | 7. | The University of Melbourne - Melbourne School of Land and Environment<br>Master of Agribusiness |
| | 8. | Shanghai Jiao Tong University<br>Master in Agricultural Economy & Management |
| | 9. | University of British Columbia<br>Master of Food and Resource Economics |
| | 10. | Texas A&M University<br>Master of Agribusiness |

# ढ

## वैश्विक रैंकिंग

### अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग : फाइनेंशियल टाइम्स वैश्विक एमबीए रैंकिंग 2015

FT .com FINANCIAL TIMES

**Global MBA Ranking 2015**

FT.com Business School Rankings - Custom PDF download

| Rank in 2015 | 3 year average rank | School name | Country | Weighted salary (US$) | Salary percentage increase |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 1 | Harvard Business School | US | 179,910 | 96 |
| 2 | 3 | London Business School | UK | 154,147 | 97 |
| 3 | 3 | University of Pennsylvania: Wharton | US | 171,543 | 90 |
| 4 | 3 | Stanford Graduate School of Business | US | 177,089 | 80 |
| 4 | 5 | Insead | France / Singapore | 155,015 | 86 |
| 6 | 5 | Columbia Business School | US | 169,252 | 106 |
| 7 | 7 | Iese Business School | Spain | 144,992 | 121 |
| 8 | 8 | MIT: Sloan | US | 158,926 | 97 |
| 9 | 9 | University of Chicago: Booth | US | 161,289 | 97 |
| 10 | 11 | University of California at Berkeley: Haas | US | 158,518 | 88 |
| 11 | 14 | Ceibs | China | 149,504 | 147 |
| 12 | 12 | IE Business School | Spain | 152,286 | 104 |
| 13 | 15 | University of Cambridge: Judge | UK | 146,664 | 93 |
| 14 | 12 | HKUST Business School | China | 132,416 | 117 |
| 14 | 14 | Northwestern University: Kellogg | US | 159,598 | 90 |
| 16 | 19 | HEC Paris | France | 129,544 | 104 |
| 17 | 14 | Yale School of Management | US | 154,175 | 96 |
| 18 | 18 | New York University: Stern | US | 146,701 | 90 |
| 19 | 21 | Esade Business School | Spain | 133,138 | 117 |
| 20 | 17 | IMD | Switzerland | 148,148 | 70 |
| 21 | 19 | Duke University: Fuqua | US | 142,557 | 91 |
| 22 | 23 | University of Oxford: Saïd | UK | 136,474 | 86 |
| 23 | 20 | Dartmouth College: Tuck | US | 153,896 | 94 |
| 24 | 26 | University of Michigan: Ross | US | 144,159 | 97 |
| 25 | 25 | UCLA: Anderson | US | 142,380 | 92 |
| 26 | 27 | Indian Institute of Management, Ahmedabad | India | 167,676 | 88 |

# ण

## कार्मिक

### ण1: नई नियुक्तियाँ

| | |
|---|---|
| • सुनील माहेश्वरी | कार्मिक एवं औद्योगिक संबंध क्षेत्र |
| • पूर्णिमा वर्मा | कृषि प्रबंधन केंद्र |
| • हंस ह्यूबर | सार्वजनिक प्रणाली समूह |
| • सुंदरवल्ली नारायणस्वामी | सार्वजनिक प्रणाली समूह |
| • रमेश भट्ट | सार्वजनिक प्रणाली समूह |
| • अमित कर्ण | व्यापार नीति क्षेत्र |
| • आशीष जलोटे परमार | व्यापार नीति क्षेत्र |
| • अंकुर सिन्हा | उत्पादन एवं मात्रात्मक तरीके क्षेत्र |
| • संकेत महापात्र | अर्थशास्त्र क्षेत्र |

### ण2: त्यागपत्र

- सुश्री पूजा दवे

### ण3:समयावधि पूर्ण:

- प्रोफेसर शैलेंद्र मेहता

### ण4: सेवानिवृत्तियाँ

वर्ष के दौरान निम्न कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए:

- प्रोफेसर के.वी. रमणी
- प्रोफेसर दीप्ति भटनागर
- प्रोफेसर जेरोम जोसेफ
- श्री मगन चौधरी
- श्री हिम्मत सोलंकी
- श्री दशरथ वाघेला
- श्री गिरधर गोहेल
- श्री जी.बी. पुरबिया
- श्री नवलसिंह वाघेला
- श्री ए. राघवन
- श्री वजेसिंह वाघेला
- श्री जितेन्द्र मकवाना
- श्री भीखाभाई राठौड़
- श्री एस. सुंदरराजन
- श्री एम. हरिदासन
- श्री विक्रम पुरबिया
- श्री जशभाई परमार
- सुश्री रमणी विजयपाल
- श्री कुमारेश दत्ता
- श्री वी.एन. भगत
- श्री सी.वी. वर्गिस

संस्थान इन्हें इनकी दीर्घकालीन, समर्पित तथा विशिष्ट सेवाओं के लिए धन्यवाद देता है।

### ण5: अनुपस्थिति की स्वीकृति

- प्रोफेसर नवदीप माथुर को 1 सितंबर, 2014 से एक वर्ष के लिए अवैतनिक छुट्टियों की स्वीकृति दी गई।

### ण6: पदोन्नति

- प्रोफेसर धीरज शर्मा
- प्रोफेसर देबजीत रॉय
- प्रोफेसर कविता रंगनाथन
- प्रोफेसर शोभेश अगरवाला
- प्रोफेसर राम मोहन तुरागा
- प्रोफेसर प्रहलाद वेंकटेशन
- श्री कमलेश गाँधी
- श्री अविनाश लाड
- श्री प्रदोष थिया
- श्री प्रतीक शेठ
- श्री पी.वी. सेतुमाधवन
- सुश्री रमिया दीपक नायर
- श्री सुनील पटेल

# ण

## कार्मिक

### ण7: कार्मिक संख्या

| वर्ष | संकाय | अनुसंधान कार्मिक | प्रशासनिक कर्मचारी | कुल |
|---|---|---|---|---|
| 2004-5 | 79 | 58 | 329 | 466 |
| 2005-6 | 81 | 69 | 314 | 464 |
| 2006-7 | 83 | 63 | 316 | 462 |
| 2007-8 | 86 | 69 | 311 | 466 |
| 2008-9 | 94 | 79 | 319 | 492 |
| 2009-10 | 92 | 68 | 329 | 489 |
| 2010-11 | 88 | 71 | 327 | 486 |
| 2011-12 | 88 | 66 | 316 | 470 |
| 2012-13 | 85 | 70 | 291 | 446 |
| 2013-14 | 90 | 65 | 269 | 424 |
| 2014-15 | 95 | 72 | 286 | 453 |

# त

## शासक मंडल

अध्यक्ष

**ए. एम. नायक**
समूह कार्यकारी अध्यक्ष
लार्सन एंड टूब्रो लिमिटेड, मुंबई

**सदस्य**

**श्री सत्यनारायण मोहंती**
सचिव
उच्चतर शिक्षा विभाग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
नई दिल्ली

**योगेन्द्र त्रिपाठी**
संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार
उच्चतर शिक्षा विभाग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
नई दिल्ली

**श्री मुकेश पुरी, आईएएस**
प्रमुख सचिव
(उच्च एवं तकनीकी शिक्षा)
शिक्षा विभाग
गुजरात सरकार
गाँधीनगर

**डॉ. एम. एन. पटेल**
कुलपति
गुजरात विश्वविद्यालय
नवरंगपुरा
अहमदाबाद

**संजय एस. लालभाई**
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
अरविंद लिमिटेड, अहमदाबाद

**चिंतन एन. परीख**
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
आशिमा लिमिटेड, अहमदाबाद

**पंकज आर. पटेल**
अध्यक्ष तथा प्रबंध निदेशक
केडिला हैल्थकेयर लिमिटेड
अहमदाबाद

**टी. वी. राव**
अध्यक्ष, टी वी आर एल एस
अहमदाबाद

**रमा बीजापुरकर**
प्रबंध सलाहकार
मुम्बई

**डी. शिवाकुमार**
अध्यक्ष तथा सीईओ - भारतीय क्षेत्र
पेप्सिको इंडिया होल्डिंग्स प्रा. लिमिटेड
गुड़गाँव

**वसंत गाँधी**
प्रोफ़ेसर
भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

**रेखा जैन**
प्रोफ़ेसर
भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

**किरण कर्णिक**
नई दिल्ली

**डॉ. श्रीकांत एम. दातार**
लेखांकन में आर्थर लोवेस डिकिंसन प्रोफ़ेसर
हार्वर्ड विश्वविद्यालय, अमेरिका

**आशीष नंदा**
निदेशक
भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

**सचिव**

**कमांडर मनोज भट्ट (सेवानिवृत्त)**
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी
भारतीय प्रबंध संस्थान
अहमदाबाद

# थ

## भा. प्र. सं. अहमदाबाद समिति के सदस्य

**बज़मी हुसैन**
प्रबंध निदेशक
एबीबी लिमिटेड
बैंगलूरु

**बेहराम शेरडीवाला**
प्रमुख - मानव संसाधन
एसीसी लिमिटेड
मुंबई

**हिरेन एस. महादेविया**
निदेशक (वित्त एवं कॉर्पोरेट मामले)
एवं कंपनी सेक्रेटरी
अहमदाबाद न्यू कोटन मिल्स कं. लि.
(आशिमा लिमिटेड की यूनिट)
अहमदाबाद

**वरिष्ठ उपाध्यक्ष (मानव संसाधन)**
एलेम्बिक लिमिटेड, वड़ोदरा

**मोहल के. साराभाई**
प्रमुख (कॉर्पोरेट प्लानिंग)
अंबालाल साराभाई एंटरप्राइजेज लिमिटेड
अहमदाबाद

**नितिन जे. नाणावटी**
प्रबंध निदेशक
अपूर्व कंटेनर्श प्राइवेट लिमिटेड
अहमदाबाद

**अमोल शेठ**
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
अनिल लिमिटेड
अहमदाबाद

**प्रफुल्ल अनुभाई**
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
आरोही कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड
अहमदाबाद

**संजय एस. लालभाई**
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
अरविंद लिमिटेड
अहमदाबाद

**अनंग ए. लालभाई**
प्रबंध निदेशक
अरविंद प्रोडक्ट्स लिमिटेड
अहमदाबाद

**जलज दानी**
प्रमुख - इंटरनेशनल
एशियन पेंट्स लिमिटेड
मुम्बई

**चिंतन परीख**
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
आशिमा लिमिटेड
अहमदाबाद

**सुनील एस. लालभाई**
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
अतुल लिमिटेड
अतुल

**अमृत रथ**
उप प्रमुख (मा.सं.)
बजाज ऑटो लिमिटेड
पुणे

**श्रीमती विंध्या रमेश**
महाप्रबंधक (मानव संसाधन प्रबंधन)
बैंक ऑफ़ बडौदा
मुंबई

**तारा प्रसाद मिश्रा**
प्रधान एवं उप महाप्रबंधक
बड़ौदा एपेक्स अकादमी
अहमदाबाद

**संजय पवार**
क्षेत्रीय प्रबंधक
बैंक ऑफ इंडिया
अहमदाबाद

**अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक**
बी ई एम एल लिमिटेड
बैंगलूरु

**बी. प्रसाद राव**
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
नई दिल्ली

**दुर्गेश मेहता**
संयुक्त प्रबंध निदेशक
दी बोम्बे डाइंग एंड मैनुफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड
मुम्बई

**पंकज आर. पटेल**
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
केडिला हेल्थकेयर लिमिटेड
अहमदाबाद

**एम. एम. मुरुगप्पन**
अध्यक्ष
कार्बोरंडम यूनिवर्सल लिमिटेड
चेन्नई

**प्रमित झवेरी**
भारत के मुख्य कार्यकारी अधिकारी
सिटीबैंक
मुम्बई

**आर. कृपलानी**
निदेशक - ऑटोमोटिव एवं मुख्य संचालन
अधिकारी
कैस्ट्रोल इंडिया लिमिटेड
मुंबई

**एस. दास गुप्ता**
महाप्रबंधक (संचालन)
सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया
मुंबई

**अनंग के. शाह**
प्रबंध निदेशक
क्रिस्टल क्विनोन प्राइवेट लिमिटेड
अहमदाबाद

**डॉ. विनय भरत-राम**
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
डीसीएम लिमिटेड
नई दिल्ली

**सुनील अग्रवाल**
निदेशक
देवीदयाल रोलिंग एंड रिफाइनरीज़
प्राइवेट लिमिटेड
मुम्बई

**सी. भास्कर**
प्रबंध निदेशक एवं
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
दिगजाम लिमिटेड
नई दिल्ली

**भरतभाई यू. पटेल**
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
श्री दिनेश मिल्स लिमिटेड
वड़ोदरा

**अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक**
इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड
नई दिल्ली

**निखिल नंदा**
संयुक्त प्रबंध निदेशक
एस्कॉर्टस लिमिटेड
फरीदाबाद

**एन. शंकर**
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
एक्सपोर्ट क्रेडिट एंड गारंटी कॉर्पोरेशन ऑफ
इंडिया लिमिटेड
मुम्बई

**जनरल इंश्योरेन्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया**
मुम्बई

**डॉ. हसित जोशीपुरा**
वाइस प्रैसिडेंट, दक्षिण एशिया एवं
प्रबंध निदेशक,
भारत ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन फार्मास्यूटिकल्स
लिमिटेड, मुम्बई

**समीर एस. सोमैया**
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
गोदावरी बायोरिफ़ाइनरीज़ लिमिटेड
मुम्बई

# थ

## भा. प्र. सं. अहमदाबाद समिति के सदस्य

**डॉ. एस.के. नंदा, आई.ए.एस.**
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
गुजरात स्टेट फर्टिलाइजर्स एंड
केमिकल्स लिमिटेड
वडोदरा

**अरविंद अग्रवाल**
प्रबंध निदेशक
गुजरात राज्य वित्त निगम
गाँधीनगर

**पीयूष ओ. देसाई**
अध्यक्ष
गुजरात टी प्रोसेसर्स एंड पैकर्स लिमिटेड
अहमदाबाद

**बी.पी. बिडप्पा**
कार्यकारी निदेशक - मानव संसाधन
हिंदुस्तान युनिलीवर लिमिटेड
मुम्बई

**अखिलेश जोशी**
मुख्य संचालन अधिकारी एवं
पूर्णकालिक निदेशक
हिंदुस्तान ज़िंक लिमिटेड
उदयपुर

**मुकेश डी. अम्बानी**
अध्यक्ष
इंडियन पैट्रोकेमीकल्स कॉर्पोरेशन
लिमिटेड, वड़ोदरा

**टी. के. श्रीरंग**
वरिष्ठ महाप्रबंधक एवं
प्रधान - मानव संसाधन
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड
मुम्बई

**राहुल एन. अमीन**
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
ज्योति लिमिटेड
वड़ोदरा

**राजेश खंडेलवाल**
खंडेलवाल ब्रदर्स लिमिटेड
मुंबई

**के. वेंकटरमणन्**
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
एवं प्रबंध निदेशक
लार्सन एंड टूब्रो लिमिटेड
मुम्बई

**एस. एन. सुब्रह्मण्यन**
बोर्ड सदस्य तथा
वरिष्ठ कार्यकारी उप प्रमुख -
अवसंरचना एवं निर्माण
लार्सन एवं टूब्रो लिमिटेड
चेन्नई

**एन. वी. वेंकटसुब्रमणियन**
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
एल एंड टी वाल्स लिमिटेड
चेन्नई

**अध्यक्ष**
भारतीय जीवन बीमा निगम
मुम्बई

**श्रीकुमार मेनन**
प्रबंध निदेशक
लिंडे इंडिया लिमिटेड
कोलकाता 700088

**हृषिकेश ए. मफतलाल**
अध्यक्ष
मफतलाल इंडस्ट्रीज लिमिटेड
मुम्बई

**राजीव दयाल**
प्रबंध निदेशक एवं
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
मफतलाल इंडस्ट्रीज लिमिटेड
मुम्बई

**राजीव दुबे**
प्रमुख (मा.सं., कॉर्पोरेट सेवाएँ तथा
बाजार अनुसरण समूह)
एवं कार्यकारी बोर्ड समूह के सदस्य
महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड
मुंबई

**अशांक देसाई**
संस्थापक एवं पूर्व अध्यक्ष
मास्टेक लिमिटेड
मुम्बई

**ए. के. त्यागी**
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
मेकोन लिमिटेड
झारखंड

**अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक**
एम. एम. टी. सी. लिमिटेड
नई दिल्ली

**नीरज बजाज**
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
मुकंद लिमिटेड
मुम्बई

**सुहास आर. लोहोकरे**
प्रबंध निदेशक
नेशनल पेरॉक्साइड लिमिटेड
मुम्बई

**ए. आर. शेखर**
अध्यक्ष एवं महाप्रबंधक
दी न्यू इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड
मुम्बई

**प्रबंध निदेशक**
एन. आर. सी. लिमिटेड
मुम्बई

**हिमांशु जोशी**
सर्किल प्रमुख
पंजाब नेशनल बैंक
अहमदाबाद

**राजेश आर. मेहता**
उपाध्यक्ष
रोहित ग्रुप ऑफ एंटरप्राइजेज
अहमदाबाद

**अनुज आर. मेहता**
निदेशक
रोहित ग्रुप ऑफ एंटरप्राइजेज
अहमदाबाद

**सौरभ एन. शोधन**
निदेशक
साकरलाल बालाभाई एंड कंपनी लिमिटेड
अहमदाबाद

**सुहृद एस. साराभाई**
निदेशक
साराभाई होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड
अहमदाबाद

**कार्तिकेय वी. साराभाई**
साराभाई प्रबंधन कॉरपोरेशन प्रा. लिमिटेड
अहमदाबाद

**तपन हरेश चोकशी**
सौरभ निगम
अहमदाबाद

**प्रियम बी. मेहता**
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
सयाजी इंडस्ट्रीज लिमिटेड
अहमदाबाद

**पी. आर. मफतलाल**
शानुदीप प्राइवेट लिमिटेड
मुम्बई

**एन. आर. शाह**
श्रीराम मिल्स चैरिटेबल ट्रस्ट
मुंबई

**अमित डी. पटेल**
ग्रुप प्रबंध निदेशक
सिंटेक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड
कलोल

**रवि मल्होत्रा**
प्रबंध निदेशक
सरहिन्द स्टील लिमिटेड
अहमदाबाद

# थ

## भा. प्र. सं. अहमदाबाद समिति के सदस्य

**एस. ए. रमेश रंगन**
मुख्य महाप्रबंधक
भारतीय स्टेट बैंक
अहमदाबाद

**बलदेव सिंह, आई.ए.एस.**
प्रबंध निदेशक
एसआईसीओएम लिमिटेड
मुम्बई

**अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक**
स्टेट ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन ऑफ
इंडिया लिमिटेड
नई दिल्ली

**एम. रविंद्रनाथ**
वाइस प्रैसिडेंट - विनिर्माण
टाटा केमिकल्स लिमिटेड
मीठापुर

**एच. एम. नेरुरकर**
प्रबंध निदेशक
टाटा स्टील लिमिटेड
जमशेदपुर

**प्रबीर झा**
सीनियर वाइस प्रैसिडेंट - मानव संसाधन
टाटा मोटर्स लिमिटेड
मुम्बई

**चेतन टोलिया**
मुख्य मानव संसाधन अधिकारी
टाटा पावर कंपनी लिमिटेड
मुम्बई

**टी. पी. विजयसारथी**
निदेशक
टॉरेंट पावर लिमिटेड
अहमदाबाद

**एन. कन्नन**
संयुक्त महाप्रबंधक
ट्रैक्टर इंजीनियर्स लिमिटेड
मुम्बई

**आर. हरेश**
सचिव एवं कोषाध्यक्ष
टी. वी. एस. चेरिटीज
मदुरै

**आर. हरेश**
प्रबंध निदेशक
टी. वी. सुन्दरम अयंगर एंड
संस लिमिटेड, मदुरै

**इमेन्युअल डेविड**
ईवीपी एवं मुख्य मानव संसाधन अधिकारी
वोल्टास लिमिटेड
मुम्बई

**अध्यक्ष**
वालचंदनगर इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड
मुंबई

**एस. चौधरी**
विष्णु फार्म
जिला- हरद्वार

**महिपाल दलाल**
अहमदाबाद

**गोकुल एम. जयकृष्ण**
अहमदाबाद

**डॉ. बिहारीलाल कन्हैयालाल**
अहमदाबाद

**राजीव सी. लालभाई**
अहमदाबाद

**ज्योतीन्द्र एन. मेहता**
अहमदाबाद

**वर्ग : व्यक्तिगत/सेवानिवृत्त संकाय/पूर्वछात्र**

**प्रोफ़ेसर सुभाष चन्द्र भटनागर**
अहमदाबाद

**प्रोफेसर वरुण आर्य**
संस्थापक एवं निदेशक
मारवाड़ शिक्षा फ़ाउंडेशन
जोधपुर

**प्रोफेसर टी. वी. राव**
अध्यक्ष, टीवीआरएलएस
अहमदाबाद

**प्रमोद अग्रवाल**
स्विट्ज़रलैंड

**श्री अनुपम मार्टिन्स**
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
न्यू चैप्टर इंक
अमेरीका

# द

## प्रशासन, संकाय सदस्य, अधिकारीगण एवं अनुसंधान स्टाफ

**प्रशासन**

**निदेशक**

**आशीष नंदा**
पीएच.डी. (हार्वर्ड)

**डीन (कार्यक्रम)**

**अजय पांडेय**
फ़ेलो (भा. प्र. सं. अ.)

**डीन (संकाय)**

**जी. रघुराम**
पीएच.डी. (नॉर्थवेस्टर्न)

**डीन (पूर्वछात्र एवं विदेश संबंध)**

**अरविंद सहाय**
पीएच.डी. (टैक्सास युनिवर्सिटी, ऑस्टिन)

**मुख्य प्रशासनिक अधिकारी**

**कमांडर मनोज भट्ट (सेवानिवृत्त)**
एम.ई. (पुणे विश्वविद्यालय),
वित्त प्रबंधन में स्नातकोत्तर (मुम्बई विश्वविद्यालय),व्यवसाय प्रशासन में कार्यक्रम (भा. प्र. सं. अ.), पीएमआई का व्यावसायिक परियोजना प्रबंधन (पीएमपी),
संकाय सदस्य

**पुस्तकालयाध्यक्ष**

**अनिल कुमार एच.**
पीएच.डी. (म.स. विश्वविद्यालय)
संकाय सदस्य

**संकाय**

**व्यवसाय नीति**

**अनुराग के. अग्रवाल**
एल.एल.एम. (हार्वर्ड),
एल.एल.डी. (लखनऊ)

**एम. आर. दीक्षित**
पीएच. डी. (आईआईटी, कानपुर)

**अमित कर्ण**
फैलो (भा. प्र. सं. अ.)

**डी. कार्तिक**
फ़ेलो (भा. प्र. सं. अ.)

**पवन मामिडी**
पीएच.डी. (ऑक्सफ़ॉर्ड)

**अजीत नारायण माथुर**
पीएच. डी. (आईआईएस, बेंगलुरु)

**आशीष नंदा**
पीएच.डी. (हार्वर्ड)

**आशीष जलोटे परमार**
पोस्ट-डॉक्टरल (डेल्फ़्ट विश्वविद्यालय, नीदरलैंड)
पीएच.डी. (डेल्फ़्ट विश्वविद्यालय, नीदरलैंड)

**अखिलेश्वर पाठक**
पीएच. डी. (एडिनबर्ग)

**सुनील शर्मा**
फ़ेलो (भा. प्र. सं. अ.)

**चित्रा सिंगला**
फ़ेलो (भा. प्र. सं. बेंगलुरु)

**कृषि प्रबंध केन्द्र**

**वैभव भमोरिया**
फ़ेलो (भा. प्र. सं. अ.)

**वसंत पी. गाँधी**
पीएच. डी. (स्टैनफोर्ड)

**अनिल के. गुप्ता**
पीएच. डी. (कुरुक्षेत्र)
फ़ेलो, विश्व कला एवं विज्ञान अकादमी
फ़ेलो, राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी
सदस्य, राष्ट्रीय नवाचार परिषद्

**विजय पॉल शर्मा**
पीएच. डी. (एनडीआरआई, करनाल)

**सुखपाल सिंह**
पीएच. डी. (बेंगलुरु)

**पूर्णिमा वर्मा**
पीएच.डी. (जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय,
नई दिल्ली)

**संचार**

**आशा कौल**
पीएच. डी. (आईआईटी, कानपुर)

**मीनाक्षी शर्मा**
एम.ए., पीएच. डी. (क्वींसलैंड)

**वैभवी कुलकर्णी**
पीएच.डी. (कैलिफ़ॉर्निया)

# द

## प्रशासन, संकाय सदस्य, अधिकारीगण एवं अनुसंधान स्टाफ

### सूचना प्रणाली

**रेखा जैन**
पीएच. डी. (आईआईटी, दिल्ली)

**श्रीकुमार कृष्णमूर्ति**
फ़ेलो (भा. प्र. सं.ल.)

**कविता रंगनाथन**
एम.एससी., एम.एस., पीएच.डी. (शिकागो)

**संजय वर्मा**
फ़ेलो (आईआईएमसी)

### अर्थशास्त्र

**राकेश बसंत**
पीएच. डी. (गुजरात)

**सतीश देवधर**
पीएच. डी. (ओहियो स्टेट)

**रवीन्द्र एच. धोलकिया**
पीएच. डी. (एमएसयू)

**एर्रोल डिसूज़ा**
पीएच. डी. (जेएनयू)

**संकेत महापात्रा**
पीएच.डी. (कोलंबिया विश्वविद्यालय, न्यूयॉर्क)

**सेबास्टियन मॉरिस**
एम.एससी. (आईआईटी, मुम्बई)
फ़ेलो (आईआईएमसी)

**विश्वनाथ पिंगाली**
पीएच.डी. (नॉर्थवेस्टर्न)

**श्रुति शर्मा**
पीएच.डी. (कैलिफ़ॉर्निया)

### वित्त एवं लेखा

**सोभेश कुमार अगरवाला**
सीएस, सीए, आईसीडबल्यूए,
फ़ेलो (भा. प्र. सं. अ.)

**नमन देसाई**
पीएच.डी. (फ़्लोरिडा)

**शैलेष गाँधी**
फ़ेलो (भा. प्र. सं. अ.)

**जोशी जेकब**
फ़ेलो (भा. प्र. सं.ल.)

**टी. टी. राम मोहन**
बी.टेक. (आईआईटी, मुम्बई),
पीजीडीएम (आईआईएमसी)
पीएच.डी. (स्टर्न स्कूल,
न्यूयोर्क विश्वविद्यालय)

**नीरव नागर**
फ़ेलो (भा.प्र. सं. कोलकाता)

**अजय पांडेय**
फ़ेलो (भा.प्र. सं. अ.)

**राजेंद्र पटेल**
एआईसीडबल्यूए, एसीए,
पीजीडीएम (भा. प्र. सं. अ.)

**प्रेमचंदर**
फ़ेलो (भा. प्र. सं. अ.)

**सिद्धार्थ सिन्हा**
पीजीडीएम (भा.प्र. सं. अ.)
पीएच.डी. (कैलिफ़ोर्निया युनिवर्सिटी, बर्कले)

**जयन्त आर. वर्मा**
पीजीडीएम (भा. प्र. सं. अ.)
ए.आई.सी.डबल्यू.ए.
फ़ेलो (भा. प्र. सं. अ.)

**विनीत विरमानी**
फ़ेलो (भा. प्र. सं. अ.)

### विपणन

**अभिषेक**
फ़ेलो (भा. प्र. सं. अ.)

**अरिंदम बनर्जी**
पीजीडीएम (भा. प्र. सं.ल.)
पीएच. डी. (स्टेट युनिवर्सिटी ऑफ न्यूयोर्क)

**आनंद कुमार जायसवाल**
फ़ेलो (एक्सएलआरआई)

**अब्राहम कोशी**
फ़ेलो (भा. प्र. सं. अ.)

**अरविंद सहाय**
पीएच. डी.
(टेक्सास विश्वविद्यालय, ऑस्टिन)

**धीरज शर्मा**
पीएच. डी.
(लुइसियाना तकनीकी विश्वविद्यालय)

**पीयूष कुमार सिन्हा**
पीएच. डी. (एस.पी. युनिवर्सिटी)

**रामनाथन सुब्रमणियम**
पीएच.डी. (पिट्सबर्ग)

**संजीव त्रिपाठी**
फ़ेलो (भा. प्र. सं. अ.)

### संगठनात्मक व्यवहार

**प्रेमिला डी'क्रूज**
पीएच. डी. (टी आई एस एस, मुम्बई)

**परविन्दर गुप्ता**
पीएच. डी. (आईआईटी, कानपुर)

**विशाल गुप्ता**
फ़ेलो (भा. प्र. सं. ल.)

**जॉर्ज कंडाथिल**
पीएच. डी. (कॉर्नेल)

**प्रद्युम्न खोकले**
बी.टेक. (आईआईटी, कानपुर)
फ़ेलो (भा. प्र. सं. अ.)

**अर्नेस्टो नोरोन्हा**
पीएच. डी. (टीआईएसएस, मुम्बई)

**कीर्ति शारदा**
फ़ेलो (भा.प्र. सं. कोलकाता)

**निहारीका वोहरा**
पीएच. डी. (मनिटोबा)

# द

## प्रशासन, संकाय सदस्य, अधिकारीगण एवं अनुसंधान स्टाफ

### कार्मिक एवं औद्योगिक संबंध

**प्रोमिला अग्रवाल**
पीएच.डी. (दिल्ली)

**राजेश चंदवानी**
फ़ेलो (भा. प्र. सं. बेंगलुरु)

**जेरोम जॉसेफ**
पीएच.डी. (मद्रास)

**सुनील कुमार माहेश्वरी**
फैलो (भा. प्र. सं. अ.)

**मंजरी सिंह**
फ़ेलो (भा.प्र. सं. कोलकाता)

**बीजू वर्की**
फ़ेलो (एन आई बी एम, पुणे)

### उत्पादन एवं मात्रात्मक विधियाँ

**तथागत बंद्योपाध्याय**
पीएच. डी. (कोलकाता)

**समीर के. बरुआ**
एम.टेक. (आईआईटी, कानपुर)
फ़ेलो (भा. प्र. सं. अ.)

**धीमन भद्रा**
पीएच.डी. (फ़्लॉरिडा)

**गौतम दत्ता**
पीएच. डी. (नोर्थवेस्टर्न)

**दीप्तेश घोष**
फ़ेलो (भा.प्र. सं. कोलकाता)

**अप्रतिम गुहा**
पीएच.डी. (कैलिफ़ॉर्निया)

**सचिन जायसवाल**
पीएच. डी.
(वॉटरलू विश्वविद्यालय)

**ए. के. लाहा**
पीएच. डी. (आईएसआई, कोलकाता)

**सरल मुखर्जी**
फ़ेलो (भा.प्र. सं. कोलकाता)

**एन. रविचंद्रन**
पीएच. डी. (आईआईटी, मद्रास)

**देबजीत रॉय**
पीएच. डी. (विसकॉन्सिन - मेडिसन)

**अंकुर सिन्हा**
पीएच.डी. (आल्तो विश्वविद्यालय, फिनलैंड)

**चेतन सोमन**
एम.टेक. (आईआईटी, मुम्बई)
पीएच. डी. (ग्रोनिंगन)

**कार्तिक श्रीराम**
फ़ेलो (भा. प्र. सं. बेंगलुरु)

**प्रह्लाद वेंकटेशन**
पीएच. डी. (केस वेस्टर्न रिज़र्व)

### सार्वजनिक प्रणाली समूह

**शेरोन बार्नहार्द्त**
पीएच.डी. (हार्वर्ड)

**रमेश भट्ट**
पीएच.डी. (दिल्ली विश्वविद्यालय)

**अमित गर्ग**
एम.टेक. (आईआईटी, रूड़की)
फ़ेलो (भा.प्र. सं. अ.)

**हंस ह्यूबर**
पीएच.डी. (युनिवर्सिते द जेनेव)

**नवदीप माथुर***
पीएच. डी. (रट्गेर्स)

**सुंदरवल्ली नारायणस्वामी**
पीएच.डी. (आईआईटी, मुंबई)

**प्रेम पंगोत्रा**
पीएच. डी. (विस्कोन्सिन)

**जी. रघुराम**
पीएच. डी. (नोर्थवेस्टर्न)

**अंकुर सरीन**
पीएच. डी. (शिकागो)

**पी. आर. शुक्ला**
पीएच. डी. (स्टैनफोर्ड)

**राम मोहन तुरागा**
पीएच. डी.
(जॉर्जिया प्रोद्योगिकी संस्थान, अट्लांटा)

### रवि मथाई शैक्षणिक नवाचार केंद्र

**राजीव शर्मा**
पीएच. डी. (इलाहाबाद)

**पी.जी. विजय शेरीचन्द**
पीएच. डी. (गुजरात)

### सहायक संकाय

**एस. सी. भटनागर**

**ए. के. जैन**

**बृज कोठारी**

**मुकुल वसावडा**

**एन. बालासुब्रमणियन**

**हसित जोशीपुरा**

**महेंद्र गुजराती**

**अशोक सोम**

**एस. मणिकुट्टी**

**बी. जाजू**

**के. वी. रमणी**

*छुट्टी पर हैं

# द

## प्रशासन, संकाय सदस्य, अधिकारीगण एवं अनुसंधान स्टाफ

### अधिकारी

**अल्बर्ट सेवियर**
बी.एससी./ एमएलएम /औद्योगिक संबंध एवं कार्मिक प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा / एमबीए, प्रबंधक - मा.सं., केन्द्रीय जनसूचना अधिकारी, कल्याण अधिकारी, शिकायत निवारण अधिकारी

**बदलानी नीना**
एम.बी.ए. (वित्त) (गुजरात)
आईसीडबल्यूए (इंटर)
समूह प्रधान (वित्त एवं लेखा)

**भारती रामचंद्रन (सुश्री)**
बी.कॉम (मद्रास विश्वविद्यालय)
कार्यक्रम अधिकारी, सीएमए

**भट्ट कौशिक डी.**
एम. कॉम., एल.एल.बी. (द्वितीय)
लेखा अधिकारी

**भट्ट पंकजकुमार के.**
एम.कॉम.
लेखा अधिकारी

**भट्टाचार्य एस.**
बी.एससी. (कोलकाता)
प्रबंधक - सुविधाएँ

**भावसार यू. बी.**
एम.कॉम., इंटर सीए समूह-1
कार्यक्रम अधिकारी (एमडीपी)

**गाँधी कमलेश**
बी.ई. (सिविल) (गुजरात)
प्रबंधक - परियोजना, सम्पदा एवं अनुरक्षण

**गोहिल लक्ष्मणदेव बी.**
बी.कॉम., एसीएस
प्रबंधक (लेखा एवं वित्त)

**गर्ग सुनील कुमार**
एम.एससी. (उदयपुर)
एमबीए (इग्नू)
प्रबंधक - आईटी सेवाएँ

**जैन नीरज**
बी.ई. (मैकेनिकल)
प्रबंधक, सीआईआईई

**जंसारी कंचनबेन के.**
बी.ए.
सामग्री प्रतिकृति अधिकारी

**जोशी के.एस.**
बी.कॉम. (गुजरात)
औद्योगिक संबंध एवं कार्मिक प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
कार्यक्रम अधिकारी (एफ़पीएम)

**लाड अविनाश जी.**
एमबीए (गुजरात)
बी.ई. (इलैक्ट्रिकल) (सौराष्ट्र विश्वविद्यालय) प्रबंधक इलैक्ट्रिकल

**नागोरी जतिन एम.**
एम.कॉम, एल.एल.बी. (गुजरात)
निर्यात विपणन प्रबंधन में डिप्लोमा (आईआईई, बडौदा)
प्रबंधक, पीजीपी, समन्वयक - छात्र विनिमय कार्यक्रम, समान अवसर कार्यालय

**प्रवीण जी. क्रिश्चियन**
एम.कॉम. एल.एल.बी. (द्वितीय)
कार्यक्रम अधिकारी, छात्र गतिविधि

**पालीवाल मोहन**
एम.कॉम. (गुजरात)
कम्प्यूटर विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (गुजरात विद्यापीठ)
आईटी अधिकारी (शैक्षणिक सेवाएँ)

**पुष्पा हरिहरन्**
एम.ए., मानव संसाधन प्रबंधन/ डीएमएस डिप्लोमा
गृह व्यवस्था अधिकारी

**पंड्या कमल यू.**
एम.कॉम. (गुजरात)
प्रबंधक, भंडार एवं क्रय

**पंड्या रवीन्द्रनाथ एन.**
बी.एससी. (भौतिकी),
ईडीपी एवं कम्प्यूटर प्रबंधन में डिप्लोमा,
व्यवसाय उद्यमिता में डिप्लोमा
अधिकारी - निदेशक कार्यालय

**परेरा विक्टर**
एम.ए.
नियोजन अधिकारी

**रामचन्द्रन के.वी.**
बी.कॉम. (मद्रास विश्वविद्यालय)
मानव संसाधन एवं कार्मिक प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (एआईआईएमएस, चेन्नई)
मानव संसाधन अधिकारी

**शर्मा मुकेश**
पीएच.डी. (हिंदी)
हिंदी अधिकारी

**सोलंकी इशिता निलेश**
सामाजिक संप्रेषण एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (महाराष्ट्र)
ग्रामीण विकास प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (आईआरएमए)
मानव संसाधन प्रबंध में विशेषज्ञता डिप्लोमा (इग्नू)
प्रबंधक, वैश्विक सहभागिता एवं कॉर्पोरेट मामले

**श्रीनिवासन रेवती (सुश्री)**
एम.ए. (मैसूर)
प्रबंधक, एम.डी.पी.

**श्रीवास्तव प्रणय**
बी.टैक. (सिविल) (अवध)
एमबीए (निरमा विश्वविद्यालय)
समूह अध्यक्ष (परियोजना, सम्पदा एवं अनुरक्षण)

**सुदर्शनन् एम.एस.**
एम.ए. (लोक प्रशासन) (अन्नामलाई)
प्रवेश अधिकारी

**वाढेर हरेंद्र जे.**
बी.ई. (सिविल) (एस.पी. विश्वविद्यालय)
एमबीए (गुजरात)
समूह अध्यक्ष (इंजीनियरिंग सेवाएँ एवं संपदा)

**पंड्या यू. पी.**
बी.एससी. (सौराष्ट्र)
एल.एल.बी. (गुजरात)
डी.एल.पी. (गुजरात)
पुस्तकालय विज्ञान में स्नातकोत्तर (इग्नू)

सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष

**सोनी हिमा बी.**
बी.ए., पुस्तकालय विज्ञान में स्नातकोत्तर (सागर)
उप-पुस्तकालयाध्यक्ष

**मुरलीधरन् के.एन.**
पुस्तकालय विज्ञान में स्नातकोत्तर (इग्नू)
बी.कॉम. (गुजरात विश्वविद्यालय)
सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष

### अनुसंधान स्टाफ

**जयंत भट्ट**
एम.एससी. (गुजरात)
कम्प्यूटर विज्ञान में डिप्लोमा (एस.पी. विश्वविद्यालय)

**श्रुति दवे**
पीएच. डी. (एस.पी. विश्वविद्यालय)

**सोनल कुरेशी**
एमबीए, एल.एल.बी. (गुजरात)
पीएच. डी. (एस.पी. विश्वविद्यालय)

**सी. एस. प्रसाद**
एम.एससी. (आन्ध्र)

**मिताली सरकार**
एम.ए. (पटना)

सत्यमेव जयते

**भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग** **INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT**

**कार्यालय प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय)** **Office of the Principal Director of Audit (Central)**

**लेखापरीक्षा भवन, नवरंगपुरा, अहमदाबाद - ३८० ००९** **Audit Bhavan, Navrangpura, Ahmedabad - 380 009**

भारतीय लेखा एवं लेखा परीक्षा विभाग,
कार्यालय प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय),
लेखापरीक्षा भवन, नवरंगपुरा, अहमदाबाद – 380 009

सीए(ई)/एसएआर/आईआईएम/अहमदाबाद/2014-15/603

दिनांक : 05.10.2015

**विषय : वर्ष 2014-15 के लिए भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के लेखाओं पर अलग से लेखा परीक्षा रिपोर्ट।**

महोदय,

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के वर्ष 2014-15 के लिए वार्षिक खातों की लेखा परीक्षा 08-07-2015 से 30-07-2015 के दौरान भारत के लेखानियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा सेवा के कर्त्तव्य, शक्तियाँ एवं शर्तें अधिनियम, 1971 की धारा 20 (1) के अधीन की गई।

निम्नलिखित दस्तावेजों को इसके साथ भेजा जा रहा है :

1) वर्ष 2014-15 के लिए अलग लेखा परीक्षा रिपोर्ट एवं अनुलग्नक-क।

2) भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के वर्ष 2014-15 के वार्षिक लेखाओं की प्रमाणित प्रतिलिपि।

कृपया लेखा परीक्षा रिपोर्ट को संसद के दोनों सदनों में प्रस्तुत करने की व्यवस्था की जाए एवं जिस दिनांक को यह रिपोर्ट संसद के समक्ष प्रस्तुत की जाए, उसकी सूचना इस कार्यालय को लेखा परीक्षा रिपोर्ट की मुद्रित प्रति के साथ दी जाए तथा उसकी एक प्रति, भारत के लेखानियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक, नई दिल्ली को पृष्ठांकित की जाए।

कृपया इस रिपोर्ट को संसद के दोनों सदनों में प्रस्तुत किये जाने से पहले तक 'गोपनीय' समझा जाए।

भवदीय,
हस्ताक्षरित/-
निदेशक/ आईटीआरए व सीए (ई)

संलग्नक : यथोपरि

प्रतिलिपि प्रेषित

1. निदेशक, भारतीय प्रबंध संस्थान, वस्त्रापुर, अहमदाबाद -380015

वार्षिक खातों एवं अलग से लेखा परीक्षा रिपोर्ट की प्रमाणित प्रति संलग्न है, जिसे संसद के दोनों सदनों के पटल पर रखने तक गोपनीय समझा जाए। जिस दिन, लेखा परीक्षा रिपोर्ट की मुद्रित प्रति के साथ, यह अलग से लेखा परीक्षा रिपोर्ट, संसद के दोनों सदनों के पटल पर रखी जाए, उस दिनांक की सूचना, लेखा परीक्षा कार्यालय को दी जाए। मुद्रित रिपोर्ट में प्रधान निदेशक लेखा परीक्षा (केन्द्रीय) का नाम उनके पदनाम के साथ अंकित किया जाए।

हस्ताक्षरित/-
निदेशक/ आईटीआरए व सीए (ई)

फोन / Phone : 079-26561282, 26561382, 26405882, फेक्स / Fax : 079-26560134, E-mail : pdacahmedabad@cag.gov.in

## 31 मार्च, 2015 को समाप्त हुए वर्ष के लिए भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद के लेखाओं पर भारतीय लेखानियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की अलग से लेखापरीक्षा रिपोर्ट

हमने भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद की नियमावली के नियम 18 के साथ पठित लेखानियंत्रक एवं एवं महालेखा परीक्षक (कर्त्तव्य, शक्तियाँ एवं सेवा शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 20 (1) के अधीन 31 मार्च 2015 को समाप्त वर्ष की यथास्थिति के अनुसार, भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के संलग्न तुलन पत्र और उस दिनांक को समाप्त वर्ष के आय और व्यय तथा प्राप्ति एवं भुगतान के खातों की लेखा परीक्षा की है। यह लेखा परीक्षा वर्ष 2014-15 तक की अवधि के लिए सौंपी गई है। इन वित्तीय विवरणों के प्रति उत्तरदायित्व, भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के प्रबंधवर्ग का है। हमारा उत्तरदायित्व, हमारे द्वारा की गई लेखा परीक्षा पर आधारित इन वित्तीय विवरणों पर अपनी राय व्यक्त करना है।

2) वर्गीकरण, सर्वोत्तम लेखाकरण विधियों के साथ अनुरूपता, लेखाकरण के मानदंडों तथा प्रगटीकरण मानकों, आदि के संबंध में, इस पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट में, केवल लेखाकरण-समाधान पर महा लेखा परीक्षक (सीएजी) की टिप्पणियाँ समाविष्ट हैं। कानून, नियम एवं विनियमों (औचित्य एवं नियमितता) तथा दक्षता-सह-कार्यनिष्पादन संबंधी पहलुओं आदि के अनुपालन के संबंध में वित्तीय लेनदेनों पर लेखा टिप्पणियाँ, यदि कोई हैं, तो उन्हें निरीक्षण रिपोर्टों / लेखानियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की लेखा परीक्षा रिपोर्टों के माध्यम से, पृथक रूप से दर्शाया गया है।

3) हमने यह लेखा परीक्षा, भारत के सामान्यतः स्वीकृत लेखा परीक्षा के मानकों के अनुसार की है। इन मानकों की अपेक्षा होती है कि हम यह तर्कसंगत आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखा परीक्षा की योजना बनाएँ और लेखा परीक्षा करें कि ये वित्तीय विवरण, गलत बयानी से मुक्त हैं। किसी भी लेखा परीक्षा के अंतर्गत, जाँच के आधार पर, धनराशियों का समर्थन करने वाले साक्ष्य और वित्तीय विवरणों में प्रकटन, शामिल होते हैं। प्रयुक्त लेखाकरण सिद्धांतों का मूल्यांकन तथा प्रबंधवर्ग द्वारा लगाए गए महत्त्वपूर्ण अनुमानों के साथ साथ वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन भी लेखा परीक्षा में शामिल होता है। हमें विश्वास है कि हमारे द्वारा की गई लेखा परीक्षा, हमारी राय को तर्कसंगत आधार प्रदान करती है।

4) लेखा परीक्षण के आधार पर हम रिपोर्ट करते हैं कि :

(i) हमने वे सभी सूचनाएँ एवं स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं, जो लेखा परीक्षा के प्रयोजन के लिए हमारे संपूर्ण ज्ञान और विश्वास के लिए आवश्यक थे।

(ii) इस रिपोर्ट में वर्णित तुलन पत्र, आय एवं व्यय खाते और प्राप्ति एवं भुगतान खाते वित्त मंत्रालय द्वारा, केन्द्रीय स्वायत्त निकायों के लिए जारी एक समान प्रारूप में तैयार किये गये हैं।

(iii) हमारी राय में, भारतीय प्रबंध संस्थान-अहमदाबाद द्वारा समुचित लेखा बहियाँ और अन्य प्रासंगिक अभिलेख अनुरक्षित किये गए हैं, जहाँ तक हमारे द्वारा इन बहियों की जाँच करने से प्रतीत हुआ है।

हम आगे प्रतिवेदित करते हैं कि :

**क. तुलन पत्र**

**1. पूंजी/निर्धारित/बंदोबस्ती निधियाँ (अनुसूची 3)**
**परिसर एवं अवसंरचना विकास निधि 20,627.87 लाख रुपए।**

उपरोक्त में गरीब बच्चों को शिक्षित करने के उद्देश्य से मेसर्स गुजरात टी प्रॉसेसर्स एवं पैकर्स लिमिटेड (वाघ बकरी चाय) की तरफ से दान के रूप में प्राप्त 50 लाख रुपए की राशि शामिल है। दानदाता के साथ हुए इस समझौते में ऐसी गतिविधियाँ भी निर्दिष्ट हैं जिन्हें उक्त निधि से अंजाम दिया जाना था। यह उक्त निधि "पूर्णतः बाह्य वित्तपोषित गतिविधियाँ" के तहत कुछ उपयुक्त शीर्ष के साथ (यानि, धर्मार्थ - निधि) वर्गीकृत होनी चाहिए और "परिसर एवं अवसंरचना विकास निधि" के तहत नहीं होनी चाहिए। इसलिए पूँजी / निर्धारित / बंदोबस्ती निधि में 50लाख रूपए बढ़ा-चढ़ाकर दर्शाए गए हैं और इतनी ही राशि 'पूर्णतः बाह्य वित्तपोषित गतिविधियों' में कम दर्शाए गए हैं।

**ख. आय एवं व्यय खाता**

**2. ब्याज से आय (अनुसूची-10)**

महत्त्वपूर्ण लेखाकरण नीति क्रमांक 6 (निवेश पर ब्याज) के अनुसार, निर्धारित बंदोबस्ती तथा अन्य निधियों में से निवेशों पर अर्जित ब्याज संबंधित निधि खाते में आवंटित किया जाना चाहिए।

निर्धारित निधियों (अनुसूची-3) में अर्जित ब्याज का आवंटन करते समय, संस्थान ने निम्नलिखित निर्धारित निधियों में निवेशों पर अर्जित ब्याज का आवंटन नहीं किया है :-

(रु. लाखों में)

| क्रमांक | निधि का नाम | 31 मार्च 2014 को शेष | ब्याज (9.2 % दर पर) |
|---|---|---|---|
| 1. | सीएमए के लिए कृषि मंत्रालय, भारत सरकार से निधि | 22.95 | 2.11 |
| 2. | छात्र कल्याण निधि | 195.58 | 18.00 |
| | **कुल** | | **20.11** |

ब्याज की उपरोक्त आय को ब्याज की आय के तहत आय एवं व्यय खाते में गलत ढंग से दर्शाया गया था।

इसके कारण कुल अधिशेष में 20.11 लाख रुपए की अतिशयोक्ति हुई है और पूंजी/निर्धारित/बंदोबस्त निधियों की इसी सीमा में न्यूनोक्ति हुई है।

## ग. सामान्य टिप्पणियाँ

**3. मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा अनुमोदित लेखाओं के नए प्रारुप का अनुपालन नहीं करना ।**

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) ने अप्रैल 2013 से सभी शैक्षणिक संस्थानों में एकरूप लेखाकरण मानकों को अपनाने का निर्णय लिया है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा अप्रैल-2015 में इसका अनुमोदन किया गया था परंतु एमएचआरडी द्वारा नियत आवश्यकताओं का पालन करने में संस्थान असफल रहा है और संशोधित प्रारूपों में अपने वित्तीय कथनों को तैयार नहीं किया है।

## घ. सहायता अनुदान

4. वर्ष 2014-15 के दौरान प्राप्त सहायता अनुदान की राशि 375.14 लाख रुपए में से इस संस्थान ने 249.46 लाख रुपए की राशि का उपयोग किया। पिछले वर्ष की बची हुई राशि 61.26 लाख रुपए थी और वर्ष के अंत में शेष राशि 186.94 लाख रुपए थी।

**5. खातों पर टिप्पणियों के प्रभाव**

परिसर एवं अवसंरचना विकास निधि में 50 लाख रुपए की वृद्धि हुई है।

पूंजी/निर्धारित/बंदोबस्ती निधि में 20.11 लाख रुपए की वृद्धि हुई है।

(iv) पूर्ववर्ती पैराग्राफों में हमारी टिप्पणियों के अधीन, हम रिपोर्ट करते हैं कि इस रिपोर्ट में दर्शाए गए तुलन पत्र, आय एवं व्यय खाते और प्राप्ति एवं भुगतान खाते लेखा-बहियों के अनुरूप हैं।

(v) हमारी राय में तथा हमारी सर्वोत्तम जानकारी में एवं हमें दिये गये स्पष्टीकरणों के अनुसार कथित वित्तीय वक्तव्य लेखांकन नीतियों और लेखाओं पर टिप्पणियों के अनुसार तथा उपरोक्त महत्त्वपूर्ण मामलों के विषयों और इस लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुलग्नक में दर्शाये गये अन्य मामले, भारत में सामान्यतया स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुपालन में एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं।

(क) जहाँ तक यह भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के मामलों की स्थिति से संबंधित 31 मार्च 2015 के तुलन पत्र से संबंधित है।

(ख) जहाँ तक यह उक्त तिथि को समाप्त हुए वर्ष के आय एवं व्यय लेखे से संबंधित हैं।

भारत के लेखानियंत्रक व महालेखा परीक्षक की ओर से एवं कृते

हस्ताक्षरित/-

प्रधान निदेशक, लेखा परीक्षा (केन्द्रीय)

## वार्षिक रिपोर्ट का अनुलग्नक–क

इसमें निम्नलिखित टिप्पणियाँ / कथन शामिल होने चाहिये :

1. **आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की उपयुक्तताः** सनदी लेखाकार द्वारा संस्थान की आंतरिक लेखा परीक्षा को अंजाम दिया जाता है। आंतरिक लेखा परीक्षक अर्द्धवार्षिक रिपॉर्ट प्रस्तुत करते हैं। आंतरिक लेखा परीक्षक ने वर्ष 2014-15 की रिपॉर्ट प्रस्तुत नहीं की है।

2. **आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की उपयुक्तताः** अचल सम्पत्तियों तथा वस्तुसूची के भौतिक सत्यापन को नियमित रूप से अंजाम दिया जा रहा है और यहाँ पर वाउचरों की पूर्व लेखा परीक्षा की व्यवस्था है इसीलिए आंतरिक नियंत्रण प्रणाली उचित है।

3. **अचल सम्पत्तियों के वास्तविक सत्यापन की प्रणाली:** भौतिक सत्यापन नियमित अंतराल पर किया जा रहा है। अंतिम भौतिक सत्यापन वर्ष 2015 में किया गया।

4. **वस्तुसूची के वास्तविक सत्यापन की प्रणाली:** भौतिक सत्यापन नियमित अंतराल पर किया जा रहा है। अंतिम भौतिक सत्यापन वर्ष 2015 में किया गया।

5. **वैधानिक बकाया राशि के भुगतान में नियमितताः** संस्थान वैधानिक देय राशियों को जमा कराने में नियमित रहा है।

हस्ताक्षरित/-
लेखा परीक्षक अधिकारी सी ए (ई)

## 31 मार्च, 2015 के अनुसार तुलन पत्र

(रु. लाखों में)

| | अनुसूची | 31.03.2015 को | 31.03.2014 को |
|---|---|---|---|
| निधि और देयताएँ | | | |
| कॉर्पस निधि | 1 | **9,853.15** | 7,410.57 |
| रिज़र्व एवं अधिशेष | 2 | **89.21** | 82.08 |
| पूंजी/निर्धारित/बंदोबस्ती निधि | 3 | **35,563.14** | 30,382.63 |
| वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान | 4 | **25,279.84** | 23,554.18 |
| कुल | | **70,785.34** | 61,429.46 |
| **सम्पत्तियाँ** | | | |
| अचल सम्पत्तियाँ | 5 | | |
| कुल सम्पत्तियाँ | | **19,789.21** | 19,596.57 |
| कम संचित मूल्यह्रास | | **14,281.47** | 12,863.23 |
| | | **5,507.74** | 6,733.34 |
| पूंजीगत कार्य प्रगति पर | | **122.56** | 9.04 |
| | | **5,630.30** | 6,742.38 |
| निधियों का निवेश | 6 | **37,615.76** | 28,349.23 |
| वर्तमान सम्पत्तियाँ, ऋण, अग्रिम इत्यादि | 7 | **27,539.28** | 26,337.85 |
| कुल | | **70,785.34** | 61,429.46 |
| महत्त्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ | 18 | | |
| लेखा के भाग के रूप में नोट | 19 | | |

दिनांक : 25 जून, 2015

इस दिनांक तक हमारी रिपोर्ट के अनुसार

हस्ताक्षरित/-
नीना बदलानी
ग्रुप प्रधान (वित्त एवं लेखा)

हस्ताक्षरित/-
मनोज भट्ट
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

हस्ताक्षरित/-
आशीष नंदा
निदेशक

हस्ताक्षरित/-
वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारी (व्यय)

## 31 मार्च, 2015 के दिन समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा

(रु. लाखों में)

| | अनुसूची | 2014-2015 | 2013-2014 |
|---|---|---|---|
| **आय** | | | |
| शुल्क एवं दीर्घ अवधि के कार्यक्रमों से अन्य आय | 8 | **10,010.61** | 8,944.83 |
| कार्यक्रमों और परियोजनाओं से आय | 9 | **7,704.73** | 4,545.42 |
| अनुदान | - | - | - |
| ब्याज से आय | 10 | **647.90** | 581.27 |
| अन्य आय | 11 | **1,480.66** | 959.26 |
| निधियों से स्थानांतरण | 12 | **632.70** | 1,964.29 |
| कुल (क) | | **20,476.60** | 16,995.07 |
| **व्यय** | | | |
| स्थापना व्यय | 13 | **7,114.28** | 6,705.59 |
| प्रशासनिक व्यय | 14 | **1,790.67** | 1,465.58 |
| कार्यक्रमों और परियोजनाओं पर व्यय | 15 | **4,347.68** | 2,879.94 |
| दीर्घ अवधि के कार्यक्रमों पर प्रत्यक्ष व्यय | 16 | **3,320.57** | 3,073.01 |
| मूल्यह्रास | 5 | **1,468.32** | 1,567.60 |
| कुल (ख) | | **18,041.52** | 15,691.72 |
| वर्ष (क-ख) के लिए व्यय से अधिक होने पर आय की अधिकता | | **2,435.08** | 1,303.35 |
| घटाकरः निधियों में स्थानांतरण | 17 | **2,435.00** | 1,300.00 |
| कुल अधिशेष | | **0.08** | 3.35 |
| तुलनपत्र में आय और व्यय के खाते में लाया गया | | **0.08** | 3.35 |
| महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियाँ | 18 | | |
| लेखा के भाग के रूप में टिप्पणी | 19 | | |

दिनांक : 25 जून, 2015

इस दिनांक तक हमारी रिपोर्ट के अनुसार

| | | | |
|---|---|---|---|
| हस्ताक्षरित/- | हस्ताक्षरित/- | हस्ताक्षरित/- | हस्ताक्षरित/- |
| नीना बदलानी | मनोज भट्ट | आशीष नंदा | वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारी (व्यय) |
| ग्रुप प्रधान (वित्त एवं लेखा) | मुख्य प्रशासनिक अधिकारी | निदेशक | |

## अनुसूची 1 - कॉर्पस निधि

(रु. लाखों में)

| निधि लेखा | 1.04.2014 तक | वृद्धि | | कटौती | 31.03.2015 तक के अनुसार |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. कॉर्पस निधि | 7,367.52 | 2,435.00 | (क) | | 9,802.52 |
| 2. आईआईएम सोसायटी सदस्यता शुल्क निधि | 38.50 | 7.50 | (ख) | | 46.00 |
| 3. आय और व्यय खाता | 4.55 | 0.08 | (क) | | 4.63 |
| **कुल** | **7,410.57** | **2,442.58** | | - | **9,853.15** |
| पिछले वर्ष का योग | 6,975.57 | 435.00 | | - | 7,410.57 |

(क) आय और व्यय के खाते से स्थानांतरित

(ख) वर्ष के दौरान प्राप्त आजीवन सदस्यता शुल्क

## अनुसूची 2 - रिज़र्व और अधिशेष

(रु. लाखों में)

| निधि लेखा | 01.04.2014 तक | वृद्धि | | कटौती | 31.03.2015 तक |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. सामान्य रिज़र्व | 82.08 | 7.13 | (क) | | 89.21 |
| **कुल** | **82.08** | **7.13** | | - | **89.21** |
| पिछले वर्ष का कुल | 75.37 | 6.71 | | 0.00 | 82.08 |

(क) इस वर्ष के दौरान जमा ब्याज

## अनुसूची 3 - पूंजी / निर्धारित / बंदोबस्ती निधि

(रु. लाखों में)

| क्रम सं. | निधि लेखा | 01.04.2014 के अनुसार | जोड़ | | | | | घटाव | | | | 31.03.2015 के अनुसार |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | ब्याज | अनुदान | दान | शुल्क एवं अन्य आय | अन्य | पूँजीगत व्यय | राजस्व व्यय | आय एवं व्यय खाते में स्थानांतरित | अन्य | |
| **क** | **अचल संपत्ति निधि** | 3,821.17 | | | | | | | | 235.91 | | 3,585.26 |
| **ख़** | **चल संपत्ति निधि** | 1,469.66 | | | 5.40 | 13.51 | 36.47 क | | | 146.90 | 7.00 ग | 1,371.14 |
| **ग** | **पूर्णतः बाहर से वित्तपोषित गतिविधियाँ एवं केन्द्र** | | | | | | | | | | | |
| 1 | सीएमए कार्यक्रम के लिए भारत सरकार के कृषि मंत्रालय से निधि | 22.95 | | 200.00 | | | | | | 198.24 | | 24.71 |
| 2 | एफ पी एम कार्यक्रम के लिए निधि | 38.32 | 3.33 | 133.15 | | | | | | 25.70 | | 149.10 |
| 3 | अध्यक्ष निधियाँ | 1,158.85 | 111.48 | | 1,144.30 | | 18.02 ख | | | 18.23 | 32.07 घ | 2,382.35 |
| 4 | छात्र सहायता निधि | 1,110.85 | 137.66 | | 146.20 | 0.44 | | | 89.00 | | | 1,306.15 |
| **घ** | **पूर्णतः आंतरिक रूप से वित्त पोषित गतिविधियाँ एवं केन्द्र** | | | | | | | | | | | |
| 1 | सीएमए कार्यक्रम निधि | 391.18 | 33.99 | | | 61.22 | | | | 1.23 | | 485.16 |
| 2 | पूर्वछात्र गतिविधियों के लिए निधि | 252.90 | 21.98 | | | 97.05 | | | 75.97 | | | 295.96 |
| 3 | कम्प्यूटर पर व्यय के लिए निधि | 1,196.49 | 103.98 | | | 1.20 | | 36.47 | | | | 1,265.20 |
| 4 | छात्र कल्याण निधि | 195.58 | | | | 91.07 | | | 76.81 | | | 209.84 |
| **ङ** | **आंतरिक तथा बाह्य वित्त पोषित गतिविधियाँ एवं केन्द्र** | | | | | | | | | | | |
| 1 | परिसर एवं अवसंरचना विकास निधि | 17,897.21 | 2,286.67 | | 454.53 | | | | 10.54 | | | 20,627.87 |
| 2 | नवप्रवर्तन एवं ऊष्मायन केंद्र के लिए निधि | 94.30 | 6.12 | 21.14 | | 3.78 | | | 34.54 | | | 90.80 |
| 3 | अनुसंधान, प्रकाशन एवं महत्वपूर्ण क्षेत्र निधि | 1,956.41 | 174.24 | | 750.46 | 137.10 | | | 128.22 | | | 2,889.99 |

(रु. लाखों में)

| क्रम सं. | निधि लेखा | 01.04.2014 के अनुसार | जोड़ | | | | | घटाव | | | | 31.03.2015 के अनुसार |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | ब्याज | अनुदान | दान | शुल्क एवं अन्य आय | अन्य | पूँजीगत व्यय | राजस्व व्यय | आय एवं व्यय खाते में स्थानांतरित | अन्य | |
| च | **अन्य निधियाँ** | | | | | | | | | | | |
| 1 | संकाय एवं कर्मचारियों के वाहन अग्रिम के लिए निधि | 57.67 | 4.79 | | | | | | | | | 62.46 |
| 2 | संकाय, अधिकारी एवं स्टाफ विकास एवं कल्याण निधि | 232.68 | 20.84 | | | 126.12 | | | 95.41 | | | 284.23 |
| 3 | भवन निर्माण अग्रिम निधि | 486.41 | 46.51 | | | | | | | | | 532.92 |
| | **कुल** | **30,382.63** | **2,951.59** | **354.29** | **2,500.89** | **531.49** | **54.49** | **36.47** | **510.49** | **626.21** | **39.07** | **35,563.14** |
| | गत वर्ष का योग | 27,079.74 | 3,684.43 | 190.00 | 135.77 | 836.99 | 991.94 | 120.17 | 348.76 | 1,958.72 | 108.59 | 30,382.63 |

क अचल संपत्तियों की खरीद के लिए विनियोजित

ख शेष

ग अचल संपत्तियों की बिक्री निरस्तीकरण से समायोजित

घ परियोजना लेखा में 18.48 लाख रुपए स्थानांतरित किए और शेष राशि 13.59 लाख रुपए निरस्त की गई

| ङ | **ब्याज आय का विवरण** | **2014-15** | **2013-14** |
|---|---|---|---|
| | आवंटित ब्याज | 2,946.87 | 3,678.74 |
| | अर्जित ब्याज | 4.72 | 5.69 |
| | | 2,951.59 | 3,684.43 |

## अनुसूची 4 - वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान

(रु. लाखों में)

| विवरण | 31.03.2015 को शेष | | 31.03.2014 को शेष | |
|---|---|---|---|---|
| **क. वर्तमान देयताएँ** | | | | |
| 1. सांविधिक देयताएँ : | | | | |
| क) व्यावसायिक कर | 0.03 | | 0.02 | |
| ख) स्त्रोत पर काटा गया कर | 112.11 | 112.14 | 70.74 | 70.76 |
| 2. अन्य वर्तमान देयताएँ : | | | | |
| क) परियोजना / कार्यक्रम | 1,900.14 | | 3,745.41 | |
| ख) छात्र | 56.82 | | 58.25 | |
| ग) व्ययों और अन्यों के लिए बकाया देयताएँ | 2,041.10 | | 1,404.70 | |
| घ) पूर्व प्राप्त आय | 2,115.89 | | 2,026.47 | |
| ङ) स्वीकृत जमा | 355.25 | | 418.60 | |
| च) छात्रों के लिए जमा की जाने वाली छात्रवृत्तियाँ | 6.01 | 6,475.21 | 5.86 | 7,659.29 |
| **ख. प्रावधान** | | | | |
| क) सेवानिवृत्ति लाभ | 18,625.59 | | 15,653.96 | |
| ख) नई पेंशन योजना | 9.73 | | 116.85 | |
| ग) अन्य | 57.17 | 18,692.49 | 53.32 | 15,824.13 |
| **कुल** | | **25,279.84** | | **23,554.18** |

## अनुसूची 5 - अचल सम्पत्तियाँ

(रु. लाखों में)

| अचल और चल सम्पत्तियाँ | सकल ब्लॉक | | | | मूल्यह्रास निधि | | | | कुल ब्लॉक | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 01.04.2014 को शेष | वृद्धि | बिक्री/ समायोजन | 31.03.2015 को शेष | 01.04.2014 को शेष | वर्ष के लिए | कटौती # | 31.03.2014 को शेष | 31.03.2015 को शेष | 31.03.2014 को शेष |
| 1.भूमि (गुजरात सरकार से दान में प्राप्त भूमि सहित) | 107.00 | - | - | 107.00 | - | - | - | - | 107.00 | 107.00 |
| 2.भवन | 12,184.77 | 46.37 | | 12,231.14 | 7,508.26 | 1,095.14 | | 8,603.40 | 3,627.74 | 4,676.51 |
| 3.फर्नीचर और फिक्चर्स | 1,929.62 | 52.89 | 1.93 | 1,980.58 | 1,029.64 | 108.48 | 1.36 | 1,136.76 | 843.82 | 899.98 |
| 4.संयंत्र एंव मशीनरी | 1,750.07 | 42.92 | 11.58 | 1,781.41 | 1,154.45 | 94.42 | 8.96 | 1,239.91 | 541.50 | 595.62 |
| 5. इलैक्ट्रिकल फ़ीटिंग | 785.86 | 2.61 | | 788.47 | 445.77 | 34.22 | | 479.99 | 308.48 | 340.09 |
| 6.कम्प्यूटर एवं बाह्य उपकरण | 1,536.12 | 47.51 | 39.76 | 1,543.87 | 1,438.87 | 79.92 | 39.76 | 1,479.03 | 64.84 | 97.25 |
| 7.गाड़ियाँ | 30.48 | | | 30.48 | 13.59 | 2.53 | | 16.12 | 14.36 | 16.89 |
| 8.पुस्तकालय के लिए पुस्तकें | 1,272.65 | 53.61 | | 1,326.26 | 1,272.65 | 53.61 | | 1,326.26 | - | - |
| | **19,596.57** | **245.91** | **53.27** | **19,789.21** | **12,863.23** | **1,468.32** | **50.08** | **14,281.47** | **5,507.74** | **6,733.34** |
| गत वर्ष का योग | 19,316.94 | 407.65 | 128.02 | 19,596.57 | 11,400.19 | 1,567.60 | 104.56 | 12,863.23 | 6,733.34 | 7,916.75 |
| रनिंग बिलों के निमित्त भुगतान सहित पूंजीगत कार्य प्रगति पर है। | | | | | | | | | 122.56 | 9.04 |
| **कुल** | | | | | | | | | **5,630.30** | **6,742.38** |

**#** अनुसूची-12 में आय एवं व्यय खाते में "निधियों से हस्तांतरित" निधियों में प्राप्त परिसम्पत्तियों की बिक्री को लेकर 6.49 लाख रुपए (पिछले वर्ष 5.57 लाख रुपए थे) का हस्तांतरण शामिल है।

## अनुसूची 6 - निधियों का निवेश

(रु.लाखों में)

| विवरण | 31.3.2015 को शेष | 31.3.2014 को शेष |
|---|---|---|
| 1 सरकारी प्रतिभूतियों में | 23,001.30 | 16,299.77 |
| 2 सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के साथ नियत जमाओं में | 14,800.00 | 12,050.00 |
| **कुल** | **37,801.30** | **28,349.77** |
| घटाएँ : निवेशों के प्रतिदान पर प्रीमियम / छूट के लिए प्रावधान | (185.54) | (0.54) |
| **कुल** | **37,615.76** | **28,349.23** |
| **टिप्पणीः** | | |

क उपरोक्त के अलावा, कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति लाभ के लिए 18,625.59 लाख रुपए का निवेश (पिछले वर्ष 15,653.96 लाख रुपए था) निर्धारित किया गया है।

| | | |
|---|---|---|
| ख उद्धृत निवेशों का अंकित मूल्य | 10,776.30 | 74.77 |
| उद्धृत निवेशों का बाजार मूल्य | 10,940.66 | 71.53 |
| गैर उद्धृत निवेशों का अंकित मूल्य | 27,025.00 | 28,275.00 |

## अनुसूची 7 - वर्तमान सम्पत्तियाँ, ऋण एवं अग्रिम इत्यादि

(रु.लाखों में)

| | 31.03.2015 को शेष | | 31.03.2014 को शेष | |
|---|---|---|---|---|
| **क. वर्तमान परिसम्पत्तियाँ** | | | | |
| वस्तु सूचियाँ : | | | | |
| लेखन सामग्री एवं भंडार स्टॉक | | 27.67 | | 22.66 |
| उपलब्ध नकदी (अग्रदाय सहित) | | 0.25 | | 0.25 |
| शेष डाक टिकट (फ्रैंकिंग मशीन के अग्रिम सहित) | | 0.01 | | 0.14 |
| बैंक में शेष : | | | | |
| क) चालू खातों में | | | | |
| - रुपये खाते में | 676.65 | | 449.85 | |
| - विदेशी अंशदान खाते में | 9.20 | | 5.37 | |
| | 685.85 | | 455.22 | |
| ख) बचत खातों में | | | | |
| - रुपये खाते में | 309.21 | | 161.32 | |
| | 995.06 | | 616.54 | |
| ग) जमा खातों में | | | | |
| - रुपये खाते में | 21,224.15 | 22,219.21 | 22,212.99 | 22,829.53 |
| **कुल (क)** | | **22,247.14** | | **22,852.58** |
| **ख. ऋण, अग्रिम और अन्य सम्पत्तियाँ** | | | | |
| ऋण और अग्रिम : | | | | |
| क) कर्मचारियों को | 26.02 | | 31.24 | |
| ख) छात्रों को | 4.45 | | 4.55 | |
| ग) अन्यों को | 352.57 | 383.04 | 289.54 | 325.33 |
| नकद के रूप में अथवा वस्तु के रूप में अथवा मूल्य के लिए वसूली योग्य अग्रिम एवं अन्य प्राप्त राशियाँ | | | | |
| क) प्रतिभूति जमा | | 79.74 | | 79.65 |
| ख) केन्द्रीय वेट जमा प्राप्य | | 49.50 | | 16.30 |
| ग) टी.डी.एस. प्राप्य | | 1,206.91 | | 708.48 |
| अर्जित आय : | | | | |
| क) अर्जित ब्याज | 2,693.34 | | 1,740.59 | |
| ख) प्राप्य अनुदान | 191.41 | | | |
| ग) बकाया आय | 688.20 | 3,572.95 | 614.92 | 2,355.51 |
| **कुल (ख)** | | **5,292.14** | | **3,485.27** |
| **कुल (क+ख)** | | **27,539.28** | | **26,337.85** |

## अनुसूची 8 - शुल्क एवं दीर्घ अवधि के कार्यक्रमों से प्राप्त अन्य आय

(रु. लाखों में)

| | | | 2014-2015 | 2013-2014 |
|---|---|---|---|---|
| क) | | शुल्क और अन्य आय | | |
| | I | द्विवर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम | | |
| | | 1) स्नातकोत्तर कार्यक्रम | 6,373.39 | 5,622.99 |
| | | 2) पीजीपी – कृषि व्यवसाय प्रबंधन | 709.81 | 633.07 |
| | II | एकवर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम | | |
| | | पीजीपी –कार्यकारी | 1,925.80 | 1,879.99 |
| ख) | | प्रबंध में फैलो कार्यक्रम | 281.29 | 215.55 |
| ग) | | सामान्य प्रवेश परीक्षा से प्राप्त आय (कुल) | 262.58 | 149.98 |
| घ) | | स्थानन से प्राप्त आय | | |
| | | 1) स्नातकोत्तर कार्यक्रम | 411.34 | 406.25 |
| | | 2) पीजीपी – कार्यकारी | 46.40 | 37.00 |
| | | **कुल** | 10,010.61 | 8,944.83 |

## अनुसूची 9 – कार्यक्रमों और परियोजनाओं से प्राप्त आय

(रु. लाखों में)

| | | 2014-2015 | 2013-2014 |
|---|---|---|---|
| क) | मुक्त नामांकन कार्यक्रमों से आय | 2,132.78 | 1,826.17 |
| ख) | अनुकूलित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों से आय | 2,551.78 | - |
| ग) | परामर्श परियोजना से आय | 2,737.20 | 2,455.84 |
| घ) | संकाय विकास कार्यक्रम (एफ़.डी.पी.) से आय | 41.85 | 53.82 |
| ङ) | अनुसंधान परियोजना से आय | 241.12 | 209.59 |
| | **कुल** | **7,704.73** | **4,545.42** |

## अनुसूची 10 - ब्याज की आय

(रु. लाखों में)

| | 2014-2015 | 2013-2014 |
|---|---|---|
| **क) निवेश पर ब्याज** | | |
| 1) सरकारी प्रतिभूतियाँ | 1,587.12 | 1,304.09 |
| 2) बैंकों और सार्वजनिक क्षेत्र की कम्पनियों में नियत जमा पर | 3,346.81 | 3,014.10 |
| **ख) बचत बैंक खातों पर ब्याज** | **29.47** | **1.41** |
| **कुल (क)** | **4,963.40** | **4,319.60** |
| घटाएँ : | | |
| 1) प्रतिदान निवेश के निष्पादन हेतु प्रीमियम / (डिस्काउंट) के लिए प्रावधान | (7.69) | (0.05) |
| 2) सामान्य निधि में स्थानांतरित (अनुसूची – 2, देखें) | 7.13 | 6.71 |
| 3) निर्धारित एवं बंदोबस्ती निधियों में स्थानांतरित (अनुसूची – 3, देखें) | 2,946.87 | 3,678.74 |
| 4) सेवानिवृत्ति लाभ प्रावधान में स्थानांतरित | 1,298.28 | - |
| 5) परियोजना खातों में स्थानांतरित | 70.91 | 52.93 |
| **कुल (ख)** | **4,315.50** | **3,738.33** |
| **कुल (क-ख)** | **647.90** | **581.27** |

## अनुसूची 11 - अन्य आय

(रु.लाखों में)

| | 2014-2015 | 2013-2014 |
|---|---|---|
| क) परिसर की सुविधाओं से आय (कुल) | **857.22** | 504.82 |
| ख) किराया | **121.81** | 116.35 |
| ग) सरकार / उद्योगों से छात्रवृत्ति | **307.59** | 97.22 |
| घ) रॉयल्टी आय | - | 33.68 |
| ङ) अनुदानों से अर्जित पुरानी सम्पत्तियों की | **2.22** | 0.73 |
| बिक्री/निपटान पर अधिशेष | **39.77** | 6.25 |
| च) निवेशों पर दलाली | **152.05** | 161.65 |
| ज़) विविध आय अतिरिक्त प्रावधान की अब ज़रूरत नहीं है | - | 38.56 |
| कुल | **1,480.66** | 959.26 |

## अनुसूची 12-निधियों से अन्तरण

(रु. लाखों में)

| | | 2014-2015 | 2013-2014 |
|---|---|---|---|
| पूँजी/निर्धारित/बंदोबस्ती निधियों में से स्थानांतरित (अनुसूची – 3, देखें) (उठाए गए व्यय की सीमा तक) | | | |
| 1) | कृषि मंत्रालय से निधि और कृषि प्रबंध केन्द्र से अंशदान | **199.47** | 188.75 |
| 2) | अध्यक्ष | **18.23** | 0.03 |
| 3) | विभिन्न पूँजीगत अनुदान (मूल्यह्रास की सीमा तक) | **382.81** | 466.42 |
| 4) | पेंशन एवं सेवानिवृत्ति लाभ निधि (केवल ब्याज) (नोट-6.4 (क) का संदर्भ लें) | - | 1,157.69 |
| 5) | कम्प्यूटर निधि (नोट 6.4 (ख) का संदर्भ लें) | - | 115.33 |
| 6) | खुदरा बिक्री केन्द्र | - | 30.50 |
| 7) | प्रबंधन में फैलो कार्यक्रम-एफ़पीएम के लिए भारत सरकार की तरफ से निधि (अ.जा./अ.ज.जा./सामान्य) | **25.70** | - |
| | | **626.21** | 1,958.72 |
| | मूल्यह्रास फंड से स्थानांतरित (अनुसूची-5 में देखें) | | |
| 1) | परिसम्पत्तियों की बिक्री सीमा तक | **6.49** | 5.57 |
| | **कुल** | **632.70** | **1,964.29** |

## अनुसूची 13 - स्थापना व्यय

(रु. लाखों में)

| | | 2014-2015 | 2013-2014 |
|---|---|---|---|
| क) | वेतन और मजदूरी | **3,207.74** | 2,804.22 |
| ख) | भत्ते और बोनस | **573.08** | 371.31 |
| ग) | भविष्य निधि में अंशदान | **32.46** | 46.24 |
| घ) | नयी पेंशन योजना में अंशदान | **49.16** | 94.92 |
| ङ) | कर्मचारी कल्याण व्यय | **70.73** | 66.98 |
| ढ) | कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति और सेवांत लाभों पर व्यय (नोट 6.4 (क) का संदर्भ लें) | **2,861.02** | 3,017.37 |
| | **कुल (क)** | **6,794.19** | **6,401.04** |
| छ) | अन्य स्थापना व्यय | | |
| | 1) कृषि प्रबंध केन्द्र (सीएमए) | **179.28** | 167.40 |
| | 2) परामर्श परियोजनाएँ* | **22.34** | 23.98 |
| | 3) अनुसंधान परियोजनाएँ* | **105.94** | 78.17 |
| | 4) केन्द्र गतिविधियाँ* | **9.42** | 35.00 |
| | 5) अनुकूलित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम* | 3.11 | |
| | **कुल (ख)** | **320.09** | 304.55 |
| | **कुल (क+ख)** | **7,114.28** | 6,705.59 |

*इन परियोजनाओं / कार्यक्रमों के लिए अस्थायी स्टाफ की नियुक्ति पर वेतन और संबंधित व्यय

## अनुसूची 14- प्रशासनिक व्यय

(रु. लाखों में)

| | | 2014-2015 | 2013-2014 |
|---|---|---|---|
| क) | विद्युत प्रभार (कुल) | **225.42** | 151.23 |
| ख) | कैम्पस मरम्मत और रखरखाव | **620.93** | 494.78 |
| ग) | फर्नीचर/ उपकरण मरम्मत एवं रखरखाव | **60.97** | 61.63 |
| घ) | यात्रा और वाहन व्यय | **77.57** | 79.36 |
| ङ) | कम्प्यूटर व्यय | **109.38** | 115.33 |
| च) | सुरक्षा व्यय | **152.83** | 150.76 |
| छ) | डाक व्यय, टेलिफोन और संचार शुल्क (कुल) | **40.82** | 40.00 |
| ज) | कानूनी और व्यावसायिक शुल्क | **35.15** | 34.82 |
| झ) | बीमा | **15.15** | 13.10 |
| ञ) | विज्ञापन | **10.55** | 12.84 |
| ट) | नगरपालिका कर | **47.04** | 61.50 |
| ठ) | संस्थान द्वारा वहन किया गया सेवाकर | **227.49** | 92.02 |
| ड) | स्टाफ मैस व्यय | **19.19** | 18.26 |
| ढ) | वाहन संचालन एवं रखरखाव | **3.00** | 3.60 |
| ण) | मुद्रण और लेखन सामग्री (कुल) | **14.49** | 19.38 |
| त) | लेखापरीक्षक पारिश्रमिक | **2.75** | 2.75 |
| थ) | परिसम्पत्तियों की बिक्री से हानि | **1.20** | - |
| द) | विविध व्यय | **126.74** | 93.32 |
| ध) | आगजनी के कारण नुकसान - स्थानन कार्यालय | - | 20.90 |
| | **कुल** | **1,790.67** | **1,465.58** |

## अनुसूची 15-कार्यक्रमों / परियोजनाओं पर व्यय*

(रु. लाखों में)

| | | 2014-2015 | 2013-2014 |
|---|---|---|---|
| 1) | मुक्त नामांकन कार्यक्रम | 1,423.47 | 890.74 |
| 2) | अनुकूलित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम | 1,761.40 | - |
| 3) | परामर्श परियोजनाएँ | 973.35 | 1,759.45 |
| 4) | संकाय विकास कार्यक्रम | 26.42 | 31.04 |
| 5) | अनुसंधान परियोजनाएँ | 51.58 | 121.62 |
| 6) | कृषि प्रबंध केन्द्र के अन्य व्यय | 20.19 | 21.35 |
| 7) | केन्द्र गतिविधियाँ | 3.17 | 3.12 |
| 8) | अध्यक्ष | 18.23 | 0.03 |
| 9) | संकाय एवं व्यावसायिक विकास व्यय | 56.26 | 48.17 |
| 10) | नए संकायों के लिए अनुसंधान सहायता | 13.61 | 4.42 |
| | **कुल** | **4,347.68** | **2,879.94** |

*वेतन और भत्तों पर किया गया व्यय शामिल नहीं है जिसे स्थापना व्यय में शामिल किया गया है। (अनुसूची-13)

**अनुसूची 16-दीर्घ अवधि के कार्यक्रमों पर प्रत्यक्ष व्यय***

(रु. लाखों में)

| | | | 2014-2015 | | 2013-2014 |
|---|---|---|---|---|---|
| **क)** | **स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी)** | | | | |
| | I द्विवर्षीय - स्नातकोत्तर कार्यक्रम | | | | |
| | 1) स्नातकोत्तर कार्यक्रम | **688.88** | | 625.94 | |
| | 2) पीजीपी - कृषि व्यवसाय प्रबंध | **61.95** | **750.83** | 70.61 | 696.55 |
| | II एक वर्षीय - स्नातकोत्तर कार्यक्रम | | | | |
| | 1) पीजीपी -कार्यकारी | | **637.28** | | 665.59 |
| **ख)** | **प्रबंधन में फैलो कार्यक्रम (एफ़.पी.एम.)** | | | | |
| | 1) एफ़.पी.एम. व्यय | | **74.93** | | 66.31 |
| **ग)** | **छात्रवृत्तियाँ और शिक्षावृत्तियाँ** | | | | |
| | 1) शैक्षिक छात्रवृत्ति | **317.57** | | 104.85 | |
| | 2) आवश्यकता आधारित छात्रवृत्तियाँ | **484.95** | | 575.77 | |
| | 3) एफ़.पी.एम. छात्रों को शिक्षावृत्ति | **547.13** | **1,349.65** | 496.97 | 1,177.59 |
| ग) | अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ | | | | |
| | 1) पुस्तकालय सेवाएँ (पुस्तकों के अतिरिक्त) | | **507.88** | | 466.97 |
| | **कुल** | | **3,320.57** | | 3,073.01 |

*आवंटित उपरिव्यय सम्मिलित नहीं हैं।

**अनुसूची 17-निधियों से अंतरण**

(रु. लाखों में)

| | | 2014-2015 | 2013-2014 |
|---|---|---|---|
| 1) | बंदोबस्ती (कॉर्पस) निधि | **2,435.00** | 435.00 |
| 2) | अनुसंधान प्रकाशन एवं महत्वपूर्ण क्षेत्र निधि | - | 430.00 |
| 3) | परिसर रखरखाव निधि | - | 435.00 |
| | **कुल** | **2,435.00** | 1,300.00 |

## अनुसूची 18 : महत्त्वपूर्ण लेखाकरण नीतियाँ

### 1. लेखाकरण परम्परा

1.1 वित्तीय विवरण, जर्नलों एवं पत्रिकाओं को मंगाने तथा स्टाफ के विकास भत्ते को छोड़कर, ऐतिहासिक लागत परम्परा, और लेखाकरण की उपार्जन पद्धति के आधार पर तैयार किये गये हैं।

1.2 वित्तीय विवरण, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा केन्द्रीय स्वायत्त निकायों के लिए बृहत् रूप से निर्धारित प्रारूप के आधार पर तैयार किये गये हैं।

### 2. वस्तुसूची मूल्यांकन

भंडार एवं लेखन सामग्री के स्टॉक को उनकी लागत पर मूल्यांकित किया गया है।

### 3. नियत परिसम्पत्तियाँ

नियत परिसम्पत्तियाँ, अधिग्रहण की लागत पर दर्शायी गई हैं जिनमें किराया, शुल्क और कर व अर्जन से सम्बन्धित आकस्मिक तथा प्रत्यक्ष व्यय सम्मिलित हैं। निर्माणाधीन परियोजनाओं के संबंध में, संबंधित पूर्व-परिचालनात्मक व्यय, पूंजीकृत परिसम्पत्तियाँ के मूल्य का एक अंग है।

दान के रूप में प्राप्त नियत परिसम्पत्तियों को, पूँजी निधि में संगत जमा द्वारा नियत मूल्य पर पूँजीकृत किया गया है।

### 4. मूल्यह्रास

4.1 भवनों पर मूल्यह्रास, सीधी रेखा पद्धति पर प्रदान किया गया है जबकि अन्य परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास, ह्रासित मूल्य पद्धति पर प्रदान किया गया है। मूल्यह्रास की दरें, मुख्य परिसर के भवनों को छोड़कर, आयकर अधिनियम 1961 में निर्धारित दरों के अनुरूप हैं। भवनों के मामले में जहाँ आवासीय और गैर आवासीय भवनों के अलग आँकड़े उपलब्ध नहीं हैं और भवनों का बड़ा भाग आवासीय प्रयोजन के लिए है, वहाँ आयकर अधिनियम द्वारा आवासीय भवनों के लिए नियत मूल्यह्रास की दर 5% लगाई गई हैं जबकि गैर आवासीय भवनों के लिए नियत दर 10% है।

4.2 परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास, जहाँ मदवार वास्तविक लागत 5000/- रु. के बराबर या इससे कम हैं, वहाँ 100% की दर से उपलब्ध कराया गया है।

4.3 नियत परिसम्पत्तियों से संबंधित पूँजी अनुदानों/ निधियों (सरकारी और गैर सरकारी) को आस्थगित आय के रूप में माना गया है तथा परिसम्पत्तियों के उपयोगी जीवनकाल पर प्रणालीगत और तर्कसंगत आधार पर इन्हें आय और व्यय खाते में लिया गया है। अर्थात् दीर्घ अवधियों में पूँजीगत अनुदानों/ निधियों को उसी अनुपात में आय में आवंटित किया गया है, जिस अनुपात में मूल्यह्रास लगाया गया है।

### 5. राजस्व मान्यता

आजीवन सदस्यता शुल्क, पूँजीगत प्राप्ति के रूप में माने गये हैं और कॉर्पस कोष/ पूँजीगत निधि के अंतर्गत दर्शाये गये हैं।

निवेशों पर ब्याज को उपार्जन का आधार पर माना गया है।

कार्यकारियों के स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजपी) की नामांकन फीस जिसे शैक्षणिक वर्ष की अवधि के हिसाब से लिया जाता है, इसे छोड़कर छात्रों से ली जाने वाली फीस को उपार्जन का आधार पर माना गया है।

### 6. निवेश पर ब्याज

कॉर्पस-कोष निधि से किये गये निवेश पर प्राप्त ब्याज को, आय और व्यय खाते में दर्शाया गया है।

निर्धारित के अलावा, बंदोबस्त और अन्य निधियों में किये गये निवेशों पर ब्याज को संबंधित निधि खाते में आवंटित किया गया है।

**7. विदेशी मुद्रा लेन-देन**

विदेशी मुद्रा में किये गये लेन-देनों की गणना, लेन-देन की नियत तारीख को प्रचलित विनिमय दर पर की गई है।

**8. सरकारी अनुदान**

सरकारी अनुदानों की गणना, सरकारी विभागों से प्राप्त मंजूरी के आधार पर की गई है।

नियत परसम्पत्तियों के संबंध में अनुदान, पूँजी अनुदान के रूप में माने गये हैं और प्रायोजित निधि शीर्ष के तहत दर्शाये गये हैं।

नियत परिसम्पत्तियों के संबंध में अनुदानों को, आस्थगित आय के रूप में माना गया है तथा आय और व्यय के लेखे में परिसम्पत्तियों को उपयोगी जीवनकाल पर प्रणालीगत और तर्कसंगत आधार पर लिया गया है। अर्थात् पूँजीगत अनुदान को आय में उसी अनुपात में आवंटित किया गया है, जिस अनुपात में मूल्यह्रास हुआ है।

**9. निवेश**

"दीर्घ अवधि निवेशों" के रूप में वर्गीकृत निवेशों को लागत पर लगाया गया है। अस्थायी को छोड़कर, ह्रास के प्रावधान, ऐसे निवेशों को लागत में लाने के लिए किये हैं।

निवेश के अधिग्रहण पर भुगतान किये गये प्रीमियम/ छूट को परिपक्वता तारीख तक यथानुपात परिशोधित किया गया है।

लागत में दलाली, हस्तांतरण टिकटों के जैसे अधिग्रहण खर्च भी शामिल हैं।

**10. सेवानिवृत्ति लाभ**

संचित छुट्टी नकदीकरण लाभ, मृत्यु / सेवानिवृत्ति पर देय ग्रेच्युइटी और पेन्शन की गणना, बीमांकिक मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार उपार्जन के आधार पर की गई है।

**11. आकस्मिक देयताएँ**

सभी ज्ञात देयताओं के लिए प्रावधान किया गया है। अगर कोई आकस्मिक देयता है तो उसे लेखा में एक टिप्पणी के रूप में दर्शाया गया है।

## अनुसूची 19 : लेखे के भाग स्वरूप टिप्पणियाँ

### 1. सरकारी अनुदान

प्रबंध में फैलो कार्यक्रम के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय - भारत सरकार का अनुदान प्रबंध में फैलो कार्यक्रम के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय- भारत सरकार के अनुदान का विवरण निम्नानुसार हैः

(रु. लाखों में)

| विवरण | 2014-2015 | 2013-2014 |
|---|---|---|
| पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष | 38.31 | 35.18 |
| वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान | 133.15 | 0.00 |
| वर्ष के दौरान जमा ब्याज | 3.33 | 3.13 |
| वहन किया पूँजी व्यय | 25.70 | 0.00 |
| वर्ष के अंत में शेष | 149.09 | 38.31 |

### 2. अनिष्पादित पूँजीगत अनुबंध

अनिष्पादित पूँजीगत अनुबंध (अग्रिमों का कुल) 202.56 लाख रु. रहा है (पिछले वर्ष शून्य रुपये), जिसके लिए परिसर एवं अवसंरचना विकास निधि में पर्याप्त निधि उपलब्ध है।

### 3. आकस्मिक देयताएँ

(क) 23.91 रु. लाख (पिछले वर्ष 23.91रु. लाख थे) सेवाकर की माँग विवादग्रस्त है।

(ख) संस्थान के खिलाफ 1.59 लाख रु. के दावों (पिछले वर्ष 1.59 लाख रुपए थे) को कर्जे के रूप में नहीं दर्शाया गया है।

### 4. वर्तमान परिसम्पत्तियाँ, ऋण और अग्रिम

संस्थान की राय में, वर्तमान परिसम्पत्तियों, ऋणों और अग्रिमों का, सामान्य कार्य व्यापार के दौरान वसूली पर मूल्य, कम-से-कम तुलनपत्र में दर्शाई गई कुल राशि के बराबर है।

### 5. कराधान

संस्थान ने आयकर अधिनियम 1961 की धारा 10 (23सी) (vi) के अधीन, आयकर मुख्य आयुक्त कार्यालय, अहमदाबाद के पत्र संख्या सीसी-iv/एबीडी/10 (23सी) सेल/10(23सी) (vi) आईआईएम/2010-11/ 1305 दिनांक 31.01.2011 के अनुसार आयकर से छूट प्राप्त कर ली है।

यह जब तक प्रभावी रहेगी तब तक किसी सक्षम प्राधिकारी द्वारा वापिस नहीं ली जाती है। इसे देखते हुए, आयकर के लिए कोई भी प्रावधान आवश्यक नहीं समझा गया है।

### 6. अन्य मदें

6.1 स्रोत पर काटा गया कर :

(रु. लाखों में)

| विवरण | 2014-2015 | 2013-2014 |
|---|---|---|
| क) ब्याज से आय | 97.80 | 22.87 |
| ख) स्थानन से आय | 34.45 | 22.56 |
| ग) परियोजना से आय | 340.34 | 260.68 |
| घ) अन्य आय | 18.00 | 15.92 |

### 6.2 विदेशी मुद्रा में व्यय

(रु. लाखों में)

| विवरण | 2014-2015 | 2013-2014 |
|---|---|---|
| क) विदेश यात्रा | 37.29 | 97.50 |
| ख) पुस्तकें और केस सामग्री | 353.71 | 227.04 |
| ग) अन्य | 242.68 | 63.52 |

### 6.3 विदेशी मुद्रा में आय

(रु. लाखों में)

| विवरण | 2014-2015 | 2013-2014 |
|---|---|---|
| क) परियोजना, कार्यक्रम एवं फीस से आय | 403.35 | 475.40 |
| ख) स्थानन से आय | 40.17 | 63.89 |

### 6.4 लेखाकरण नीतियों में परिवर्तन

(क) पेंशन / सेवानिवृत्ति लाभ निधि पर ब्याज और सेवानिवृत्ति लाभ निधि का भुगतान

अब तक, सेवानिवृत्ति लाभ निधि में से निवेश पर ब्याज सेवानिवृत्ति लाभ के भुगतान की सीमा तक आय और व्यय खाते में स्थानांतरित किया गया था। इस चालू वर्ष के बाद से, आगे से जमा हुआ ब्याज और सेवानिवृत्ति लाभों के भुगतान को सेवानिवृत्ति लाभ खाते के प्रावधान पर स्थानांतरित कर दिया गया है।

तदनुसार, 1,187.67 लाख रुपए के सेवानिवृत्ति लाभ का भुगतान सेवानिवृत्ति लाभ खाते के प्रावधान में डेबिट कर दिया गया है और उसी सीमा में निवेश पर ब्याज को सेवानिवृत्ति लाभ खाते के प्रावधान के लिए जमा किया गया है।

इसके कारण, इस वर्ष के लिए ब्याज आय और स्थापना व्यय 1,187.67 लाख रुपए कम रहा है। हालांकि, इस वर्ष अधिशेष पर कोई प्रभाव नहीं हुआ है।

**(ख) कंप्यूटर शुल्क आय**

अब तक, कम्प्यूटर शुल्क कंप्यूटर लेखा निधि में जमा किया गया था और कम्प्यूटर व्यय इसी निधि से किया गया। इस वर्ष से, कम्प्यूटर शुल्क को कम्प्यूटर निधि के बजाय शुल्क आय में जमा किया गया है और कंप्यूटर व्ययों को कम्प्यूटर शुल्क में से पूरा किया गया है।

तदनुसार, शुल्क आय 570.65 लाख रुपए जमा की गई और 109.38 लाख रुपये के कम्प्यूटर व्ययों को कंप्यूटर शुल्क से पूरा किया गया है।

इसके कारण, इस वर्ष आय और अधिशेष 461.27 लाख रुपए अधिक रहा है और निर्धारित निधि इसी सीमा तक कम है।

6.5 500/- रु. से कम की राशियाँ, जो पृथक रूप से दिखाई जानी चाहिए, वास्तविक रूप में कोष्टकों में दर्शायी गई हैं।

6.7 गत वर्ष की तदनुरूप राशियों को, वर्तमान वर्ष की राशियों के साथ तुलना करने के लिए जहाँ कहीं आवश्यक था, पुनर्वर्गीकृत/पुनर्व्यवस्थित किया गया है।

दिनांक : 25 जून, 2015

इस दिनांक तक हमारी रिपोर्ट के अनुसार

| | | | |
|---|---|---|---|
| हस्ताक्षरित/- | हस्ताक्षरित/- | हस्ताक्षरित/- | हस्ताक्षरित/- |
| नीना बदलानी | मनोज भट्ट | आशीष नंदा | वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारी (व्यय) |
| ग्रुप प्रधान (वित्त एवं लेखा) | मुख्य प्रशासनिक अधिकारी | निदेशक | |

## 31 मार्च, 2015 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्तियाँ एवं भुगतान

( रु. लाखों में)

| | प्राप्तियाँ | 2014-15 | 2013-14 | | भुगतान | 2014-15 | 2013-14 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1.1 | प्रारंभिक शेष | | | 2.1 | भुगतान के लिए नियत | | |
| 1 | प्राप्त नकद | 0.25 | 0.25 | 1 | स्थापना व्यय | 4,245.93 | 4,335.98 |
| 2 | बैंक शेष | | | 2 | प्रशासनिक व्यय | 1,785.03 | 1,465.58 |
| | - वर्तमान खातों में | 455.23 | 562.42 | 3 | दीर्घ अवधि के कार्यक्रम के व्यय | 3,320.57 | 3,073.01 |
| | - बचत खातों में | 161.32 | 282.29 | | | 9,351.53 | 8,874.57 |
| | - जमा खातों में | 22,212.99 | 16,174.05 | | | | |
| 3 | फ्रेंकिंग अग्रिम | 0.14 | 0.19 | 2.2 | विभिन्न निधियों में किये गए भुगतान | | |
| | | 22,829.93 | 17,019.20 | 1 | परियोजना/ कार्यक्रम | 4,347.69 | 2,879.94 |
| | | | | 2 | शैक्षणिक क्रियाकलाप | 204.19 | 175.11 |
| 1.2 | प्राप्त ब्याज | | | 3 | छात्र अनुदान | 165.80 | 88.49 |
| 1 | निवेशों पर | 2,612.00 | 9,514.92 | 4 | संकाय एवं स्टाफ विकास निधि | 95.42 | 63.09 |
| 2 | बचत बैंक खाते पर | 29.47 | 1.41 | 5 | सीआईआई निधि | 34.54 | 123.83 |
| 3 | ऋणों, अग्रिमों आदि पर | 4.73 | 5.68 | 6 | परिसर एवं अवसंरचना विकास निधि | 10.54 | - |
| | | 2,646.20 | 9,522.01 | | | 4,858.18 | 3,330.46 |
| 1.3 | प्राप्त अनुदान | | | | | | |
| 1 | सीआईआई अनुदान | 21.15 | - | 2.3 | निवेश (कुल) | 9,258.85 | 6,788.94 |
| 3 | एफ पी एम कार्यक्रम के लिए निधि | 133.13 | - | | | | |
| 4 | भारत सरकार द्वारा सीएमए निधि | 8.59 | 190.00 | 2.4 | नियत परिसम्पत्तियों की खरीद | 359.42 | 416.70 |
| | | 162.87 | 190.00 | | | | |
| 1.4 | प्राप्त अन्य आय | | | 2.5 | वस्तुसूची में परिवर्तन | 5.01 | - |
| 1 | शुल्क | 9,937.32 | 9,117.98 | | | | |
| 2 | परियोजना/कार्यक्रम/सेवाएँ | 7,699.76 | 4,552.19 | 2.6 | ऋण एवं अग्रिम | | |
| 3 | परिसम्पत्तियों की बिक्री | 3.69 | 22.93 | 1 | सांविधिक बकाया | 70.76 | 78.45 |
| 4 | दान | 2,500.89 | 135.77 | 2 | प्राप्य टीडीएस | 498.43 | 335.64 |
| 5 | विविध प्राप्तियाँ | 1,478.44 | 958.52 | 3 | ऋण एवं अग्रिम | 57.71 | - |
| 6 | सीआईआई निधि से आय | 3.78 | 4.71 | 4 | केन्द्रीय वेट | 33.20 | - |
| 7 | कम्प्यूटर सेंटर प्राप्तियाँ | 1.20 | 514.39 | 5 | जमाओं का भुगतान | 63.35 | 5.37 |
| 8 | शैक्षणिक क्रियाकलापों से प्राप्ति | 295.37 | 196.33 | | | 723.45 | 419.46 |
| 9 | छात्र सहायता निधि | 91.51 | 79.06 | | | | |
| 10 | आईआईएम सोसायटी सदस्यता शुल्क | 7.50 | - | 2.7 | वर्तमान देयताओं में परिवर्तन | | |
| 11 | संकाय, अधिकारी और स्टाफ विकास एवं कल्याण निधि | 126.12 | 42.51 | 1 | परियोजना/कार्यक्रम एवं अन्य देयताएँ | 1,120.73 | 158.58 |
| | | 22,145.58 | 15,624.39 | 2 | प्रतिभूति जमा | 0.09 | - |
| | | | | | | 1,120.82 | 158.58 |
| 1.5 | वर्तमान परिसम्पत्तियों में परिवर्तन | | | | | | |
| 1 | वस्तुसूची में परिवर्तन | - | 3.01 | 2.8 | अंतिम शेष | | |
| 2 | ऋण एवं अग्रिम | - | 353.76 | 1 | प्राप्त नकद | 0.25 | 0.25 |
| 3 | सांविधिक बकाया राशि | 112.15 | 70.76 | 2 | बैंक शेष | | |
| 4 | केन्द्रीय वेट | - | 34.11 | | - वर्तमान खातों में | 685.85 | 455.23 |
| 5 | प्रतिभूति जमा | - | 1.40 | | - बचत खातों में | 309.21 | 161.32 |
| | | 112.15 | 463.04 | | - जमा खातों में | 21,224.15 | 22,212.99 |
| | | | | 3 | फ्रेंकिंग अग्रिम | 0.01 | 0.14 |
| | | | | | | 22,219.47 | 22,829.93 |
| | कुल | 47,896.73 | 42,818.64 | | **कुल** | 47,896.73 | 42,818.64 |

दिनांक : 25 जून, 2015

इस दिनांक तक हमारी रिपोर्ट के अनुसार

| | | | |
|---|---|---|---|
| हस्ताक्षरित/- | हस्ताक्षरित/- | हस्ताक्षरित/- | हस्ताक्षरित/- |
| नीना बदलानी | मनोज भट्ट | आशीष नंदा | वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारी (व्यय) |
| ग्रुप प्रधान (वित्त एवं लेखा) | मुख्य प्रशासनिक अधिकारी | निदेशक | |

## स्वर्ण पदक विजेता 1966 से 2015 तक

**1966**
- दिवान अरुण नंदा
- सी. के. प्रह्लाद
- लक्ष्मी प्रसाद वेपा

**1967**
- विजय भार्गव
- जयंत कुमार डे

**1968**
- जोह्न सायस केमिलस
- ग्रेम्मा कस्तूरी जयरामन
- बीजी के. कुरियन
- रवि वी. सारथी

**1969**
- पृथ्वी नाथ शेठ
- एम. जी. सुब्रामणियम
- वीरराघवन वी.
- वेणुगोपाल एस.

**1970**
- टी. के. बालाजी
- भरतकुमार जे. मेहता
- पॉल माम्पिल्ली
- अशोक केवलचन्द वोरा

**1971**
- हर किशन लाल अग्रवाल
- प्रदीप कुमार भार्गव
- अरुण पी. पांडे
- ऑड्री इग्नेशियस रेबेलो

**1972**
- वेनबक्कम एस. कृष्णन
- एस. रामकृष्णन
- एस. उमापति
- विजय सागर

**1973**
- सुदिप्तो भट्टाचार्य
- कृष्णास्वामी मोहन
- विलास के. रजवाड़े
- उत्पल सेन गुप्ता

**1974**
- राजीव बर्मन
- जनार्दनमोहन जी. राव
- रवि आर.
- एस. रविचन्द्रन

**1975**
- आर. बालगंगाधरन
- एस. बालासुब्रामणियन
- राज कुमार साह
- श्रीधर एस.

**1976**
- गौतम चक्रवर्ती
- श्रीकान्त पी. पांडे
- रीटा मोहन
- सुधर कृष्णमूर्ति

**1977**
- मनविन्दर सिंह बंगा
- लक्ष्मी चंद भंडारी
- हेमन्त शाह
- बी. रामास्वामी (एसपीए)

**1978**
- बी. अनन्तराम
- श्रीकान्त माधव दातार
- संदीप माथुर
- वसन्त प्रकाश गाँधी (एसपीए)

**1979**
- श्री के. चन्द्रशेखर
- मेहर करण सिंह
- विजय श्रीरंगन

**1980**
- संजय भार्गव
- विपुल प्रसाद जैन
- श्रीधर शेषाद्री

**1981**
- आलोक अग्रवाल
- राजीव कपूर
- विजय महाजन
- वी. एस. सीताराम

**1982**
- जगमोहन सिंह राजू
- शशि कान्त सचदेवा
- जयन्त राम वर्मा

**1983**
- प्रकाश मिरचन्दानी
- आशिष नन्दा
- रामकुमार एस.
- सुरेश मदान (एसपीए)

**1984**
- सुनील गुलाटी
- पप्पू जगदीश राव

**1985**
- हर्ष लाल
- कादम्बी पी. जनार्दन
- श्रीनाथ मुखर्जी

**1986**
- अनिल आहूजा
- राजीव आहूजा
- देविना मेहरा

**1987**
- हरीश आर. भाट
- वेंकटेश नरसियाह
- रघुराम जी. राजन

**1988**
- राजीव अग्रवाल
- संजय गुप्ता
- सौरभ गर्ग

**1989**
- आर. सुब्रामणियन
- के. आर. एस. जामवाल
- सचित जैन

**1990**
- विपिन गुप्ता
- मोनिष कुमार
- मिलिंद शहाणे

**1991**
- अग्रवाल विजय
- एस. नागराजन

**1992**
- चेतनकुमार बी. शाह
- संजीव छाबरा
- विवेक रस्तोगी

**1993**
- संजय कुमार जैन
- गौतम कुमरा
- रोहित चटर्जी

**1994**
- हृषिकेश बी. परान्देकर
- एस. रमेश
- आनंद संघी

**1995**
- आशुतोष पाढ़ी
- नितिन मल्हान
- संजय पुरोहित

**1996**
- समित ए. पारेख
- भुपेन्दर सिंह
- पूर्वा इन्दुरकर

**1997**
- राजीव ई. के.
- रजत भार्गव
- संदीप गुप्ता

**1998**
- सुमत राजपाल
- अविनाश अग्रवाल
- विपुल बंसल

**1999**
- अमित बोरडिया
- अनुपम मोर्टिन्स
- प्रशांत

**2000**
- प्रियंका अरोडा
- सुरेन्द्र कुमार जैन
- शिशिर आर. मांकड

**2001**
- कृष्णा वाय. एस. आर.
- भारद्वाज वी. टी.
- आनंद श्रीधरन

**2002**
- विकास गुप्ता
- मणिकन्दन नटराजन
- मोहित खुराना
- सुमन एन थॉमस (पीजीपी-एबीएम)

**2003**
- अमर मखीजा
- रामनाथ बालासुब्रामणियन
- नितिन दहिया
- रामप्रसाद बी. के. (पीजीपी-एबीएम)

**2004**
- मुकुंदन डी.
- जी. वी. रविशंकर
- के. एन. रामगणेश
- ध्रुव ज्योति बनर्जी (पीजीपी-एबीएम)

**2005**
- फिलिप टी. जेकब
- मनोज गुप्ता
- गौरव सहगल

**2006**
- कनिष सरीन
- विषय ग्रोवर
- अंकुर साबू
- अमित जानी (पीजीपी-एबीएम)

**2007**
- मयंक रावत
- सुमित कुमार
- बाला वामसी ततवर्ती
- जेम्स बीसोन (पीजीपीए-क्स)

**2008**
- कपिल मोदी
- जी. अर्जुन
- प्रतीक जैन
- सहलीन गर्ग (पीजीपीए-क्स)
- सैयद अली मुर्तज़ा रिज़वी (पीजीपी-पीएमपी)

**2009**
- गगनदीप सिंह
- अभिषेक वर्मा
- इशांत गोयल
- सौरी गुदलावालेत्ती (पीजीपीएक्स)
- राकेश रंजन (पीएमपी)

**2010**
- सम्राट अशोक लाल
- रोहन चौधरी
- हिमांशु शर्मा
- विनोद कुमार रामचन्द्रन (पीजीपीएक्स)
- संजीत कुमार पांडे (पीजीपी-पीएमपी)

**2011**
- श्री जयदीप शंकर जगन्नाथन
- श्री मयंक कुकरेजा
- श्री मोहित गर्ग
- श्री राहुल (पीजीपीएक्स)

**2012**
- श्री गौरव जगदीश सिंघल
- श्री नेहुल मल्होत्रा
- श्री आदित्य खंडेलिया
- श्री शिवराम रामाकृष्णन (पीजीपीएक्स)

**2013**
- निखिल अग्रवाल
- अनिकेत तलवाई
- सुमित सोमानी
- शशांक राठी (पीजीपी-एबीएम)
- आदित्य बंसल (पीजीपीएक्स)

**2014**
- हेमंत ओमप्रकाश मूंदड़ा
- संचित बंसल
- प्रशांत सरकार
- आदित्य किरण परांजपे (पीजीपीएक्स)

**2015**
- अग्रवाल राहुल सतीश
- रक्षित यू. अग्रवाल
- अभिनव गुप्ता
- सिद्धार्थ अग्रवाल (पीजीपी-एबीएम)
- अंशुल श्रीवास्तव (पीजीपीएक्स)

## दीक्षान्त समारोह में मुख्य अतिथिगण

1966 श्री एम. सी. चागला
1967 डॉ. विक्रम साराभाई
1968 श्रीमती इन्दिरा गाँधी
1969 डॉ. करन सिंह
1970 श्री एल. के. झा
1971 श्री धर्म वीर
1972 श्री सी. सुब्रामणियम
1973 श्री डी.पी. धर
1974 प्रोफेसर नुरुल हसन
1975 श्री टी.ए. पाई
1976 डॉ. वी. एम. दंडेकर
1977 श्री एम.एस. स्वामीनाथन
1978 श्री एच. एम. पटेल
1979 श्री वी. जी. राजाध्यक्ष
1980 जस्टिस श्री एम. हिदायतुल्लाह
1981 श्री केशुब महिन्द्रा
1982 श्रीमती शारदा मुखर्जी
1983 श्री नानी पालखीवाला
1984 श्री पी.एल. टंडन
1985 श्री के. सी. पंत
1986 श्री हितेन भाया
1987 डॉ. राजा रमन्ना
1988 श्री वी. कुरियन
1989 श्री ए.एस. गांगुली
1990 श्री रुसी मोदी
1991 श्री सरुप सिंह
1992 श्री राजमोहन गाँधी
1993 श्री पी. वी. नरसिम्हा राव
1994 डॉ. मनमोहन सिंह
1995 श्री सेम पित्रोडा
1996 श्री ए. एम. एहमदी
1997 श्री अदी गोदरेज
1998 श्री विक्रम लाल
1999 श्री के. बी. दादीशेठ
2000 श्री आर. के. लक्ष्मण
2001 डॉ. देश देशपांडे
2002 श्री अज़ीम प्रेमजी
2003 डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम
2004 डॉ. बिमल जालान
2005 श्री रघुराम राजन
2006 श्री एम. एस. बंगा
2007 श्री पी. चिदम्बरम्
2008 श्री मोंटेक सिंह अहलुवालिया
2009 श्री दीपक पारेख
2010 डॉ. सी. रंगराजन
2011 डॉ. मनमोहन सिंह
2012 श्री के. वी. कामथ
2013 श्री एल. एन. मित्तल
2014 श्री आनंद महिन्द्रा
2015 श्री अजय बंगा